



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

8 कार्तिक 1939 (श०)

(सं० पटना 1007) पटना, सोमवार, 30 अक्टूबर 2017

बिहार लोक सेवा आयोग

अधिसूचना

23 अक्टूबर 2017

सं० 7'ए' / स०प्र०प०-01-01/2017-1854 / लो०से०आ०—बिहार असैनिक सेवा एवं राज्य की अन्य सेवाओं में नियुक्त हेतु बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 60वीं से 62वीं सम्मिलित संयुक्त प्रारम्भिक एवं मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा तथा आयोग द्वारा भविष्य में आयोजित की जानेवाली संयुक्त प्रतियोगिता प्रारम्भिक एवं मुख्य प्रतियोगिता की संरचना एवम् पाठ्यक्रम के संशोधन से संबंधित प्रस्ताव आयोग के पत्रांक-462, दिनांक 12.05.2016 द्वारा राज्य सरकार की स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया था। आदेश के उक्त प्रस्ताव पर सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार सरकार के पत्रांक-21/बी०पी०एस०सी०-20/2016, सा०प्र०-9698 दिनांक 14.07.2016 द्वारा सरकार की स्वीकृति संसूचित की गयी है। तदालोक में 60वीं से 62वीं सम्मिलित संयुक्त प्रतियोगिता प्रारम्भिक परीक्षा तथा मुख्य परीक्षा एवं भविष्य में आयोजित की जानेवाली संयुक्त प्रतियोगिता प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा की संरचना तथा पाठ्यक्रम संशोधित किया जाता है।

अध्यक्ष के आदेश से,

(ह०)—अस्पष्ट,

सचिव।

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा संचालित 60वीं से 62वीं सम्मिलित संयुक्त प्रतियोगिता प्रारम्भिक परीक्षा तथा मुख्य परीक्षा एवं भविष्य में आयोजित की जानेवाली संयुक्त प्रतियोगिता प्रारम्भिक परीक्षा तथा मुख्य परीक्षा की अद्यतन संशोधित संरचना एवम् अद्यतन संशोधित पाठ्यक्रम।
(पाठ्यक्रम को थोड़ा-बहुत संशोधित किया जा सकता है)

भाग— 1

प्रारम्भिक परीक्षा

प्रारम्भिक परीक्षा दो घण्टों की होगी, जिसमें सामान्य अध्ययन का एक पत्र 150 (एक सौ पचास) अंकों का होगा। प्रश्न पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में होंगे।

प्रारम्भिक परीक्षा के सामान्य अध्ययन पत्र के प्रश्न—पत्र वस्तुनिष्ठ एवम् बहुविकल्प प्रकार के होंगे।

उम्मीदवार वस्तुपूरक प्रश्न—पत्रों (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिये कैलकुलेटर का प्रयोग नहीं कर सकते हैं।

प्रारम्भिक परीक्षा महज जाँच परीक्षा होगी, जिसके आधार पर मुख्य परीक्षा हेतु उम्मीदवारों का चयन किया जायेगा। अतः इसमें प्राप्त किये गये अंकों का मुख्य परीक्षा से कोई संबंध नहीं होगा। इसमें उत्तीर्णता अनिवार्य होगी और इसके लिए आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम अर्हतांक प्राप्त करना होगा। मुख्य परीक्षा के लिए चुने जाने वाले उम्मीदवारों की संख्या कुल संसूचित रिक्तियों की दस गुनी होगी।

प्रारम्भिक परीक्षा के प्राप्तांकों के जोड़ की शुद्धता जाँच कराने एवं इसके प्राप्तांक निर्गत करने का प्रावधान नहीं है।

भाग— 2

मुख्य परीक्षा

मुख्य परीक्षा के अनिवार्य विषय

विषय कोड	विषय	पूर्णांक	परीक्षा की अवधि
01	सामान्य हिन्दी	100 अंक का	03 घंटे की होगी।
02	सामान्य अध्ययन— पत्र— 1	300 अंक का	03 घंटे की होगी।
03	सामान्य अध्ययन— पत्र —2	300 अंक का	03 घंटे की होगी।

सामान्य हिन्दी में 30 प्रतिशत लब्धांक (अंक) प्राप्त करना अनिवार्य होगा, किन्तु मेधा निर्धारण के प्रयोजनार्थ इसकी गणना नहीं की जायेगी।

टिप्पणी:-ऐच्छिक विषयों का मानक लगभग वही होगा, जो पटना विश्वविद्यालय के तीन वर्षीय ऑनर्स परीक्षा का है।

ऐच्छिक विषय— प्रत्येक विषय 300 अंक का

प्रत्येक अभ्यर्थी को निम्नांकित वैकल्पिक विषयों के विषय कोड— 04 से विषय कोड— 37 तक में से मात्र एक वैकल्पिक विषय का चयन करना होगा, जिसमें पूर्व के दोनों पत्रों के पाठ्यक्रमों (Syllabus) को मिलाकर 300 अंकों का मात्र एक ही प्रश्न—पत्र होगा एवम् परीक्षा की अवधि 03 घंटे की होगी।

विषय कोड	विषय	विषय कोड	विषय
04	कृषि विज्ञान	05	पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान
06	मानव विज्ञान	07	वनस्पति विज्ञान
08	रसायन विज्ञान	09	सिविल इंजीनियरिंग
10	वाणिज्यिक शास्त्र तथा लेखा विधि	11	अर्थशास्त्र
12	विद्युत इंजीनियरिंग	13	भूगोल
14	भू-विज्ञान	15	इतिहास
16	श्रम एवं समाज कल्याण	17	विधि
18	प्रबन्ध	19	गणित

विषय कोड	विषय	विषय कोड	विषय
20	यांत्रिक इंजीनियरिंग	21	दर्शन शास्त्र
22	भौतिकी	23	राजनीति विज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध
24	मनोविज्ञान	25	लोक प्रशासन
26	समाज शास्त्र	27	सांख्यिकी
28	प्राणी विज्ञान	29	हिन्दी भाषा और साहित्य
30	अंग्रेजी भाषा और साहित्य	31	उर्दू भाषा और साहित्य
32	बंगला भाषा और साहित्य	33	संस्कृत भाषा और साहित्य
34	फारसी भाषा और साहित्य	35	अरबी भाषा और साहित्य
36	पाली भाषा और साहित्य	37	मैथिली भाषा और साहित्य

टिप्पणी:-

- (1) प्रश्न—पत्र हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में होंगे।
- (2) सभी भाषेतर विषयों के उत्तर हिन्दी या अंग्रेजी या उर्दू में से किसी एक ही भाषा में दिये जा सकते हैं। उम्मीदवारों को अन्य भाषा में उत्तर देने की छूट नहीं होगी।
- (3) प्रश्न पत्रों के उत्तर देने का विकल्प लेने वाले उम्मीदवार यदि चाहें तो केवल तकनीकी शब्दों/वाक्यांशों/उद्घृत अंशों का यदि कोई है, विवरण का उनके द्वारा चुनी गई भाषा के साथ अंग्रेजी रूपान्तर दे सकते हैं।
- (4) उम्मीदवार को अपने प्रश्न—पत्र के उत्तर स्वयं अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी परिस्थिति में इसके लिये दूसरे से सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- (5) परीक्षा के सभी विषयों में कम—से—कम शब्दों में की गई संगठित, सूक्ष्म और सशक्त अभिव्यक्ति को श्रेय मिलेगा।
- (6) प्रश्न—पत्रों में जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, माप तौल से सम्बद्ध प्रश्न मीटरी प्रणाली में होंगे।
- (7) उम्मीदवार प्रश्न पत्रों के उत्तर देते समय केवल भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (जैसे— 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9) का ही प्रयोग करें।
- (8) उम्मीदवार यदि चाहें तो मुख्य परीक्षा में कैलकुलेटर का प्रयोग कर सकते हैं। परीक्षा में किसी से कैलकुलेटर माँगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

भाग— 3

व्यक्तित्व परीक्षण

- (1) मुख्य परीक्षा में सफलीभूत उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण 120 अंकों का होगा।
- (2) तदुपरांत मुख्य परीक्षा के 900 अंक एवम् साक्षात्कार के लिए 120 अंक; कुल 1020 अंकों के आधार पर मेधा सूची तैयार की जायेगी।
- (3) आयोग सफल उम्मीदवार को उनमें से किसी भी सेवा या पद के लिये अनुशंसित करने का अधिकार रखता है, जिसके लिए उम्मीदवार ने इच्छा प्रकट की है तथा जिसके लिये आयोग उसे योग्य समझता है।

प्रारम्भिक परीक्षा का पाठ्यक्रम

सामान्य अध्ययन

इस पत्र में ज्ञान विज्ञान के निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित प्रश्न होंगे:-

सामान्य विज्ञान:- राष्ट्रीय तथा सामान्य विज्ञान, अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की समसामयिक घटनाएं, भारत का इतिहास तथा बिहार के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ।

सामान्य भूगोल:- बिहार के प्रमुख भौगोलिक प्रभाग तथा यहाँ की महत्वपूर्ण नदियाँ, भारत की राज्य व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था, आजादी के पश्चात् बिहार की अर्थव्यवस्था के प्रमुख परिवर्तन, भारत का राष्ट्रीय आंदोलन तथा इसमें बिहार का योगदान।

सामान्य मानसिक योग्यता को जाँचने वाला प्रश्न

सामान्य विज्ञान के अन्तर्गत दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से संबंधित विषयों सहित विज्ञान की सामान्य जानकारी तथा परिबोध पर ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसकी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है। इतिहास के अन्तर्गत विषय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में विषय की सामान्य जानकारी पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे बिहार के इतिहास की मुख्य घटनाओं से परिचित होंगे। भूगोल विषय में “भारत तथा बिहार” के भूगोल पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। “भारत तथा बिहार का भूगोल” के अन्तर्गत देश के सामाजिक तथा आर्थिक भूगोल से संबंधित प्रश्न होंगे, जिनमें भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक साधनों की प्रमुख विशेषताएँ सम्मिलित होंगी। भारत की राज्य व्यवस्था और आर्थिक व्यवस्था के अन्तर्गत देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास तथा भारतीय योजना (बिहार के संदर्भ में भी) सम्बन्धी जानकारी का परीक्षण किया जायेगा। “भारत के राष्ट्रीय आंदोलन” के अन्तर्गत उन्नीसवीं शताब्दी के पुनरुत्थान के स्वरूप और स्वभाव, राष्ट्रीयता का विकास तथा स्वतंत्रता प्राप्ति से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका पर पूछे गए प्रश्नों के भी उत्तर दें।

मुख्य परीक्षा

परीक्षा के लिये मानक एवं पाठ्यक्रम की विवरणी

अनिवार्य विषय

01. सामान्य हिन्दी

इस पत्र में प्रश्न बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यमिक (सेकेण्डरी) स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिन्दी में अपने भावों को स्पष्टतः एवं शुद्ध-शुद्ध रूप में व्यक्त करने की क्षमता और सहज बोध शक्ति की जाँच समझी जायेगी। अंकों का विवरण निम्न प्रकार होगा:-

निबन्ध	-	30 अंक
व्याकरण	-	30 अंक
वाक्य विन्यास	-	25 अंक
संक्षेपण	-	15 अंक

सामान्य अध्ययन

सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र “1” और प्रश्न पत्र “2” के भाग के निम्नलिखित क्षेत्र होंगे:-

02. सामान्य अध्ययन— पत्र 1

- भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति।
- राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का वर्तमान घटना चक्र।
- सांख्यिकी विश्लेषण आरेखन और चित्रण।

03. सामान्य अध्ययन— पत्र 2

- भारतीय राज्य व्यवस्था।
- भारतीय अर्थ व्यवस्था और भारत का भूगोल।
- भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका और प्रभाव।

पत्र-1 में आधुनिक भारत (तथा बिहार के विशेष सन्दर्भ में) के इतिहास और भारतीय संस्कृति के अन्तर्गत लगभग उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य भाग से लेकर देश के इतिहास की रूप रेखा के साथ—साथ गाँधी, रवीन्द्र और नेहरू से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे। बिहार के आधुनिक इतिहास के संदर्भ में प्रश्न इस क्षेत्र में पाश्चात्य शिक्षा (प्रौद्योगिकी शिक्षा समेत) के आरम्भ और विकास से पूछे जाएंगे। इसमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बिहार की भूमिका से संबंधित प्रश्न रहेंगे। ये प्रश्न मुख्यतः संथाल विद्रोह, बिहार में 1857 विरसा का आन्दोलन, चम्पारण सत्याग्रह तथा 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन से पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे मौर्य काल तथा पाल काल की कला और पटना कलम चित्रकला की मुख्य विशेषताओं से परिचित होंगे। सांख्यिकीय विश्लेषण आरेखन और सचित्र निरूपण से संबंधित विषयों में सांख्यिकीय आरेखन या चित्रात्मक रूप से प्रस्तुत सामग्री की जानकारी के आधार पर सहज बुद्धि का प्रयोग करते हुए कुछ निष्कर्ष निकालना और उसमें पाई गई कमियों, सीमाओं और असंगतियों का निरूपण करने की क्षमता की परीक्षा होगी।

पत्र-2 में भारतीय राज्य व्यवस्था से संबंधित खंड में भारत की (तथा बिहार की) राजनीतिक व्यवस्था से संबंधित प्रश्न होंगे। भारतीय अर्थ व्यवस्था और भारत तथा बिहार के भूगोल से संबंधित खंड में भारत की योजना और भारत के भौतिक, आर्थिक और सामाजिक भूगोल से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। भारत के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व और प्रभाव से संबंधित तीसरे खंड में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे, जो भारत तथा बिहार में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में उम्मीदवार की जानकारी की परीक्षा करें। इनमें प्रायोगिक पक्ष पर बल दिया जाएगा।

ऐच्छिक विषय

04. कृषि

खण्ड—I (Section- I)

परिस्थिति विज्ञान और मानव के लिये उसकी प्रासंगिकता, प्राकृतिक संसाधन, उनका प्रबंधन तथा संरक्षण। फसलों के उत्पादन और वितरण के कारक—तत्त्व, भौतिक और सामाजिक वातावरण, फसल वृद्धि में जलवायु तत्वों का प्रभाव, फसल क्रम पर वातावरण सूचक के रूप में परिवर्तनशील वातावरण का प्रभाव। फसल, पशु और मानव पर प्रदूषित वातावरण का प्रभाव और संबंधित खतरे।

बिहार के कृषि जलवायु क्षेत्र, देश के विभिन्न कृषि—जलवायु क्षेत्रों में फसल क्रम; उत्तरी बिहार, दक्षिणी बिहार और छोटानागपुर पहाड़ी के विशिष्ट सन्दर्भ में बिहार में फसल क्रम में परिवर्तन पर अधिक पैदावार वाली और अल्पकालीन किस्मों का प्रभाव। बहुफसलीय प्रणाली, मिश्रित फसल प्रणाली, अनुपद और अन्तर फसल प्रणाली की संकल्पना तथा खाद्य उत्पादन में उनका महत्व देश के विभिन्न क्षेत्रों में खरीफ और रबी मौसमों में मुख्य अनाज, दलहन, तेलहन, रेशा, शर्करा तथा व्यावसायिक फसलों के उत्पादन की संवेष्टन रीतियों। बिहार की मुख्य मसाला फसलें—मिर्च, अदरख, हल्दी और धनियाँ।

वनों के प्रसार, सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी एवं प्राकृतिक वन, जैसे—वन रोपण की विभिन्न विधियों की मुख्य विशेषताएँ, सम्भावना और प्रचार।

खर—पतवार, उनकी विशेषताएँ, प्रसारण तथा विभिन्न फसलों के साथ सहवास, गुणन, समन्वित खर—पतवार नियंत्रण संवर्धनिक, जैविक तथा रासायनिक।

मृदा—निर्माण की प्रक्रिया तथा कारक, भारतीय मृदाओं का वर्गीकरण आधुनिक अवधारण सहित, बिहार की मृदा के प्रमुख प्रकार, मृदाओं के खनिज तथा कार्बनिक संरचनात्मक तत्व तथा मृदा की उत्पादकता बनाए रखने में उनकी भूमिका। समस्यात्मक मृदाएँ—भारत में उनका विस्तार तथा वितरण, मृदा लवणता, खारीयता और आम्लीयता की समस्या तथा उनका प्रबंधन। मृदा और पौधों के आवश्यक पोषक तथा अन्य लाभकारी तत्व, मिट्टी में उनके वितरण क्रिया और आवर्तन को प्रभावित करने वाले कारक। सहजीवी तथा असहजीवी नेत्रवन, स्थिरिकरण, मृदा उर्वरता के सिद्धांत तथा उचित उर्वरक प्रयोग के लिए उसका मूल्यांकन, जैविक उर्वरक, बिहार की टाल, दियारा और चौर भूमि की समस्या तथा ऐसी स्थिति में फसल प्रणाली।

जल विभाजन के आधार पर मृदा संरक्षण योजना, पहाड़ी, पद—पहाड़ी तथा घाटी जमीनों में अपरदन और अप्रवाह की सम्भावना, उनको प्रभावित करने वाली क्रियाएँ और कारक। वारानी कृषि और उससे संबंधित समस्याएँ, वर्षा प्रधान कृषि क्षेत्रों में उत्पादन में स्थिरता लाने की तकनीक।

शब्द उत्पादन से संबंधित जल उपयोग क्षमता, सिंचाई क्रम के आधारभूत, सिंचाई जल के अप्रवाह हानि को कम करने की विधियाँ। जलाक्रांत भूमि से जल निकास। बिहार के कृषि विकास में विभिन्न कमान्ड क्षेत्र विकास एजेंसी की भूमिका।

कृषि क्षेत्र प्रबंध विषय; क्षेत्र, महत्व तथा विशेषताएँ। कृषि क्षेत्र आयोजन और बजट, विभिन्न प्रकार की कृषि प्रणालियों की अर्थव्यवस्था।

कृषि निविष्टों और उत्पादों का विपणन और मूल्य निर्धारण, मूल्य उत्तार—चढ़ाव, कृषि प्रणाली के प्रकार और प्रभावित करने वाले कारक। बिहार के कृषि विकास में सहकारी विपणन और ऋण की भूमिका।

बिहार में विगत दो दशकों में कृषि उत्पादन की रूपरेखा। बिहार में भूमि सुधार की गति और कृषि उत्पादकता पर उनका प्रभाव।

कृषि प्रसार, महत्व तथा भूमिका, कृषि प्रसार कार्यक्रमों के मूल्यांकन की विधि, महत्वपूर्ण प्रसार, विधियाँ और प्रसार साधन, ग्रामीण नेतृत्व, सामाजिक अर्थिक सर्वेक्षण और बड़े, छोटे, सीमांत कृषकों, भूमिहीनों एवं श्रमिकों की स्थिति। कृषि यंत्रीकरण तथा ग्रामीण रोजगार और कृषि उत्पादन में इसकी भूमिका। कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रसार में गैर—सरकारी संगठनों की भूमिका।

खण्ड—II (Section- II)

बिहार में कृषि अनुसंधान और शिक्षा प्रणाली की उत्पत्ति और विकास।

मुख्य फसलों के सुधार में पौधा प्रजनन के सिद्धांतों का उपयोग, स्व और पर—परागित फसलों की प्रजनन विधियाँ। भूमिका, चयन, संकरीकरण, हेट रोसिस तथा उसका दोहन, नर—नपुंसकता और स्व असंगिता, उत्परिवर्तन और बहुगुणित का प्रजनन में भूमिका, जैव तकनीकी और ऊतक कल्वर का कृषि में उपयोग।

आनुवंशिकता और विभिन्नता, मेंडेल का आनुवंशिकता नियम, गुणसूत्री आनुवंशिकता के सिद्धांत, कोशिका द्रव्यी वंशागति, लिंग सहलगन, लिंग प्रभावित तथा लिंग सीमित गुण। स्वायत्त और प्रेरित उत्परिवर्तन, मात्रात्मक गुण।

बिहार की मुख्य फसलों की प्रमुख अनुशंसित किस्में। फसलों का उद्गम और भंगीकरण, खेतों में लगने वाले मुख्य प्रभेदों तथा उनसे संबंधित प्रजातियों की आकारगत विभिन्नता के स्वरूप, सस्य सुधार के कारक और इनमें विभिन्नता का उपयोग।

बीज प्रौद्योगिकी तथा इसका महत्व, फसली बीजों का उत्पादन, संसाधन और परीक्षण, उन्नत बीजों के उत्पादन, संसाधन और विपणन में राष्ट्रीय और बीज निगमों की भूमिका। पादप और कृषि विज्ञान में इसका महत्व, जीव व्रव का गुण, भौतिक और रासायनिक संगठन अंतःशोषण, पृष्ठतनाव, विसरण और परासरण। जल का अवशोषण और स्थानान्तरण, वाष्पोत्सर्जन और जल की मितव्यिता।

प्रविद्व और पादप रंजक, प्रकाश संश्लेषण—आधुनिक संकल्पनाएँ और इन क्रियाओं को प्रभावित करने वाले कारक, आकर्षी और अनाकर्षी श्वसन।

वृद्धि और विकास दीप्तकालिता और वसन्तीकरण, ऑक्सिन हारमोन और अन्य पादप नियामक, इनकी कार्य विधि और कृषि में महत्व।

बिहार के प्रमुख फलों, पौधों और सब्जियों की फसलों के लिए अपेक्षित जलवायु और इनकी खेती संवेदिता प्रथा समूह और इसका वैज्ञानिक आधार, फलों और सब्जियों को संभालने और बेचने की समस्याएँ, परिरक्षण की मुख्य विधियाँ, फलों और सब्जियों के सुख्य उत्पाद। प्रक्रियक तकनीक तथा इनके यंत्र, मानव पोषण में फलों और सब्जियों की भूमिका, द्रव्य और पुष्पवर्द्धन अलंकृत पौधों के वर्धन को मिलाकर। बाग—बर्गीयों का अभिकल्पन और रचना विन्यास।

बिहार के फसलों, सर्जी, फल का टिकावों और रोपी पौधों की बीमारियों और नाशक कीट, उनके कारक और नियंत्रण की विधियाँ। पादप रोगों के कारक और उनका वर्गीकरण, रोग नियंत्रण के सिद्धांत; जिसमें वहिष्करण, निर्मूलन, प्रतिरक्षीकरण और संरक्षण शामिल है। कीट और बीमारियों का जैविक नियंत्रण।

कीट एवं बीमारियों का समन्वित प्रबंध, कीटकनाशी और उनके सूत्र। पादप संरक्षण यंत्र, उनकी सावधानी और अनुरक्षण।

अनाज और दलहन के भण्डार में नाशक कीट, भण्डार गोदामों की स्वच्छता, परिरक्षण और सुधार उपाय। कीटनाशी उपयोग के खतरे और सुरक्षा उपाय।

बिहार में लाभदायक कीट के पालन की स्थिति और क्षेत्र, मधुमक्खी, रेशम कीट और लाह कीट। बिहार में धान एवम् मछली की खेती।

बिहार में लगातार बाढ़ और सूखे की आपदा और आक्रियक फसल योजना, भारत में सामान्यतया खाद्यान्न उत्पादन और उपभोग की प्रवृत्तियाँ, बिहार में विशेष रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खाद्य, भण्डारण, वितरण नीतियाँ, संसाधन और उत्पादन में अवरोध, राष्ट्रीय आहार पद्धति से कैलोरी खाद्य उत्पादन का संबंध, कैलोरी और प्रोटीन की कमी।

05. पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विज्ञान

खण्ड—I (Section-I)

1. पशु पोषाहार— ऊर्जा श्रोत, ऊर्जा उपापचयन तथा दुग्ध मांस, अण्डे और उनके अनुरक्षण और उत्पादन की आवश्यकताएँ। खाद्यों का ऊर्जा श्रोतों के रूप में मूल्यांकन।

- 1.1. **पोषण—** प्रोटीन में अग्रगत अध्ययन आवश्यकताओं के संदर्भ में प्रोटीन, उपापचयन तथा संश्लेषण, प्रोटीन मात्रा का गुणता के श्रोत। राशन में ऊर्जा प्रोटीन अनुपात।
- 1.2. आधारभूत खनिज पोषक तत्वों; विरल तत्वों सहित, स्त्री, कार्य प्रणाली आवश्यकताओं तथा इनमें पारस्परिक संबंध।
- 1.3. विटामिन, हारमोन तथा वृद्धि उद्दीपक पदार्थ श्रोत, कार्य प्रणाली आवश्यकताओं तथा खनिजों के साथ पारस्परिक संबंध।
- 1.4. अग्रगत रोमन्यों पोषण डेयरी पशु दुग्ध उत्पादन तथा इसके संगठन के संदर्भ में पोषक पदार्थ तथा उनके उपापचयन बछड़े। बछियों, शुष्क तथा दुधारू गायों तथा भैंसों के लिये पोषक पदार्थों की आवश्यकताएँ एवम् विभिन्न आहार प्रणालियों की सीमाएँ।
- 1.5. अग्रगत गैर-रोमन्यों पोषण—कुकुट, कुकुट मांस तथा अण्डों के उत्पादन के संदर्भ में पोषक पदार्थ तथा उनके उपापचयन। पोषक पदार्थों की आवश्यकताओं तथा आहार सूत्रण, विभिन्न आयु पर हम चूल्हा (Broilers)।
- 1.6. अग्रगत गैर रोमन्यों पोषण—शूकर वृद्धि तथा गुणात्मक मांस उत्पादन के विशेष संदर्भ में पोषक पदार्थ तथा उनका उपापचयन। शिशु बढ़ते हुए तथा अन्तिम चरणों के सुअरों के पोषक पदार्थों की आवश्यकताएँ और खाद्य सूत्ररन।
- 1.7. अग्रगत अनुप्रयुक्त पशु पोषाहार— आहार प्रयोगों, पाच्यता तथा सन्तुलन अध्ययन का समीक्षात्मक पुनरीक्षण। आहार मानक तथा आहार ऊर्जा के मानक। वृद्धि अनुरक्षण तथा उत्पादन की आवश्यकताएँ एवम् संतुलित राशन।

2. पशु शरीर क्रिया-विज्ञान:-

- 2.1. वृद्धि तथा पशु उत्पादन— प्रसव पूर्व तथा प्रसवोत्तर वृद्धि परिपक्व वृद्धि व वृद्धि के मापन। वृद्धि संरूपण, शरीर संरचना और मांस गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले कारक।
- 2.2. दुग्ध उत्पादन और पुनरुत्पादन और पाचन— स्तन्य विकास, दुग्ध स्वरण तथा दुग्ध निष्कासन, गाय व भैंसों के दुग्ध संगठन और हारमोनल नियंत्रण के बारे में वर्तमान स्थिति। नर और मादा जननेद्रियाँ, उनके अवयव एवम् कार्य। पाचन अंग और उनके कार्य।

2.3 वातावरणीय शरीर क्रिया विज्ञान— शरीर क्रियात्मक संबंध तथा उनके विनियम। अनुकूलन की क्रिया विधियाँ, पशु व्यवहार में पर्यावरणीय कारक तथा निबद्ध नियमक विधियाँ। जलवायवी प्रतिबल को नियंत्रित करने की प्रजातियाँ।

2.4 शुक्र गुणता, परिरक्षण तथा कृत्रिम वीर्य सेवन— शुक्र के उपांश, शुक्राणुओं की बनावट, निष्कासित शुक्र का रासायनिक तथा भौतिक गुण, बिल्बों और विट्रों में शुक्र भावी कारक है, शुक्र परिरक्षण, तनुकारियों की बनावट, शुक्र सान्द्रता, अनकृत शुक्र का परिवहन के प्रभावी कारक; गाय, भेंड और बकरियों, सूअरों तथा कुक्कुटों में अति हिमोकरण तकनीक।

3. पशुधन उत्पादन तथा प्रबन्ध

3.1 वाणिज्य डेयरी फार्मिंग— भारत के डेयरी फार्मिंग की अग्रगत देशों के साथ तुलना, मिश्रित कृषि के अधीन तथा एक विशिष्ट कृषि के रूप में डेयरी उद्योग, आर्थिक डेयरी फार्मिंग, डेयरी फार्म का आरम्भ करना, पूंजी तथा भूमि सम्बन्धी आवश्यकता, डेयरी फार्म का प्रबन्ध, माल की अवाप्ति, डेयरी फार्मिंग में अवसर, डेयरी पशु की कार्यक्षमता निश्चित करने के कारक, क्षुण्ण अधिलेखन, बजट बनाना, दुग्ध उत्पादन की लागत; मूल्य निर्धारण नीति, कार्मिक प्रबंधन।

3.2 डेयरी पशुओं की आहार सम्बन्धी पद्धतियाँ— डेयरी पशु के लिये व्यवाहारिक तथा आर्थिक राशन का विकास। पूरे वर्ष हरे चारे की पूर्ति। डेयरी फार्म के लिए आहार तथा चारे की आवश्यकताएँ, दिन में आहार प्रवृत्तियाँ और तरुण पशुधन तथा सांड, बछड़ियाँ और प्रजनन, पशु तरुण तथा वयस्क पशुधन की आहार सम्बन्धी नई प्रवृत्तियाँ, आहार रिकार्ड।

3.3 भेंड, बकरी, सूअर तथा कुक्कुट पालन सम्बन्धी सामान्य समस्याएँ।

3.4. सूखे की परिस्थितियों में पशु को आहार देना।

4. दुग्ध प्रौद्योगिकी—

4.1 ग्रामीण दुग्ध अवाप्ति के लिये संगठन। कच्चे दुग्ध का संग्रह तथा परिवहन।

4.2 कच्चे दुग्ध की गुणवत्ता, परीक्षण तथा श्रेणीकरण। दुग्ध का गुणात्मक संग्रहण, सम्पूर्ण दुग्ध, क्रीम उत्तरा दुग्ध तथा क्रीम की श्रेणियाँ।

4.3 निम्नलिखित दुग्धों का संसाधन, संघटन, संग्रहण, वितरण, विपणन, दोष और उनका नियंत्रण तथा पोषक गुण— पारम्परिक, मानकित, टोन्ड, उबल टोन्ड, विसकमनित, पुनर्निमित, पुनर्संशिलष्ट, भारित तथा सुगंधित दुग्ध।

4.4 किणिवत दुग्ध को बनाना, संवर्धन तथा प्रबंध, विटामिन “डी” पतला दही, अमलीकृत तथा अन्य विशिष्ट दुग्ध।

4.5 विधि मानक स्वच्छ सुरक्षित दुग्ध और दुग्ध संयंत्र के उपकरणों के लिये स्वच्छता सम्बन्धी आवश्यकताएँ।

खण्ड-II (Section- II)

आनुवंशिकी तथा पशु प्रजनन— मेन्डलीय आनुवंशिकता में सम्भाव्यता का अनुप्रयोग। डी वेमवर्ग का सिद्धांत। अन्तःप्रजनन तथा विषयमजता की संकल्पना और माप। मेलकाट के प्राचली आकलन तथा माप की तुलना में राइट का पैठ फिशर का प्राकृतिक चयन का प्रमेय बहुरूपता। अनेक जीन प्रणालियों तथा संत्रात्मक विशेषताओं की वंशागति। विभिन्नता के आकस्मिक घटक। जीव सांख्यिक प्रतिरूप तथा सम्बन्धियों के बीच पारस्परिक भिन्नताएँ। मात्रात्मक अनुवंशिकी विश्लेषण में रोग मूलक क्षमता प्रमेय का अनुप्रयोग। वंशानुगतित्व। पुनरावृति तथा चयन प्रति-रूप।

1.1 पशु प्रजनन में संख्या अनुवंशिकी का अनुप्रयोग— संख्या बनाम एकल, संख्या समूह तथा उनमें परिवर्तन लाने वाले कारक। जीन संख्या तथा फार्म पशुओं में उनका आकलन, जीन बारम्बारता और युगतनज बारम्बारता तथा उनमें परिवर्तन लाने वाली शक्तियाँ। विभिन्न परिस्थितियों में संतुलन के प्रति माध्यम व विभिन्नता का उपागम समालक्षणी विभिन्नता का उप-विभाजन। पशु संख्या में योगशील, अयोगशील अनुवंशिकी तथा वातावरणीक विभिन्नताओं का आकलन। मेन्डलइज्म तथा वंशागति का सम्मिश्रण। जाति, प्रगजातियों, नस्लों तथा अन्य उप-जाति समूहों के बीच अनुवंशिकी रूप की विभिन्नताएँ वर्ग तथा वर्ग विभिन्नताएँ आदि। सम्बन्धियों के बीच प्रतिरूपता।

1.2 प्रजनन प्रणालियों— वंशानुगतित्व वारावारित अनुवंशिकी तथा वातावरणीय सह-संबंध। पशु आंकड़ों की आकलन विधियाँ तथा उनकी परिशुद्धता का आकलन। सम्बन्धियों के बीच जीव सांख्यिकीय सम्बन्धों की समीक्षा। संग्राम प्रणालियाँ, अतःप्रजनन वहिर्प्रजनन तथा उनके उपयोग। समलक्षणीय प्रकीर्ण संगम। चयनों के लिये सहायक सूची। अनियमित संगम प्रणालियों में पशु संख्या की वंश संरचना। देहली विशेषक के लिये प्रजनन, चयन सूचक, इसकी परिशुद्धता। सामान्यतः तथा विशिष्ट संयोग क्षमता। प्रभावकारी प्रजनन योजनाओं का चयन।

वरण के विभिन्न प्रकार एवं प्रक्रियाएँ, उनकी प्रभाव क्षमतायें तथा परिसीमायें। वरन सूचकांक। भूतलक्षी दृष्टि से वरण की रचना। वरण द्वारा हुए लाभों का मूल्यांकन। पशु प्रयोगीकरण में परस्पर सम्बन्धी प्रक्रिया आनुवंशिक।

सामान्य तथा विशिष्ट संयोजन के प्राक्कलन हेतु उपागम। आईलेट, अंशिक डाईलेट, संकर अन्योन्य आवर्ती वरण, अन्तःप्रजनन तथा सकरण।

2. स्वास्थ्य और स्वच्छता— बल तथा मुर्गे का शरीर विज्ञान, उत्तक तकनीक, डिलीकरण, पेराफिन अन्तःरथापना आदि रक्त फिल्मों की तैयारी एवं अतिरंजन।

- 2.1 सामान्य ऊतक अभिरंजक गाय सम्बन्धी भ्रूण विज्ञान।
- 2.2 रक्त शरीर क्रिया विज्ञान तथा इसका परिसंचरण, श्वसन, मल विसर्जन, स्वास्थ्य और रोगियों में अन्तःस्रावी ग्रंथियाँ।
- 2.3 औषध विज्ञान तथा औषधियों से सम्बद्ध चिकित्सा शास्त्र का सामान्य ज्ञान।
- 2.4 जलवायु तथा आवास सम्बन्धी पशु स्वच्छता।
- 2.5 पशु तथा कुक्कुट में सबसे अधिक पायी जाने वाली बीमारियाँ, उनकी संक्रमण विधि, रोकथाम तथा उपचार आदि। असंक्राम्यता। पशु चिकित्सा के विधि शास्त्र में मांस निरीक्षण के सामान्य सिद्धांत तथा समस्याएँ।
- 2.6 दुग्ध स्वच्छता।

3. दुग्ध उत्पाद प्रौद्योगिकी। कच्चे माल का चयन, एकत्र करना, उत्पादन संसाधन, संग्रहण, दुग्ध उत्पाद का वितरण तथा विपणन; जैसे— मक्खन, घी, खोआ, छेना एवम् पनीर से संबंधित वाष्पित शुष्क दुग्ध तथा शिशु भोज्य, आईसक्रीम व कुल्फी, उपोत्पाद पनीर जल, उत्पाद, वटरमिल्क, लेक्टोज तथा केसीन, दुग्ध उत्पादों का परीक्षण, क्षेत्रीकरण तथा निर्णय, आई.एस.आई. तथा एगमार्क विनिर्देश वैध मानक, गुणवत्ता नियंत्रण पोषाहारी विशेषताएँ। संवेष्टन, संसाधन तथा संक्रियात्मक नियंत्रण लागत।

4. मांस स्वच्छता।
 - 4.1 पशुओं से मनुष्य में संचरण होने वाले प्राणीरूजा रोग।
 - 4.2 बूचड़खाने में आदर्श स्वास्थ्यकर स्थितियों में उत्पादित मांस के लिये चिकित्सकों का कर्तव्य व भूमिका।
 - 4.3 बूचड़खाने के उपोत्पाद तथा उनका आर्थिक उपयोग।
 - 4.4 औषध हार्मोन ग्रंथियों के संग्रहण, परिक्षय और संसाधन की विधियाँ।
5. विस्तार
 - 5.1 विस्तार ग्रामीण स्थितियों में कृषकों को शिक्षित करने के लिए विभिन्न शिक्षा विधियाँ।
 - 5.2 मृत पशुओं का लाभदायक उपयोग, विस्तार, शिक्षा आदि।
 - 5.3 द्राईसेम की परिभाषा— ग्रामीण परिस्थितियों में शिक्षित युवकों के लिए स्वतः रोजगार की सम्भावनाएँ तथा पद्धतियाँ।
 - 5.4 स्थानीय पशुओं को उन्नत स्तर का बनाने के लिए संकर प्रजनन, एक प्रक्रिया।

06. मानव विज्ञान

खण्ड— 1, खण्ड— 2 एवम् खण्ड— 3 के लिए (प्रत्येक के लिए) 100—100 अंक निर्धारित है।

खण्ड 1 तथा 3 अनिवार्य है, उम्मीदवार खण्ड— 2 (क) और खण्ड— 2 (ख) में से किसी एक को चुन सकते हैं।

खण्ड—I (Section- I)

मानव विज्ञान का आधार

- (i) मानव विज्ञान का अर्थ तथा क्षेत्र और उसकी मुख्य शाखाएँ:— (1) सामाजिक— सांस्कृतिक मानव विज्ञान (2) भौतिक मानव विज्ञान (3) पुरातत्व मानव विज्ञान (4) भाषिक मानव विज्ञान (5) व्यावहारिक मानव विज्ञान।
- (ii) समुदाय एवं सामाजिक संस्थाएँ, समूह और संघ सांस्कृतिक और सम्बन्धित टोली और जनजातियाँ।
- (iii) विवाह— सामान्य परिभाषा की समस्याएँ; “कौटुंबिक व्यभिचार तथा निषिद्ध वर्ग” विवाह के अधिमान्य स्वरूप, वधु मूल्य परिवार, मानव समाज की आधारशिला के रूप में सार्वभौमिकता और परिवार, परिवार के कार्य, परिवार के विविध स्वरूप, मूल परिवार, विस्तृत परिवार, संयुक्त परिवार आदि परिवार में स्थायित्व और परिवर्तन।
- (iv) नातेदारी— अनुवंशक्रम, आवास, वैवाहिक नातेदारी सम्बन्ध और नातेदारी व्यवहार और गोत्र।
- (v) आर्थिक मानव विज्ञान— अर्थ और उसका क्षेत्र, विनियम के साधन, वस्तु विनियम और उत्सवी विनियम, परस्परता और पुनः वितरण बाजार और व्यापार।
- (vi) राजनीतिक मानव विज्ञान अर्थ और क्षेत्र; विभिन्न समाजों में वैध प्राधिकारी की स्थिति तथा शक्ति एवं उसके कार्य। राज्य एवं राज्य विहीन राजनीतिक प्रणालियों में अन्तर। नये राज्यों में राष्ट्र निर्माण क्रिया में सरल समाज में कानून एवं न्याय।

- (vii) धर्म की उत्पत्ति— जीववाद, प्राणवाद, धर्म एवं जातू में अन्तर, टोटमवाद और टेबू।
- (viii) मानव विज्ञान में क्षेत्रगत कार्य तथा क्षेत्रगत कार्य की परम्पराएँ।
- (ix) जनजातीय सामाजिक संगठनों के अध्ययन— भारतीय जनजातियों के युवागृह संगठन तथा उनके सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं धार्मिक संगठनों का अध्ययन। भारत की जनजातियों का अध्ययन; जैसे— उरांव, मूडा, हो, संथाल तथा बिरहोर एवं बिहार के अन्य प्रजातियों के विभिन्न संगठनों का अध्ययन।

खंड-2 (क) [Section- 2 (Ka)]

- (1) जैव विकास के सिद्धांत के आधार— लैमार्कवाद, डार्विनवाद और संश्लेषणात्मक सिद्धांत: मानव विकास जैविक और सांस्कृतिक आयाम व्यष्टि विकास।
- (2)(क) मानव की उत्पत्ति एवं उद्विकास, पशु जगत में मनुष्य का स्थान। स्पीसीज (जाति विशेष) तथा जलीय प्राणी; जैसे— मंडूक के जन्तु, रेंगने वाले जन्तु, स्तनपायी जन्तु एवं मनुष्य आकार के विशालकाय जन्तु (एप्स)।
- (ख) एप एवं मनुष्य के शारीरिक समानता तथा असमानताओं का तुलनात्मक अध्ययन। वानर एवं मानव उद्देश्य, वानरों (एप्स) की बुद्धि एवं सामाजिक जीवन का अध्ययन।
- (3) प्राचीन मानव के प्रस्तरित अस्थि—अवशेषों के आधार पर मानव के शारीरिक विकास का अध्ययन। प्रस्तरित वानर लेम्युराइड्स, टामरिओड्स, पोरागपिथिक्स, प्रोफिलोपिथिक्स, प्लायोपिथिक्स, लेमनोपिथिक्स, प्रोकांसुल, ड्रायोपिथिक्स, रामापिथेक्स, ऑस्ट्रालोपिथिसिनिज, ऑस्ट्रालोपिथिक्स अफ्रिकन्स, प्लेसियनथ्रोपस, ट्रांसियलेसिस, ऑस्ट्रालोपिथिक्स, प्रोमेथियस, पैरान्थ्रोपस, रोवसट्स, होर्मिट्स एवं होमोसेपियन्स का अध्ययन के आधार पर मनुष्य के विकास का विश्लेषण।
- (4) आनुवंशिकी— परिभाषा, मेन्डेलियन सिद्धांत तथा उसके जनसंख्या से संबंधित प्रयोग।
- (5)(क) मानव का प्रजातिगत भेद तथा प्रजातिगत वर्गीकरण के आधार रूप प्रक्रिया सम्बन्धी एवम् सीरम सम्बन्धी तथा आनुवंशिकी। प्रजातियों की रचना में अनुवंशिकता तथा वातावरण की भूमिका।
- (ख) प्रजाति की परिभाषा, विशुद्ध प्रजाति की अवधारणा। प्रजाति राष्ट्र तथा बहुभाषी प्रजातिक समूह, प्रजाति एवं सांस्कृतिक विशेषताएँ तथा प्रजातिवाद का अध्ययन।
- (ग) प्रजातिक वर्गीकरण के आधार एवं विशेषताएँ— चर्म के रंग, केश, ढांचा, खोपड़ी की बनावट, चेहरे की बनावट, नाक, आँख एवम् रक्त समूह के प्रकार का अध्ययन।
- (6) मानव के आधुनिक प्रजातियों के विभिन्न प्रकार, विश्व के तीन प्रमुख प्रजाति एवं उनके अन्य उप प्रजातियों; जैसे— कांकोस्वायड्स एवम् इसकी उप प्रजातियाँ, आर्केइक कांकोस्वायड, मंगोल्वायड्स तथा इनके उप प्रजातियाँ, निग्रो प्रजाति एवं उनके उप—प्रजाति, अमेरिका के निग्रो प्रजाति इत्यादि का उनके शारीरिक, वंश—परम्परागत गुणों एवं बुद्धि समानता तथा विषमताओं का अध्ययन।
- (7) भारत की प्रजातियों के संबंध में रिजले, हेल्डन, इकटौड, गुहा तथा सरकार द्वारा प्रतिपादित वर्गीकरण एवं उनकी आलोचना। भारत में निग्रिटो प्रजाति के प्रजातिक गुणों की उपस्थिति।

खण्ड-2 (ख) [Section- 2 (Kha)]

- (1) तकनीक, पद्धति तथा प्रणाली विज्ञान में अन्तर।
- (2) विकास का अर्थ जैविक तथा सामाजिक सांस्कृतिक— 19वीं शताब्दी के विकासवाद की आधारभूत मान्यताएँ। तुलनात्मक पद्धति विकासवादी अध्ययन की समकालीन प्रवृत्ति।
- (3) विसरण और विसरणवाद— अमरीकी वितरण तथा जर्मन भाषी नृजाति वैज्ञानिकों की ऐतिहासिक नर—जाति मीमांसा विसरणवादी तथा फ्रेंच बोस द्वारा तुलनात्मक पद्धति पर आक्षेप। सामाजिक संस्कृति मानव विज्ञान की तुलना की प्रकृति उद्देश्य तथा पद्धतियाँ रेडविलप—ब्राउन, इगन—ओस्कर लेबिस तथा सरना।
- (4) प्रतिमान आधारभूत व्यक्तित्व रचना तथा आदर्श व्यक्तित्व। राष्ट्रीय चरित्र अध्ययन के मानव विज्ञान दृष्टिकोण की प्रासंगिकता। मनोवैज्ञानिक मानव विज्ञान की नूतन प्रवृत्तियाँ।
- (5) कार्य तथा कारण— सामाजिक मानव विज्ञान में प्रकीर्णवाद में मौलिनोस्की का योगदान, कार्य और संरचना, रेडविलप ब्राउन, फर्थ फोर्टेस तथा नेडल।
- (6) भाषिक तथा सामाजिक मानव विज्ञान में संरचनावाद लेवस्ट्रेस तथा लीच के विचार से आदर्श के रूप में सामाजिक संरचना मिथिक के अध्ययन में संरचनावादी पद्धति। नवीन नृजाति विज्ञान तथा तात्त्विक अर्थपरक विश्लेषण।

(7) मानदण्ड तथा मूल्य। मूल्यों के रूप में मानव वैज्ञानिक वर्णन का कोटि के रूप में मूल्य। मूल्यों के स्रोत के रूप में मानव विज्ञानी तथा मानव विज्ञान के मूल्य। सांस्कृतिक सापेक्षवाद तथा सार्वभौमिक मूल्यों के विषय।

(8) सामाजिक मानव विज्ञान तथा इतिहास। वैज्ञानिक तथा मानवतावादी अध्ययन में अन्तर प्राकृतिक तथा सामाजिक विज्ञान की पद्धतियों में एकता लाने के तर्क का आलोचनात्मक परीक्षण। मानव विज्ञानी की क्षेत्रगत कार्य पद्धति की युक्तियुक्त तथा इसकी स्वायतता।

(9)(क) मानवशास्त्र के सिद्धांत एवं विधियाँ— विकासवाद तथा तुलनात्मक विधियाँ, हर्वर्ट सपेन्सर, एल.एच. मार्गन, एडवर्ड बर्नेट टायलर द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत एवं उनकी सीमायें।

(ख) विशिष्टतावाद— फ्रेन्ज वोयस, ए.एल. क्रोवर, रूथ बेनेडिक्ट, राल्फ लिन्टन एवं ऐत्राम कार्डिनर, विशिष्टतावाद सिद्धांत की सीमायें।

(ग) संरचनावाद— प्रकार्यवाद सिद्धांत, इमायल दुर्खेम, ब्राउनिस्लो मैलिनोअस्की, ए.आर. रेडविलफ ब्राउन, लेसली ए. वाइट, इभान्स प्रीचर्ड एवं लेमी स्ट्रोस।

(10) योजना तथा विकास के क्षेत्र में मानवशास्त्र तथा विकास से संबंधित अध्ययनों का योगदान। नियोजित उन्नति के सामाजिक सांस्कृतिक पहलू निर्धारित परिवर्तन के सामाजिक, सांस्कृतिक मापक राशि, भारतीय जन-जातियों के औद्योगिक विकास की सांस्कृतिक बाधाएँ। जन-जातीय समस्याएँ— कारण, परिणाम एवं समाधान।

(11) जन-जातीय आन्दोलन तथा सामाजिक आन्दोलन परिभाषा एवं विशेषताएँ। बिहार में जन-जातीय आन्दोलन आंदोलन-ताना भगत आन्दोलन एवं विरसा आंदोलन, बिहार में जन-जातीय आन्दोलन के बदलते स्वरूप। बिहार में जन-जातीय नायकत्व।

खण्ड-3 [(Section- (3)) भारतीय मानव विज्ञान

पुरापाषाण, मध्य पाषाण, नवपाषाण आद्य ऐतिहासिक (सिंधु घाटी सभ्यता) भारतीय सांस्कृतिक आयाम। भारत की जनसंख्या में जातीय तथा भाषायी तत्वों का वितरण।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था के आधार, वर्ण, आश्रम, पुरुषार्थ, जाति, संयुक्त परिवार।

भारतीय मानव विज्ञान का विकास। भारतीय जनजाति तथा कृषक समुदाय के अध्ययन में मानव वैज्ञानिक योगदान की विशिष्टता आधारभूत अवधारणाएँ, महान परम्पराएँ तथा लघु परम्पराएँ, पवित्र संकुल, सार्वभौमिकरण तथा अनुदारवाद संस्कृतिकरण तथा पश्चिमीकरण, प्रभावी जाति, जन-जाति-जाति सातत्यक, प्रकृति पुरुष आत्मसम्मिश्र।

भारतीय जन-जातियों के नृजाति का वर्णन रूप रेखा जातीय, भाषायी तथा सामाजिक, आर्थिक विशिष्टताएँ।

जन-जातीय लोगों की समस्याएँ— भूमि स्वतः अंतरण ऋणग्रस्तता, शैक्षिक सुविधाओं का अभाव, अस्थिर कृषि प्रवसन, धन तथा जन-जातियों की बेरोजगारी, खेतिहर मजदूर शिकार तथा आधार संग्रह की विशेष समस्याएँ एवं अन्य गौण जन-जातियों।

संस्कृति-सम्पर्क की समस्याएँ— शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण का प्रभाव, जनसंख्या ह्रास, क्षेत्रीयता, आर्थिक तथा मनोवैज्ञानिक कुंठा।

जन-जातीय प्रशासन का इतिहास: अनुसूचित जन-जातियों के लिए संवैधानिक सुरक्षा नीतियों, योजनाएँ जन-जातीय विकास के लिए नीतियाँ, योजनाएँ और कार्यक्रम तथा उनका कार्यान्वयन। जन-जातीय लोगों के लिए किये जा रहे सरकारी कार्य की उन पर प्रतिक्रिया। जन-जातीय समस्याओं के प्रति विभिन्न वृष्टिकोण, जन-जातीय विकास में मानव विज्ञान की भूमिका।

अनुसूचित जातियों से संबंधित संवैधानिक व्यवस्थाएँ। अनुसूचित जातियों द्वारा भोगी गई सामाजिक अशक्तता तथा उनकी सामाजिक आर्थिक समस्याएँ।

राष्ट्रीय अखंडता से सम्बद्ध विषय।

07. वनस्पति विज्ञान

खण्ड-I (Section- I)

- सूक्ष्म जीव विज्ञान:**— विषाणु, जीवाणु प्लेजमिड — संरचना और प्रजनन। संक्रमण तथा रोधक्षमता विज्ञान की साधारण व्याख्या। कृषि उद्योग एवं औषधि तथा वायु, मिट्टी एवं पानी में सूक्ष्म जीवाणु, सूक्ष्म जीवों के प्रयोग से प्रदूषण पर नियंत्रण।
- रोग विज्ञान—** भारत में विषाणु, जीवाणु, कवक, द्रव्य, फंजाई और कुलकृति द्वारा उत्पन्न मुख्य-मुख्य पादप बीमारियाँ। संक्रमण के तरीके, प्रकीर्णन, परजीविता का शरीर क्रिया विज्ञान और नियंत्रण के तरीके, जीवनशी की क्रिया विधि वानकी टाक्सिसन।
- क्रिप्टोगेम—** संरचना और प्रजनन के जैव विकासीय पथ तथा काई, फंजाई ग्रायोफाइड एवं हैरिडोफाइड की परिस्थितिकी एवं आर्थिक महत्ता। भारत में मुख्य वितरण।

4. फैनोरोगेम— काष्ठ का शारीरिक विज्ञान द्वितीय पत्र वृद्धि सी 55 सी सी 04 पादपों का शारीरिक विज्ञान, रंगी के प्रकार। भ्रून विज्ञान, लैंगिक अनिवेभ्यता के रोधक। बीज की संरचना अतंगणनन तथा बहुघणीनता। परागण विज्ञान तथा इसके अनुप्रयोग, आवृतजीवी के वर्गीकरण, पद्धतियों की तुलना। जैव कर्मिकी की नई दिशाएँ, साईकेडेसा पाइनेसा, नाटेलीव, मैग्नोलिएशी, रैनकुलेसी सिफेरी, रोजेसी, सैम्युनिनोसी यूफाविपेसी मलिबेसी, डिटेराक्टेसी, अम्बेलाफेरी, एसक्सीपिएडेसी, वर्साविसी, सोलनेसी, रुधिएसी कुकुरबिटेसी, कम्पोणिटी, ब्रमिनी, पानी, लिलिएसी, म्यूजेसी और आर्किडेसी के आर्थिक और वर्गीकरण सम्बन्धी महत्व।

5. संरचना विकास— ध्रुवण, समिति और पूर्णशक्ति। कोशिकाओं एवं अंगों का विभेदन तथा निर्विभेदन (संरचना विकास के कारण कायिक तथा जनन भागों की कोशिकाओं, उत्तकों, अंगों तथा प्रोटोब्लास्ट के संवर्धन की विधि तथा अनुयोग कायिक संकट)।

खण्ड-II (Section- II)

1. **कोशिका जीव विज्ञानः—** क्षेत्र और परिप्रेक्ष्य कोशिका विज्ञान के अध्ययन में आधुनिक औजारों तथा प्रविधियों का साधारण ज्ञान। प्रोकेक्टिव्योमोटिक और यूक्रेप्टिक कोशिकाएँ, संरचना और परा संरचना के विवरण सहित। कोशिकाओं के कार्य ज़िल्ली सहित सूत्री विभाजन और अर्ध सूत्री विभाजन का विस्तृत अध्ययन।

2. **आनुवंशिकी और विकास—** आनुवंशिकी का विकास और जीन की धारणा। चुक्लीयक अम्ल की संरचना और प्रोटीन संश्लेषण में उसका कार्यभाग तथा जनन। आनुवंशिकी कोड तथा जीन अभिव्यक्ति का विनियम। जीन प्रवर्धन। उत्परिवर्तन तथा विकास, बहुपदीय कारक, सहलगनता, विनियम जीन प्रतिचित्रण के तरीके, लिंग गुण सूत्र और लिंग सहलगन वंशागति। नर बंध्यता, पादप अभिजनन में इसका महत्व। कोशिका द्रव्यों वंशागति। मानव आनुवंशिकी के तत्व। मानव विचल तथा काई वर्ग विश्लेषण सूक्ष्म जीवों में जीन स्थानान्तरण। आनुवंशिक इंजीनियरी जैव विकासमान क्रिया विधि और सिद्धांत।

3. **शरीर क्रिया विज्ञान तथा जैव रसायन—** जल सम्बन्धों का विस्तृत अध्ययन, खनिज पोषण और आयन अभिगमन, खनिज न्यूनता। प्रकाश संश्लेषण क्रिया विधि और महत्व, प्रकाश नं.— 1 एवं 2 प्रकाश श्वसन, एक्सन तथा विपवन। नाइट्रोजन यौगिकीकरण और नाइट्रोजन उपापाच्य। प्रोटीन संश्लेषण। प्रक्रिया। गोण उपापाच्य का महत्व। प्रकाश (ग्राही) के रूप में वर्णक, दीप्तिकालिता पुष्पन वृद्धि सूचक, वृद्धि गति, जीर्णत, वृद्धिकर पदार्थ, उनकी रासायनिक प्रकृति, कृषि उद्यान में उनका अनुप्रयोग, कृषि रसायन। प्रतिबल शरीर क्रिया विज्ञान वसंतीकरण फल और बीच जैविकी प्रसुप्ति भंडारण और बीजों का अंकुरण अनिष्कलन फल पक्वन।

4. **परिस्थिति विज्ञान—** पारिस्थिति कारक— विचारधारा और समुदाय, अनुक्रम से की गतिकी जीव मंडल की धारणा। पारिस्थितिकी तंत्रों की संरचना, प्रदूषण और इसके नियंत्रण, भारत के वन प्रकार, वन रोपण, वनोन्मूलन तथा सामाजिक वानिकी। संकटग्रस्त पादप।

5. **आर्थिक वनस्पति विज्ञान—** कृष्ण पादपों का उद्गम, साथ ही चारा एवं घास, चर्बी वाले तेल, लकड़ी तथा टिम्बर तंतु (रेशा), कागज रबड़, पेय, मद्य शराब दवाइयाँ, स्थापक, रेजिन और गोंद, आवश्यक तेल, रंग, म्यूसिलेज, कीटनाशी दवाइयों और कीटनाशी दवाइयों के स्रोतों के रूप में पादपों का अध्ययन, पादप सूचक अलंकरण, पादप ऊर्जा रोपण।

08. रसायन विज्ञान

खण्ड-I (Section- I)

1. **परमाणु संरचना तथा रासायनिक आबंधन—** क्वांटम सिद्धांत, हाईजेनबर्ग अनिश्चितता सिद्धांत, ओडिंगर तरंग समीकरण (काल अनात्रित), तरंग फलन का निर्वचन एफ विमोय बाक्स में, कण, क्वांटम संख्याएँ, हाईट्रोजन परमाणु तरंग फलन, 1 'Spd' तथा ट्ट, कक्षकों की आकृति, जामनी, आविध, जानक ऊर्जा, वान हावर चक्र, प्रावियन्स नियम, द्विगुव आघुर्ण, आयनी यौगिकों के लक्षण, विद्युत गुणात्मकता, अन्तर सहसंयोजक आवृत्ति तथा इसके सामान्य लक्षण, संयोजकता आबंध, उपागम, अनुनाद तथा अनुनाद ऊर्जा (Resonance & Resonance Energy) की संकल्पना, अणुकक्षक उपागम के अनुसार; H_2+ , H_2 , N_2 , $O_2 F_2$, NO , CO तथा HF अणुओं का इलेक्ट्रामिक संरूपण, सिम्मा और पाई आबंध, आबंध क्रम, आबंध प्रबलता और आबंध दैर्य।

2. उष्मागतिकी— कार्य ताप तथा ऊर्जा (उष्मागतिकी का प्रथम नियम), पूर्ण उष्मा, उष्माधारिता, Cp तथा Cv के मध्य संबंध, उष्मा रसायन के नियम, किरचोफ समीकरण, स्वतः तथा अस्वतः परिवर्तन, उष्मागतिकी का द्वितीय नियम। उत्क्रमणीय तथा अनुत्क्रमणीय प्रक्रियाओं के लिये गैसों में एस्ट्रामी परिवर्तन, उष्मागतिकी का तृतीय नियम, मुक्त ऊर्जा, दाब तथा प्रबलता के साथ किसी गैस की मुक्त ऊर्जा की विभिन्नता, गिब्स–हेल्महोल्ट्ज समीकरण, रासायनिक विभव साम्य हेतु उष्मागतिक कसौटी, रासायनिक अभिक्रिया तथा साम्य स्थिरता में मुक्त ऊर्जा परिवर्तन, रासायनिक साम्य पर ताप तथा दाब का प्रभाव, उष्मागतिक मापों के साम्य स्थिरांकों का परिकलन।

3. धन अवस्था, धनाकृतियों के प्रकार, अन्तर्राफलक, कोणों के स्थिरांक का नियम, क्रिस्टल समुदायों तथा क्रिस्टल वर्ग (क्रिस्टलोग्राफिक ग्रुप), क्रिस्टल फलकों, जालक संरचना तथा एक प्रकोष्ठ का उल्लेख, परिमेय सूचकों के नियम, ब्रेग नियम, क्रिस्टलों द्वारा एक्स–क्रिरण विवर्तन, क्रिस्टलों में त्रुटियाँ, तरल क्रिस्टलों का प्रारम्भिक अध्ययन।

4. रासायनिक बल गतिकी, किसी अभिक्रिया का क्रम तथा आविष्करता शून्य, प्रथम द्वितीय तथा अभिक्रियायें का दर समीकरण (अधकल तथा समाकलित समघात), किसी प्रक्रिया की अर्द्ध आयु, अभिक्रिया दरों पर ताप, दाव तथा उत्प्रेरण का प्रभाव, द्विअनुक अभिक्रियाओं की अभिक्रिया दरों का संघट सिद्धांत, निरपेक्ष अभिक्रिया दर सिद्धांत, बरूकलन तथा प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाओं की बलगतिकी।

5. विद्युत् रसायन— आररेनियस के वियोजन सिद्धांत की सीमा, प्रबल विद्युत् अपघट्य का डेवाई–हुकेल सिद्धांत तथा इसका मात्रात्मक उपचार, विद्युत् अपघटनी चालकत्व सिद्धांत तथा संक्रियता गुणांक का सिद्धांत, विभिन्न संतुलनों के लिये सीमांकन व्युत्पन्नता तथा विद्युत् अपघट्य विलोमों के परिवहन गुणधर्म।

6. सान्द्रता— सेल द्रव संधि विभव, ईंधन तेल के ई.एम.एफ. मापन का अनुप्रयोग।

7. प्रकाश रसायन— प्रकाश का अवशोषण, लिम्बर्ट बीयर नियम, प्रकाश रसायन के नियम, क्वांटम दक्षता, उच्च तथा निम्न क्वांटम लबपद्धयों (Yields) के कारण प्रकाश, वैद्युत् सेल।

8. "d" ब्लॉक तत्वों का सामान्य रसायन, (क) इलेक्ट्रोनिक विन्यास संक्रमण, धातु संकल में आबंधन के सिद्धांत के परिचय, क्रिस्टल क्षेत्र सिद्धांत तथा इसके संशोधन, धातु संकुलों के चुम्बकत्व तथा इलेक्ट्रोनिक स्पेक्ट्रमों के स्पष्टीकरण में इन सिद्धांतों का अनुप्रयोग।

(ख) धातु कार्बनिल साइक्लो पेण्टाडाइमिल, ओलिफिन तथा एसीटिलीन संकुल।

(ग) धातु सहित यौगिक धातु आबंध तथा धातु परमाणु गुच्छ।

9. "f"— ब्लॉक तत्वों का सामान्य रसायन, लैन्थेनाइड तथा ऐकिटनाईड, पृथक्करण, ऑक्सीकरण अवस्था, चुम्बकीय तथा स्पेक्ट्रमी गुणधर्म।

10. निर्जल विलायकों (तरल अमोनिया तथा सल्फर–डायआक्साइड) में अभिक्रियाएँ।

खण्ड-II (Section- II)

1. अभिक्रिया की क्रियाविधियाँ, उदाहरण द्वारा निर्देशित कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रियाविधि, सामान्य अध्ययन (गतिक तथा अगतिक दोनों), अभिक्रियाशील मध्यकों (कार्बोकेरान, एकार्बरेनियन, मुक्त मूलक, कार्बोन डाइट्रीन तथा बेन्जाइन) का विरचन तथा स्थायित्व, SN_1 तथा SN_2 क्रियाविधियाँ, E₁, E₂ तथा E, CB निराकरण कार्बन–कार्बन द्वि–आबंधों में सिस तथा ट्रान्स योग, कार्बन–ऑक्सीजन द्वि–आबंधों में योग की क्रियाविधि, माइकल योग संयुग्मित, कार्बन–कार्बन द्वि–आबंधों में योग एरोमेटिक इलेक्ट्रोफिलिक तथा न्युक्लियोफिलिक प्रतिस्थापन, एलिलिक तथा बैन्जाइलिक प्रतिस्थापन।

2. परिसंभी (Pericyclic) अभिक्रियाएँ— वर्गीकरण तथा उदाहरण, परिसंभी अभिक्रियाओं के बुडवर्ड हाफमान नियम का प्रारम्भिक अध्ययन।

3. निम्नलिखित नाम अभिक्रियाओं का रसायन— आल्डेन संघनन, क्लेजन संघनन, डिकमान अभिक्रिया, पर्किन अभिक्रिया, राइमारटीमान अभिक्रिया, केनिजारों अभिक्रिया।

4. बहुलक प्रणाली (क) बहुलकों का भौतिक, रसायन, अंत्य समूह विश्लेषण, अक्सादन, बहुलकों प्रकाश प्रकीर्णन तथा श्यानता।

(ख) पॉलिथिलिन, पॉलिस्टरीन, पॉलिविनाइल क्लोराइड, ल्सीग्ल नद्दा उत्प्रेरण, नाइलोन, टेरिलीन;

(ग) अकार्बनिक बहुलक प्रणालियाँ, फास्फोनाइट्रिक हैलाइड यौगिक, सिलिकोन, बोराजाइन। फ्रीडेल क्राफ्ट अभिक्रिया, सुधारक अभिक्रिया, पिनेकोल–पिनेकोलोन बांग्नर–मेरवाइन तथा बेकमान पुनर्विन्यास तथा उनकी क्रियाविधियाँ, कार्बनिक संश्लेषणों में निम्नलिखित अभिकर्मकों के उपयोग; O₅, O₄, HIO₄, NBS, डाइबोरेन, Na—तरल अमोनिया NaBH₄, LiAlH₄.

5. कार्बनिक तथा अकार्बनिक यौगिकों की प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाएँ, अभिक्रियाएँ तथा उदाहरणों के प्रकार तथा संश्लेषी उपयोग संरचना निर्धारण में प्रयुक्त पद्धतियाँ UV दृश्य IR, IH, NMH द्रव्यमान स्पेक्ट्रोग्राफी के सिद्धांत तथा सामान्य कार्बनिक और अकार्बनिक अणुओं की संरचना, निर्धारण में इनका अनुप्रयोग।

6. आणिक संरचनात्मक निर्धारण, सामान्य कार्बनिक और अकार्बनिक अणुओं के लिये सिद्धांत तथा अनुप्रयोग।

- (1) द्विपरगानुक अणुओं (अवरक्त तथा रमन) के घृणी स्पेक्ट्रम, आइसोटोपी प्रतिस्थापन तथा घृणनी स्थिरांक।
- (2) द्विपरगानुक रैखिक सममिग, रैखिक असममिग तथा बंकिग त्रिपरमाणुक अणुओं (अवरक्त तथा रमन) के कंपनिक स्पेक्ट्रम।
- (3) कार्यात्मक ग्रुपों (अवरक्त तथा रमन) की विनिद्रिष्टता।
- (4) इलेक्ट्रॉनिक स्पेक्ट्रम एकक तथा त्रिक अवस्थाएँ, संयुग्मिग द्वि-आबंध, अल्फा, बीटा असंतुत्य कार्बोनिल यौगिक।
- (5) नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद— रासायनिक विस्थापन, प्रवकण।
- (6) इलेक्ट्रान प्रवकरण अनुनाद— अकार्बनिक सम्श्रों तथा मुक्त मूलकों का अध्ययन।

09. सिविल इंजीनियरिंग

खण्ड—I (Section- I)

भाग (क) संरचनाओं के सिद्धांत तथा अभिकल्पन

(क) **संरचनाओं के सिद्धांतः**— ऊर्जा प्रमेय, कैस्ट्रिग्लिआनोएनी प्रमेय 1 और 2, धरन तथा कील सम्बद्ध (पिन— ज्वाइंटिड) सादे ढांचों पर प्रयुक्त एकांक भार पद्धति तथा संगत विरूपन, अनिवार्य, धारनों तथा दृढ़ ढांचों के विश्लेषण के लिए प्रयुक्त ढाल विक्षेप, आधुर्णा वितरण तथा कानों की विधि। गतिमान भार धरनों पर चलने वाले गतिमान भार तंत्र में अधिकतम अपरुपण बल तथा बंकन आधुर्ण निर्धारण के लिए निबंध, शुद्धालम्ब समतल पिनज्वाइंटिड गर्डर के लिए प्रभाव रेखाएँ। डाट: त्रिकोल, द्विकिल तथा आबद्ध डाटें— पशु का लघुवन, तापमान प्रभाव, प्रभाव रेखाएँ। विश्लेषण की मैट्रिक्स विधियाँ: बल विधि तथा विस्थापन विधि।

(ख) **संरचनात्मक इस्पातः** सूक्ष्मांक और भार के घटक विधि तनाव तथा संपीडन अवयन का अभिकल्प संघटित काट के घरणरिबेट लगे और बल्ड किए गए प्लेट गर्डर, गैटि गार्डर, बैटन तथा लेसिंग सहित स्थानुक, स्लैब और संगम पट्टिका युक्त आधार। महामार्ग तथा रेलवे पुलों के अभिकल्प, अन्तवाही और पृष्ठवाही प्रकार के प्लेट गर्डर, बारेन गर्डर और प्रेट कैंची।

(ग) **प्रबलित कंक्रीट, लिमिट स्टेट विधि अभिकल्प**, भारतीय मानक (आई.ए.ल.) कोडो की सिफारिश वन—वे ऐंड टू—वे स्लैब का डिजाइन, सोपान स्लैब, आयताकार, टी आर एल काट के शुद्धालम्ब तथा संतत धरण। उत्केन्द्रता सहित अथवा रहित अक्षीय भार के अंतर्गत संपीडन अवयव। प्रतिकारक भित्तियां, टैकेदार तथा पुश्तेदार (काउन्ट फोर्ट) प्रकार की प्रतिधारक भित्तियां। पूर्व प्रतिबलन की पद्धतियाँ और विधियाँ, स्थिरक, आनमन तथा पूर्व प्रतिबलन की हानि के लिए काट लें (सैक्षणस) का विश्लेषण एवं अभिकल्प।

भाग (ख) तरल यांत्रिकी

तरल गुण तथा तरल गति में उनकी भूमिका, समतल तथा बक्र धरातलों पर सक्रिय बलों सहित तरल स्थैनिकी तरल प्रवाह की गतिकी तथा शुद्धगतिकी

बैग तथा स्वरण, प्रवाह रेखा सातत्य समीकरण, अधूर्णा तथा धूर्णा प्रवाह बैग विभव तथा धारा फलन, प्रवाह जाल तथा जाल को आरेखन विधियाँ सीत तथा गर्त पार्थक्य तथा प्रगतिरोध।

गति की ईमूलर की समीकरण, ऊर्जा तथा संवर्ग समीकरण तथा नलिका प्रवाह के लिए उनका अनुप्रयोग मुक्त तथा प्रणोदित प्रमिलता, तल तथा वक्रित, स्थिर और गतिमान पंखुड़िया, स्लम, गेट, वायरस आंपरिफिस मीटर तथा वेन्टुरी मापी। विमीज विश्लेषण तथा सादृष्य वर्किंथ का पाई प्रमेय, समरूपताये प्रतिरूप (मांडल) नियम अधिकृत तथा विकृत प्रतिरूप (मांडल) चल शक्या मांडल अंशशोधन।

स्तरीय प्रवाह—समान्तर स्थिर तथा गतिमान पट्टियों के बीच स्तरीय प्रवाह, नली से प्रवाह रनोशस प्रयोग एतेहन (तेल देने) के नियम।

सीमान्त स्तर—जताई प्लेट पर स्तरीय और विक्षुल्ख सीमान्त स्तर स्तरीय उपस्तर, विधकण तथा रूप सीमान्त कर्षण तथा उत्थापन। नलियों से विक्षुल्ख प्रवाह विक्षुल्ख प्रवाह के गुणाधर्म, बैग कंटन तथा धर्षण का विचरण द्रवीथ—ग्रेड रेसा तथा समग्र ऊर्जा रेसा, साइफन्स में प्रसार तथा संकुचन, पाईप जल, जल प्रग्राति आधात।

विद्युत् वाहिका प्रवाह—एक समान तथा असमान प्रवाह, विशिष्ट ऊर्जा तथा विशिष्ट बल, क्रांतिक गहराई, प्रतिरोध समीकरण तथा रुक्षता गुणांक का विचरण द्रुतगामी परिवर्ती, संकुचन में प्रवाह, आकस्मिक पात पर प्रवाह,

जलीच्छाल तथा इसके अनुप्रयोग, हिल्लोल और तंरंगें, शनै—शनै परिवर्ती प्रवाह, शनै—शनै परिवर्ती प्रवाह के लिए अवकल समीकरण, धरातल परिच्छेदिका (प्रोफाइल) का वर्गीकरण, नियंत्रण काट, परिवर्ती प्रवाह समीकरण के समाकलन की सोपानी विधि।

भाग (ग) मृदा यांत्रिकी तथा नींव इंजीनियरिंग।

मृदा संघठन, इंजीनियरी आचरण पर मुक्ति खनिज का प्रभाव, प्रभावी प्रतिबल नियम, जल प्रवाह परिस्थिति के कारण प्रभावी प्रतिक में परिवर्तन, स्थिर जल स्तर तथा अपरिवर्ती प्रवाह परिस्थितियाँ, मृदा की पारागम्यता तथा संपीड़यता।

सामर्प्य आचरण, अशीय तथा त्रिअक्षीय परीक्षणों द्वारा सामर्थ्य निर्धारण, समग्र तथा प्रभावी प्रतिबल सामर्प्य पैरामीटर्स, समग्र तथा प्रभावी प्रतिबल पथ।

स्थल अन्वेषण की रीतियाँ, अद्यस्तल गर्वक्षण कार्यक्रम की योजना, प्रतिबंधन प्रक्रियाएं तथा प्रतिदर्शी विक्षेप, प्रवेश परीक्षण या प्लेट लोड, परीक्षण और आंकड़ा निर्वचन।

नींवों के प्रकार तथा चयन, पाद, रेफट रथूण, प्लवमान नींव पादाकृति विमाओं विस्तार, अंतःस्थापना की गहराई, मार का झुकाव तथा भूमि जल स्तर का धारण क्षमता पर प्रभाव, तत्काल तथा संपीडन घटक, निषदनों के लिये संगणना समग्र तथा विभिन्ननिष्ठन की सीमाएं दृढ़त के लिए संशोधन।

गहरी नींव, गहरी नींवों का दर्शन स्थूण एकल तथा समूह क्षमता का आकलन, स्थिर तथा गतिक उपगम स्थूण भार पराक्षण, चर्म धर्षण तथा बिन्दु वायरिंग में अलगाव, अण्डररीमड स्थूण, पुलों के लिए कूप नींव तथा डिजाइन के पहलू।

मृदादाव प्लास्टिक साम्य की स्थिति, पार्श्व प्रणोद का निर्धारण करने के लिए कुलमत्रस की कार्य विधि, स्थिरक बल तथा बंधन गहराई का निर्धारण प्रवलित मृदा प्रतिभारक भित्ति संकल्पना, सामग्री तथा अनुप्रयोग।

मशीनी नींवें, कम्पन के रूप प्राकृतिक आवृत्ति का निर्धारण, डिजाइन के लिए निष्कर्ष (मानदंड), मृदा पर कम्पन का प्रभाव, कम्पन का अलगाव।

भाग (घ) संगणक कार्यक्रम— संगणक के प्रकार, संगणक के अवयव, इतिहास तथा विकास, विभिन्न भाषाएँ। फोर्टन (सूत्रानुवाद) मूल कार्यक्रम, अचर, चर व्यंजक अंक गणितीय कथन पुस्तकालय कार्य नियंत्रक कथन, अप्रतिबंधित गो—टू (Go-To) कथन, संगणित गोटू (Go-To) कथन, इफ (IF) तथा डू (Do) कथन, जारी रखें (CONTINUE) मंगाओ, (CALL) वापिस भेजो, (RETURN) रोको, (STOP) समाप्त करो (END) कथन, आई ओ (IO) कथन, फार्मेट्स (FORMATS)। क्षेत्रीय विनिर्देश।

वादलिपि चर, व्यूह बिमा (Dimension) कथन, फलन तथा उपनित्यक्रम उपकार्यक्रम, सिविल इंजीनियरी में प्रवाह—संचित्र सहित साधारण समस्याओं के लिए अनुप्रयोग।

खण्ड-II (Section- II)

उम्मीदवार निम्नांकित चार भागों में से किन्हीं दो भागों के प्रश्नों के उत्तर दे सकते हैं।

भाग क—भवन निर्माण।

निर्माण सामग्री के भौतिक तथा यांत्रिक गुण, चयन को प्रभावित करने वाले घटक, ईंट तथा मृतिक उत्पाद, चुना और सिमेंट, बहुलक सामग्री तथा विशेष उपयोग, आर्द्धता रोधी (साल रोधक) सामग्री।

दीवारों के लिए ईंट कार्य प्रकार, खोसला आई एस कोड के अनुसार ईंट की सिनई की दीवार का डिजाइन, सुरक्षांक उपयोगयता तथा सामर्थ्य के लिए आवश्यक बातें, दीवारों तलों (फर्शी, छतों, अंतरछद के विवरण कार्य भवनों का परिष्कृति, प्लास्टर करने, टोप करने, प्रलेप करने की परिष्कृति।

भवन की प्रकार्यात्मक योजना, भवनों का दिक्कविन्यास, अग्निसह निर्माण के अवयव, क्षतिग्रस्त तथा दरार पड़े भवनों को मरम्मत, फेरो—सीमेंट का उपयोग, निर्माण में फाइबर प्रवति तथा बहुलक कंक्रीट का उपयोग, अल्प लागत आवास के लिए तकनीके तथा सामग्री।

भवन आकलन तथा विशिष्टियाँ निर्माण का नियोजन, पी.ई.आर.टी. तथा सी.पी.एम. पद्धतियाँ।

भाग—(ख)

परिवहन इंजीनियरिंग—

मार्ग यातायात इंजीनियरी तथा यातायात सर्वेक्षण, चौराहे मार्ग चिह्न संकेत तथा चिह्न लगाना।

मार्गों का वर्गीकरण, योजना तथा ज्योमितीय डिजाइन।

सुनाम्य तथा दृढ़ कुट्टियों के डिजाइन, परतों तथा डिजाइन पद्धतियों पर भारतीय मार्ग कांग्रेस द्वारा प्रस्तुत मार्गदर्शी रूप रेखाएँ।

भाग—(ग)

जल संसाधन तथा सिंचाई इंजीनियरिंग—

जल विज्ञान: जलीय चक्र अवशेषण, वाष्पीकरण, वाष्पोत्सर्जन, अवनमन संचयन, अतः स्पदनजलारेस यूनिट जलारेस आवृत्ति विश्लेषण, बाढ़ आकलन।

भू—जल प्रवाह—विशिष्ट लब्धि, संचयन, गुणांक पारागम्यता का गुणांक परिरुद्ध तथा अपरिरुद्ध जल वाही स्तर परिरुद्ध तथा अपरिरुद्ध रिथितियों के अंतर्गत एक कूप के भीतर अरीय प्रवाह नल कूप, पम्पन तथा पुनज्ञप्ति परीक्षण भू—जल पोटेंशियल।

जल संसाधन योजना—भू तथा धरातल जल संसाधन एकल तथा बहुउद्देशीय परियोजनाएँ, जलाशयों की संचयन क्षमता, जलाशय हानियाँ, जलाशय अक्सादन, जलाशयों द्वारा बाढ़ मार्ग, जल संसाधन परियोजना का अर्थशास्त्र।

फसलों के लिए जल की आवश्यकता— जला का क्षयी उपयोग, सिंचाई जल की गुणवत्ता, कृति तथा डेल्टा, सिंचाई के तरीके तथा उनकी दक्षाएँ।

नहरें—नहर सिंचाई के लिए आवंटन पद्धति, नहर क्षमता, नहर की हानियाँ, मुख्य तथा वितरिका— नहर का संरक्षण काट अस्तरित वाहिस्का उनके डिजाइन रिजोम सिद्धांत, क्रांतिक अपरूपण प्रतिजल तल भार, स्थानीय तथा निलम्बित भार परिवहन तथा अस्तरित अनास्त्रित नहरों की लागत का विश्लेषण, अस्तर के पीछे जल निकास।

जल ग्रस्तता—कारण तथा नियंत्रण,

जल निकास—पद्धति का डिजाइन, लवणता।

नहर संरचना, नियमन का डिजाइन कोस जल निकास तथा संचार कार्य कोस, नियंत्रक मुख नियामक, नहर प्रपात, जलवाही सेतु अवनलिका तथा नहरों निकास में मापन।

द्विक्षयिकर्ती शीर्ष कार्य, पारगम्य तथा अपारगम्य नीवों पर वीयर के डिजाइन के सिद्धांत, खोसला का सिद्धांत, ऊर्जा क्षय, शमन, द्रोणी, साद अपवर्जन।

संजयन कार्य—बांधों की किस्में, दृढ़ गुरुत्व तथा भू—बांधों के डिजाइन सिद्धांत, स्थायित्व विश्लेषण, नीवों का उपचार जोड़ तथा दीर्घाँ, निस्पंदन का नियंत्रण, निर्माण पद्धतियाँ तथा मशीनरी।

उत्पलव मार्ग, प्रकार, शिखिर, द्वार ऊर्जा क्षय।

नदी प्रशिक्षण—नदी प्रशिक्षण के उद्देश्य, नदी प्रशिक्षण के तरीके।

भाग—घ

पर्यावरण इंजीनियरिंगः—

जल पूर्ति के स्रोतों की प्रतिशतता का आकलन, भूमि तथा भूपृष्ठ जल, भूपृष्ठ जल द्रव—इंजीनियरी, जल मार्ग की प्रागुपित, जल की अशुद्धता तथा उनका महत्व, भौतिक, रासायनिक तथा जीवाणु—विज्ञान—सम्बन्धी विश्लेषण, जल से होने वाली बीमारियों, पेय जल के लिए मानक, जल अन्तर्ग्रहण, पंपन तथा गुरुत्व योजनाएँ।

जल उपचार—सकंदन के सिद्धांत, उर्णन तथा सादन, मंदुत दाव, द्विप्रवाह एवं बहु—माध्यम फिल्टर, क्लोरीनीकरण मृदुकरण, स्वाद गम्ध तथा लवणता को दूर करना।

जल संग्रहण तथा वितरण—संग्रहण एवं संतुलन जलाशय— प्रकार, स्थान और क्षमता।

वितरण प्रणालियाँ—अभिन्यास, पाइप लाइनों की द्रव इंजीनियरी, पाइप फिटिंग निरोध तथा दाव कम करने वाले वाल्वों सहित अन्य वाल्व, मीटर हार्डी क्रास विधि का प्रयोग करते हुए वितरण, प्रणालियों का विश्लेषण, क्रास्ट हैडलास अनुपात मानदन्त पर आधारित इष्टतम डिजाइन के सामान्य सिद्धांत, ध्यवन अभिज्ञान, वितरण प्रणालियों पंपन केन्द्रों का अनुरक्षण तथा उनका प्रचालन।

मल—व्यवस्था प्रणालियाँ—घरेलु और औद्योगिक अपशिष्ट, झांझावहित मल—पृथक् एवं संयुक्त प्रणालियों, सीवरों के जरिए वहाव, सीवरों का डिजाइन, सीवार उपस्करण मेन हाल प्रवेणिका, जंक्शन, साइफन।

वाहित मल लक्षण वर्णन—वी.ओ.डी.सी.ओ.डी. ठोस पदार्थ व्यासूत आक्सीजन, नाइट्रोजन तथा टी.ओ.सी. सामान्य जल मार्ग तथा भूमि पर निस्तारण के मानक वाहित मल उपचार— कार्यकारी नियम इकाइयाँ, कोष्ठ, अवसादन टैंक, ध्वावी फिल्टर, ऑक्सीकरण ताल, उत्प्रेरित अवर्वक प्रक्रिया, सैप्टिक टैंक, अवपंक निस्तारण, अपशिष्ट जल का पुनः चालन।

ठोस अपशिष्ट—संग्रहण एवं निस्तारण।

पर्यावरणीय प्रदूषणः पारिस्थितिक संतुलन, जल प्रदूषण नियंत्रण एकट, रेडियोएक्टिव अपशिष्ट एवं निस्तारण, उष्मीय शक्ति संयंत्रों, खानों के लिए पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

स्वच्छता—भवनों का स्थान तथा पूर्वाभिमुखीकरण संचालन तथा सीत प्रूफ रद्दे गृह जल निकास, अपशिष्ट निस्तारण की सफाई व्यवस्था एवं जलोढ़ प्रणाली। सफाई सम्बन्धी उपकरण, शौच घर तथा मुत्रालय, ग्रामीण स्वच्छता।

10. वाणिज्यिक शास्त्र तथा लेखा विधि
खण्ड-I (Section- I) लेखा कार्य तथा वित्त

भाग— 1 लेखा कार्य, लेखा परीक्षा तथा कराधान

वित्तीय सचना पद्धति के रूप में लेखा कार्य—व्यावहारात्मक विज्ञानों का प्रभाव — वर्तमान क्रय शक्ति लेखाकरण के विशिष्ट सन्दर्भ में बदलते कीमत दर के लेखाकरण की पद्धति कंपनी लेखा की प्रगत समस्याएं, कंपनियों क्रय समामेलन, अन्तर्लयन तथा पुनर्गठन नियंत्रक कंपनियों का लेखा कार्य शेयरों और गुडविल (सुनाम) का मूल्यांकन नियंत्रकों का कार्य सम्पत्ति, नियंत्रण सांविधिक तथा प्रबंध।

आयकर अधिनियम, 1961 के प्रमुख उपबंध— परिभाषाएँ—आयकर, लगाना, छूट मूल्यहरास तथा निवेश छूट विभिन्न मदों के अधीन आय के अभिकलन की सरल समस्या तथा कर निर्धारण योग्य आय का निश्चयन आयकर अधिकारी।

लागत लेखा विधिक का स्वरूप तथा कार्य—लागत वर्गीकरण—अर्द्धपरिवर्ती लागतों के स्थिर और परिवर्ती घटकों के बीच बांटने की प्रविधि— जांच लागत का निर्धारण पिको तथा उत्पादन का समकक्ष इकाइयों के परिकलन की भारित औसत पद्धति लागत तथा वित्तीय लेखाओं का समाधान सीमांत लागत निर्धारण लागत परिमाण लाभ संबंध बीजगणीतीय सूत्र तथा आलेखीय चित्रण मूल बिन्दु—लागत नियंत्रण तथा लागत घटाव की प्रविधि— बजट नियंत्रण लचीला बजट मानक लागत का निर्धारण तथा प्रसारण विश्लेषण दायित्व लेखा विधि—उपरि व्यय लगाने के आधार तथा उनके अन्तर्निहित दोष—कीमत तय करने के निर्णय के लिए लागत निर्धारण।

सांक्षांकन कार्य का महत्व। लेखा परीक्षण कार्य का प्रोग्राम बनाना परिसम्पत्ति का मूल्यांकन तथा सत्यापन स्थायी छपी तथा चालू परिसम्पत्ति देनदारियों का सत्यापन, सीमित कंपनियों की लेखा परीक्षा लेखा परीक्षा की नियुक्ति पदप्रतिष्ठा शक्ति, कर्तव्य तथा दायित्व लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शेयर पूँजी की लेखा परीक्षा तथा शेयरों का हस्तांतरण बैंकिंग और बीमा कंपनियों की लेखा परीक्षा की विशेष बातें।

भाग— 2 व्यापार वित्तीय तथा वित्तीय संस्थायें।

वित्त प्रबन्ध की अवधारणा तथा विषय क्षेत्र नियमों के वित्तीय लक्ष्य पूँजीगत बजट बनाना, अनुमानाश्रित नियम तथा बट्टागत नकदी प्रवाह सम्बन्धी उपागम, निवेश निर्णयों में अनिश्चितता का समावेश ईष्टतम पूँजी।

संरचना का अभिकल्पन—पूँजी की भारित औसत लागत तथा अल्पकालिक, मध्यकालिक तथा दीर्घकालिक वित्त जुटाने के मोदीगतियानी तथा मिलर मॉडल स्रोतों से संबंधित विवाद सार्वजनिक तथा परिवर्तनीय डिवेंचरों की भूमिका—ऋण इकिवटी अनुपात के संबंध में प्रतिमान तथा निदेशक संकेत इष्टतम लाभांश नीति के नियामक तत्व जैम्स इबातर और जान लिटनर का प्रतिरूपों (मॉडलों) की इष्टतम रूप देना, लाभांश के भुगतान के फार्म कार्यशील पूँजी का ढांचा तथा विभिन्न घटकों के स्तर को प्रभावित करने वाले चार कार्यशील पूँजी के पूर्वानुमान का नकदी प्रवाह दृष्टिकोण भारतीय उद्योगों में कार्यशील व पूँजी का पार्श्वचित्र—उधार प्रबंध या उधार नीति वित्तीय आयोजना और नकदी।

प्रवाह वितरण के संबंध में कर का विचारण।

भारतीय द्रव्य का भार का संगठन तथा कमियाँ—वाणिज्यिक बैंकों की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं की संरचना—राष्ट्रीयकरण की उपलब्धियाँ तथा विफलातएँ—क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक उधार से सम्बद्ध अनुवर्ती कार्यवाही पर टंडन पी०एल० अध्ययन दल की सिफारिशों 76 तथा पीरे के०वी० समिति द्वारा इनका संशोधन, 1979— भारतीय रिजर्व बैंक का मुद्रा तथा उधार सम्बन्धी नीतियों का मूल्यांकन—भारतीय पूँजी बाजार के संघटक अखिल भारतीय स्तर संबंध को वित्तीय संस्थाओं (आई.डी.बी.आई., आई.एफ.सी.आई., आई.सी.आई.सी.आई.) के कार्य और कार्य संचालन विधि—भारतीय जीवन बीमा निगम तथा भारतीय यूनिट ट्रस्ट की निवेश नीतियाँ स्टॉक एक्सचेंजों की वर्तमान स्थिति तथा उनका विनियमन।

परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1981 के उपबन्ध अदाकर्ता गता वसूली बैंकरों के सांविधिक संरक्षण के विशेष सन्दर्भ में रेखांकन तथा पृष्ठांकन बैंकों के चार्टरीकरण पर्यवेक्षण तथा विनियमन से सम्बद्ध बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के विशिष्ट उपबन्ध।

खण्ड— II (Section- II)
संगठन सिद्धांत तथा औद्योगिक संबंध

भाग— 1:— संगठन सिद्धांत

संगठन की प्रगति तथा आधारण— संगठन के लक्ष्य: प्राथमिक एवं द्वितीय लक्ष्य, एकल तथा बहुल लक्ष्य, उपाय, शृंखला लक्ष्यों का विस्थापन, अनुक्रमण, विस्तार गथा वसुलीकरण— औपचारिक संगठन प्रचार संरचना लाइन और स्टाफ, कार्यात्मक, आधारों तथा परियोजना— अनौपचारिक संगठन— कार्य तथा सीमायें।

संगठन सिद्धांत का विकास शास्त्रीय नव शास्त्रीय तथा प्रणाली उपक्रम नौकरशाही शक्ति का स्वरूप तथा आधार, शक्ति के स्रोत शक्ति संरचना द्वारा राजनीति—गतिक प्रणाली के रूप में संगठनात्मक व्यवहार, तकनीकी सामाजिक तथा शक्ति प्रणालियाँ—अंतःसंबंध और अंतरक्रियाएँ, प्रत्याग—स्थिति प्रणाली — मैस्लो मोग्रेनर, हर्जवर्ग, लिकेटर्ट, ब्रूम, पोर्टर तथा लालर के सैद्धांतिक तथा अनुभदाक्षित आधार अभिप्रेरण के आदन और हुमन मोडल मनोबल तथा

उत्पादकता, नेतृत्व सिद्धांत तथा मनोबली संगठनों में संधर्म प्रबंध— संव्यवहारात्मक विश्लेषण— संगठन में संस्कृति का महत्व, तर्कबुद्धि की सीमाएँ, साईमन मार्क उपागम। संगठनिक परिवर्तन, अनुकूलन, वृद्धि और विकास संगठनिक नियंत्रण तथा प्रभाविकता।

भाग— 2 औद्योगिक संबंध

औद्योगिक सम्बन्धों का स्वरूप और विषय क्षेत्र— भारत में औद्योगिक श्रम तथा उसकी प्रतिवद्धता— सम्वाध के सिद्धांत— भारत में श्रमिक संघ आंदोलन, संवृद्धि तथा संरचना— बाहरी नेतृत्व की भूमिका, श्रमिकों की शिक्षा तथा अन्य समस्याएँ— सामूहिक सौदेबाजी उपागमन स्थितियाँ, सीमाएँ और भारतीय परिस्थितियों में उनकी प्रभाविकता।

वाणिज्य तथा लेखा विधि

प्रबंध में श्रमिकों की भागीदारी, दर्शन, तर्कोधार, वर्तमान स्थिति और भावी सम्भावनाएँ।

भारत में औद्योगिक विवादों का निवारण तथा समाधान निवारक उपाय समाधन तंत्र तथा व्यवहार में आने वाले अन्य उपाय— सार्वजनिक उद्यमों में औद्योगिक संबंध—भारतीय उद्योगों में अनुपस्थिति तथा श्रमिक परिवर्द्धन सापेथ मजदूरियों तथा मजदूरी विभेदक तत्व, भारत में मजदूरी नीति— बोनस का प्रश्न— अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और भारत—संगठन में कार्मिक विभाग की भूमिका— कार्यकारी (एकजीक्यूटिव) विकास, कार्मिक नीतियाँ, कार्मिक लेखा परीक्षा और कार्मिक अनुसंधान।

11. अर्थशास्त्र

खण्ड— I (Section- I)

1. अर्थव्यवस्था का ढांचा, राष्ट्रीय आय का लेखीकरण।
2. आर्थिक विकल्प— उपभोक्ता व्यवहार— उत्पादक व्यवहार और बाजार के रूप।
3. निवेश सम्बन्धी निर्णय तथा आय और रोजगार का निर्धारण—आय, वितरण और वृद्धि के समृद्ध आर्थिक प्रतिरूप।
4. बैंक व्यवस्था—योजनाबद्ध— विकासशील अर्थव्यवस्था के केन्द्रीय बैंक व्यवस्था के उद्देश्य और साधन तथा साख सम्बन्धी नीतियाँ। बिहार में वाणिज्य बैंकों के क्रिया कलाप।
5. करों के प्रकार और अर्थव्यवस्था पर उनका प्रभाव— बजट के आँकड़ों के प्रभाव। योजनाबद्ध विकासशील अर्थव्यवस्था के बजटीय और राजकोषीय नीति के उद्देश्य और साधन।
6. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रशुल्क पद्धति, विनियम दर, अदायगी शोध, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा व बैंक संस्थान।

खण्ड— II (Section- II)

1. भारतीय अर्थ व्यवस्था — भारतीय अर्थ नीति के निदेशक सिद्धांत, योजनाबद्ध वृद्धि और वितरण न्याय— गरीबी का उन्मूलन। भारतीय अर्थव्यवस्था का संस्थागत ढांचा— संघीय शासन संरचना— कृषि औद्योगिक क्षेत्र, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, राष्ट्रीय आय, उसका क्षेत्रीय वितरण, गरीबी कहाँ—कहाँ और कितनी।
2. कृषि उत्पादन— कृषि नीति— भूमि सुधार— प्रौद्योगिकीय परिवर्तन— औद्योगिक क्षेत्र से सह—संबंध।
3. औद्योगिक उत्पादन— औद्योगिक नीति। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र क्षेत्रीय वितरण— एकाधिकारी प्रथा का नियंत्रण और एकाधिकार।
4. कृषि उत्पादों और औद्योगिक उत्पादों के मूल्य निर्धारण सम्बन्धी नीतियाँ अधिप्राप्ति और सार्वजनिक वितरण।
5. बजट की प्रवृत्तियाँ और राजकोषीय वितरण।
6. मुद्रा और साख प्रवृत्तियाँ और नीति— बैंक व्यवस्था और अन्य वित्तीय संस्थाएँ।
7. विदेशी व्यापार और अदायगी कोष।
8. भारतीय योजना। उद्देश्य, व्यूह रचना, अनुभव और समस्याएँ।
9. बिहार की अर्थ व्यवस्था— कृषि एवं उद्योग के सापेक्षिक स्थान, आर्थिक विकास के मार्ग की रुकावें, गरीबी एवं बेरोजगारी, भूमि सुधार की प्रगति।

12. विद्युत् इंजीनियरिंग

खण्ड— I (Section- I)

जाल तंत्र— निर्दिष्ट धारा और प्रत्यावर्ती धारा जाल की स्थायी अवस्था का विश्लेषण, जाल-प्रमेय, आवृह बीच गणित, जाल प्रकार्य क्षणिक अनुक्रिया, आवृत्ति अनुक्रिया, लाप्लॉस रूपान्तर, फूरियर क्षेणी और फूरियर रूपान्तर, आवृत्ति स्पैक्ट्राई, ध्रुव शूच्य संकल्पन, प्रारम्भिक जाल अंशलेशण। स्थिति विज्ञान और चुम्बक विज्ञान।

स्थिर विद्युत् और स्थिर चुम्बकीय क्षेत्रों का विश्लेषण, लाप्लॉस और प्यासों समीकरण, परिसीमा, मान समस्याओं का हल, मेक्सवेल समीकरण, विद्युत् चुम्बकीय तरंग सुचारण, भू और आकाश तरंगें, भू-केन्द्र और उपग्रह के बीच संचारण।

माप-मापन की आधारभूत पद्धतियाँ, मानक त्रुटि विश्लेषण सूचक यंत्र, कैथोड-रे आसिलोस्कोप, वोल्टेज, मापन धारा, प्रतिरोध, प्रेरकत्व, धारिता समय, आवृत्ति और फुलक्स, इलेक्ट्रॉनिक मोटर।

इलेक्ट्रॉनिकी— निर्यात और अद्वचालक युक्तियाँ, समकक्ष परिपथ, ट्रांजिस्टर पैरामीटर, धारा और वोल्टेज लक्ष्य और निवेश तथा निगम प्रतिबाधाओं का निर्धारण अभिनतन, प्रविधि, एकल और बहुचरण अन्य रेडियो लघु संकेत तथा वृहत् संकेत प्रवर्धक और उनका विश्लेषण, पुनर्भरण प्रवर्धक और दोलित तरंग, रूपण परिपथ और समायाधार जनित्र, विभिन्न प्रकार के बहुकंपित और उनके प्रायोगिकी परिपथ।

विद्युत् मशीन— पूर्वी यंत्रों में ई.एम.एफ., एम.एम.एफ. और आसूगेन का जनन निष्ठ धारा तुल्य मकालिक और प्रेषक मशीनों के लीडर और जनित्र सम्बन्धी लक्षण तुल्य परिपत्र दिनपरिवेतन पोर्शर्य, प्रचाजन, शक्ति ट्रांसफरमर के फजर आरेख और तुल्य परिपथ कार्य निष्पादन और दक्षता का निर्धारण आठो ट्रांसफरमर, त्रिपल ट्रांसफरमर।

खण्ड— II (Section- II)

भाग “क”

नियंत्रण प्रणाली—गतिक रेसिक नियंत्रण प्रणालियों का गणितीय निर्देशन, ब्लाक आरेख और संकेत प्रवाह आलेख, क्षणिक अनुक्रिया स्थायी तथा त्रुटियाँ, स्थायित्व, आवृत्ति अनुक्रिया प्रविष्टियाँ, मल बिन्दु पथ प्रविष्टियाँ श्रेणी प्रतिकरण।

औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिकी—एक कलीय और बहु कलीय परिशोधकों के सिद्धान्त और अभिकल्पन नियंत्रित परिशोधन, मसणधारी फिल्टर, नियमित शक्ति प्रदाय चालय हेतु गति नियंत्रण परिपथ प्रतीपक, दिष्ट धारा के प्रयावर्ती धारा में रूपान्तरण, चौपर काँच, नियमक और वेल्डिंग परिपथ।

भाग “ख”

गुरु धाराएँ वैद्युत् मशीने—प्रेरण मशीनों—घूर्णी चुम्बकीय क्षेत्र बफहुलीय मोटर, प्रचालन सिद्धान्त फेजर आरेख, बल आरण आधूर्ण सर्वण विशेषता तुल्य परिपथ और इसके प्राचल निर्धारण, वृत्त आरेख, प्रवर्तक गति नियंत्रण, द्विपंजर मोटर, प्रेरण जनित्र, सिद्धान्त, फेजर आरेख, एक कलीय मोटरों की विशेषताएँ और अनुप्रयोग द्विकलीय प्रेरण और मोटर का अनुप्रयोग।

तुल्कालिक मशीन— ई.एम.एफ. समीकरण फेजर और वृत्त आरेख अपरिमित “वस” पर प्रचालन तुल्कालिक शक्ति, प्रचालन विशेषता और विभिन्न पद्धतियों द्वारा निष्पादन, आकस्मिक लघु परिपथ और मशीन प्रतिघात और काल स्थिरता निर्धारित करने हेतु दोलन लेख का विश्लेषण, मोटर विशेषताएँ और कार्य निष्पादन प्रवर्तन पद्धति अनुप्रयोग।

विशेष मशीन— एम्पलीडाइन और मेटाडाइन प्रचालन विशेषताएँ और उनके अनुप्रयोग।

शक्ति प्रणाली और रक्षण— विभिन्न प्रकार के शक्ति केन्द्रों की सामान्य रूप-रेखा और अर्थ प्रबंध आधार-भार, शिखर भार और पंपित पंडारण संयन्त्रदृष्ट धारा और प्रत्यावर्ती धारा शक्ति वितरण को विभिन्न प्रणालियों की अर्थव्यवस्था, संचरण शक्ति प्रचलन परिकलन, जी.एम.डी. की संकल्पना, लघु मध्यम और दीर्घ संरचना यंत्रि विद्युत् रोधक, विद्युत् रोधकों की किसी रज्जू में वोल्टेज का वितरण और श्रे गोचन, विद्युत् रोधकों प्रवातावरणी प्रभाव, समामित घटकों द्वारा परिकलन, भार प्रवाह विश्लेषण और किफायती प्रचालन, स्थायी दशा और क्षणिक स्थायित्व दोष, विलोयन की स्थिति गिअर पद्धतियाँ, पुनः प्रवर्तन और उपलब्धि वोल्टेज, परिपथ विच्छेदक परीक्षण, रक्षी रिले, शक्ति प्रणाली उपस्कर हेतु लक्षी योजना, संचरण लाइनों में सी.टी. और पी.टी. महोर्मियां, प्रगामी तरंग और रक्षण।

उपयोग— औद्योगिक परिचालन विविध परियोजनाओं के लिए वैद्युत् मीटर और उनके अनुमतांक का आकलन, प्रारम्भ होते समय मोटरों का त्वरण, ब्रेक और उत्क्रमण प्रचालनों में मोटर का आचरण, दिष्ट धारा प्रेरण मोटर हेतु नियंत्रण की योजना, रेल संकरण की विभिन्न प्रणालियों की अर्थव्यवस्था और अन्य पहलू रेलगाड़ी आवागमन की यांत्रिकी शक्ति और ऊर्जा की जरूरतों तथा मोटर अनुमतांकों का आकलन संकरण मीटरों की विशेषताएँ परावैद्युतीय और प्रेरणा तापन।

अथवा

भाग “ग” (प्रकाश धाराएँ)

संचार प्रणालियों आयाम का प्रजनन और संसूचन— कला दीक्षीविल, माडुलक और विमाडुलक का प्रयोग करते हुए आयाम आवृति कला और स्पंद माडुलोर सिग्नलों का जनन और संसूचन, माडुलिक प्रणालियों की तुलना एवं समस्याएँ, प्रणाली दक्षता, प्रतिचयन प्रमेय, ध्वनि और दर्शन प्रसारण, संचारण और अभिग्राही प्रणालियाँ एंटेना, भरकों और अभिप्राही परिपथ, श्रव्य स्थित संचरण रेखा, रेडियो और परा उच्च आवृत्तियाँ।

सूक्ष्म तरंग— निदेशित साधनों में वैद्युत चुम्बकीय तरंग— तरंग निर्देशी घटक कोटर अनुवादक, सुक्ष्म तरंग नल और ठोस अवस्था युक्तियाँ, सूक्ष्म तरंग जनित्र और प्रबंधक, फिल्टर सूक्ष्म तरंग मापन पद्धतियाँ, सूक्ष्म तरंग विकिरण पैटर्न, संचार और एंटेना प्रणालियाँ— नीचैलन रेडियो सहायकता।

विष्ट धारा प्रवर्धक — प्रत्यक्ष युक्ति प्रबंधक, भेद प्रवर्धक, धापधर और अनुरूप अभिफलन।

13. भूगोल

खण्ड— I (Section- I)

भूगोल का सिद्धान्त

भाग “क” भौतिक भूगोल

1. **भू—आकृति विज्ञान**— भू पटल का उद्गम तथा विकास भू—संचलन तथा प्लेट विवर्तनिकी, ज्वालामुखी क्रिया अपरदन चक्र— डेविस तथा पेंक नदीय, हिमनदीय शुष्क तथा कार्स्ट भू—आकृतियाँ, पुर्णयवनित तथा बहुचक्रीय भू—आकृतियाँ।
2. **जलवायु विज्ञान**— वायु मंडल, इसकी संरचना तथा संयोजन, वायु राशियाँ, वाताग्र चक्रवात तथा सम्बद्ध परिघटनाएँ— जलवायु वर्गीकरण, कोपेन तथा थार्नर्थवेट, भूतलजल, जलचक्र तथा जल वैज्ञानिक चक्र।
3. **मृदायें तथा वनस्पति**— मृदा उत्पत्ति वर्गीकरण तथा वितरण, सवाना तथा मानसुन वन जीवों के पारिस्थितिक पहलू।
4. **महासागरीय विज्ञान**— महासागर तल, उच्चावच भारतीय महासागरीय तल का उच्चावच, लवणता, धाराएँ तथा ज्वार, समुद्र निक्षेप तथा मूँग चट्टानें।
5. **पारिस्थितिक तंत्र** — पारिस्थिति—तंत्र की संकल्पना, पारिस्थितिक तंत्र पर मनुष्य का संघात, विश्व की पारिस्थिति का असंतुलन।

भाग “ख” मानव तथा आर्थिक भूगोल

1. **भौगोलिक विन्तन का विकास**— यूरोपीय तथा ब्रिटिश भूगोलविदों का योगदान, नियतिवाद तथा सम्भववाद, भूगोल में द्वैतवाद मात्रात्मक तथा व्यवहारात्मक क्रांतियाँ।
2. **मानव भूगोल**— मानव तथा मानव प्रजातियों का आविर्भाव, मानव का सांस्कृतिक विकास, विश्व के प्रमुख सांस्कृतिक परिमंडल, अंतर्राष्ट्रीय प्रवर्जन, अतीत और वर्तमान, विश्व की जनसंख्या का वितरण तथा वृद्धि, जन—सांख्यिकीय संक्रमण तथा विश्व जनसंख्या की समस्याएँ।
3. **बस्ती भूगोल**— ग्रामीण तथा नगरीय बस्तियों की संकल्पना, नगरीकरण का उद्भव— ग्रामीण बस्ती के प्रतिरूप, नगरीय वर्गीकरण—नगरीय प्रभाव के क्षेत्र तथा ग्रामीण नगरीय सीमान्त, नगरों की आन्तरिक संरचना, विश्व में नगरीय वृद्धि की समस्याएँ।
4. **राजनीतिक भूगोल**— राष्ट्र और राज्य की संकल्पनाएँ, सीमान्त, सीमाएँ तथा वफर क्षेत्र, केन्द्र स्थल तथा उपान्त स्थल की संकल्पना, संघवाद।
5. **आर्थिक भूगोल**— विश्व का आर्थिक विकास— मापन तथा समस्याएँ, संसाधन की संकल्पना, विश्व संसाधन उनका वितरण तथा विश्व समस्याएँ, विश्व ऊर्जा संकट, अभिवृद्धि की सीमाएँ, विश्व कृषि— प्रारूप विज्ञान तथा विश्व के कृषि क्षेत्र, कृषि अवस्थिति का सिद्धान्त, विश्व उद्योग—उद्योगों की अवस्थिति का सिद्धान्त, विश्व औद्योगिक नमूने तथा समस्याएँ, विश्व व्यापार सिद्धान्त तथा विश्व के प्रतिरूप।

खण्ड— II (Section- II)

भारत का भूगोल

भौतिक पहलू— भू वैज्ञानिक इतिहास, भू—आकृति और अपवाह तंत्र, भारतीय मानसून का उद्गम और क्रिया विधि, मुद्रा और वनस्पति।

मानवीय पहलू— आदिवासी क्षेत्र तथा उनकी समस्याएँ, जनसंख्या वितरण, संघनता और वृद्धि, जनसंख्या की समस्याएँ तथा नीतियाँ।

संसाधन— भूमि खनिज, जल जीवीय और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और उपयोग।

कृषि— सिंचाई, फसलों की गहनता, फसलों का संयोजन, हरित क्रांति, भूमि उपयोग सम्बन्धी नीति, ग्रामीण अर्थ व्यवस्था—पशुपालन, सामाजिक वानिकी और घरेलू उद्योग।

उद्योग— औद्योगिक विकास का इतिहास, स्थानीकरण कारक, खनिज आधारित, कृषि आधारित तथा वन आधारित उद्योगों का अध्ययन, औद्योगिक संकुल और औद्योगिक क्षेत्रीयकरण।

परिवहन और व्यापार— सड़कों, रेलमार्गों तथा जलमार्गों की व्यवस्था का अध्ययन, अन्तः तथा अंतरक्षेत्रीय व्यापार तथा गाँव के बाजार केन्द्रों की भूमिका।

बरितियाँ— ग्रामीण बरितियों का प्रतिरूप, भारत में नगरीय विकास तथा उनकी समस्याएँ, भारतीय नगरों की आंतरिक संरचना, नगर आयोजन, गन्दी बरितियाँ तथा नगरीय आवास, राष्ट्रीय नगरीकरण नीति।

क्षेत्रीय विकास तथा आयोजन— भारत की पंचवर्षीय योजना, बहुस्तरीय आयोजन, राज्य जिला तथा प्रखण्ड स्तरीय आयोजन, भारत में विकास के संबंध में क्षेत्रीय असमानताएँ।

राजनैतिक पहलू— भारत की राजनैतिक समस्याएँ, राज्य पुनर्गठन, भारत की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा तथा सम्बद्ध मामले। भारत तथा हिन्दू महासागर क्षेत्र की भू—राजनीति।

बिहार के भूगोल का निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत अध्ययन, प्राकृतिक विभाग, मिट्टियाँ, वन, जलवायु, कृषि का प्रतिरूप, सूखा और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की समस्याएँ और समाधान, प्रमुख खनिज संसाधन—लोहा, ताम्बा, बाक्साइट, अबरख और कोयला, प्रमुख उद्योग—लोहा—इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेन्ट, चीनी, प्रमुख औद्योगिक प्रदेश, बिहार की जनसंख्या की समस्या, जन—जातियों की समस्याएँ और उनका समाधान, बिहार में नगरीकरण का प्रतिरूप।

14. भू—विज्ञान

खण्ड— I (Section- I)

(सामान्य भू—विज्ञान, भू—आकृति विज्ञान संरचनात्मक भू—विज्ञान, जीवाश्म विज्ञान और स्तरिकी)

1. **सामान्य भू—विज्ञान**— भूति विज्ञान से सम्बद्ध ऊर्जा की गतिविधि, भूमि का उद्गम और अंतर्स्थ, भूमि के विभिन्न विधि और काल द्वारा चट्ठानों की तिथि निर्धारण। ज्वालामुखी के कारण और उत्पत्ति, ज्वालामुखी मेखलाएँ, भूचाल ज्वालामुखी मेखलाओं से संबद्धकरण और भू—वैज्ञानिक प्रभाव तथा फैलाव। मुद्रीणी तथा उनका वर्गीकरण। द्वीप—द्वीपचापों, संभीर सागर खाइयाँ तथा मध्य—महासागरीय कटक समास्थितिक पर्वतों—प्रकार और उद्गम, महाद्वीप बहाव का संक्षिप्त विचार, महाद्वीपों तथा सागरों की उत्पत्ति, वायु तंरगों और भू—वैज्ञानिक समस्याओं से इसका लगाव।
2. **भू—आकृति विज्ञान**—प्रारम्भिक सिद्धांत तथा महत्व। भू—आकृति और प्रक्रिया तथा पैरामीटर भू—आकृतिक चक्रों तथा उनके प्रतिपादन, उन्नुक्ति गुण, स्थलाकृति संरचनाओं और अश्व विज्ञान से इनका संबंध, बड़ी भू—आकृतियाँ, अपवहनता, भारतीय उपमहाद्वीप के भू—प्राकृतिक गुण। छोटानागपुर पठार के भू—आकृतिक गुण।
3. **संरचनात्मक भू—विज्ञान**— दबाव तथा भार दीर्घबतज तथा चट्ठान विरूपण। वलन और ब्रंशन का मैकेनिकल लाइनर और प्लानर संरचनाएँ और उत्पत्तिमूलक महत्व। पेट्रोफैब्रिक विश्लेषण और इसका भू—वैज्ञानिक समस्याओं से मानचित्रीय प्रतिवेदन और लगाव। भारत का विवर्तनिकी ढांचा।
4. **जीवाश्म विज्ञान**— सूक्ष्म तथा वृहत्—जीवाश्म जीवासन का संरक्षण और उपयोगिता, नाम पद्धति के वर्गीकरण का सामान्य विचार। स्नायाविक उद्वेष और इस पर पुरा सात्त्विकी अध्ययन का प्रभाव। आकृति विज्ञान ब्राकिपोड्स, विवालब्स गैस्ट्रोपोड्स, अम्मोनोइड्स, ट्रिलोवाइट्स, एचिनोइड्स तथा कोरलस की विकासवादी प्रवृद्धि का भू—वैज्ञानिक इतिहास सहित वर्गीकरण। पृष्ठावंशियों के प्रधान समूह तथा उनके आकृति गुण। गुणों से पृष्ठावंश जीवन, डायनोसोर, सिवालिक पृष्ठावंश। अश्वों, हाथियों तथा मानव का विस्तृत अध्ययन। गोंडवाना पलोरा और इनके महत्व। सूक्ष्म जीवाश्मों के प्रकार तथा उनके तेल की गवेषणा के विशेष सन्दर्भ सहित महत्व।
5. **स्तरिकी**— स्तरिकी के सिद्धांत। स्तरीय वर्गीकरण तथा नाम पद्धति। स्तरिकीय मानक माप, भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न भू—वैज्ञानिकों पद्धति का विस्तृत अध्ययन, भारतीय आकृति विज्ञान की सीमा समस्याएँ। विभिन्न भू—वैज्ञानिक पद्धतियों की उनके प्रकार क्षेत्र में स्तरीकी की रूप रेखा। भारतीय उप—महाद्वीप की भूतकाल की अवधि। संक्षिप्त जलवायु और आग्नेय क्रियाकलापों का अध्ययन। पूरा भौगोलिक पुनर्निर्माण।

खण्ड— II (Section- II)

(स्फट रूपिकी: खनिज विज्ञान, शैल विज्ञान, आर्थिक भू-विज्ञान एवं प्रयुक्त भू-विज्ञान)

1. **स्फट रूपिकी:**—स्फटात्मक तथा अस्फटात्मक तत्व, विशेष ग्रुप प्रवास समिति। समिति की 32 श्रेणियों में स्फटी का वर्गीकरण। स्फटरूपिकी संकेतना की अंतर्राष्ट्रीय पद्धति, स्फट समिति को विज्ञत करने के लिए त्रिविम प्रक्षेप। यमलन तथा यमल-जनन विधियाँ। स्फट अनियमितताएँ। स्फट अध्ययन के लिए एक्स किरणों का उपयोग।
2. **प्रकाशीय खनिज विज्ञान:**—प्रकाश के सामान्य सिद्धांत, समदेशिक और अनिसोट्रोपिज्म दृष्टि सूचिका की धारणा, तर्कवन्ता, व्यतिकरण रंग तथा निर्वापण स्फटों में दृष्टि में दिग्विन्यास, विश्लेषण अतिरिक्त दृष्टि।
3. **खनिज विज्ञान:**—क्रिस्टल रसायन के तत्व बंधक के प्रकार। आयोनीक्रेडी सहन्वय संख्या, आइसोमॉर्फिज्म, पॉलिमॉर्फिज्म तथा स्थूलो मॉर्फिज्म। सिलीकेट का रचनात्मक वर्गीकरण। चट्टान बनाने वाले खनिजों का विस्तृत अध्ययन, उनका भौतिक, रासायनिक तथा प्रकाशीय गुण तथा उनके प्रयोग, यदि कोई हो, इन खनिजों के उत्पादों के परिवर्तनों का अध्ययन।
4. **सैलविज्ञान:**—मैगमा, इसका प्रजनन, स्वभाव तथा संयोजन। बाइनरी तथा टर्नरी पद्धति का साधारण फेज का डायग्राम तथा उनका महत्व, बोबिन प्रतिक्रिया सिद्धांत, मैगमेटिक विनेदीकरण, आत्मयात्करण। बनावट तथा संरचना और उनका पाषाण, उत्पत्ति, महत्व, आग्नेय चट्टानों का वर्गीकरण, भारत के महत्वपूर्ण चट्टान टाईप की पेट्रोग्राफी तथा पेट्रोजेनेसिस, ग्रेनाइट्स, कार्नोकाइट्स, एनोर्थोसाइट्स तथा क्षारीय चट्टान। तलछट चट्टानों के बनावट की प्रक्रियाएँ, डाइजेनेसिस तथा लिथिफिकेशन, बनावट तथा संरचना और उसका महत्व, आग्नेय चट्टानों का वर्गीकरण, क्लास्टिक तथा नन-क्लास्टिक। भारी खनिज और उसका महत्व। जमाव पर्यावरण के आरम्भिक सिद्धांत। आग्नेय का अग्रभाग तथा उत्पत्ति स्थान, सामान्य चट्टान प्रकारों के शिलालेख। रूपान्तरण का परिवर्तन, रूपान्तरण के प्रकार, रूपान्तरिक ग्रेड, जोन तथा अग्रभाग। ए.सी.एफ., ए.के.एफ. तथा ए.एफ.एम. आकृति। चट्टानों के रूपान्तरण की बनावट, संरचना तथा नामांकण, महत्वपूर्ण चट्टानों के शिला या शैल जनन।
5. **आर्थिक भू-विज्ञान:**—कच्चे धातु का सिद्धांत, धातु खनिज तथा विधातु, कच्चे धातु की गतिविधि, खनिज संग्रहों की बनावट की प्रक्रिया, कच्चे धातु का वर्गीकरण, कच्चे धातु संग्रह ज्ञान का नियंत्रण, मेटालीजेनेटिक इपीह, महत्वपूर्ण धातु संबंधी बिना धातु संबंधी संग्रह, तेल तथा प्राकृतिक गैस, क्षेत्र, भारत के कोयला क्षेत्र। भारत की खनिज सम्पदा, खनिज अर्थ, राष्ट्रीय खनिज नीति, खनिजों की सुरक्षा तथा उपयोगिता।
6. **प्रयुक्त भू-विज्ञान:**—आशाजनक और यंत्र कला प्रधानताएँ। खनन विज्ञान की प्रधान पद्धति, नमूना कच्चा धातु भंडारण तथा लाभ अभियांत्रिक कार्यों में भू-विज्ञान का प्रयोग। मुदा तथा भूमिगत जल-भू विज्ञान। बिहार के भूमिगत जल प्रदेश। भू-वैज्ञानिक गवेषण में वायु सम्बन्धी चित्रों का प्रयोग।

15. इतिहास
खण्ड— I (Section- I)**भाग (क) — भारत का इतिहास (760 ईसवी सन् तक)**

1. **सिन्धु सभ्यता** |—उद्गम, विस्तार, प्रमुख विशेषताएँ, महानगर, व्यापार और संबंध; हरास के कारण, उत्तरा जीविता और सांतत्य।
2. **वैदिक युग** |—वैदिक साहित्य, वैदिक युग का भौगोलिक क्षेत्र, सिन्धु सभ्यता और जैविक संस्कृत के बीच असमानताएँ और समानताएँ। राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक प्रतिरूप, महान धार्मिक विचार और रीति-रिवाज।
3. **मौर्य काल से पूर्व** |—धार्मिक आंदोलन (जैन, बौद्ध और अन्य धर्म) सामाजिक और आर्थिक स्थिति। मगध साम्राज्य का गणतंत्र और वृद्धि।
4. **मौर्य साम्राज्य** |—साधन, साम्राज्य प्रशासन का उद्भव, वृद्धि और पतन, सामाजिक और आर्थिक स्थिति, अशोक की नीति और सुधार काल।
5. **मौर्य काल के बाद (200 ई.पू.— 300 ई.)** |—उत्तरी और दक्षिणी भारत में प्रमुख राजवंश, आर्थिक और सामाजिक, संस्कृत, प्राकृत और तमिल धर्म (महायान का उदय और ईश्वरवादी उपासना)। कला (गांधार, मथुरा तथा अन्य स्कूल) केन्द्रीय एशिया से संबंध।
6. **गुप्त काल** |—गुप्त साम्राज्य का उदय और पतन, बकाटकास, प्रशासन समाज अर्थव्यवस्था, साहित्य कला और धर्म दक्षिण पूर्व एशिया से संबंध।

7. गुप्त काल के पश्चात् (500 ई०—700 ई०) ।—पुश्यभूतिस, मोखादिस, उनके पश्चात् गुप्त राजा। हर्षवर्घन और उसका काल, बदामी के चालुक्य। पल्लव, समाज, प्रशासन और कला। अरब विजय।

8. विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा और ज्ञान का सामान्य पुनरीक्षण।

भाग (ख)– मध्ययुगीन भारत (भारत 750 ई० से 1200 ई० तक)

1. राजनीतिक और सामाजिक दशा, राजपूत, उनकी नीतियाँ और सामाजिक संरचना (भू-संरचना और इसका समाज पर प्रभाव)।
2. व्यापार और वाणिज्य
3. कला, धर्म और दर्शन, शंकराचार्य।
4. तटवर्ती क्रियाकलाप, अरबी से संबंध, आपसी सांस्कृतिक प्रभाव।
5. राष्ट्रकुल, इतिहास में उनकी भूमिका, कला और संस्कृति में योगदान (चोल साम्राज्य, स्थानीय स्वायत्त सरकार, भारतीय ग्राम पद्धति के लक्षण, दक्षिण में समाज अर्थव्यवस्था, कला और विद्या)।
6. मुहम्मद गजनवी के आक्रमण से पूर्व भारतीय समाज अलवरुनी के दृष्टान्त।

भारत 1200—1765

7. उत्तर भारत में दिल्ली सुल्तानों की नींव, कारण और परिस्थितियाँ, भारतीय समाज पर उसका प्रभाव।
8. खिलजी साम्राज्य, सार्थकता और आशय, प्रशासनिक और आर्थिक विनियमन और राज्य एवम् जनता पर उनका प्रभाव।
9. मुहम्मद बिन तुगलक के अधीन राज्य नीतियों और प्रशासनिक सिद्धांतों की नवीन स्थिति, फिरोजशाह की धार्मिक नीति और लोक-निर्माण।
10. दिल्ली सल्तनत का विघटन— कारण और भारतीय राजतंत्र और समाज पर इसका प्रभाव।
11. राज्य का स्वरूप और विशेषता— राजनीतिक विचार और संस्थाएँ, कृषक संरचना और संबंध, शहरी केन्द्रों की वृद्धि, व्यापार और लघु वाणिज्य, शिल्पकारों और कृषकों, नवीन शिल्प, उद्योग और प्राधोगिकी भारतीय औषधियों की स्थिति।
12. भारतीय संस्कृति पर इस्लाम का प्रभाव— मुस्लिम रहस्यवादी आंदोलन, भक्ति संतों की प्रकृति और सार्थकता, महाराष्ट्र धर्म। वैष्ण युनरूद्धरकों के आंदोलनों की भूमिका, वैतन्य आंदोलन की सामाजिक और धार्मिक सार्थकता, मुस्लिम सामाजिक जीवन पर हिन्दु समाज का प्रभाव।
13. विजय नगर साम्राज्य, इसकी उत्पत्ति और वृद्धि कला, साहित्य और संस्कृति में योगदान, सामाजिक और आर्थिक स्थितियाँ, प्रशासन की पद्धति, विजय नगर साम्राज्य का विघटन।
14. इतिहास के स्रोत, प्रमुख इतिहासकारों, शिलालेखों और मंत्रियों का विवरण।
15. उत्तर भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना— बाबर की चढ़ाई के समय हिन्दुस्तान में राजनैतिक और सामाजिक स्थिति, बाबर और हुमायूं, भारतीय समुद्र में पुर्तगाली नियंत्रण की स्थापना, इसके राजनीतिक एवं आर्थिक परिणाम।
16. सूर, राजनीतिक, राजस्व और असैनिक प्रशासन।
17. अकबर के अधीन मुगल साम्राज्य का विस्तारः— राजनैतिक एकता, अकबर के अधीन राजतंत्र का नवीन स्वरूप, अकबर का धार्मिक राजनीतिक विचार, गैर मुस्लिमों के साथ संबंध।
18. मध्य कालीन युग में क्षेत्रीय भाषाओं और साहित्य की वृद्धि, कला और वस्तुकला का विकास।
19. राजनीतिक विचार और संस्थाएँ, मुगल साम्राज्य की प्रकृति, भू-राजस्व प्रशासन, मनसबदारी और जागीरदारी पद्धतियाँ, भूमि संरचना और जमीदारों की भूमिका, खेतीहर संबंध, सैनिक संगठन।
20. औरंगजेब की धार्मिक नीति— दक्षिण में मुगल साम्राज्य का विस्तार, औरंगजेब के विरुद्ध विद्रोह, स्वरूप और परिणाम।
21. शहरी केन्द्रों का विस्तार— औद्योगिक अर्थव्यवस्था— शहरी और ग्रामीण विदेशी व्यापार और वाणिज्य, मुगल और यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियाँ।
22. हिन्दू-मुस्लिम संबंध, एकीकरण की प्रवृत्ति—संयुक्त संस्कृति (16वीं से 18वीं शताब्दी)।
23. शिवाजी का उदय— मुगलों के साथ उनका संघर्ष, शिवाजी का प्रशासन, पेशवा (1707—1761) के अधीन मराठी शक्ति का विस्तार, प्रथम तीन पेशवाओं के अधीन मराठा राजनीतिक संरचना, चौथ और सरदेशमुखी, पानीपत की तीसरी लड़ाई, कारण और प्रभाव, मराठा राज्य व संघ का आविर्भाव, इसकी संरचना और भूमिका।
24. मुगल साम्राज्य का विघटन, नवीन क्षेत्रीय राज्य का आविर्भाव।

खण्ड— II (Section- II)

भाग "क" आधुनिक भारत (1757 से 1947)

1. ऐतिहासिक शक्तियाँ और कारक, जिनकी वजह से अंग्रेजों का भारत पर अधिपत्य हुआ, विशेषतया बंगाल, महाराष्ट्र और सिंध के सन्दर्भ में भारतीय ताकतों द्वारा प्रतिरोध और उनकी असफलताओं के कारण।
2. राजवाड़ों पर अंग्रेजों का प्रमुख का विकार।
3. उपनिवेशवाद की अवस्थाएँ और प्रशासनिक ढांचे और नीतियों में परिवर्तन (राजस्व, न्याय समाज और शिक्षा सम्बन्धी परिवर्तन और ब्रिटिश औपनिवेशिक हितों में उनका संबंध)।
4. ब्रिटिश आर्थिक नीति और उनका प्रभाव, कृषि का वाणिज्यीकरण, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, कृषि श्रमिकों की वृद्धि, दस्तकारी उद्योगों का विनाश, सम्पत्ति का पलायन, आधुनिक उद्योगों की वृद्धि तथा पूंजीवादी वर्ग का उदय, ईसाई मिशनों की गतिविधियाँ।
5. भारतीय समाज के पुनर्जीवन के प्रभाव, सामाजिक धार्मिक आंदोलन, सुधारकों के सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक विचार और उनकी भविष्य दृष्टि, उन्नीसवीं शताब्दी के पुनर्जागरण का स्वरूप और उसकी सीमाएँ, जातिगत आंदोलन विशेषकर दक्षिण और महाराष्ट्र के सन्दर्भ में, आदिवासी विद्रोह विशेषकर मध्य तथा पूर्वी भारत में।
6. नागरिक विद्रोह— 1857 का विद्रोह, नागरिक विद्रोह और कृषक विद्रोह विशेषकर नील बगावत के संबंध में, दक्षिण के दंगे और भोपला बगावत।
7. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उदय और विकास— भारतीय राष्ट्रवाद के सामाजिक आधार, प्रारम्भिक राष्ट्रवादियों और उग्र राष्ट्रवादियों की नीतियाँ और कार्यक्रम, उग्र क्रांतिकारी दल, आतंकवादी साम्राज्यिकता का उदय और विकास। भारत की राजनीति में गांधीजी का उदय और उनके जन-आंदोलन के तरीके, असहयोग सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन, ट्रेड यूनियन और किसान आंदोलन। राजवाड़ों की जनता के आंदोलन, कांग्रेस समाजवादी और साम्यवादी। राष्ट्रीय आंदोलन के प्रति ब्रिटेन की सरकारी प्रतिक्रिया, 1909–1935 के संवैधानिक पतिवर्तनों के बारे में कांग्रेस का रुख, आजाद हिन्द फौज 1946 का नौसेना विद्रोह, भारत का विभाजन और स्वतंत्रता की प्राप्ति।

भाग "ख"— विश्व इतिहास (1500–1950)

(क) **भौगोलिक खोजों—** सामन्तवाद का पतन, पूंजीवाद का प्रारम्भ (यूरोप में पुनर्जीवन और धर्म सुधार) नवीन निरंकुश राजतंत्र— राष्ट्र राज्योदय।
पश्चिमी यूरोप में वाणिज्यिक क्रांति वाणिज्यवाद।
इंगलैंड में संसदीय संघों का विकास। तीस वर्षीय युद्ध। यूरोप के इतिहास में इसका महत्व।

(ख) **फ्रांस का प्रभुत्व—**
विश्व के वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उदय। प्रवोधन का युग, अमेरिका की क्रांति एवम् इसका महत्व।
फ्रांस की क्रांति तथा नैपोलियन का युग (1789–1815), विश्व इतिहास में इसका महत्व। पश्चिमी यूरोप में सुधारवाद तथा प्रजातंत्र का विकास (1815–1914), औद्योगिक क्रांति का वैज्ञानिक तथा तकनीकी पृष्ठभूमि, यूरोप के औद्योगिक क्रांति की अवस्थाएँ, यूरोप में सामाजिक तथा श्रम आंदोलन।

(ग) विशाल राष्ट्र राज्यों का सुदृढ़ीकरण, इटली का एकीकरण, जर्मन साम्राज्य का आबादीकरण। अमेरिका का सिविल युद्ध। 19वीं और 20वीं शताब्दी में एशिया तथा अफ्रीका में उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद।
चीन तथा पश्चिमी शक्तियाँ। जापान और इसके उदय का बड़ी शक्ति के रूप में आधुनिकीकरण।
यूरोपीय शक्तियाँ तथा ओष्ठामन एम्पायर (1815–1914).
प्रथम विश्वयुद्ध—युद्ध का आर्थिक तथा सामाजिक प्रभाव— पेरिस संधि 1919.

(घ) रूस की क्रांति 1917— रूस में आर्थिक तथा सामाजिक पुनः निर्माण, इन्डोनेशिया, चीन तथा हिन्द चीन में राष्ट्रवादी आंदोलन।
चीन में साम्यवाद का उदय और स्थापना। अरब संसार में जागृति, मिश्र में स्वाधीनता तथा सुधार हेतु संघर्ष, कमाल अंतातुर्क के अधीन आधुनिक तुर्की का अचिर्धान। अरब राष्ट्रवाद का उदय।
1929–32 का विश्व वलन। फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट का नया व्यवहार। यूरोप में सर्वसत्तावाद, इटली में मोहवाद, जर्मन में नाजीवाद। जापान में सैन्यवाद, द्वितीय विश्वयुद्ध के उद्गम तथा परिणाम।

16. श्रम एवम् समाज कल्याण

खण्ड— I (Section- I)

श्रम विधान एवं श्रम प्रशासन

1. श्रम विधान के सिद्धांत— श्रम विधान के प्रकार
2. भारत में श्रम विधान का संक्षिप्त इतिहास
3. भारतीय सविधान में श्रम सम्बन्धी उपबंध
4. निम्नलिखित श्रम अधिनियम; यथा अद्यतन संशोधित मुख्य उपबंध एवं उनका मूल्यांकन
 - (क) कारखाना अधिनियम, 1948
 - (ख) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948— बिहार में कार्यान्वयन
 - (ग) मजदूरी भुगतान अधिनियम, 1936
 - (घ) समाज पारिश्रमिक अधिनियम, 1976
 - (ड) कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम, 1923
 - (च) प्रसूति हितलाभ अधिनियम, 1961
 - (छ) कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948
 - (ज) उपादान संदाय अधिनियम, 1972
 - (झ) बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियम) अधिनियम, 1986
 - (ञ) बीड़ी तथा सिगार कर्मकार (नियोजन की शर्त) अधिनियम, 1966
 - (ट) बिहार दूकान एवं प्रतिष्ठान अधिनियम, 1953
5. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, गठन, क्रियाकलाप, अंतर्राष्ट्रीय श्रम मानकों का सृजन भारतीय श्रम विधान पर प्रभाव।
6. बिहार में श्रम प्रशासन।

खण्ड— II (Section- II)

औद्योगिक सम्बन्ध एवम् समाज कल्याण

1. औद्योगिक सम्बन्ध एवम् श्रम संघ, भारत और बिहार के सन्दर्भ में—
 - (क) औद्योगिक सम्बन्ध — अवधारणा, विस्तार क्षेत्र, मुख्य पहलू।
 - (ख) औद्योगिक विवाद एवं हड्डताल— रूप, कारण और रोकथाम, औद्योगिक विवाद सुलझाने के विभिन्न तरीके, सामूहिक सौदेबाजी, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947.
 - (ग) प्रबन्ध में श्रमिकों की सहभागिता— उद्देश्य, संस्थाएँ, वर्तमान स्थिति, भारत में विफलता के कारण।
 - (घ) भारत में श्रम संघ— संक्षिप्त इतिहास, प्रकार, उद्देश्य एवं प्राप्ति की विधियाँ, ढांचा एवं प्रशासन, राजनैतिक लगाव एवं नेतृत्व, प्रतिद्वन्द्विता एवं मान्यता की समस्या, श्रम संघ अधिनियम, 1926.
 - (ड) अनुशासन संहिता एवं आचरण संहिता।
2. समाज कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा—
 - (क) सामाजिक सुरक्षा— अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति एवं तरीके;
 - (ख) बेरोजगारी— अर्थ, प्रकार, कारण, दूर करने के उपाय, भारत में बेरोजगारी सम्बन्धी विशेष कार्यक्रम;
 - (ग) निर्धनता— अर्थ, प्रकार, मात्रा, कारण, दूर करने के उपाय, भारत एवं बिहार में ग्रामीण निर्धनता, उन्मूलन सम्बन्धी सरकार के विशेष कार्यक्रम।
 - (घ) बाल कल्याण— बालकों की समस्याएँ, उनके लिये कल्याण कार्य;
 - (ड) महिला कल्याण— महिलाओं की समस्याएँ, उनके लिये कल्याण कार्य;
 - (च) अनुसूचित जाति एवं जन—जाति कल्याण— समस्याएँ, कल्याण कार्य;
 - (छ) मद्यपान निषेध— बिहार में स्थिति;
 - (ज) वेश्यावृत्ति— प्रकृति, कारण, प्रभाव, दूर करने के उपाय;
 - (झ) भिक्षावृत्ति— प्रकृति, कारण, बिहार में स्थिति;
 - (ञ) बिहार सरकार के सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम— वृद्धावस्था पेंशन, अनियोजन भत्ता, समूह बीमा, बंधुआ श्रमिकों का पुनर्वासन।

17. विधि

खण्ड— I (Section- I)

भाग— 1 भारत की संवैधानिक विधि

1. भारतीय—संविधान की प्रकृति। इसके परिसंघीय स्वरूप की विभिन्न विशेषताएँ।
2. मूल अधिकार, निदेशक तत्व तथा मूल अधिकारों के साथ उनका संबंध। मूल कर्तव्य;
3. समता का अधिकार।
4. वाक् स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति स्वतंत्रत्य का अधिकार।
5. प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार।
6. धार्मिक, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक अधिकार।
7. राष्ट्रपति की संवैधानिक स्थिति तथा मंत्रिपरिषद् के साथ संबंध।
8. राज्यपाल और उसकी शक्तियाँ।
9. उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय, उनकी शक्तियाँ तथा अधिकारिता।
10. संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोग उनकी शक्तियाँ ऐसे कृत्य।
11. नैसर्गिक न्याय का सिद्धांत;
12. संघ तथा राज्यों के बीच विधायी शक्तियों का वितरण;
13. प्रत्यायोजित विधान— इसकी संवैधानिकता, न्यायिक तथा विधायी नियंत्रण।
14. संघ तथा राज्यों के बीच प्रशासनिक एवं द्वितीय संबंध।
15. भारत में व्यापार, वाणिज्य और समागम।
16. आपात उपबंध।
17. सिविल कर्मचारियों के लिये सांविधानिक सुरक्षा।
18. संसदीय विशेषाधिकार और उन्नुक्तियाँ।
19. संविधान का संशोधन।

अंतर्राष्ट्रीय विधि

भाग— 2

1. अंतर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति।
2. स्रोत संधि, रूढ़ि, सम्भ्य राष्ट्रों द्वारा मान्यता प्राप्त विधि के सामान्य सिद्धान्त, विधि निर्धारण के लिये समनुषंगी साधन, अंतर्राष्ट्रीय अंगों के संकल्प तथा विशिष्ट अभिकरणों के विनियमन।
3. अन्तर्राष्ट्रीय विधि तथा राष्ट्रीय विधि के बीच संबंध।
4. राज्य मान्यता और राज्य उत्तराधिकार।
5. राज्यों के राज्य क्षेत्र अर्जन की रीतियाँ, सीमाएँ, अंतर्राष्ट्रीय नदियाँ।
6. समुद्र, अन्तर्राष्ट्रीय जल मार्ग, राज्य समुद्र, क्षेत्रीय समीपस्थ परिक्षेत्र महाद्विषीय उप—तट, अनन्य आर्थिक परिक्षेत्र तथा राष्ट्रीय अधिकारिता से परे समुद्र।
7. आकाशीय क्षेत्र तथा विमान संचालन।
8. बाह्य अंतरिक्ष, बाह्य अंतरिक्ष की खोजी तथा उपयोग।
9. व्यक्ति, राष्ट्रीयत्व, राज्यहीनता, मानवीय अधिकार, उनके प्रवर्तन के लिए उपलब्ध प्रतिक्रियाएँ।
10. राज्यों की अधिकारिता, अधिकारिता का आधार, अधिकारिता से उन्नुक्ति।
11. प्रत्यप्रण तथा शरण।
12. राजनयिक मिशन तथा कांसुलीय पद।
13. संधि, निर्माण, उपयोजन तथा पर्यवसान।
14. राज्य का उत्तरदायित्व।
15. संयुक्त राष्ट्र, इसके प्रमुख अंग, शक्तियाँ और कृत्य।
16. विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा।
17. जल का विधिपूर्ण आश्रय, आक्रमण, आत्मरक्षा, मध्यक्षेप।
18. आणविक अस्त्रों के प्रयोग की वैधता, आणविक अस्त्रों के परीक्षण पर रोक, आणविक अप्रचुरोद्भवन संधि।

19. खण्ड— II (Section- II)

अपराध और अपकृत्य विधि

I. अपराध विधि—

1. अपराध की सकल्पना: आपराधिक कार्य, अपराधिक मान, स्थिति, स्टैटयूट्री अपराधों में आपराधिक मनस्थिति, दण्ड आज्ञापक दण्डादेश, तैयारी और प्रयत्न।
2. **भारतीय दंड—संहिता—**
 - (क) संहिता का लागू होना।
 - (ख) साधारण अपवाद।
 - (ग) संयुक्त और आन्वयिक दायित्व।
 - (घ) दुष्प्रेरण।
 - (ङ) आपराधिक षड्यंत्र।
 - (च) राज्य के विरुद्ध अपराध।
 - (छ) लोक प्रशास्ति के विरुद्ध अपराध।
 - (ज) लोक सेवकों से संबंधित अथवा उनके द्वारा अपराध।
 - (झ) मानव शरीर के विरुद्ध अपराध।
 - (ट) सम्पत्ति के विरुद्ध अपराध।
 - (ठ) विवाह से संबंधित अपराध, पत्नी के प्रति पति अथवा उसके सम्बन्धियों द्वारा क्रूरता।
 - (ड) मानहानि।
3. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955
4. दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961
खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954

II. अपकृत्य विधि

1. अपकृत्य दायित्व की प्रकृति।
2. त्रुटि पर आधारित दायित्व तथा कठोर दायित्व।
3. स्टैटयूट्री दायित्व।
4. प्रत्यायुक्त दायित्व।
5. संयुक्त अपकृत्य कर्ता
6. उपचार।
7. अपेक्षा।
8. अधिष्ठाता का दायित्व और संरचनाओं के बारे में उसका दायित्व।
9. निरोध और पतिर्वतन (डेटिन्यू एण्ड कनवर्जन)
10. मानहानि।
11. न्यूसेंस।
12. षड्यंत्र।
13. मिथ्या काशावास और दुर्भावपूर्ण अभियोजन।

III. संविदा विधि और वाणिज्यिक विधि

1. संविदा निर्माण।
2. सम्पत्ति दूषित करने वाले कारण।
3. शून्य, शून्यकरणीय, अवैध और अप्रवर्तनीय करार।
4. संविधाओं का अनुपालन।
5. संविदात्मक बाध्यताओं की समाप्ति, संविदा का विफलीकरण।
6. संविदा कल्प।
7. संविदा भंग के विरुद्ध उपचार।
8. माल विक्रय और अवक्रय।
9. अभिकरण।
10. भागीदारी का निर्माण और विघटन।
11. परक्राम्य लिखित।
12. बैंकर—ग्राहक संबंध।
13. प्राइवेट कंपनियों पर सरकारी नियंत्रण।
14. एकाधिकार तथा अवरोध व्यापारिक अधिनियम, 1969
15. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986

18. प्रबन्ध

खण्ड- I (Section- I)

उम्मीदवारों को प्रबन्ध क्षेत्र में विकास के ज्ञान को व्यवस्थित निकाय के रूप में अध्ययन करना चाहिए तथा उक्त विषय पर प्रमुख पदाधिकारियों के योगदान से पर्याप्त रूप में परिचित रहना चाहिए। उन्हें प्रबन्ध की भूमिका कार्यतथा व्यवहार और भारतीय सन्दर्भ में विभिन्न संकल्पनाओं तथा सिद्धांतों को सुसंगति का अध्ययन करना चाहिए। इन सामान्य संकल्पनाओं के अतिरिक्त उम्मीदवार को व्यवसाय की जानकारी का अध्ययन करना चाहिए और साथ ही निर्णय करने के साधनों तथा तकनीकी को जानने की कोशिश भी करनी चाहिए।

संगठनात्मक व्यवहार तथा प्रबन्ध अवधारणायें।

संगठनात्मक व्यवहार को समझने में सामाजिक, मनोवैज्ञानिक कारणों की महत्ता। अभिप्रेरणा सिद्धांतों को सुसंगति मेसलों, हर्जवर्ग, मेकग्रेड और अन्य मुख्य प्राधिकारियों का योगदान। नेतृत्व में अनुसंधान अध्ययन। वस्तुपरक प्रबन्ध, लघु समुदाय तथा अन्तर समुदाय व्यवहार। प्रबंधकीय भूमिका, संघर्ष तथा सहयोग, कार्यमानक तथा संगठनात्मक व्यवहार की गतिशीलता को समझने के लिए इन संकल्पनाओं का प्रयोग। संगठनात्मक परिवर्तन।

संगठनात्मक अभिकल्पना: संगठन की शास्त्रीय, नवशास्त्रीय तथा विकृत-प्रणाली सिद्धांत। केन्द्रीयकरण, विकेन्द्रीयकरण, प्रत्यायोजन, प्राधिकार तथा नियंत्रण। संगठनात्मक ढांचा प्रणालियाँ तथा प्रक्रियाएँ, युक्तियाँ, नीतियाँ तथा उद्देश्य, निर्णय करना, संचार तथा नियंत्रण। प्रबन्ध सूचना प्रणाली तथा प्रबन्ध में कम्प्यूटर की भूमिका।

आर्थिक वातावरण:-

राष्ट्रीय आय, विश्लेषण तथा व्यवसायिक पूर्वानुमान में इसका योग भारतीय अर्थ व्यवस्था, सरकारी कार्यक्रम तथा नीतियों की प्रवृत्ति तथा ढांचा। नियामक नीतियाँ मुद्रा, वित्तीय तथा योजना और इस प्रकार की वृहत् नीतियाँ का उद्यन निर्णयों और योजनाओं पर प्रभाव माँग विश्लेषण तथा पूर्वानुमान, लागत विश्लेषण, विभिन्न बाजार संरचनाओं के अंतर्गत मूल्य निर्धारण निर्णय संयुक्त उत्पादों की मूल्य निर्धारण और मूल्य विभेद, पूर्जीगत बजट बनाना भारतीय परिस्थितियों के अन्तर्गत लागू करना। परियोजनाओं का चयन तथा लागत लाभ विश्लेषण उत्पादन तकनीकों का चयन।

परिणात्मक पद्धतियाँ:-

कलासिको इष्टतम सकल तथा बहुल पतिवर्तनशील का महत्तम तथा लघुत्तम अवरोधों के अन्तर्गत इष्टतम अनुप्रयोग रैखिक प्रोग्रामन समस्या निरूपण रेखा चित्रीय समाधान, सिम्प्लेक्स पद्धति। भ्यनिष्ठता इष्टतमोपरात्त विश्लेषण पूर्णक प्रारूप तथा गतिशील प्रोग्रामन के अनुप्रयोग रैखिक प्रोग्रामन के परिवहन तथा सहनुदेशन प्रतिरूपों का निरूप तथा समाधान की पद्धतियाँ।

सांख्यिकीय पद्धतियाँ, केन्द्रीय प्रवृत्तियों तथा विविधाताओं के मापद्विपद, प्राल्प तथा सामान्य विवरण के अनुप्रयोग। केलमाला— प्रतिपारायन तथा सम्बन्ध उपकल्पना के परीक्षण जोखिम में निर्णय करना। निर्णयाकुलत प्रत्याशित मुद्रा मूल्य सूचना का महत्व— कोई प्रमेह का पश्च, विश्लेषण के लिए अनुप्रयोग। अनिश्चितता में निर्णय करना। इष्टतम युक्ति चयन हेतु विभिन्न मानदण्ड।

खण्ड- II (Section- II)

भाग-1 विपणन प्रबन्ध:

विपणन तथा आर्थिक विकास—विपणन संकल्पना तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रायोज्यता, विकासशील अर्थव्यवस्था के सन्दर्भ में प्रबन्ध के मुख्य कार्य— ग्रामीण तथा शहरी विपणन, उनकी सम्भावनाएँ तथा समस्याएँ।

आन्तरिक निर्यात विपणन के प्रसंग में आयोजना एवं युक्ति विपणन की संकल्पना— मिश्रित विपणन अवधारणा— बाजार खण्डीकरण तथा उत्पादन युक्तियाँ— उपभोक्ता अभिप्रेरणा और व्यवहार— उपभोक्ता व्यवहार, प्रतिरूप उत्पादन दण्ड, वितरण, लोक वितरण प्रणाली, भाव तथा संवर्धन।

निर्णय— विपणन कार्यक्रमों का आयोजन तथा नियंत्रण— विपणन अनुसंधान तथा निदर्श— बिक्री संगठनात्मक गतिशीलता— विपणन सूचना प्रणाली, विपणन लेखा परीक्षा तथा नियंत्रण।

निर्यात प्रोत्साहन और संवर्धनात्मक युक्तियाँ— सरकार व्यापारिक संघों एवं एकल संगठनों की भूमिका— निर्यात विपणन की समस्याएँ तथा सम्भावनाएँ।

भाग- 2 उत्पादन तथा सामग्री प्रबन्ध।

प्रबन्ध की दृष्टि से उत्पादन के मूलभूत सिद्धांत। विनिर्माण प्रणाली के प्रकार— सतत आवृत्तिमूलक। आन्तरायिक उत्पादन के लिए संगठन, दीर्घकालीन, पूर्वानुमान और समग्र उत्पादन योजना। संयंत्र अभिकल्पना, संसाधन, आयोजन, संयंत्र आकार और परिचालन की मापक्रम, संयंत्र अवधिस्थिति, भौतिक सुविधाओं का अभियांस उपस्कर प्रतिस्थापन तथा अनुरक्षण।

उत्पादन आयोजन तथा नियंत्रण के कार्य और विभिन्न प्रकार की उत्पादन प्रणालियों के मार्ग निर्धारण लदान और नियोजन। असेम्बली लाईन संतुलन, मशीन लाईन संतुलन।

सामग्री प्रबन्ध, सामग्री व्यवस्था, मूल्य विश्लेषण, गुण नियंत्रण, रद्दी और कुडा—कर्कट का निपटान, निर्माण या क्रय निर्णय, संहिताकरण, मानकीकरण और अतिरिक्त पूर्जों की सूची की भूमिका और महत्व।

सूची नियंत्रण— ए.बी.सी. विश्लेषण मात्रा पुनरावृत्ति बिन्दु निरापद स्टॉक। द्वि-बिन प्रणाली। रद्दी प्रबन्ध। पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में क्रय प्रक्रिया तथा क्रियाविधि।

भाग— ३ वित्तीय प्रबन्धः

वित्तीय विश्लेषण के सामान्य उपकरणः अनुपात विश्लेषण, निधि प्रवाह विश्लेषण, लागत परिमाण लाभ विश्लेषण, नकदी आय-व्यय, वित्तीय और परिचालन शक्ति निवेशः निर्णय भारत के विशेष सन्दर्भ में पूंजीगत व्यय प्रबन्ध की कार्यवाही के चरण निवेश, मूल्यांकन का मानदण्ड, पूंजी लागत तथा सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र में इसका अनुप्रयोग निवेश निर्णयों में जोखिम विश्लेषण, पूंजीगत व्यय के प्रबन्ध का संगठनात्मक मूल्यांकन।

वित्त प्रबन्ध निर्माणः फर्मों की वित्तीय अपेक्षाओं का आकलन, वित्तीय संरचना का निर्धारण पूंजी बाजार, भारत के विशेष सन्दर्भ में निधि हेतु संस्थागत संघ, प्रतिभूति विश्लेषण, पट्टे पर तथा उप संविदा पर देना।

कार्यगत पूंजी प्रबन्धः कार्यगत पूंजी के आकार का निर्धारण, कार्यगत पूंजी में जोखिम, नकदी प्रबन्ध, माल सूची तथा प्राप्ति के लेखा सम्बद्ध प्रबंधकीय दृष्टिकोण का प्रबन्ध करना, कार्यगत पूंजी प्रबन्ध पर मुद्रास्फीति के प्रभाव।

आय निर्धारण तथा विवरणः आन्तरिक वित्त व्यवस्था, लाभांश नीति का निर्धारण, मूल्यांकन तथा लाभांश नीति के निर्धारण में मुद्रास्फीति प्रवृत्तियाँ का आशय।

भारत के विशेष सन्दर्भ में सार्वजनिक क्षेत्र का वित्तीय प्रबन्ध।

बजट निष्पादन और वित्तीय लेखा-जोखा के सिद्धांत। प्रबन्ध नियंत्रण की प्रणालियाँ।

भाग— ४ मानव संचालन प्रबंधः

मानव संसाधनों की विशेषताएँ और महत्व, कार्मिक नीतियाँ, जन शक्ति, नीति और आयोजना — भर्ती तथा चयन तकनीक— प्रशिक्षण और विकास— पदोन्नतियाँ और स्थानान्तरण, निष्पादन मूल्यांकन— कार्य मूल्यांकन मजदूरी और वेतन प्रशासन, कर्मचारियों का मनोबल और अभिप्रेरणा, संघर्ष प्रबन्ध, प्रबन्ध में पतिवर्तन और विकास।

औद्योगिक संबंध, भारत की अर्थव्यवस्था और समाज, भारत में ट्रेड यूनियनवाद, औद्योगिक विवाद अधिनियम अदायगी, अधिनियम, बोनस, ट्रेड यूनियन अधिनियम के विशेष सन्दर्भ में श्रम विधायन, प्रबन्ध में औद्योगिक प्रजातंत्र और श्रमिकों की साझेदारी, सामूहिक सौदेबाजी, समझौता और निर्णय, उद्योग में अनुशासन तथा शिकायतों की देखरेख।

19. गणित

खण्ड I तथा खण्ड II में से किसी एक खण्ड से तीन से अधिक प्रश्नों के उत्तर नहीं देने होंगे।

खण्ड— I (Section- I)

रैखिक बीजगणित

सदिश समाप्ति, आधार, परिमितजनित समष्टि की विभा, रैखिक, रूपान्तरण, रैखिक स्थानान्तरण की जाति एवं शुल्यता, कैली हेमिल्टन प्रमेय, अभिलक्षणिक मान तथा अभिलक्षणिक सदिश।

रैखिक रूपान्तरण का आव्यरुह प्रक्रित तथा स्तम्भ संयंत्रण, सोपानक रूप। तुल्यता, सर्वोगसमता तथा उपरूपता, विहित रूपों में समानयन।

लाभिक, सममित, विषय—सममित, ऐकिक, हर्मिटी तथा विषम हर्मिटी आव्यूह, उनका अभिलषणक मान, द्विपाती तथा हर्मिटी रूपाकें, लम्बिक तथा ऐक्रिक समानयन। धनात्मक निश्चित द्विपाती रूप, सहकालिक समानयन।

कैलकुलस

वास्तविक संख्याएँ, सीमाएँ, सातत्य, अवक्लनीयता, माध्यमान, प्रमेय, टेलर प्रमेय, अनिवार्य रूप, उच्चिष्ठ तथा अल्पिष्ठ वक्रता अनुरेखण, अनन्तस्पर्शी। बहुचर फलन, आंशिक अवक्लज, उच्चिष्ठ तथा अल्पिष्ठ, जकावीय। निश्चित तथा अनिश्चित समाकल। द्विशः तथा त्रिशः समाकल (केवल प्रतिविधियाँ) बीटा तथा गामा फलनों में अनुप्रयोग। क्षेत्रफल आयतन गुरुत्व केन्द्र।

दो और तीन विभाओं की वैश्लेषिक ज्यामिति

कार्तीय तथा ध्रुवीय निवेशांकों में दो विभाओं में पहली और दूसरी डिग्री के समीकरण। एक और दो परतों के समतल, गोलक पर बलयज, दीर्घवृत्तज पर अतिपंचलेयन तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

समष्टि में वक्रता, वक्रता तथा मरोड़। फ्रेनेट के सूत्र।

अवकल समीकरणः— अवकल समीकरण की कोटि तथा घात प्रथम कोटि तथा प्रथम घात का समीकरण, पृथक्करणीय चर समधात, रैखिक तथा यथावत् अवक्ल समीकरण। अचर गुणांकों सहित अवक्ल समीकरण।

e^{ax} , \cos^{ax} , \sin^{ax} , x^m , e^{ax} , \cos^{bx} , e^{ax} , \sin^{bx} के पूरक फलन तथा विशेष समाकल।

सांदिश प्रदिश, स्थैतिकी गतिकी तथा द्रवस्थैतिकी।

- (i) संदिश विश्लेषण— संदिश बीजगणित, आदिशचर के संदिश फलन का अवक्ललु, प्रवणता, डाईवर्जेन्स, कार्तीय, बेलनी और गोलीय निवेशांकों में डाइवर्जेन्स तथा क्ले उनके भौतिक निर्वचन। उच्चतर कोटि अवक्लज। सदिश तत्समक तथा संदीशाकरण, गाउस तथा स्टोक्स प्रमेय।
- (ii) प्रदिश विश्लेषण— प्रदिश की परिभाषा, निवेशांकों का रूपांतरण, प्रतिपरिवर्ती और सहपरिवर्ती प्रदिश। प्रदिशों का योग और गुणन प्रदिशों का सकुचन, आन्तर गुणनफल, मूल प्रदिश, क्रिस्टोफल प्रतीक, सहपरिवर्ती अवक्लन, प्रदिश संकेतन में प्रवणता, क्ले तथा डाइवर्जेन्स।
- (iii) स्थैतिकी— कण निकाय का संतुलन, कार्य और विभव उर्जा, धर्षण, कामन कॉटनरी, कल्पित कार्य के सिद्धांत। संतुलन का स्थायित्व, तीन विभागों में बल का साम्य।

(iv) गतिकी— स्वतंत्रता और अवरोधों की कोटि, सरल रेखीय गति, सरल आवर्त गति। समतल पर गति, प्रक्षेमी, व्यवस्था गति कार्य तथा उर्जा। आवेगी बलों के अधीन गति। केपलर नियम, केन्द्रीय बलों के अधीन कक्षाएँ। परिवर्ती द्रव्यमान की गति। प्रतिरोध के होते हुए गति।

(v) द्रव रथैतिकी— गुरु तरलों की दाब। बलों के निर्धारित निकायों के अन्तर्गत तरलों का संतुलन। दाब केन्द्र। बक सतहों पर प्रणोद। प्लवमान पिंडों की संतुलन, संतुलन स्थायित्व और गैसों को दाव वायुमंडल सम्बन्धी समस्याएँ।

खण्ड— II (Section- II)

भाग “क”

बीजगणित, वास्तविक विश्लेषण, समित्र विश्लेषण, आंशिक अवकल समीकरण।

भाग “ख”

यांत्रिकी द्रवगतिकी, संख्यात्मक विश्लेषण प्राधिकता सहित सांख्यिकी, सक्रिय विज्ञान।

बीजगणित

समूह, उप समूह, सामान्य उप—समूह, उप समूहों की समाकारिता विभाग, समूह। आधोरी तुल्याकारिता प्रमेय, सिलों प्रमेय, क्रमचय समूह, कैली प्रमेय, वलय तथा गुणावली, मुख्य गुणावली प्रांत, अद्वितीय गुणन खंड प्रांत तथा यूक्लिडीय प्रांत, क्षेत्र विस्तार, परिमित क्षेत्र। वास्तविक विश्लेषण।

दूरीक समष्टि: दूरीक समष्टि में अनुक्रम के विशेष सन्दर्भ सहित उनकी सांख्यिकी कोशी अनुग्रह, पूर्णता, पूर्ति, सतत फलन, एक समान मानत्य, संहत समुच्चयों पर सतत फलनों के गुण-धर्म। रीमान स्टोल्जे समाकल, अंततसमाकल तथा उनके अस्तित्व प्रतिबंध बहुचर पलनों के अवकलन, अस्पष्ट पलन प्रमेय, उच्चिष्ठ तथा अलिपष्ट, वास्तविक तथा सम्प्रिय पदों की श्रेणियों का निरपेक्ष और सप्रतिबंधी अधिसरआ, श्रेणियों की पूर्ण व्यवस्था, एक समान अभिसरण, अनंत गुणनफल, सातत्य श्रेणियों के लिए अवकलनीयता और समाकलनीयता बहुसमाकल।

सम्मिण विश्लेषण— वशेलेणिक फलन, कोणों, प्रमेय, क्लाउची कॉशी समाकल सूत्रधाय श्रेणियाँ, टेलर श्रेणियाँ विचित्रताएँ, कोणों अवशेष प्रमेय, परिरेखा समाकलन।

आंशिक अवकल समीकरण:

आंशिक अवकल समीकरणों का विरचन, प्रथम कोटि के आंशिक अवकल समीकरणों, समाकलों के प्रकार शांपिर्ट विधियाँ, अचर गुणांकों सहित आंशिक अवकल समीकरण।

यांत्रिकी

व्यापीकृत निर्देशांक, व्यवरोध, होलोनोमी और गैर होलोनोमी निकाय, डि एलम्वर्ट सिद्धांत तथा लग्रान्ज समीकरण, जड़त्व आपूर्ण, दो विभागों में दृढ़ पिंडों की गति। द्रवगतिकी।

सातत्य समीकरण, संवेग और उर्जा।

अश्यान प्रवाह सिद्धांत

द्विविभीय गति, अभिश्रवण गति स्तोत्र और अभिगम।

संख्यात्मक विश्लेषण

अर्बीजीप तथा बहुपद समीकरण— सारणीयन विधि, द्विभाजन मिथ्या। स्थिति विधि, छेदक तथा न्यूटन-राफसन और इसके अभिसरण की कोटि।

अन्तर्वेशन तथा संख्यात्मक अवकलन— सामान या असामान सोपान आमाप सहित बहुपद अन्तर्वेशन। स्प्लाइन अंतर्वेशन क्यूबिक स्प्लाइन। त्रुटि पदों सहित संख्यात्मक अवकलन सत्र।

संख्यात्मक समापलन:- सम अंतराली कोणांकों सहित सचिकट क्षेत्रफल सूत्र काउसी क्षेत्रफल अभिसरण।

साधारण अवकल समीकरण— आथलर विधि, बहुसोपान प्रावक्ता संशोधक, विधियाँ ऐडम और मिल्ले की विधि, भिंकरण और स्थायित्व, रूंगे-कुट्टा विधियाँ।

प्रायिकता और सांख्यिकी

1. **सांख्यिकी विधियाँ—** सांख्यिकी समष्टि और यावृच्छिक प्रतिदर्श के प्रस्यय। तथ्यों का संग्रह और प्रस्तुतीकरण। अवस्थान और परिक्षेपण। माप। आपर्ण और शेपर्ड संसाधन (पंचवो) विषमता और ककुदता माप। न्यूनतम वर्गों द्वारा वक्र आसंजन, समाश्रवण, सह संबंध और सह संबंध (अनुपात) कोटि सह संबंध आंशिक सह-संबंध गुणांक और बहु सह-संबंध गुणांक।
2. **प्रायिकता—** असंगतत प्रतिदर्श समष्टि, अनुवृत्त उनका सम्मिलित और सर्वनिष्ठ आदि। प्रायिकता— सिरस्मा सापेक्ष वारम्बारता और अभिगृहीती दृष्टिकोण, सांसत्यक में प्रायिकता, प्रायिकता समष्टि, सप्रतिबंध, प्रायिकत और स्वतंत्रय प्रायिकता के बुनियादी नियम अनुवृत्त संयोजन, की प्राथमिकता बाये सिद्धांत वाद्यच्छिक, चर प्राविक्साफलन प्रायिकता धनत्व फलन, बंदन पलन गणितीय प्रत्याशी, उपान्त और सप्रतिबंध प्रत्याशा।
3. **प्रायिकता छंटन—** दिपद प्यासों, प्रसामान्य गामा बीटा, कॉशी बहुपदीप हाईपर ज्योमैट्रिक, ऋणात्मक द्विपद, वृहत् संख्याओं का शेबिशे लेमा नियम, नियम स्वतंत्र तथा उपसष्टियों के लिये परिसीमाप्रमेय,

मानक त्रुटियाँ, टी.एफ. तथा काई-वर्ग के प्रतिदर्शों बटन तथा सार्थकता परीक्षणों में उनका उपयोग। माध्यम और समानुपात हेतु वृहत् प्रतिदर्श परीक्षण।

सक्रिया विद्वान्

गणितीय प्रोग्राम—अवमुख समुच्चयी की परिभाषा और कुछ प्राथमिक गुणधर्म प्रसमुचम विस्थियाँ, अपदष्टता, द्वैत तथा सुर्गहिता विश्लेषण, आयतीय खेल और उनके हल, परिवहन और नियम समस्या, अरैविक प्रोग्राम के लिए कुहा टकर प्रतिबंध। बेलमैन का हर्णनमत्व नियम और गत्यामक प्रोग्राम के कुछ प्राथमिक अनुप्रयोग।

पंक्ति सिद्धांत—प्यासो आगामी तथा चरतांकी सेवाई काल के साथ पंक्ति प्रणाली की स्थायी अवस्था एवं जपिक हल का विश्लेषण।

निर्धारणात्मक प्रतिस्थापन निर्दर्श, दो मशीनों कार्यों, 3 मशीनों कार्यों (विशेष प्रकरण) तथा मशीनों दो कार्यों सहित अनुक्रमण समस्याएँ।

20. यांत्रिक इंजीनियरिंग

खण्ड- I (Section- I)

स्वैतिकी – तीनों विभागों सामयावस्था निलम्बन के बिल कल्पित कार्य के सिद्धांत।

गतिकी— सापेक्ष गति कोरिओलिस बल, किसी दृढ़ पिंड की गति धृणास्थायी गति आवेग।

मशीनों के सिद्धांत उच्चतर और निम्नतर युग्म, प्रतिलोभन, स्टीयरिंग यंत्रावली, हुक्स जोड़ बंधों का वेग और तत्वरण जड़त्व बल। केम गिअरिंग और व्यतिकरण में संयुग्मी कार्य, गीअर ट्रेन अधिकीय गीयर। क्लच पट्टा चालन, ब्रेक बलमापी संचयी नियामक, धूर्णी और प्रत्यागामी द्रव्यमान और बहुवेलनी इंजिन का संतुलन। स्वतंत्रता की एकज कोटि हेतु मुक्त प्रणोदत और अवसदित कम्पन। स्वतंत्रता की कोटी क्रांतिक चाल और कुपक जलावेधन।

पिंड बल विज्ञान, द्विविभागों में प्रतिबल और विकृति। मोर वृत्त। विपलन सिद्धांत, किरणपुंज विक्षेपण कालम आकृचन। संयुक्त वंकत और वमोटन, केरिट्टिंगलेपो प्रपेय, मोटे बेलन वाली धूणी चक्रिका। संकुच आश्रय, तापीय प्रतिबल।

निर्माण विज्ञान— मार्चेन्ट सिद्धांत, टेलर समीकरण। यंत्रानुकूलता, रुढ़ मशीन पद्धतीय, जिसमें ई.डी.एम., ई.सी.एम. और पराश्रव्य मशीन सम्मिलित हो, लेसरों और प्लाजमाओं का प्रयोग, संरूप प्रक्रियाओं का विश्लेषण, उच्च बेग रूपण, विस्फोट रूपण। पृष्ठ रक्षता प्रमापन, तुलब्र जिग और फिक्सचर।

उत्पादन प्रबन्ध— कार्य सरलीकरण कार्य प्रतिचयन, मान इंजीनियरी रेखा संघ संतुलन कार्य केन्द्र अभिकम्पन। संघसून रथान आवश्यकताएँ, ए.बी.सी. विश्लेषण, आर्थिक व्यवस्था, जिसमें परिमित उत्पाद दर सम्मिलित हो। रेखिक प्रोग्राम सम्मिलित होते हुए आरेखीय और एकधाबधियाँ परिवहन निदेश, एलीमेंटरी यहबं थ्योरी। गुणवक्ता, नियंत्रण और उत्पाद अधिकल्पना में इनके प्रयोग एक्स, आर, पी.सिग्मा) और सी. चार्ट का प्रयोग एकल प्रतिचयन योजन प्रचालन अभिलक्षणिक वक्र माध्य प्रतिदर्शी आमाप समाश्रयण विश्लेषण।

खण्ड- II (Section- II)

उष्मागतिकी— उष्मागतिकी के प्रथम और द्वितीय नियमों के अनुप्रयोग। उष्मागतिकी चक्रों के विस्तृत विश्लेषण।

सरल यांत्रिकी— सातत्य संवेग और समीकरण। स्तरित और प्रक्षब्ध प्रवाह में वेग वितरण विभीय विश्लेषण, चपटा, प्लेट सीमा, परतरुदीष्म और समएन्ट्रोपिक प्रवाह भाव संख्या।

उष्मा स्थानान्तरण— रोधन की कांतिक मोटाई, ताप स्त्रोतों और निपज्जनों की उपस्थिति में चैलन पक्षकों से उष्मा स्थानान्तरण। एक विमा अस्थायी चालत। ताप वैद्युत युग्मों हेतु क्लांक चपटी प्लेट पर।

सीमा परतों के लिए संवेग और उर्जा समीकरण बिना रहित संख्याएँ मुक्त और प्रशोदित संवहन क्वधम और द्रवण विकिरण उष्मा का स्वरूप स्टीफन-बोल्जमान नियम विन्यास गुणक: गुणोत्तर माध्य तापमान— अन्तर उष्मा विनिमय प्रभावित और स्थानान्तरण एक्सों की संख्या।

उर्जा रूपांतरण—सी.आई. और एस.आई. इंजिनों में वहन परिघटना कारबुरेशन और ईंधन अंतक्षेपण, पम्प चयन, जलीय टरबाइंनों का वर्गीकरण विशिष्ट चैल, संपीडक का कार्य निष्पादन, भाप और गैसटरवाइनों का विश्लेषण उच्च दाब क्वधक शक्ति अरुढ़ शक्ति प्रणालियाँ जिसमें परमाणु शक्ति और एम.एच.डी. प्रणालियाँ सम्मिलित हैं। सौर ऊर्जा का विनियोजन।

वातावरण नियंत्रण—वाष्प, संपीडन, अवशोषण भव—जेट और वायु प्रशीतन प्रणालियाँ प्रमुख प्रशीतकों के गुणधर्म और अभिलक्षण साईकोमेट्रिक चार्ट और कम्फर्ट चार्ट का उपयोग। शीतलन और तापन भार का आकलन। पूर्ति वायु दशा और दर का परिकलन वातानुकूलन संयंत्र का खाका।

21. दर्शन शास्त्र

खण्ड— I (Section- I)

तत्त्वभीमांसा और ज्ञानभीमांसा

उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि उन्हें निम्नलिखित विषयों के विशेष सन्दर्भ में— भारतीय और पाश्चात्य ज्ञानभीमांसा तथा तत्त्व भीमांसा के सिद्धांतों तथा प्रकारों की जानकारी होः—

- (क) **पाश्चात्य**—आर्द्धशावाद, यथार्थवाद, निरपेक्षवाद, इंदियानु भववाद, तर्कबुद्धिवाद, तार्किक प्रत्यक्षवाद, विश्लेषण संवत्तिशास्त्र अस्तित्ववाद और अथोक्रियावाद।
- (ख) **भारतीय**—प्रमाण और प्रमाण्य, सत्य और त्रुटि के सिद्धांत, भाषा और अर्थ का दर्शन, दर्शन की प्रमुख पद्धतियाँ (रुढ़िवाद और रुढ़िमुक्त) प्रणालियों के सन्दर्भ में यथार्थवाद के सिद्धांत।

खण्ड— II (Section- II)

सामाजिक राजनीतिक दर्शन और धर्म दर्शन

- (1) दर्शन का स्वरूप, इसका जीवन विचार और संस्कृति से संबंध।
- (2) भारत के सारे, विशेषकर भारतीय संविधान के विशेष सन्दर्भ में निम्नलिखित विषय, जिनमें भारतीय संविधान सम्मिलित हो— राजनीतिक विचारधाराएँ, प्रजातंत्र, समाजवाद, फासिस्टवाद, धर्मतंत्र साम्वाद और सर्वोदय।
- (3) राजनीतिक क्रियाविधि की पद्धतियाँ, संविधानवाद, क्रांति, आतंकवाद और सत्याग्रह।
- (4) भारतीय सामाजिक संस्थाओं के संदर्भ में परम्परा, परिवर्तन और आधुनिकता।
- (5) धर्म दर्शन का स्वरूप और क्षेत्र, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिन्दु धर्म, इस्लाम धर्म, ईसाई धर्म और सिक्ख धर्म के विशेष सन्दर्भ में धर्म का दर्शन।
- (क) धर्मशास्त्र और धर्म दर्शन।
- (ख) धार्मिक विश्वास के आधार पर तर्कन, रहस्योदघाटन, निष्ठा और रहस्यवाद।
- (ग) ईश्वर, आत्मा की अमरता, मुक्ति और बुराई तथा पाप की समस्या।
- (घ) धर्म की समानता, एकता और सर्वव्यापकता, धार्मिक सहिष्णुता धर्म परिवर्तन धर्म निरपेक्षता।
- (6) मोक्ष— मोक्ष प्राप्ति के पक्ष।

22. भौतिकी

खण्ड— I (Section- I)

यंत्र विज्ञान, तापीय भौतिकी और तरंग तथा दोलन

1. यंत्र विज्ञान।—संरक्षी विधि, संघटन, प्रतिधात ऐरामीटर प्रकीर्णन परिक्षेत्र, भौतिक राशियों के रूपान्तरण के साथ द्रव्यमान तथा प्रयोगशाला पद्धति के केन्द्र, रदरफोर्ड, प्रकीर्णन एक समान बल क्षेत्र में एक रॉकेट की गति संदर्भित घुण्णी तंत्र, कोरियोलिस बल, दृढ़ पिंडों की गति, कोनीय संवेग, लट्टु का एठन तथा शोधन, धुणाक्षस्थायी, केन्द्रीय बल, व्युत्क्रम वर्ग नियम के अंतर्गत गति, केप्लर विधि (तुल्यकारी उपग्रह समेत), उपग्रहों की गति। गैलीलीय आपेक्षिकी, अपेक्षिकता का विशेष सिद्धांत, माइक्रोलेसन—मारेले प्रयोग, लोरेन्ट्स रूपान्तरण वेगों का योग प्रमेय। वेग के साथ द्रव्यमान की विविधता, द्रव्यमान ऊर्जा तुल्यता, सरल—गतिकी, प्रवाह रेखा, प्रक्षेप, सरल अनुप्रयोग के साथ वरनौली समीकरण।

2. तापीय भौतिकी।—उष्मागतिकी के नियम, एन्ट्रीपी, कार्नोट चक्र, समतापी तथा रुदोम्ब परिवर्तन। उष्मागतिक विभाग, मैक्सवेल के सूत्र, क्लॉसियस—क्लेपेरान समीकरण, उत्क्रमणीय सेल, जूल—केल्विन प्रभाव, स्टीफन—बोल्टजमैन नियम, गैसों का आणुगति सिद्धांत, मैक्सबेल का वेग विवरण, नियम उर्जा का समविभाजन, गैसों की विशिष्ट उष्मा, औसत मुक्त पथ ब्राउनी गति, कृष्णरका विकिरण, ठोस वस्तुओं की विशिष्ट उष्मा —आइन्स्टाइन एवं डवाई सिद्धांत, बीन—नियम, प्लैंक नियम, सौर गुणांक, तापीय आयनन तथा तारकीय स्पेक्ट्रम। रुद्रधोम्ब विचक्कन तथा तनुता प्रशीतन को प्रयोग द्वारा निम्न ताप का उत्पादन। ऋणात्मक तापमान की धारणा।

3. तरंग तथा दोलन।—दोलन, सरल आवर्तगति, अप्रगामी तथा प्रगामी तरंगें, आवर्त गति, प्रणोदित दोमन तथा अनुनाद तरंग समीकरण, हार्मोनिक समाधान, समतल एवं गोलीय तरंगें, तरंगों का अध्यारोपण, कला एवं ग्रुप वेग, निस्पंद, हाइगन नियम, व्यतिकरण। विवर्तन— फेनल एवं फानोफर। सीधे कोर द्वारा विवर्तन, एकल तथा बहुगुणित रेखाण छिद्र। ग्रेटिंग एवं प्रकाशित यंत्रों की विभेदन क्षमता, रखले निकाय, ध्रुवीकरण, ध्रुवित प्रकाश का अभिज्ञान तथा उत्पादन (रेखिक, वृत्ताकार तथा अर्द्धवृत्तीय)। लेसर उद्यम (हीलियम—नियोन, रूबी तथा अर्धचालक डायोड), स्थानिक एवं कालिक संबद्धता, फूरियर रूपान्तरण के रूप में विनर्तन, फेनल तथा फानोफर आयताकार तथा वृत्तीय छिद्रों से निवर्तन। होलीग्राफी, सिद्धांत तथा अनुप्रयोग।

खण्ड— II (Section- II)

विद्युत् एवं चुम्बकत्व आधुनिक भौतिकी तथा इलेक्ट्रोनिकी।

1. विद्युत् एवं चुम्बकत्व ।—कोलम्ब नियम, विद्युत् क्षेत्र, गॉस नियम, विद्युत् विभव समांग परा वैद्युत के बारे में प्यासों तथा लाप्लास का समीकरण। एक समान क्षेत्र में अनावेशित चालक गोला। बिन्दु आवेश तथा अनन्त चालक तल। चुम्बकीय क्वच चुम्बकीय प्रेरणा तथा क्षेत्र तीव्रता। बायोट-सावर्ट नियम तथा अनुप्रयोग। विद्युत्-चुम्बकीय प्रेरणा, फैराडे और लेन्ज नियम, स्वतः तथा पारस्परिक प्रेरणा प्रत्यावर्ती धारा, एल.सी.आर. परिपथ, श्रेणी और समानान्तर अनुवाद परिपथ गुणताकारक, किरचोफ नियम तथा अनुप्रयोग। मेक्सबेल समीकरण तथा विद्युत् चुम्बकीय तरंगें, विद्युत् चुम्बकीय तरंगों की अनुप्रस्त प्रकृति प्लाइंटिंग वेक्टर (सादिश) द्रव्य में चुम्बकीय क्षेत्र — डाया, पैरा, लौह और अलौह चुम्बकत्व (केवल गुणात्मक उपगमन)।

2. आधुनिक भौतिकी ।—बोर का हाइड्रोजन परमाणु सिद्धांत, इलेक्ट्रान चरण, प्रकाशीय और एक्सकिरण स्पेक्ट्रम, स्टर्न-गलरैक प्रयोग और दिशिक क्वान्ट्यीकरण। परमाणु का वेक्टर माडल, स्पेक्ट्रमी पद, स्पेक्ट्रमी रेखाओं की सूक्ष्म संरचना, एल.एस. मुम्मन जीमान प्रभाव, पॉली का आवर्जन सिद्धांत, दो तुल्यमान और अतुल्यमान इलैक्ट्रानों के स्पेक्ट्रपी पद। इलेक्ट्रानिक बेन्ड स्पेक्ट्र का स्थूल और सूक्ष्म संरचना, रामन प्रभाव, प्रकाश विद्युत् प्रभाव, काम्पटन प्रभाव, दि ब्रागली तरंगें कण तरंग द्वैतवाद और अनिश्चितता सिद्धांत (1) एक वक्स के अन्दर कण, (2) एक सोपान बीभव के पार गति के अनुप्रयोग के साथ स्कोडिनार तरंग समीकरण। एक विभीय सरल आवर्ती दोलक अभिलक्षणिक मान और अभिलक्षिक फलन। अनिश्चितता सिद्धांत, रेडियो एकिटवता, एल्फा, बीटा और गामा विकिरण। एल्फा क्षय का प्रारंभिक सिद्धांत। न्यूक्लीय बन्धन उर्जा, द्रव्यमान स्पेक्ट्रोस्कोपी, अर्द्ध आनुभविक संहति सूत्र। नाभिकीय विखण्डना और संलयन, मूल रिएक्टर भौतिकी। मूल कण और उनका वर्गीकरण। प्रबल एवं दुबल विद्युत् चुम्बकीय पारस्परिक क्रिया कणात्वारित्र साइक्लोट्रान, रैखिक त्वरक अतिचालकता की मूल धारणा।

3. इलैक्ट्रोनिकी ।—ठोस पदार्थों का बैड सिद्धांत — चालक विद्युत्, रोत्री और अर्द्ध-चालक, आन्तरिक और वाहय अर्द्धचालक। पी-एन संधि उष्मा प्रतिरोधक, जेनर डायोड, विरोधी तथा अग्रीदशिक अभिनति पी-एन संधि, सौर सैल कक्ष डायोड के प्रयोग तथा आर एफ (प्रबंधक तरंगों के परिशोधन, प्रवर्धन, दोलर, माडुलन और अभिज्ञान के लिए ट्रांजिस्टर/ट्रांजिस्टर अग्रिही, दूरदर्शन तर्क-द्वार।

23. राजनीति विज्ञान तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

खण्ड— I (Section- I)

भाग “क”

राजनीतिक सिद्धान्त

1. प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारधारा की मुख्य विशेषताएँ, मनु और कौटिल्य प्राचीन यूनानी विचारधारा प्लौटो, अरस्तू युरोपीय मध्ययुगीन राजनीतिक विचारधारा की सामान्य विशेषताएँ, सेंट थौमस एकिवनास, पादुवा के मार्सिलियो, मकावेली, हॉब्स, लॉक, मोन्टस्क्यू, रोएसो, बैन्थम, जे.एस. मिल, टी.एच. ग्रीन, हेगल, मार्क्स, लेनिन, और माउत्सेत्तुंग।
2. राजनीति विज्ञान का रूपरूप और विषय क्षेत्र, एक ज्ञान विधा के रूप में राजनीति विज्ञान का आविर्भाव, परम्परागत बनाम समसामयिक उपागम, व्यवहारबाद और व्यवहारवादोत्तर गतिविधि, राजनीतिक विश्लेषण के प्रणाली सिद्धान्त और अन्य अभिनव दृष्टिकोण, राजनीतिक विश्लेषण के प्रति मार्क्सवादी दृष्टिकोण।
3. आधुनिक राज्य का आविर्भाव और स्वरूप प्रभुसत्ता, प्रभुसत्ता का एकात्मकवादी और बहुलवादी विश्लेषण, शक्ति प्राधिकार और वैद्य।
4. राजनीतिक बाध्यता प्रतिरोध और क्रांति अधिकार, स्वतंत्रता समानता, न्याय।
5. प्रजातंत्र के सिद्धान्त।
6. उदारवाद विकासात्मक समाजवाद (प्रजातांत्रिक एवं फेब्रियन), मार्क्स समाजवाद, फासिज्म।

भाग “ख”

भारत के विशेष सन्दर्भ में सरकार और राजनीति

1. तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के प्रति दृष्टिकोण : परम्परागत संरचनात्मक कार्यात्मक दृष्टिकोण।
2. राजनैतिक संस्थाएँ, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका, दल तथा दबाव गुट, दलीय प्रणाली के सिद्धान्त, लेनिन, मार्झिकल्स और डुवर्गर, निर्वाचन प्रणाली, नौकरशाही – वेबर का दृष्टिकोण और वेबर पर आधुनिक समीक्षा।
3. राजनीतिक प्रक्रिया— राजनीतिक, समाजीकरण, आधुनिकीकरण तथा संप्रेषण, अपाश्चत्य राजनीतिक प्रक्रिया का स्वरूप, अफ्रीकी एशियायी समाज को प्रभावित करने वाली संविधानिक और राजनीतिक समस्याओं का सामान्य अध्ययन।
4. भारत राजनीतिक प्रणाली (क) मूल भारत में उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद, आधुनिक भारतीय सामाजिक और राजनीतिक विचारधारा का सामान्य अध्ययन।
राजा राम मोहन राय, दादा भाई नौरोजी, तिलक, अरविंद, एकबाल, जिन्ना, गांधी, बी.आर. अम्बेदकर, एम.एन. राय, नेहरू, जयप्रकाश नारायण।
- (ख) संरचना—भारतीय संविधान, मूल अधिकार और नीति निदेशक तत्व, संघ सरकार, संसद, मंत्रिमण्डल, उच्चतम न्यायालय और न्यायिक पुनरीक्षा, भारतीय संघवाद, केन्द्र राज्य संबंध, सरकार—राज्यपाल की भूमिका पंचायती राज—बिहार में पंचायती राज।
- (ग) कार्य—भारतीय राजनीति में वर्ग और जाति, क्षेत्रवाद, भाषावाद, और साम्रादायिकतावाद की राजनीति राजतंत्र के धर्म निरपेक्षीकरण और राष्ट्रीय एकता की समस्याएँ, राजनीतिक अभियात्य वर्ग, बदलती हुई संरचना, राजनीतिक दल तथा राजनीतिक भागीदारी योजना और विश्वास, प्रशासन सामाजिक आर्थिक परिवर्तन और भारतीय लोकतंत्र पर इसका प्रभाव, क्षेत्रवाद, झारखण्ड आन्दोलन के विशेष सन्दर्भ में।

खण्ड— II (Section- II)

भाग— 1

1. प्रभुसत्ता सम्पन्न राज्य प्रणाली के स्वरूप तथा कार्य।
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की संकल्पनाएँ, शक्ति राष्ट्रीय हित, शक्ति संतुलन “शक्ति रिक्तता।”
3. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त, यथार्थवादी सिद्धान्त, प्रणाली सिद्धान्त एवम् नियंत्रण सिद्धान्त।
4. विदेश नीति में निर्धारक तत्व राष्ट्रीय हित विचारधारा, राष्ट्रीय शक्ति तत्व (देशीय सामाजिक—राजनीतिक संस्थाओं के स्वरूप सहित)।
5. विदेश नीति का चयन— साम्राज्यवाद, शक्ति संतुलन, समझौते, अलगाववाद, राष्ट्रपरक सार्वभौतिकतावाद (ब्रिटेन द्वारा स्थापित शान्ति, अमेरिका द्वारा स्थापित शक्ति, रूस द्वारा स्थापित शान्ति, चीन का मिडिल किंगडम परिकल्पना, गुट निरपेक्षता)।
6. शीत युद्ध, उद्गम विकास और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों पर इसका प्रभाव, तनाव शैथिल्य और इसका प्रभाव तथा नया शीत युद्ध।
7. गुट निरपेक्षता, अर्थ आधार (राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय) गुट निरपेक्षता आन्दोलन और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में इसकी भूमिका।
8. निरुपनिवेशिता और अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय का प्रसार, नवोनिवेशिता तथा जातिवाद, उनका अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों पर प्रभाव, एशियाई अफ्रीकी पुनरुत्थान।
9. वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था, सहायता, व्यापार तथा आर्थिक विकास, नई अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था के लिये संघर्ष, प्राकृतिक साधनों पर प्रभुता, उर्जा साधनों का संकट।
10. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में अन्तर्राष्ट्रीय निधि की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय।
11. अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों का उद्भव और विकास, संयुक्त राष्ट्र संघ और विशिष्ट अभिकरण, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में उनकी भूमिका।
12. क्षेत्रीय संगठन और ओ.ए.एस., ओ.ए.यू., अरब लीग, एशियन, ई.ई.सी., अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में उनकी भूमिका।
13. शस्त्र स्पर्धा, निरस्त्रीकरण और शस्त्र नियंत्रण, पारम्परिक तथा परमाणवीय शस्त्र, शस्त्रों का व्यापार, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में तीसरी दुनिया की भूमिका पर इसका प्रभाव।
14. राजनीतिक सिद्धान्त और पद्धति।
15. वाह्य हस्तक्षेप— वैचारिक, राजनीतिक और आर्थिक सांस्कृतिक साम्राज्यवाद, महाशक्तियों द्वारा गुप्त हस्तक्षेप।

भाग— 2

1. परमाणवीय उर्जा का उपयोग और दुरुपयोग, परमाणवीय शस्त्रों का अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों पर प्रभाव, आंशिक परीक्षण निषेध, संधि, परमाणु शस्त्र प्रसार निरोधक संधि (एन.पी.टी. शांतिपूर्ण परमाणु विस्फोट) (पी.एन.ई.)।
2. हिन्द महासागर को शांति क्षेत्र बनाने की समस्याएँ और सम्भावनाएँ।
3. पश्चिमी एशिया में संघर्षपूर्ण स्थिति।
4. दक्षिण एशिया में संघर्ष और सहयोग।
5. महाशक्तियां अमरीका, रूस एवम् चीन की युद्धोत्तर विदेश नीतियाँ, संयुक्त राज्य सोवियत संघ एवम् चीन।
6. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में तृतीय विश्व का स्थान। संयुक्त राष्ट्र संघ में और बाहरी मंचों पर उत्तर-दक्षिणी देशों का विचार-विमर्श।
7. भारत की विदेश नीति और सम्बन्ध, भारत और महाशक्तियाँ, भारत और इसके पड़ोसी, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया एवम् भारत तथा अफ्रीका की समस्याएँ।
भारत की आर्थिक राजनयिकता, भारत और परमाणु अस्त्रों का प्रश्न।

24. मनोविज्ञान**खण्ड— I (Section- I)****मनोविज्ञान के आधार**

1. मनोविज्ञान का विषय क्षेत्र— सामाजिक और व्यवहारिक विज्ञान में परिवार से मनोविज्ञान का स्थान।
2. मनोविज्ञान की पद्धतियाँ— मनोविज्ञान की प्रणालीतंत्रीय समस्याएँ, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का सामान्य अभिकल्प। मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के प्रकार, मनोवैज्ञानिक मापन की विशेषताएँ।
3. मानव व्यवहार की प्रकृति, उदगम और विकास, आनुवंशिकता तथा पर्यावरण, सांस्कृतिक कारक तथा व्यवहार, समाजीकरण की प्रक्रिया, राष्ट्रीय चरित्र की संकल्पना।
4. संज्ञानात्मक प्रक्रियाएँ— प्रत्यक्ष ज्ञान, प्रत्यक्ष ज्ञान के सिद्धांत, प्रत्यक्ष ज्ञान संगठन, व्यक्ति प्रत्यक्षण, प्रात्यक्षिक रक्षा, प्रत्यक्षण ज्ञान का कार्यात्मक उपागम, प्रत्यक्ष ज्ञान तथा व्यक्तित्व, आकृति अनुप्रभाव, प्रत्यक्ष ज्ञान शैली, प्रात्यक्षिक अपसामान्य, सतर्कता।
5. अधिगम— संज्ञानात्मक क्रिया प्रसूत तथा क्लासिकल अनुकूलन उपागम, अधिगम परिघटना विलोप, विभेद और सामान्यकरण, विभेद अभिगत, प्रायिकता अधिगम, प्रोग्रामित अधिगम।
6. स्मरण— स्मरण के सिद्धांत, अल्पकालिक स्मृति, दीर्घकालिक स्मृति, स्मृति का मापन, विस्मरण, संस्मृति।
7. चिन्तन— समस्या समाधान, संकल्पना निर्माण, संकल्पना निर्माण का रचना कौशल, सूचना प्रक्रिया, सपर्गनात्मक चिन्तन, अभिसारी तथा उपासारी चिन्तन, बालकों में चिन्तन के विकास के सिद्धांत।
8. बुद्धि— बुद्धि की प्रकृति, बुद्धि के सिद्धांत, बुद्धि का मापन, सृजनात्मकता का मापन, अभिक्षमता, अभिक्षमता का मापन, सामाजिक बुद्धि की संकल्पना।
9. अभिप्रेरण— अभिप्रेरित व्यवहार की विशेषताएँ, अभिप्रेरण के उपागम, मनोविश्लेषी सिद्धांत, अन्तर्रोद सिद्धांत, आवश्यकता अभिक्रम सिद्धांत, सदिश कर्षण शक्ति उपागम, आकांक्षा स्तर की संकल्पना, अभिप्रेरण के मापन, विरक्त तथा विमुख व्यष्टि, प्रेरक।
10. व्यक्तित्व— व्यक्तित्व की संकल्पना, विशेषक और प्रकार उपागम, कारकीय तथा आयामीय उपागम, व्यक्तित्व के सिद्धांत फ्रीडर, अलपोर्ट, मुरे, केटल, सामाजिक अभिगम सिद्धांत तथा क्षेत्र सिद्धांत, व्यक्तित्व के भारतीय उपागम गुणों की संकल्पना, व्यक्तित्व का मापन, प्रश्नावली निर्धारण मापनी, मनोमति परीक्षण, प्रक्षमी परीक्षण प्रेक्षण प्रणाली।
11. भाषा और सम्प्रेषण— भाषा का मनोवैज्ञानिक आधार, भाषा विकास का सिद्धांत स्किनर और चॉमस्की, अवशासिद्क, संप्रेषण, कार्यभाषा प्रभावी सम्प्रेषण स्रोत और ग्रहीता की विशेषताएँ, अनुभवी सम्प्रेषण।
12. अभिवृत्तियाँ और मूल्य— अभिवृत्तियों की संरचना, अभिवृत्तियों की बनावट, अभिवृत्तियों के सिद्धांत, अभिवृत्तितत्व मापन, अभिवृत्ति मापनी के प्रकार, अभिवृत्ति परिवर्तनक के सिद्धांत, मूल्य-मूल्यों के प्रकार, मूल्यों के अभिप्रेरणीय गुणधर्म, मूल्यों का मापन।
13. अभिनव प्रवृत्तियाँ— मनोविज्ञान और कम्प्यूटर, व्यवहार का संतातिकी मॉडल, मनोविज्ञान में अनुरूपता अध्ययन चेतना का अध्ययन चेतना की परिवर्तित स्थितियाँ, निद्रा, स्वप्न, ध्यान और सम्मोहन आत्मविस्मृति, मादक द्रव्य उत्तरेति परिवर्तन संवेदन वचन, विमानन और अंतरिक्ष उड़ान में मानव समस्याएँ।
14. मानव के मॉडल— यांत्रिक मानव, जैविक मानव, संगठनात्मक मानव, मानवतावादी मानव, व्यवहार परिवर्तन के विभिन्न प्रतिरूपों के निहितार्थ एक एकीकृत प्रतिरूप।

खण्ड-II (Section-II)**मनोविज्ञान विचार—विषय और अनुप्रयोग**

1. **व्यक्तिगत विभिन्नताएँ**— व्यक्तिगत विभिन्नताओं का मापन, मनोविज्ञान परीक्षणों के प्रकार, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का निर्माण, अच्छे मनोवैज्ञानिक परीक्षण की विशेषताएँ, मनोवैज्ञानिक परीक्षणों की सीमाएँ।
2. **मनोवैज्ञानिक विकास**— विकारों का वर्गीकरण तथा रोग वर्गीकरण प्रणालियाँ, तंत्रिका, तापीय, मनस्तापी और मनोदैहिक विकास, मनोविकृत व्यक्तित्व, मनोवैज्ञानिक विकारों के सिद्धांत, वित्ता अवसाद तथा खिंचाव की समस्याएँ।
3. **चिकित्सात्मक उपागम**— मनोगतिक—उपागम, व्यवहार चिकित्सा, रोगी केन्द्रित चिकित्सा संज्ञानात्मक चिकित्सा, समूह चिकित्सा।
4. **संगठनात्मक तथा औद्योगिक समस्याओं से मनोविज्ञान का अनुप्रयोग, वैयक्तिक चयन, प्रशिक्षण, कार्य, अभिप्रेरणा, कार्य अभिप्रेरण सिद्धांत कृत्य अभिकल्पन, नेतृत्व प्रशिक्षण, सदभागी प्रबन्ध।**
5. **लघु समूह**— लघु समूह की संकल्पना, समूह के गुणधर्म, कार्यरत, समूह व्यवहार के सिद्धांत, समूह व्यवहार का मापन अन्तर्क्रिया प्रक्रिया विश्लेषण, अन्तर्व्यक्ति सम्बन्ध।
6. **सामाजिक परिवर्तन**— समाज परिवर्तन की विशेषताएँ, परिवर्तन के मनोवैज्ञानिक आधार, परिवर्तन प्रतिरोध, प्रतिरोधी कारक, परिवर्तन प्रयोजन, परिवर्तन प्रवणता की संकल्पना।
7. **मनोविज्ञान तथा अधिगम प्रक्रिया**— शिक्षार्थी समाजीकरण के कर्ता के रूप में विद्यालय अधिगम स्थितियों में विरोधों से संबंधित समस्याएँ, प्रतिभाशाली और संदित बालक तथा उनके प्रशिक्षण से संबंधित समस्याएँ।
8. **सुविधा विचित समूह**— प्रकार, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सुविधावंचन के मनोवैज्ञानिक फल वचन की संकल्पना, सुविधावंचित समूहों की शिक्षा, सुविधावंचित समूहों के अभिप्रेण की समस्याएँ।
9. **मनोविज्ञान तथा सामाजिक एकीकरण की समस्या**— सजातीय पूर्वाग्रह की समस्या, पूर्वाग्रह की प्रकृति, पूर्वाग्रह की अभिव्यक्ति, पूर्वाग्रह का विकास, पूर्वाग्रह का मापन, पूर्वाग्रह का सुधार, पूर्वाग्रह और व्यक्तित्व, सामाजिक एकीकरण के उपाय।
10. **मनोविज्ञान तथा आर्थिक विकास**— उपलब्धि अभिप्रेरण की प्रकृति, उपलब्धि अभिप्रेरण, उद्यमशीलनता संवर्द्धन, उद्यमशीलनता संलक्षण, प्रौद्योगीकीय परिवर्तन तथा मानवीय व्यवहार पर इसका प्रभाव।
11. **सूचना का प्रबन्ध और संचरण**— सूचना प्रबन्ध में मनोवैज्ञानिक कारक, सूचना अतिभार, प्रभावी संचरण के मनोवैज्ञानिक आधार, जन सचार और सामाजिक परिवर्तन में उनकी भूमिका, दूरदर्शन का प्रभाव, प्रभावी विज्ञापन का मनोवैज्ञानिक आधार।
12. **समकालीन समाज की समस्याएँ**— खिंचाव, खिंचाव का प्रबन्ध, मटाव्यसनता तथा मादक द्रव्य व्यसन, सामाजिक विसामान्य, किशोर, अपचार अपराध विसामान्य का पुर्नस्थापन, वयोवृद्धों की समस्याएँ।

25. लोक प्रशासन**खण्ड-I (Section-I)****प्रशासनिक सिद्धान्त**

1. **मूल अवधारणाएँ**— लोक प्रशासन का अर्थ, विस्तार तथा महत्व, निजी प्रशासन तथा लोक प्रशासन, विकसित और विकासशील समाज में इसकी भूमिका, प्रशासन की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विविध परिस्थितियाँ, लोक प्रशासन का एक शास्त्र के रूप में विकास, लोक प्रशासन एक कला एवम् एक विज्ञान के रूप में नया लोक प्रशासन।
2. **संगठन के सिद्धांत**— वैज्ञानिक प्रबन्ध (टेलर और उसके साथी), नौकरशाही संगठन का सिद्धांत (बैबर), आदर्श संगठन का सिद्धांत (हेनरी फोयल, लूथर गुलिक तथा अन्य), मानव संगठन सम्बन्धी सिद्धांत (एलटोन मायो और उसके साथी), व्यावहारिक दृष्टिकोण, व्यवस्था, दृष्टिकोण, संगठनात्मक प्रभावशीलता।
3. **संगठन के सिद्धांत**— सोपान के सिद्धांत, ऐकि आदेश, प्राधिकार और उत्तरदायित्व समन्वय नियंत्रण का विस्तार, पर्यवेक्षक, केन्द्रीकरण और विकेन्द्रीकरण, प्रत्यायोजन।
4. **प्रशासनिक व्यवहार**— हर्बर्ट साइमन के योगदान के विशेष संदर्भ में निर्णय लेना, नेतृत्व के सिद्धांत, संचार मनोबल प्रेरणा (मैस्लो और हर्जबर्ग)।
5. **संगठन संरचना**— मुख्य कार्यकारी, मुख्य कार्यकारी के प्रकार और उनके कार्य, सूत्र और स्टाफ एवम् सहायक एजेन्सियाँ, विभाग, निगम कम्पनी, बोर्ड और आयोग, मुख्यालय और क्षेत्रीय संबंध।

6. **कार्यिक प्रशासन—** नौकरशाही और सिविल सेवा, पद वर्गीकरण, भर्ती, प्रशिक्षण, वृत्ति विकास कार्य का मूल्यांकन, पदोन्नति, वेतन तथा सेवा शर्तें, सेवानिवृत्ति लाभ, अनुशासन, नियोक्ता कर्मचारी सम्बन्ध, प्रशासन में सत्यनिष्ठा, सामान्यक्ष और विशेषज्ञ, तटरस्थता और अनमिता।
7. **वित्तीय प्रशासन—** बजट की संकल्पनाएँ, बजट तैयार करना और उसका कार्यान्वयन, निष्पादन, बजट, विधायी नियंत्रण, लेखा और परीक्षण।
8. उत्तरदायित्व तथा नियंत्रण, उत्तरदायित्व और नियंत्रण की संकल्पनाएँ, प्रशासन पर विधायी, कार्यकारी और न्यायिक नियंत्रण, नागरिक तथा प्रशासन।
9. **प्रशासनिक सूत्रधार—** संगठन एवं पद्धति, कार्य अध्ययन, कार्यमापन, प्रशासनिक सुधार प्रक्रिया और अवरोध।
10. **प्रशासनिक कानून—** प्रशासनिक कानून का महत्व, प्रत्योजित विधान, विधान अर्थ प्रकार, लाभ, सीमाएँ, सुरक्षा उपाय, प्रशासनिक अधिकरण।
11. **तुलनात्मक एवं विकास प्रशासन—** अर्थ स्वरूप और विस्तार, संक्षेत्रिक साल, मॉडल के विशेष संदर्भ में फ्रेड रिस्स का योगदान, प्रशासन में विकास की संकल्पना, विस्तार और महत्व, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक एवं सांस्कृतिक सन्दर्भ में प्रशासन का विकास, प्रशासनिक विकास की संकल्पना।
12. **लोक नीति—** लोक प्रशासन में नीति निर्धारण की प्रासंगिकता, नीति निर्धारण करने की प्रक्रियाएँ और कार्यान्वयन।

खण्ड— II (Section- II)

भारतीय प्रशासन

1. **भारतीय प्रशासन का विकास—** कौटिल्य, मुगल युग, अंग्रेजी युग।
2. **परिस्थितिजन्य परिवेश—** संविधान संसदीय प्रजातत्र, संघवाद, योजना, समाजवाद।
3. **संघ स्तर पर राजनीतिक कार्यपालिका—** राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रिपरिषद, मंत्रिमंडल समितियाँ।
4. **केन्द्रीय प्रशासन की संरचना—** सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, मंत्रालय और विभाग, बोर्ड और आयोग, क्षेत्रीय संगठन।
5. **केन्द्र—राज्य सम्बन्ध—** विधायी, प्रशासनिक, योजना और वित्तीय।
6. **लोक सेवाएँ—** अखिल भारतीय सेवाएँ, केन्द्रीय सेवाएँ, राज्य सेवाएँ, स्थानीय सिविल सेवाएँ, संघ और राज्य लोक सेवा आयोग, सिविल सेवाओं का प्रशिक्षण।
7. **योजना तन्त्र—राष्ट्रीय स्तर पर योजना निर्धारण, राष्ट्रीय विकास परिषद, योजना आयोग, राज्य—जिला स्तर पर योजना तन्त्र।**
8. **लोक उपक्रम, स्वरूप, प्रबन्ध, नियंत्रण और समस्याएँ।**
9. **लोक व्यय का नियंत्रण—** संसदीय नियंत्रण, वित्त मंत्रालय की भूमिका, नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक।
10. **बिहार में कानून और व्यवस्था सम्बन्धी प्रशासन, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिये केन्द्रीय और राज्य एजेंसियों की भूमिका।**
11. **राज्य प्रशासन बिहार के विशेष संबंध में—** राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, सचिवालय, मुख्य सचिव, निदेशालय।
12. **जिला तथा स्थानीय प्रशासन बिहार के विशेष सन्दर्भ में—** भूमिका और महत्व, जिला समाहर्ता, भू—राजस्व, कानून तथा व्यवस्था और उसके विकास सम्बन्धी कार्य, जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, विशेष कार्यक्रम।
13. **स्थानीय प्रशासन बिहार के विशेष सन्दर्भ में—** पंचायती राज और शहरी स्थानीय सरकार, विशेषताएँ, स्वरूप, समस्याएँ, स्थानीय निकायों की स्वायतता।
14. **बिहार में कल्याण कार्य हेतु प्रशासकीय व्यवस्था—** कमजोर वर्गों के लिये, विशेषकर अनुसूचित जातियों एवं आदिम जातियों के कल्याण के लिये प्रशासकीय व्यवस्था, महिलाओं तथा बालकों के कल्याण के लिए कार्यक्रम।
15. **भारतीय प्रशासन व्यवस्था में विवादस्पद मुद्दे—** राजनैतिक तथा स्थायी कार्यपालकों के बीच सम्बन्ध, प्रशासन कार्यों में सामान्य तथा विशेषज्ञों की भूमिका, प्रशासन में सत्यनिष्ठा, प्रशासनिक कार्यों में जनता की सहभागिता, नागरिक शिकायतों को दूर करना, लोकपाल और लोक आयुक्त, भारत में प्रशासनिक सुधार।

26. समाजशास्त्र
खण्ड— I (Section- I)

सामान्य समाजशास्त्र

1. सामाजिक घटनाओं का वैज्ञानिक अध्ययन— समाजशास्त्र का आविर्भाव, अन्य शिक्षा शाखाओं से इनका सम्बन्ध, उनका क्षेत्र विस्तार एवं संबंधित धारणाएँ, वैज्ञानिक विधि एवं वैज्ञानिक भाषा, उनका अर्थ उद्देश्य, प्रकार तत्व एवं विशेषताएँ, सामाजिक अनुसंधान संरचना, तथ्य संकलन एवं तथ्य विश्लेषण की विधियाँ, अभिवृत्ति मापन समस्याएँ एवं तकनीकी शैली (स्केल्स), आर.एम. मैकाइवर की कार्य कारण अवधारणा।

2. समाजशास्त्र के क्षेत्र में पथ—प्रदर्शक— योगदान, सैद्धान्तिक प्रारम्भ एवं विकासवाद के सिद्धान्त, काम्ट, स्पेन्सर तथा मार्गन, ऐतिहासिक समाजशास्त्र कार्ल मार्क्स, मैक्स बेबर एवं पी०ए० सरोकिन, प्रकार्यवाद ई० दुर्खाइम, परेटो, पार्सन्स एवं मर्टन, संघर्षवादी सिद्धान्त, गुमप्लोविज, डहरेन डार्फ एवं कोजर, समाज—शास्त्र के आधुनिक विचारधाराएँ, सम्पूर्णालिक एवं अल्पार्थक समाजशास्त्र, मध्यम स्तरीय सिद्धान्त, विनियम सिद्धान्त।

3. सामाजिक संरचना एवम् सामाजिक संगठन— अवधारणा एवं प्रकार, सामाजिक संरचना सम्बन्धित विचारधाराएँ, संरचना प्रकार्यवादी, मार्क्सवादी सिद्धान्त, सामाजिक संरचना के तत्व, व्यक्ति एवं समाज, सामाजिक अन्तर्क्रिया, सामाजिक समूह अवधारणाएँ एवं प्रकार, सामाजिक स्तर एवं भूमिका, उनके निर्धारक एवं प्रकार, सरल एवं संकूल समाजों में भूमिका के विभिन्न परिमाण, भूमिका संघर्ष, सामाजिक जाल, अवधारणा एवं प्रकार, संस्कृति एवं व्यक्तित्व अनुरूपता एवं सामाजिक नियंत्रण की अवधारणा, सामाजिक नियंत्रण के साधन, अल्पसंख्यक समूह, बहुसंख्यक एवं अल्पसंख्यक सम्बन्ध।

4. सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता— सामाजिक स्तरीकरण के अवधारणा, प्रभाव एवं प्रकार, असमानता एवं स्तरीकरण, स्तरीकरण के आधार एवं परिमाण, स्तरीकरण सम्बन्धी विचारधाराएँ, प्रकार्यवाद एवं संघर्षवाद विचारधाराएँ, सामाजिक स्तरीकरण एवं सामाजिक गतिशीलता, संस्कृतिकरण एवं पश्चिमीकरण, गतिशीलता के प्रकार, अन्तर्पीढ़ी गतिशीलता, उदग्र गतिशीलता बनाम क्षेत्रिज गतिशीलता, गतिशीलता के प्रतिरूप।

5. परिवार, विवाह एवं नातेदारी— संरचना, प्रकार्य एवं प्रकार, सामाजिक परिवर्तन एवं आयु तथा स्त्री—पुरुष भूमिकाओं में परिवर्तन, विवाह, परिवार एवं नातेदारी में परिवर्तन, प्राद्योगिक समाज में परिवार का महत्व।

6. औपचारिक संगठन— औपचारिक तथा अनौपचारिक संगठनों के तत्व, नौकरशाही प्रकार्य, अकार्य एवं विशेषताएँ, नौकरशाही एवं राजनीतिक विकास, राजनीतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक सहभागिता, सहभागिता के विभिन्न रूप, सहभागिता के लोकतात्रिक तथा सत्तात्मक स्वरूप, खेच्छित मण्डली।

7. आर्थिक प्रणाली— सम्पत्ति की अवधारणाएँ, श्रम विभाजन के सामाजिक प्रतिमाण, विनियम के विभिन्न प्रकार, पूर्व औद्योगिक एवं औद्योगिक अर्थ व्यवस्था का सामाजिक पक्ष, औद्योगिकीकरण तथा राजनीतिक, शैक्षिक, धार्मिक, पारिवारिक सारविन्यासी क्षेत्रों में परिवर्तन, आर्थिक विकास के निर्धारक तत्व एवं उनके परिणाम।

8. राजनीतिक व्यवस्था— राजनीतिक व्यवस्था की अवधारणा, तत्व एवं प्रकार, राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत समस्याएँ, व्यक्ति समूह, राजनीतिक संगठनों, राजनीतिक दल एवं अन्य साधनों के संदर्भ में राजनीतिक प्रक्रियाएँ, शक्ति प्राधिकार एवं वैधता की अवधारणाएँ, आधार एवं प्रकार, राज्यविहीन समाज की परिकल्पना, राजनीतिक समाजीकरण बनाम राजनीतिक भागीदारी, राज्य की विशेषताएँ, प्रजातंत्रात्मक एवं सत्तात्मक राजनीतिक व्यवस्था के अन्तर्गत संभान्त वर्ग एवं जनसमूह की शक्ति, राजनीतिक दल एवं मतदान, नायकत्व, प्रजातात्रिक व्यवस्था एवं प्रजातात्रिक स्थिरता।

9. शैक्षिक प्रणाली— शिक्षा की अवधारणा एवं उद्देश्य, शिक्षा पर प्रवृत्तिवाद, आदर्शवाद एवं पाण्डित्यवाद के प्रभाव, समाज, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, प्रजातंत्र व्यवस्था एवं राष्ट्रवाद के सन्दर्भ में शिक्षा का महत्व, शिक्षा के नये झुकाव, शिक्षा एवं समाजीकरण में विभिन्न साधन, परिवार, विद्यालय, समाज, राज्य एवं धर्म की भूमिका, जनसंख्या शिक्षा अवधारणा एवं तत्व, सांस्कृतिक पुनर्जन्म, सैद्धान्तिक मतारोपन, सामाजिक स्तरीकरण, गतिशीलता एवं आधुनिकीकरण के साधन के रूप में शिक्षा की भूमिका।

10. धर्म— धार्मिक तथ्य, पावन एवं अपावन की अवधारणाएँ, धर्म का सामाजिक प्रकार्य एवं अकार्य, जादू—टोना, धर्म एवं विज्ञान, धर्मनिरपेक्षीकरण एवं सामाजिक परिवर्तन।

11. सामाजिक परिवर्तन एवं विकास— सामाजिक परिवर्तन के आर्थिक, जैविक एवं प्रौद्योगिक कारक, सामाजिक परिवर्तन के विकासवादी प्रकार्यवाद एवं संघर्षवाद सिद्धान्त, सामाजिक परिवर्तन, आधुनिकीकरण एवं उन्नति, प्रजातात्रिकरण, समानता एवं सामाजिक न्याय, सामाजिक पुनर्निर्माण।

खण्ड— II (Section- II)

भारतीय समाज

(1) **भारतीय समाज—पारम्परिक हिन्दू सामाजिक संगठन की विशेषताएँ, विभिन्न समय के सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन, भारतीय समाज पर बौद्ध, इस्लाम तथा आधुनिक परिचय का प्रभाव, निरन्तरता और परिवर्तन के कारक तत्व।**

(2) **सामाजिक स्तरीकरण—जाति व्यवस्था एवं इसके रूपान्तरण, जाति के संदर्भ में आर्थिक संरचनात्मक एवं सांस्कृतिक मत, जाति प्रथा की उत्पत्ति, हिन्दू एवं गैर-हिन्दू जातियों में असमानता एवं सामाजिक न्याय की समस्याएँ, जाति गतिशीलता, जातिवाद, पिछड़ी जाति बनाम पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति एवं अस्पृश्यता, अनुसूचित जातियों में परिवर्तन, अस्पृश्यता का उन्मूलन, औद्योगिक एवं कृषि प्रधान समाज की वर्ग संरचना, मन्डल कमीशन एवं सुरक्षा नीति के अन्तर्गत बिहार के अन्तर्जातीय सम्बन्धों के बदलते झुकाव।**

(3) **परिवार, विवाह एवं सगोत्रता—सगोत्रता व्यवस्था में क्षेत्रीय विविधता एवं उनके सामाजिक सांस्कृतिक सम्बन्ध, सगोत्रता के बदलते पहलू, संयुक्त परिवार प्रणाली, इसका संरचनात्मक एवं व्यावहारिक पक्ष, इसके बदलते रूप एवं विघटन, विभिन्न नृजातिक समूहों, आर्थिक एवं जाति वर्गों में विवाह, भविष्य में उनके बदलते प्रकृति, परिवार एवं विवाह पर कानून तथा सामाजिक-आर्थिक, परिवर्तनों का पड़ते प्रभाव, पीढ़ी, अन्तराल एवं युवा असन्तोष, महिलाओं की बदलती स्थिति, महिला एवं सामाजिक विकास, बिहार में अन्तर्जातीय विवाह, कारण एवं परिणाम।**

(4) **आर्थिक प्रणाली—यजमानी व्यवस्था एवं पारम्परिक समाज पर उसका प्रभाव, बाजार अर्थ व्यवस्था और उसके सामाजिक परिणाम, व्यवसायिक विविधिकरण एवं सामाजिक संरचना, व्यवसायिक मजदूर संघ, आर्थिक विकास के सामाजिक निर्धारक तथा उनके परिणाम, आर्थिक असमानताएँ, शोषण और भ्रष्टाचार, बिहार के आर्थिक पिछड़ेपन के कारण, बिहार के आर्थिक विकास की सम्भाव्यता, बिहार के सन्दर्भ में आर्थिक वृद्धि एवं सामाजिक विकास के सह-सम्बन्ध।**

(5) **राजनीतिक व्यवस्था—पारम्परिक समाज में प्रजातांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के प्रकार्य, राजनीतिक दल एवं उनकी सामाजिक संरचना, राजनीतिक संभ्रान्त वर्ग की उत्पत्ति एवं उनका सामाजिक लगाव, शक्ति का विकेन्द्रीकरण, राजनीतिक भागीदारी, बिहार में मतदान का स्वरूप, बिहार के मतदान प्रणाली में जाति समुदाय एवं आर्थिक कारकों की अनुरूपता, इसके बदलते आयाम, भारतीय नौकरशाही का प्रकार्य, अकार्य एवं विशेषता, भारत में नौकरशाही एवं राजनीतिक विकास, जनप्रभुसत्ता समाज, भारत में जन-आन्दोलन के सामाजिक एवं राजनीतिक श्रोत।**

(6) **शिक्षा व्यवस्था—पारम्परिक एवं आधुनिक के सन्दर्भ में समाज एवं शिक्षा, शैक्षणिक असमानताएँ एवं परिवर्तन, शिक्षा एवं सामाजिक गतिशीलता, महिलाओं की शिक्षा की समस्याएँ, पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जातियों, बिहार में शैक्षणिक पिछड़ेपन के कारण, बिहार में अनियोजित रूप से पनपते संस्थाओं के प्रकार्य एवं अकार्य पक्ष। बिहार में उच्च शिक्षा की समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ, नई शिक्षा नीतियाँ, जन शिक्षा।**

(7) **धर्म—जनसंख्यात्मक परिमाण, भौगोलिक वितरण एवं पड़ोस, प्रमुख धार्मिक समुदायों के जीवन शैली, अन्तर्धार्मिक अन्तःक्रियाएँ एवं धर्म परिवर्तन के रूप में इनका प्रकाशन, अल्पसंख्यक के स्तर, संचार एवं धर्मनिरपेक्षता, भारत के जाति व्यवस्था पर विभिन्न धार्मिक आनंदोलनों का बौद्ध-जैन-इस्लाम-वृहत् समाज एवं आर्य समाज के आनंदोलनों के प्रभाव, बिहार में पश्चिमीकरण एवं आधुनिकीकरण, संयुक्तक एवं अलगाव सम्बन्धी कारक, भारतीय सामाजिक संगठन पर धर्म एवं राजनीति के बढ़ते अर्तसम्बन्ध का प्रभाव।**

(8) **जन-जाति समाज—भारत के प्रमुख जनजाति समुदाय, उनकी विशिष्ट विशेषताएँ, जन-जाति एवं जाति, इनका सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं एकीकरण, बिहार की जन-जातियों की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समस्याएँ, जन-जाति कल्याण के विभिन्न विचारधाराएँ, उनके संवैधानिक एवं राजकीय सुरक्षा, भारत में जन-जाति आनंदोलन, ताना भगत आनंदोलन, बिरसा आनंदोलन एवं झारखंड आनंदोलन, जन-जाति के विकास में उनका महत्वपूर्ण स्थान।**

(9) **ग्रामीण समाज व्यवस्था एवं सामुदायिक विकास—ग्रामीण समुदाय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयाम, पारम्परिक शक्ति संरचना, प्रजातांत्रिकरण एवं नेतृत्व, गरीबी, ऋणग्रस्तता एवं बंधुआ मजदूरी, भूमि सुधार के परिणाम, सामुदायिक विकास योजना कार्यक्रम तथा अन्य नियोजित विकास कार्यक्रम तथा हरित क्रांति, ग्रामीण विकास की नई नीतियाँ।**

(10) **शहरी सामाजिक संगठन—सामाजिक संगठन के पारम्परिक कारकों, जैसे— संगोत्रता जाति और धर्म की निरन्तरता एवं उनके परिवर्तन शहर के सन्दर्भ में, शहरी समुदायों में सामाजिक स्तरीकरण एवं गतिशीलता, नृजातिक अनेकता एवं सामुदायिक एकीकरण, शहरी पड़ोसदारी, जनसांख्यिकी एवं सामाजिक-सांस्कृतिक लक्षणों में शहर तथा गाँव में अन्तर तथा उनके सामाजिक परिणाम।**

(11) **जनसंख्या गतिकी—जनसंख्या वृद्धि सम्बन्धी सिद्धान्त—मात्थस, जैविकीय जनसांख्यिकीय परिवर्तन, सर्वाधिक जनसंख्या, जनसंख्या संरचना के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष (लिंग, उम्र, वैवाहिक स्तर), जन्म दर, मृत्यु दर एवं स्थानान्तरण के कारक, भारत में जनसंख्या नीति की आवश्यकता, जनाधिकाय एवं अन्य निर्धारक तथ्य, जनाधिकाय के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक निर्धारक एवं भारत में परिवार नियोजन प्रक्रिया की अस्थीकृति में इनकी भूमिका, प्रथम से अष्टम पंचवर्षीय योजनाओं में परिवार नियोजन कार्यक्रम का स्थान, जनसंख्या शिक्षा, अवधारणा, उद्देश्य, पक्ष, साधन एवं जनसंख्या शिक्षा की यंत्रकला।**

(12) सामाजिक परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण—भूमिका, संघर्ष की समस्या, युवा असंतोष, पीड़ियों का अन्तर, महिलाओं की बदलती स्थिति, सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख स्रोत एवं परिवर्तन के प्रतिरोधी तत्वों के प्रमुख स्रोत, पश्चिम का प्रभाव, सुधारवादी आंदोलन, सामाजिक आंदोलन, औद्योगीकरण एवं शहरीकरण, दबाव समूह, नियोजित परिवर्तन के तत्व, पंचवर्षीय योजनाएँ, विधायी एवं प्रशासकीय उपाय—परिवर्तन की प्रक्रिया—संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण और आधुनिकीकरण, आधुनिकीकरण के साधन, जनसम्पर्क साधन एवं शिक्षा, परिवर्तन एवं आधुनिकीकरण की समस्या, संरचनात्मक विसंगतियाँ और व्यवधान, वर्तमान सामाजिक दुर्गुण—भ्रष्टाचार और पक्षपात, तस्करी—कालाधन।

27. सांख्यिकी

इसमें दो खण्ड हैं। उम्मीदवार प्रत्येक खण्ड से तीन से अधिक प्रश्नों के उत्तर नहीं देंगे।

खण्ड—I (Section- I)

1. प्रायिकता—प्रतिदर्श समष्टि और अनुवृत्, प्रायिकता माप और प्रायिकता समष्टि, सांख्यिकीय स्वतंत्रता, समय फलन के रूप में यादृच्छिक चर, असंतत और असंस्त यादृच्छिकचर, प्रायिकता धनत्व और बंटन फलन, उपांत और सप्रतिबंध वंटन, यादृच्छिक चरों के फलन और उनके बंटन, प्रत्याशी और आपूर्ण सप्रतिबंध प्रत्याशा सह—सम्बन्ध गुणांक प्रायिकता में तथा लगभग संयंत्र अभिसरण मार्कोब, शेबीशेव तथा कोलमोगोरोव असमिकाएँ, बोरल—कैटेलिलेमा प्रमेयिका, वृहत् संख्याओं के दुर्बल एवं सबल नियम, प्राथमिकता जनक एवं अभिलाषणि फलन, अहितायता एवं सतत्य प्रमेय, आपूर्णांक के द्वारा बंटनों का निर्धारण, लिंडेवर्ग—लेवी केन्द्रीय सीमा प्रमेय, मनाक संतत प्रक्रिया बंटन और उनके पारस्परिक सम्बन्ध, जिसमें सीमक प्रकरण भी शामिल हो।

2. सांख्यिकीय अनुमिति—आकलनों के गुण धर्म, संगति, अनमिनति, क्षमता, पर्याप्तता और परिपूर्णता—क्रेमर—राव परिबंध, अल्पतम प्रसरण, अनमिनत आकलन, राव—ब्लैकवेल और लेहमन शेफ का प्रमेय। आष्टुणों द्वारा आकलन की विधियाँ, आक्तिम सम्भाविता अल्पतम कोई वर्ग अधिकतम सम्भावित—प्राक्तलनों के गुण, धर्म, मानक बंटनों के प्राचलों के लिए विश्वस्यता अंतराल।

सरल और संकुल परिकल्पनाएँ, सांख्यिकीय परीक्षण और क्रांतिक क्षेत्र, दो प्रकाश की त्रुटियाँ, क्षमता फलन, अनमिनत परीक्षण, शक्ततम और समान रूप से शक्ततम परीक्षण, नेमन पियसेन प्रमयिका, एक प्रचाल से संबंधित सरल परिकल्पनाओं के लिए इष्टतम परीक्षण, एकविष्ट समायित अनुपात का गुणधर्म और यू.एम.पी. परीक्षण का यादृच्छिकता करने में उनका प्रयोग। सम्भावना अनुपात निकष उसका उपगामी बंटन समंजन सुचुता के लिए कोई धर्म और कोलमोग रारोव। परीक्षण का यादृच्छिकता के लिए परम्परा परीक्षण अवस्थापन के लिए चिह्न परीक्षण—द्विप्रतिदश समस्या के लिए विल्कांकल, विटनों, परीक्षणों एवं कोलगोरीव स्मनों व परीक्षण, मात्राओं का बंटन—मुक्त विश्वास्यता अंतरालों और बंटन फलनों के लिए विश्वास्यता—पट्टियाँ।

अनुक्रमिक परीक्षण सम्बन्धी धारणाएँ वाल्टस का एस.पी.आर.टी., उसका सी.सी. और ए.एम.एन. फलन।

3. रैखिक अनुमिति और बहुचर विश्लेषण—न्यूनतम वर्ग सिद्धांत और प्रसारण विश्लेषण जाड्स—मार्कोफ सिद्धांत असामान्य समीकरण, न्यूनतम वर्ग आकलन और उनकी परिशुद्धता सार्थकता परीक्षण और अंतराल आकलन को एकत्र द्विधा और त्रिधा वर्गीकृत आंकड़ों में न्यूनतम वर्ग सिद्धांत पर आधारित सह—समाश्रयण विश्लेषण रैखिक समाश्रयण, सह—संबंध और समाश्रयण के बारे में आकलन और परीक्षण वक्र, रैखिक समाश्रयण तथा लम्बिक, बहुपद, समाश्रयण की रेखिकता के लिये परीक्षण। बहुचर प्रसामान्य बंटन, बहुत्य समाश्रयण, बहु सह—संबंध और आंशिक सह—संबंध महालनवीस डी—2 और होटलिंग टी—2 आंकड़े और उनके अनुप्रयोग (डी—2 और टी—2 बंटनों व्युत्पत्तियों को छोड़कर) फिशर का विवितर विश्लेषण।

खण्ड-II (Section- II)

1. प्रतिचयन सिद्धांत और प्रयोगों की अभिकल्पना—प्रतिचयन का स्वरूप और विचार—क्षेत्र सरस यादृच्छिक प्रतिचयन प्रतिस्थापना के साथ उसके बिना परिमित समष्टि से प्रतिचयन मानक त्रुटियों का आकलन, समान प्राधिवक्ताओं के साथ प्रतिचयन और पी.पी.एस. प्रतिचयन। स्तरीकृत यादृच्छिक तथा क्रमबद्ध प्रतिचयन द्विचरण और बहुचरण प्रतिचयन, बहुचरण और गुच्छ प्रतिचयन प्रणालियाँ।

समष्टि का आकलन योग और अनियमित और अनमिनत आकलनों का प्रयोग सहायक चर, दुहरा प्रतिचयन, आकलन लागत और प्रसारण फलनों की मानक त्रुटियों, अनुपात और समाश्रयण आकलन और उनकी सापेक्ष क्षमता, भारत में हाल ही में आयोजित वृहदाकार सर्वेक्षणों के विशेष संदर्भ में प्रतिदर्श सर्वेक्षण का आयोजन और संगठन।

प्रयोगात्मक अभिकल्पनाओं के नियम, सी.आर.डी., आर.बी.डी., एल.एस.डी. अप्राप्त क्षेत्र प्रविधि, बहुउपादानी प्रयोग 2_n और 3_n अभिकल्प सम्पूर्ण और आंशिक संकरण तथा आंशिक पुनरावृत्ति का व्यापक सिद्धांत विभक्त क्षेत्र का विश्लेषण बी.आई.डी. और सरल जालक अभिकल्पनाएँ।

2. इंजीनियरिंग सांख्यिकी—गुण की धारणा और नियंत्रण का आशय विभिन्न प्रकार का नियंत्रण तालिकाएँ—जैसे—एक्स—आर, संचित्र पी—संचित्र, एन पी—संचित्र, डी—संचित्र तथा संचयी योग नियंत्रों संचित्र।

प्रतिदर्शी निरीक्षण बनाम शत—प्रतिशत निरीक्षण गुण परीक्षण हेतु एक्स, द्विश बहुल और अनुक्रमिक, प्रतिचयन आयोजनाएँ ओ.सी., ए.एस.एन. और ए.टी.आई. वक्र उत्पादक जोखिम और उपभोक्ता जोखिम की कल्पना ए.क्रयू.एल., ए.जी.क्यू.एल., एल.टी.पी.डी. आदि पर प्रतिचयन आयोजनाएँ।

विश्वसनीयता अनुरक्षणोर्यता और उपलब्धता की परिभाषा— जीवन निर्दर्श बंटन विफलता दर और उप नली विफलता दर सेक्र चरणातंकी और वीयुल निर्दर्श दिनर्थ श्रेणियों और समांतर श्रृखलाओं और अन्य सरल विन्यासों की विश्वसनीयता— विभिन्न प्रकार की अतिरिक्तता; जैसे— गरम और ठंडा और विश्वसनीयता— सुधार अतिरिक्तता का उपयोग— आयु परीक्षण सम्बन्धी समस्याएँ— चर घातांकी मॉडल के लिए सडित रुठीन प्रयोग।

3. संक्रिया विज्ञान।—संक्रिया विज्ञान का क्षेत्र और उसकी परिभाषा, विभिन्न प्रकार के निर्देश— उनको बनाना और हल निकालना— सामांगी असंतत काल, मार्कोव, विश्रृखलाएँ संक्रमण प्राधिकता आव्यूह, अवरथाओं का वर्गीकरण और अयतिप्राय प्रमेय, सामांगी संतत काल मार्कोव श्रंखलाएँ पंक्ति सिद्धांत के प्राथमिक तत्व एम.एम.आई. और एम.एम.के. की पंक्तियाँ, मशीनों व्यतिकरण की समस्या और जी.आई./एम./आई. और बी./जी.आई. पंक्तियाँ।

वैज्ञानिक तालिका प्रबन्ध की परिकल्पना और तालिका समस्याओं को विश्लेषणात्मक संरचना, अग्रता काल के साथ और इसके बिना निर्धारणात्मक और प्रसामाव्य मांगे के सामान्य नमूने बांध प्रकार के विशेष सन्दर्भ में भण्डारण के नमूने।

रैखिक प्रोग्रामन समस्या का स्वरूप और रूपान्वयन एवधाप्रक्रिया द्विवरण पद्धति और कार्मस, कृलिमचरों के साथ रह— पद्धति रैखिक कार्यक्रम का द्वत सिद्धांत और उसका आर्थिक निबंधन, सुग्राहित विश्लेषण परिवहन और नियोजन समस्याएँ।

बेकार और खराब चीजों का प्रतिस्थापन सामूहिक और वैयक्तिक प्रतिस्थापन नीतियाँ।

संगणकों का परिचय और फोट्रोन प्रक्रमण के आधारभूत तत्व निर्विष्ट और निर्गत के विवरणों के लिए प्ररूप, विनिर्देशन और तार्किक कथन एवं उपनेमकाएँ। कुछ सामान्य सांख्यिकीय। समस्याओं के सन्दर्भ में अनुप्रयोग।

4. मात्रात्मक अर्थशास्त्र।—कल श्रेणी की परिकल्पना संकल्पनात्मक और गुणात्मक, निर्दर्शादार पटकों में विभेदन, मुक्तहस्त आरेखण से प्रकृति का निर्धारण, गतिग मान माध्य और गणितीय वकसमंजन त्रुडनिष्ट सूचकांक और यादृच्छिक घटकों के प्रसारण का आकलन। सूचकांकों की परिभाषा, रचना निर्वाचन और परिसीमाएँ, लेस्मेरे पार्श्व इडवर्थ—मार्शल और फिशर सूचकांक, उनकी तुलना, सूचकांक परीक्षण, जीवन निर्वाह सूचकांक के मूल्य की रचना।

उपभोक्ता माँग का सिद्धांत और विश्लेषण माँग फलनों का विनिर्देशन और आकलन—माँग की लोच, उत्पापदन सिद्धांत, पूर्ति फलन और लोर्च निद्रिष्ट माँग फलन, एक समीकरण निर्देश में प्राचल का आकलनचिर, प्रतिष्ठित न्यूनतम वर्ग, साधारणीकृत न्यूनतम वर्ग, विषय विचाति श्रेणीगत सह—संबंध बहुसंख्यता, द्विध और त्रिधा त्रुटियाँ— युगपत समीकरण निर्दश—प्रतिनिर्धारण, कोटो और क्रय प्रतिबंध अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग और द्विवरण न्यूनतम वर्ग अल्पकालीन आर्थिक पूर्वानुमान।

5. जन सांख्यिकीय और मनोमिति।—जन सांख्यिकीय तत्वों के स्रोत— जनगणना पंजीकरण राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण और अन्य जन सांख्यिकीय सर्वेक्षण— जन सांख्यिकीय आंकड़ों की सीमाएँ और उपयोग।

जीवन सम्बन्धी दर और अनुपातः परिभाषा निर्माण और उपयोग।

जीवन सारणियाँ— सम्पूर्ण और संक्षिप्त जन्म—मरण के आंकड़ों और जनगणना के विवरणियों के आधार पर जीव सारणियों का निर्माण, जीवन सारणियों के उपयोग।

वृद्धिघात और जनवृद्धि वक्र प्रजणन शक्ति का मापन— सकल और निबल जनन दरें।

स्थायी जनसंख्या सिद्धांत— जन सांख्यिकीय प्रावलों के आकलन में स्थायी और स्थायीकल्प जनसंख्या प्रतिधियाँ।

अस्वस्थता और उसका मापन— मृत्यु के कारण के आधार पर मानक वर्गीकरण— स्वास्थ्य सर्वेक्षण और अस्पताल के आंकड़ों का उपयोग।

शिक्षा और मनोविज्ञान से संबंधित प्रतिदर्शन— पैमानों और परीक्षणों का मानकीकरण वृद्धि लघ्बि के परीक्षण—परीक्षणों की विश्वसनीयता और टी एवं जेड समक।

28. प्राणी विज्ञान

खण्ड—I (Section- I)

अरज्जुकों और रज्जुकी, परिस्थिति विज्ञान, जैववासिकी, जीव सांख्यिकी एवं अर्थ प्राणी विज्ञान

भाग “क”

अरज्जुकी और रज्जुकी

1. विभिन्न संघों का सामान्य सर्वेक्षण विविध फिला का वर्गीकरण संबंध।
2. प्रोटोजोआ: संरचना का अध्ययन, पैरामीशियन जैववासिकी का जीवन इतिहास, मोनोसायोटिस, मलेरिया परजीवी, ट्रिपनोसोमा और लीशमेनिया। प्रोटोजोआ में गमन, पेषण तथा जनन।
3. पोरिफेरा: नाल तंत्र और कंकाल तथा जनन।
4. सीलनट्रेट: जीविलिया और ओरिलिया की संरचना और जीवन वृत्त, हाइड्रोजोआ में बहुरूपता, कोरल निर्माण, मेटाजेनेसिस, सिंडेरिया और एविनडरिया में जातिवृत्त संबंध।
5. हैलमिथस: प्लेनिरिया की संरचना और जीवनवृत्त, फसिओला, टैनिया और एसकारिया, पैरास्टिक रूपान्तरण, हैलमिथस का मानव से संबंध।

6. ऐनेलिडा: नेरीस, केंचुआ और जोंक, सोलोम और विखण्डता पालिकेट्स में जीवनचर्या।
7. आर्थोपोडा: पलीमान, बिच्छू तिलचट्टा एवं कस्टेश्मा में डिम्प्रकार और परजीवित। आर्थोपोडा में मुखांग दृष्टि और स्वशन, कांटों में सामाजिक जीवन और कायांतरण। परिपेट्स का महत्व।
8. मोलस्का: युनियों और पिला शुक्रित की संस्कृति और मोती निर्माण सेफालोपीडस।
9. एकोनोडरमेटा: सामान्य संगठन डिम्प्रकार और एकोनोडरमेटा की सदृश्ताएँ।
10. सामान्य संगठन एवं चरित्र, प्रोटोकोरडाटा की रूप रेखा, वर्गीकरण और अंतर्संबंध। पाइसस, एमफिबिया रैपटिल्ला, एवं और स्तनधारी वर्ग।
11. न्यूटी और प्रतिगामी कायांतरण।
12. कशोरुकियों की विभिन्न प्रणालियों का तुलनात्मक आधार पर सामान्य अध्ययन।
13. लोकोमोसन: मछलियों में प्रवसन और श्वसन। डिपनोई की संरचना और सदृश्ताएँ।
14. एम्फिबिया की उत्पत्ति, विस्तार, यूरोडेला और अपोडा की शरीर रचना, विशेषता और सदृश्ताएँ।
15. रेप्टाइल्स की उत्पत्ति, रेप्टाइल्स में अभुनूकुली विकिरण रेप्टाइल्स जीवाशय, भारत के विषैले और विषहीन सप्र के विष यंत्र।
16. पक्षियों की उत्पत्ति, उड़ान रहित पक्षी, पक्षियों का हवाई, अभ्यानुकूलन और प्रवासन।
17. स्तनधारियों की उत्पत्ति, वर्णविधियों में स्तनधारियों अस्थिकाएँ स्तनधारियों में दंत विन्यास और स्किन डिराइवेटिव विस्तार प्रोटोधारियों। प्रोटोथेरिया एवं मेथाथेरिया की संरचानात्मक विशेषताएँ और जाति विकासीय संबंध।

भाग “ख”

परिस्थिति विज्ञान, मानव प्रकृति विज्ञान, जीव सांख्यिकीय और अर्थ प्राणि विज्ञान।

परिस्थिति विज्ञान, मानव प्रकृति विज्ञान

1. पर्यावरण: अजीबी प्रतिकारक और उनके कामजीवी प्रतिकारक और उनके अन्तर एवं अभ्यांतर विशिष्ट संघ।
2. पशु: जीव संव्या संघटन और समुदाय स्तर, परिबस्थिक पूर्वानुरूपता।
3. परिस्थिति प्रणाली: संबोध, संघटक प्रधान क्रिया उर्जा सावि, जीव भू-रसायन चक्र, भोजन श्रृंखला और पोषण स्तर।
4. स्वच्छ पानी में अनुकूलन, अबाबोल और स्थलचारी आवास।
5. वायु प्रदूषण जल और थल।
6. भारत में वन्य जीवन और इसका संरक्षण।
7. विभिन्न प्रकार के प्राणियों के आचरण का सामान्य सर्वेक्षण।
8. हाउमोस और फारमोस का आचरण में कार्य।
9. वर्णजीव विज्ञान, जीवन सम्बन्धी ब्लाक, मौसमी रिथम्स, बेला रिथम्स।
10. तंत्रिका अंतःसावी का आचरण पर नियंत्रण।
11. पशु आचरण की अध्ययन पद्धति।

जीव सांख्यिकी:

12. नमुना व पद्धति, विस्तार, आवृत्ति और माप की मध्य प्रवृत्ति मानक विचलन, मानक त्रुटि और मानक विचलित, सह-संबंध और परावर्तन और चिक्कवायट और टी टैस्ट।

अर्थ प्राणि विज्ञान:

13. परजीविता, सहभोजिता और परजीवी अतिथेय सम्बन्ध।
14. परजीवी प्रोटोजोआ, कृमि और मानव के कीटाणु और घरेलू जानवर, फसल नाशी कीड़े और उत्पाद संचय।
15. लाभदायक कीड़े।
16. मत्स्यपालन और प्रजनन हेतु प्रभावित करना।

खण्ड— II (Section- II)

कोशिका जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, कर्मविकास और वर्गीकृत जीव रसायन, शरीर क्रिया विज्ञान और भूण विज्ञान

भाग “क”

कोशिका जीव विज्ञान, आनुवंशिकी क्रम विकास और वर्गीकृत जीव विज्ञान।

1. कोशिका जीव विज्ञान— कोशिका और कोशिका अवयवों की संरचना और कार्य, केन्द्रकों प्लेजमा शिल्ली सूत्र कणिका गति की संरचना, गोल्जीकाय, अन्तद्रव्यी जालिका तथा राइबोसोम कोशिका-विभाजन, समसूत्री तर्क और गुणसूत्रक और माइओसिस।
जीव संरचना और कार्य, डी.एन.ए. का वाटसन क्रीक माडल डी.एन.ए. आनुवंशिकी कूट का प्रकृतिकरण, प्रोटीन, संश्लेषण, कोशिकी विभेदन, लिंग गुण सूत्र और लिंग निर्धारित।
2. आनुवंशिकी— वंशानुक्रम के मैन्डेलियन नियम, पुनर्योजन, सहलग्नता और सहलग्नत चित्र। बहु विकल्पी उत्परिवर्तन, प्राकृतिक और प्रेरित उत्परिवर्तन और विकास। अधिसूची विभाजन, गुणसूत्र संख्या और प्रकार, संरचनात्मक पुनर्व्यवस्था, बहुगुणिता कोशिका द्रव्यी वंशानुक्रम जैव रासायनिक आनुवंशिकी मानस आनुवंशिकी के तत्व, सामान्य और असामान्य केन्द्रक, प्ररूप जीन और रोग, सुजनन विज्ञान।
3. विकास और वर्गीकृत— जीवनोदगम विचारधारा के इतिहास की उत्पत्ति, लामार्क और उनकी कृतियाँ, डार्विन और उनकी कृतियाँ, कार्बनिक विविधता के स्रोत और प्रकार, प्राकृतिक चयन, हर्डबिन वर्ग नियम, रहस्यमय और भयसूचक रंजन, अनुहरण पार्थक्य क्रिया विधि और उनका महत्व। वीपाय जीव जन्तु जाति और उप जाति की संकल्पना। वर्गीकरण प्राणि वैज्ञानिक नामावली और अंतर्राष्ट्रीय संकेतावली के सिद्धांत। जीवाशम भू-वैज्ञानिक गुणों की रूप रेखा, घोड़ा, हाथी, ऊंट का जाति वृत्ति। मनुष्य का उद्भव और विकास, प्राणियों के महाद्वीपीय वितरण के सिद्धांत और नियम, विश्व के प्राणि भौगोलिक परिमंडल।

भाग “ख”

जीव रसायन शरीर विज्ञान, भूण—विज्ञान

1. **जीवन—** रसायन कार्बोहाइड्रेट की संरचना, मिश्रण लिपिडस अमिनोक्षर प्रोटीन एवं न्यूक्लिक क्षार ग्लाकोलाइसिस तथा कर्ब चक्र, जारण तथा न्यूनता जारक फोस्फारिलेशन। ऊर्जा रक्षण तथा निस्तार, ए.टी.पी. चक्र, ए.एम.पी. सुखाएँ और बिना सुखाएँ। फैटी क्षार कोलस्ट्रोल स्टोराइड हारमोन्स के एन्जिम्स के प्रकार, एन्जिनों क्रिया का पंजीकरण इम्यूनोग्लोबुलिन्स तथा छूटकारा, विटामिन्स तथा क्वोइन्जिम्स, हारमोन्स, उनका वर्गीकरण, जीव संश्लेषण तथा कार्य।
2. **स्तनीय जन्तुओं के विशेष सन्दर्भ सहित शरीर विज्ञान, रक्त रचना मानव में रक्त ग्रुप—** जमाव क्रिया, ऑक्सीजन तथा कार्बन डाईऑक्साइड वाहन हेमोग्लोबीन सांस क्रिया तथा इसके नियमन, नेफ्रान तथा मूत्र विरचना, एसिड बेस वेलेंस तथा होमियोस्टेसिस, मानव ताप विनियम, एक्सोन और साइनेप्स के सहित यांत्रिक संवहन न्यूरो ट्रांसमीटर दृष्टि त्रावण तथा अन्य त्रवण संग्राहक, पेशा के प्रकार, अल्ट्रास्ट्रक्चर्स तथा कंकाल पेशियों का सिकुड़न, लार ग्रंथि की भूमिका, जिगर, पाचन में अगन्याशयों तथा आंत्र ग्रन्थि, पचे भोजन का अवशेषण, मनुष्य का पोषण तथा संतुलित आहार, जिन्यास तथा पेन्टाइड हारमोन्स के कार्य के यंत्रीकरण हाइपोथेलेमस की भूमिका, प्यूषि का थाईराइड, पैराथाइराइड, पैंक्रियाज, एडरेनल, टेस्टिस्ट्रा, अंडाशय तथा पिनियल अंग तथा उनके अंतलम्बन मानवों से पुनर्नियोजन का शरीर विज्ञान मनुष्य और कीटाणु से हारमोन्स नियंत्रण का विकास, कीटाणुओं तथा स्तनपाइयों में पैरोमोन्स।
3. **भूण विज्ञान—** गेमिटोजेनेसिस, उर्वरीकरण, अंडों के प्रकार, क्लीवेज, ब्राजियोस्टोमा में ग्रैस्ट्रेलेशन तक विकास, मेढ़क और चूजे, मेढ़क और चूजों का भाज्य चित्र, मेढ़क में मेटामोरफोसिस, चूजों में अतिरिक्त एपिप्रिसेक स्मृतियों का गठन तथा भाग्य एमनिआन का गठन, स्तनपायियों में एलनटोइस तथा प्लेसेन्टा के टाइप्स, स्तनपायियों में प्लेसेन्टा के कार्य आयोजक पुनर्मिनियोजन विकास का जैनेटिक नियंत्रण, केन्द्रीय तंत्रिका पद्धति का आरगनीजेनेसिस ज्ञानेन्द्रियाँ, बिटिब्रेट एवं प्रयोग का दिल तथा गुर्दे। मानव के संबंध में आयु और उसका उलझान।

29. हिन्दी भाषा और साहित्य

खण्ड— I (Section- I)

1. हिन्दी भाषा का इतिहास:-

- (1) अपब्रंश अवहट और प्रारंभिक हिन्दी की व्याकरणी और शास्त्रिक विशेषताएँ।
- (2) मध्यकाल में अवधी और ब्रज भाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
- (3) 19वीं शताब्दी में खड़ी बोली हिन्दी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
- (4) देवनागरी लिपि और हिन्दी भाषा का मानकीकरण।
- (5) स्वाधीनता संघर्ष के समय हिन्दी का राष्ट्रभाषा के रूप में विकास।
- (6) स्वतंत्रता के बाद भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
- (7) हिन्दी का प्रमुख उप—भाषाएँ और उनका पारस्परिक सम्बन्ध।
- (8) मानक हिन्दी के प्रमुख व्याकरणिक लक्षण।

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास—

- (1) हिन्दी साहित्य का प्रमुख कालों; अर्थात् आदि काल, भवित्व काल, रीतिकाल, भारतेन्दु काल, द्विवेदी काल आदि की मुख्य प्रवृत्तियाँ।
- (2) आधुनिक हिन्दी की छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नई कहानी, अकविता आदि मुख्य साहित्यिक गतिविधियाँ और प्रवृत्तियों की प्रमुख विशेषताएँ।
- (3) आधुनिक हिन्दी के उपन्यास और यथार्थवाद का आविर्भाव।
- (4) हिन्दी में रंगशाला और नाटक का संक्षिप्त इतिहास।
- (5) हिन्दी में साहित्य समालोचना के सिद्धांत और हिन्दी के प्रमुख समालोचक।
- (6) हिन्दी में साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।

खण्ड— II (Section- II)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मुक्त रूप में अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की परीक्षा हो सके—

कबीर	:	कबीर ग्रन्थावली (प्रारम्भ के 200 पद, सं० श्याम सुंदर दास)
सूरदास	:	भ्रमरगीत सार (प्रारम्भ के केवल 200 पद)
तुलसीदास	:	रामचरितमानस (केवल अयोध्याकांड), कबितावली (केवल उत्तरकांड)
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	:	अंधेर नगरी।
प्रेमचन्द्र	:	गोदान, मानसरोवर (भाग एक)
जयशंकर प्रसाद	:	चन्द्रगुप्त, कामायनी (केवल चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा सर्ग)।
रामचन्द्र शुक्ल	:	चिन्तामणि (पहला भाग), (प्रारम्भ के 10 निबन्ध)
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	:	अनामिका (केवल सरोज स्मृति और राम की शक्ति पूजा)।
एस.एच. वात्स्यायन अज्ञेय	:	शेखर एक जीवनी (दो भाग)
गजानन माधव मुक्तिबोध	:	चांद का मुह टेढ़ा है (केवल अंधेरे में)

30. अंग्रेजी भाषा और साहित्य

खण्ड— I (Section- I)

साहित्य युग (19वीं शताब्दी) का विस्तृत अध्ययन।

इस प्रश्न पत्र में वर्डस्वर्थ, कॉलरिज, शैले, कीट्स, लैम्ब, हैजलिट, थैकरे, डिकन्स, टेनीसन, रॉबर्ट ब्राउनिंग, आर्नोल्ड, जॉर्ज इलियट, कार्ल रस्किन एवम् पीटर की रचनाओं के विशेष सन्दर्भ में 1798 से 1900 तक के अंग्रेजी साहित्य का अध्ययन सम्मिलित होगा।

मौखिक अध्ययन का प्रमाण अपेक्षित होगा। प्रश्न ऐसे पूछे जायेंगे, जिनमें न केवल निर्धारित लेखकों के संबंध में उम्मीदवारों की जानकारी की जाँच होगी, बल्कि उस युग का प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों के बोध की भी जाँच होगी। आलोच्य युग की सामाजिक और सांस्कृति भूमिका से संबंधित प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं।

खण्ड-II (Section-II)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और इसमें उम्मीदवारों की समीक्षा योग्यता को जाँचने वाले प्रश्न पूछे जायेंगे:—

1. शेक्सपियर	— ऐज यू लाइक इट हेनरी IV भाग I और भाग II, हेमलेट, द टेम्पेस्ट!
2. मिल्टन	— पैराडाइज लॉस्ट
3. जॉन अस्टेन	— एमा
4. बर्डस्वर्थ	— द प्रेल्युड
5. डिकन्स	— डैविड कापरफील्ड
6. जॉर्ज इलियट	— मिडिल मार्च
7. हार्डी	— जूड द आब्स्क्योर
8. यीट्स	— ईस्टर, 1916
दी सेकण्ड कमिंग	वाइजैटियम
ए प्रेयर फार माइ डॉटर	लेडी एण्ड दी स्वान
सेलिंग टू वाईजैटियम	मेरु
द टावर: एमांग स्कूल चिल्ड्रेन	लापेस लॉजुडिली
9. इलियट	— द वेर्स्ट लैण्ड
10. डी. एच. लॉरेन्स	— द रेनबो

31. उर्दू भाषा और साहित्य

खण्ड-I (Section-I)

(क) भारत में आर्यों का आगमन— भारतीय आर्य भाषा का तीन चरणों— प्राचीन भारतीय आर्य (प्रा.भा.आ.), मध्ययुगीन भारतीय आर्य (म.भा.आ.) और अर्वाचीन भारतीय आर्य (अ.भा.आ.) में विकल्प, अर्वाचीन भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण— पश्चिमी हिन्दी और इसकी उप भाषाओं; खड़ी बोली, ब्रज भाषा और हरियाणवी उर्दू का खड़ी बोली के साथ संबंध, उर्दू में फारसी, अरबी तत्व, उत्तर में 1200 से 1800 तक और दक्षिण में 1400 से 1700 तक का उर्दू का विकास।

(ख) उर्दू स्वत विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेषताएँ— रूप विज्ञान, वाक्य रचना, इसके स्वत विज्ञान, रूप विज्ञान और वाक्य रचना में फारसी एवम् अरबी तत्व शब्द भण्डार।

(ग) दक्षिणी उर्दू— इसका उद्भव और विकल्प, इसकी महत्वपूर्ण भाषा मूलक विशेषताएँ।

(घ) दक्षिणी उर्दू साहित्य (1450–1700) की महत्वपूर्ण विशेषताएँ— उर्दू साहित्य की दो पृष्ठभूमियाँ, फारसी, अरबी और भारतीय मसजिदी भारतीय कथाएँ, उर्दू साहित्य पर पश्चिम का प्रभाव, शास्त्रीय साहित्य विधाएँ, गजल, रहस्यवाद, कसीदाएँ, रुवाई, किता, गद्य कथा साहित्य, आधुनिक विधाएँ, अनुक्रांत छन्द, मुक्त छन्द, उपन्यास, कहानियाँ, नाट्य साहित्य समीक्षा और निबन्ध।

खण्ड-II (Section-II)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्यक्रमों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और इसमें ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की परीक्षा हो सके।

गद्य

1. मीर अम्मन	बाग—ओ—बहार
2. गालिब	खतूके गालिब / अंजूमन तरकी—ए—उर्दू
3. कलीमुद्दीन अहमद	उर्दू तंकीद पर एक नजर
4. रुस्वा	उमरा—ओ जॉन—अदा
5. प्रेमचन्द	वारदात
6. अबुल कलाम आजाद	धुबर—ए—खातिर
7. इस्तियाज अली ताज	अनारकली

पद्य

8. मीर	इतिखाबे कलामे—मीर (सम्पा. अब्दुल हक)
9. सौदा	कसाइद (हजावियात सहित)
10. गालिब	दीवाने गालिब
11. इकबाल	बाला ए जिब्राइल
12. जोश मलीहाबादी	सैफो सूबू
13. शाह अजीमाबादी	कुलिवात शाद
14. फैज	कलामे फैज (सम्पूर्ण)

32. बंगला भाषा और साहित्य

खण्ड— I (Section- I)

1. बंगला भाषा का इतिहासः

- (1) बंगला भाषा का उद्गम और विकास
- (2) बंगला की प्रमुख उप भाषाएँ
- (3) साधु भाषा और चलित भाषा
- (4) वर्तनी पद्धति, वर्णमाला और लिप्यन्तरण (रोमनीकरण) के विशेष सन्दर्भ में मानकीकरण और सुधार की समस्याएँ।

2. बंगला साहित्य का इतिहासः छात्रों से निम्नलिखित की जानकारी अपेक्षित हैः—

- (1) प्राचीन काल से आधुनिक काल तक का बंगला साहित्य का इतिहास।
- (2) बंगला साहित्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- (3) बंगला साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- (4) बंगला साहित्य पर पाश्चात्य प्रभाव।
- (5) आधुनिक प्रवृत्तियाँ।

खण्ड— II (Section- II)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की परीक्षा हो सकेः—

1.	वैष्णव पदावली	
2.	मुकुंद राम	चंडीमंगल
3.	माइकेल मधुसुदन दत्त	मेधनाथ वध काव्य
4.	बांकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय	कृष्ण कांतेरविल कमला कांतेर, दिप्तार
5.	रबीन्द्र नाथ ठाकुर	गल्पगुच्छ (1) चित्रा पुनश्च रक्त करबी
6.	शरत चन्द्र चट्टोपाध्याय	श्रीकांत (1)
7.	प्रमथ चौधरी	प्रबन्ध संग्रह (1)
8.	विभूति भूषण बन्दोपाध्याय	पथर पांचाली
9.	ताराशंकर बन्दोपाध्याय	गणदेवता
10.	जीवानानन्द दास	वनलता सेन

33. संस्कृत भाषा और साहित्य

खण्ड— I (Section- I)

इसमें चार भाग होंगे।

भाग 1. (क) संस्कृत भाषा का उद्भव और विकास (भारतीय यूरोपीय से मध्य भारतीय आर्य भाषाओं तक) केवल सामान्य रूप रेखा।

(ख) संधि, कारक, समास और वाक्य पर विशेष बल सहित व्याकरण की प्रमुख विशेषताएँ।

भाग 2. साहित्य के इतिहास का साधारण ज्ञान और साहित्य समीक्षा के प्रमुख सिद्धांत। महाकाव्य नाटक, गद्य, काव्य, गीति काव्य और संग्रह—ग्रंथ आदि साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।

भाग 3. प्राचीन भारतीय संस्कृति और दर्शन, जिसमें वर्णश्रम व्यवस्था, संस्कार और प्रमुख दार्शनिक प्रवृत्तियों पर विशेष बल दिया जाए।

भाग 4. संस्कृत में लघु निबन्ध

टिप्पणीः— भाग (3) और (4) के प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने हैं।

खण्ड— II (Section- II)

इस खण्ड में दो भाग होंगे।

भाग— 1. निम्नलिखित कृतियों का सामान्य अध्ययन

- (क) कठोपनिषद्
- (ख) भगवद्गीता
- (ग) बुद्धचरितम् (अश्वघोष)
- (घ) स्वप्न वासवदत्तम् — (भास)
- (ङ) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (कालिदास)
- (च) मेघदूतम् (कालिदास)
- (छ) रघुवशम् (कालिदास)
- (ज) कुमारसंभवम् (कालिदास)
- (झ) मृच्छकटिकम् (शूद्रक)
- (अ) किरातार्जुनीयम् (भारवि)
- (ट) शिशुपालवधम् (माध)
- (ठ) उत्तर रामचरितम् (भवभूति)
- (ड) मुद्राराक्षसम् (विशाखादत्त)
- (ढ) नेषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)
- (ण) राजतरंगिणी (कल्हण)
- (त) नीतिशतकम् (भर्तृहरि)
- (थ) कादम्बरी (वाणभट्ट)
- (द) हर्षचरितम् (वाणभट्ट)
- (ध) दशकुमारचरितम् (दण्डी)
- (न) प्रबोध चन्द्रोदयम् (कृष्ण मिश्र)

भाग— 2. चुनी हुई निम्नलिखित पाठ्य सामग्री के मौलिक अध्ययन का प्रमाण—पाठ्यग्रंथः (केवल इन्हीं ग्रंथों से पाठगत प्रश्न पूछे जायेंगे)

1. कठोपनिषद् अध्याय 1 — तृतीय बल्ली (श्लोक 10 से 15 तक)
2. भगवद् गीता अध्याय 2 (श्लोक 13 से 25 तक)
3. बुद्ध चरित तृतीय सर्ग (श्लोक 1 से 10 तक)
4. स्वप्न वासवदत्तम् (षष्ठी अंक)
5. अभिज्ञान शकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)
6. मेघदूतम् (प्रारम्भिक श्लोक 1 से 10 तक)
7. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
8. उत्तर रामचरितम् (तृतीय अंक)
9. नीतिशतकम्— (श्लोक 1 से 10 तक)
10. कादम्बरी (शुकनासोपदेश)
11. कौटिल्य अर्थशास्त्र— प्रथम अधिकरण, प्रथम प्रकरण— दूसरा अध्याय जो, शीर्षकः विद्यासामृद्देसाह, तंत्र अनविकसिकी रथापना तथा सातवाँ प्रकरण— ग्यारहवाँ अध्याय शीर्षक गृपुरशोत्पतिप निर्धारित संस्करण और आर.पी. कांगल, कौटिल्य अर्थशास्त्र, भाग— 01 एक आलोचनात्मक संस्करण, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली— 1986.

भाग संख्या—02 की टिप्पणी—कम—से—कम 25 प्रतिशत अंक वाले प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में होने चाहिये।

34. फारसी भाषा और साहित्य

खण्ड-I (Section- I)

1. (अ) फारसी भाषा का उद्भव और विकास (रूप रेखा)
 - (आ) फारसी के व्याकरण, काव्य शास्त्र और पिंगल की प्रमुख विशेषताएँ।
2. साहित्य का इतिहास और समीक्षा— साहित्यिक आंदोलन शास्त्री आधार, सामाजिक, सांस्कृतिक प्रभाव और आधुनिक प्रवृत्तियाँ— आधुनिक साहित्यिक विधियों का उद्भव और विकास, जिनमें नाटक, उपन्यास, लघु कथाएँ एवं निबन्ध शामिल हैं।
3. फारसी में लघु निबन्ध।

खण्ड-II (Section- II)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मौलिक अध्ययन अपेक्षित होगा और इसमें ऐसे प्रश्न पूछे जायेंगे, जिससे उम्मीदवार की समीक्षा क्षमता की परीक्षा हो सके।

1. फिरदौसी शाहनामा
 - (1) दास्तान रुस्तम का सुहराब।
 - (2) दास्तान विजनवा मनीजा।
2. निजामी आरूजी समरक्वेदी।

चहार मकाल

3. ख्ययाम रुबाइयात (रदीफ आलिफ, बे, दाल)।
4. मिनु चेहरी— कसीदा (रदीफ लाम और मिम)।
5. मौलाना रुम मसनवी (पहला भाग पूर्वार्द्ध)।
6. सादी शिराजी

गुलिस्तां

7. अमीर खुसरो

मजमुआ—ए—दीवान खुसरो (रदीफ—अलीफ और ते)

8. हाफिज
- दीवान—ए—हाफिज (पूर्वार्द्ध)।

9. अबुल फजल

आइन—ए—अकबरी

10. बहार मशहूदी

दीवान—ए—बहार (प्रथम भाग— पूर्वार्द्ध)

11. जवाल जादीह

यके बुद यके ना बुद।

नोट:— उम्मीदवारों को 25 प्रतिशत तक अंकों के प्रश्नों के उत्तर फारसी में देने होंगे।

35. अरबी भाषा और साहित्य

खण्ड—I (Section- I)

1. (क) अरबी भाषा का उद्भव और विकास (रूप रेखा)
 - (ख) अरबी भाषा व्याकरण, अंलकार—शास्त्र तथा छन्द शास्त्र की प्रमुख विशेषताएँ।
2. साहित्य का इतिहास और साहित्य समालोचना, साहित्यिक आंदोलन, प्राचीन साहित्य की पृष्ठभूमि, सामाजिक सांस्कृतिक प्रभाव और आधुनिक गतिविधियाँ; नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध सहित आधुनिक साहित्यिक विधाओं का उद्भव और विकास।
3. अरबी में लघु निबन्ध।

खण्ड— II (Section- II)

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का मूल अध्ययन अपेक्षित होगा और इसमें उम्मीदवारों की आलोचनात्मक योग्यता को जाँचने वाले प्रश्न पूछे जायेंगे।

कवि:

- (1) इमारुल केस, उनका माउल्लाकह “किफा नवकी मीम जिक्र रुविबित का मंजिली” (सम्पूर्ण)
- (2) मोहर दिन अर्थों सुलमा: उनका माउल्लाकह एमिन आफा दिनमासुन लाम तकालआमी (सम्पूर्ण)
- (3) हसनबिन बाबीत, उनके दौरान में से निम्नलिखित पाँच कसीदे; कसीदा 01 से 04 “लिल्लही दारु इसाबशिन नादम तुहम योमन बिजलिका”
- (4) उमरबिन जमी रबिया: उसके दीवान से 05 गजलें।

1. फलम्मा तीबकाफना या सलामतु उकाल बुरुदहम् जहाइल हुस्नु अनातांत्रक (सम्पूर्ण)
2. लेता हिन्दान अंजाजात या तेदु बा शफत अन्फुसोन ताजिदु (सम्पूर्ण)
3. कताबू इलाइकी भिन बालदी किताब बूतल्सहिन फमादी (सम्पूर्ण)
4. अमीन आउली नूमिन अंत ग्रादीन फाम्बुकिफ गादता गादीन अमराइहन फामुहज्जरु (सम्पूर्ण)
5. कोलाबी फीहा आतीकुन मकालन फाजरन।

(5) फरजाक उनके दीवान से ये 04 कसीदा:-

1. जैनुल आबिदीन अली बिन हुसैन की प्रशंसा में “हाजूल नाजो तीरोफुल बताउ बताता हूँ।”
2. उमर बिन ए अजीब की प्रशंसा में “भारत सकीनतू अतालाहन अनवा बिहीमा”।
3. सईद बिन अलास की प्रशंसा में “बा कृमिन तनामुल अधियाफ आयनाम” (सम्पूर्ण)
4. “मेडिबे” की प्रशंसा में “बा अतलास अल्लालिनबा मकाना साहिबान।

(6) बशर बिन मूद्रः— उसके दीवान से निम्नलिखित दो कसीदा:

01. इजा बलगार रयुल मशवराता फरुताइनन—विराई नसीहते हाजिर (सम्पूर्ण)।
02. खैलेया मिन काबिन आयना अकुमा—अल्ला दराही इनाल करीम मुइनू (सम्पूर्ण)।

(7) अब नवासः उनके दीवान के पहले तीन कसीदे।

(8) शोंकी उनके दीवान “अल शौरियल” से निम्नलिखित पाँच कसीदे:-

01. “गावा बोलाउम” (सम्पूर्ण)।
02. “कनीसमत सारत इल्लाह मस्जिदी” (सम्पूर्ण)।
03. “उशलू हवाकी लिमान धालुमु फायाजरु” (सम्पूर्ण)।
04. सलमुन मिन सब्बा वरदा अराकक (नकवातु दिमाश्मा) (सम्पूर्ण)।
05. “सलामून नील या गांधी—वा हजाज जहरु मिन इनदी (सम्पूर्ण)।

लेखक :

- (1) इबनुल मुक्फ मुकदमा को छोड़कर ‘फिलियाला वा दिमामे’ अध्याय: 01 (सम्पूर्ण) “अल—प्रसाद या अलयोस।”
- (2) अल जाहिल: अल—बायान बातबीन VII, संपादक: अब्दुल सलाम मोहम्मद हारून कैरो मिस्त्र (पृ० 31 से 85 तक)।
- (3) इबन खालदुम— उनका मुकाबला 39— पहली अध्याय से भाग छह अल फसलुल संदिस मिन अल छिताबिल अवाल में “वा मिन फुरुई अल जबरु वल मुकाबला” तक
- (4) महमूद तिमिल उनकी पुस्तक “कालर राबी से कहानी” अम्नीमुतब्ला”
- (5) तरैफिक अल हकीम— उनकी पुस्तक; मशरीयातू तोफिकल हकास से नाटक— सिन्नल मुनताहिरा

नोट:- उम्मीदवारों को कम—से—कम 25 प्रतिशत अंक वाले प्रश्नों के उत्तर अरबी में भी देने होंगे।

36. पाली भाषा और साहित्य

खण्ड— I (Section- I)

खण्ड I के चार भाग होंगे।

भाग 1.

(क) पाली भाषा का उद्भव और विकास (यूरोपीय के मध्यकालीन आर्य भाषा तक सामान्य रूपरेखा) पाली का उद्गम स्थल और उसके प्रमुख लक्षण।

(ख) मुख्य व्याकरणिक लक्षण— निम्नलिखित का विशेष ध्यान रखते हुए संधी कारक, विभक्ति, समास, इत्योपच्चय, अपच्चय (बोधक) पच्चय, अधिकार (बोधक) पच्चय और संख्या (बोधक) पच्चय।

भाग 2. पाली साहित्य (पिटक और पिटक परवर्ती साहित्य) के इतिहास का सामान्य ज्ञान, लेखन की प्रमुख विधाएँ; यथा विवरणात्मक रचनाएँ— नेति पकरण पिटकोपदेश, मिलिन्द, (पण्ह), वृत्त साहित्य (दीपवंश, मुहाबरा आदि) टीका साहित्य बुद्धित आत्मकथा बुद्धधोष और धम्मपाल आदि, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नीतिकाव्य और काव्य संग्रह आदि साहित्य विधाओं का उद्भव और विकास।

भाग 3. बुद्ध पूर्व और बुद्धोत्तर भारतीय संस्कृति तथा दर्शन मूल तत्व, जिनमें निम्नलिखित पर विशेष ध्यान दिया जाएः चतारि आरिय संच्चानि, तिलकठण (दुक्ख, अनंत आनिच्च) और चार अभिवभ परमात्म (यथाचित चैतसिक, रूप और निब्बाण)।

भाग 4. पाली में लघु निबन्ध (केवल बौद्ध विषयों पर)
(भाग 03 और 04 के प्रश्नों के उत्तर पाली में देने हैं)।

खण्ड— II (Section- II)

इसके दो भाग होंगे:-

भाग— 1. निम्नलिखित कृतियों का सामान्य अध्ययन:-

- (क) महावग्ग
- (ख) चुल्लवग्ग
- (ग) पाति मोक्ष
- (घ) दीघ निकाय।
- (ङ) मज्जिम निकाय।
- (च) संयुक्त निकाय
- (छ) धम्पपद
- (ज) सुत्त निपात
- (झ) जातक
- (ञ) थेरगाथा
- (ट) थेरीगाथा
- (ठ) धम्मसंगाणि
- (ड) कथावत्यु
- (ढ) मिलिन्द पन्हो
- (ण) दीपवंस
- (त) महावंश
- (थ) अहसालिनी
- (द) विसुद्धिमग्ग
- (ध) अभिधम्मत्थ संगहो
- (न) तेलकटाह गाथा
- (प) सुबोधालंकार
- (फ) वुत्तोदय

भाग— 2. निम्नलिखित चुने हुए पाठ्य ग्रंथों के मूल अध्ययन के संबंध में प्रमाण (प्रत्येक पाठ्य ग्रंथ के सामने लिखे गाथा अंशों में से पाठ्य विषयक प्रश्न पूछे जाएंगे:-

1. महावग्ग (केवल महाखंडक)
2. दीघ निकाय (केवल सामान्य फल सुत्त)
3. मज्जिमनिकाय (मूल परियाय—सुत्त और सम्मादिद्धि—सुत्त)
4. धम्मपद (केवल यमक वग्ग)
5. सुत्त निपात (केवल उरग वग्ग)
6. मिलिन्द पन्हो (केवल लक्खण पन्हो)
7. महावंश (प्रथम संगीति, दुत्तीय संगीति और तृतीय संगीति)
8. विसुद्धि मग्गो (केवल सील—निहेस)
9. अभिधम्मत्थ संगहो।

भाग 02 के सम्बन्ध में टिप्पणी

1. कम—से—कम 25 प्रतिशत अंकों के प्रश्नों के उत्तर पाली में लिखने होंगे।
2. अनुवाद तथा टीका के लिए परिच्छेद ऊपर कोष्ठकों में दिए गए अंशों में से ही चुने जायेंगे।

37. मैथिली भाषा और साहित्य**खण्ड— I (Section- I)**

भाग— 01. मैथिली भाषाक इतिहास:-

- (1) मैथिली भाषाक उद्गम।
- (2) भारोपीय भाषा परिवार में मैथिलीक स्थान।
- (3) मैथिली भाषाक ऐतिहासिक विकासक्रम।
- (4) हिन्दी, बंगला, भोजपुरी, मगही एवम् संथाली भाषाक संग मैथिलीक सम्बन्ध।
- (5) मैथिलीक विभिन्न बोली।
- (6) मानक मैथिलीक भाषाक विशेषता।

भाग— 02. मैथिली साहित्यक इतिहास:—

- (1) मैथिली साहित्यक काल विभाजन एवम् विभिन्न कालक प्रवृत्तिगत विशेषता।
- (2) आधुनिक मैथिली कविताक विकास।
- (3) आधुनिक मैथिली उपन्यासक विकास।
- (4) आधुनिक मैथिली नाटकक विकास।
- (5) आधुनिक मैथिली लघु कथाक विकास।
- (6) आधुनिक मैथिली निबन्ध एवम् आलोचनाक विकास।

खण्ड— II (Section- II)

एहि—पत्र में निर्धारित पाठ्य पुस्तक सभक मुख्य रूप से अध्ययन अपेक्षित होएत आओर एहेन—प्रश्न सभ पूछल जाएत जाहिसँ परीक्षार्थिक समीक्षा—क्षमताक परीक्षा “भ” सकरं

- (1) विद्यापति—विद्यापति गीतावली—मैथिली अकादमी, पटना—पद संख्या—01 से 50 धरि।
- (2) गोविन्ददास—गोविन्द भजनावली—मैथिली अकादमी, पटना— पद संख्या—01 से 50 धरि।
- (3) मनबोध—कृष्णजन्म।
- (4) चन्दा झा—मिथिला भाषा रामायण—सुन्दर काण्ड मात्र।
- (5) यात्री—चित्र।
- (6) आर.सी. प्रसाद सिंह—सूर्यमुखी।
- (7) मुशी रघुनन्दन दास—मिथिला नाटक।
- (8) प्रो. हरिमोहन झा—कन्यादानओ द्विरागमन।
- (9) प्रो. रामनाथ झा—प्रबन्ध संग्रह।
- (10) राजकमल—ललका पाग।

अध्यक्ष के आदेश से,

(ह०)—अस्पष्ट,
सचिव।

**PRELIMINARY TEST
COMPULSORY SUBJECT
GENERAL STUDIES.**

The paper on General Studies will include questions covering the following fields of knowledge:-

General Science

Current events of national and international importance. History of India and salient features of the history of Bihar.

General Geography and geographical division of Bihar and its major river systems.

Indian Polity and Economy and major changes in the economy of Bihar in the post independence period.

Indian National Movement and the part played by Bihar in it and also Questions on General Mental Ability.

Questions on General Science will cover general appreciation and under-standing of science, including matters of everyday observation and experience, as may be expected of a well educated person who has not made a special study of any scientific discipline. In History, emphasis will be on broad general under-standing of the subject in its social, economic and political aspects. The candidates are expected to be familiar with the broad aspects of the history of Bihar. In Geography, emphasis will be on geography of India and Bihar. Questions on the Geography of India and Bihar will relate to physical, social and economic Geography of the country including the main features of Indian agricultural and natural resources. Questions of Indian Polity and Economy will test knowledge on the country's political system, panchayati raj, community development and planning in India and Bihar. Question on the Indian National Movement will relate to the nature and character of the nineteenth century resurgence, growth of nationalism and attainment of Independence and candidates will be expected to answer questions on the role of Bihar in the freedom movement of India.

MAIN EXAMINATION**COMPULSORY PAPER****01. GENERAL HINDI (सामान्य हिन्दी)**

इस पत्र में प्रश्न बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यमिक (सेकेण्डरी) स्तर के होंगे। इस परीक्षा में सरल हिंदी में अपने भावों को स्पष्टतः एवं शुद्ध-शुद्ध रूप में व्यक्त करने की क्षमता और सहज बोध शक्ति की जाँच समझी जायेगी।

अंकों का विवरण निम्न प्रकार होगा:-

निबन्ध	—	30 अंक
व्याकरण	—	30 अंक
वाक्य विन्यास	—	25 अंक
संक्षेपण	—	15 अंक

MAIN EXAMINATION**GENERAL STUDIES**

General studies papers I and paper II will cover the following areas of knowledge:-

02. GENERAL STUDIES PAPER- I

- (1) Modern History of India and Indian culture.
- (2) Current events of national and international importance.
- (3) Statistical analysis, graphs and diagrams.

03. GENERAL STUDIES PAPER- II

- (1) Indian Polity:
- (2) Indian economy and Geography of India; and
- (3) The role and impact of science and technology in the development of India.

In paper-I, Modern History of India and Indian Culture will cover the broad history of the country (with special reference to Bihar) from about the middle of nineteenth century. The modern history of Bihar will include questions on the introduction and expansion of western education (including technical education). It will also have questions on Bihar's role in the freedom struggle of India. Questions will relate to the Santhal Uprising, 1857 in Bihar, Birsa movement, Champaran Satyagrah and the Quit India Movement 1942. A knowledge of the chief features of Mauryan and Pal art and Patna Qulam painting will be expected from the examinees. It would also include questions on Gandhi, Tagore and Nehru. The part relating to statistical analysis, graphs and diagrams will include exercises to test the candidate's ability to draw common sense conclusions from information presented in statistical, graphical or diagrammatical form and to point out deficiencies, limitations or inconsistencies therein.

In Paper II, the part relating to Indian Polity, will include questions on the political system in India including Bihar. In the part pertaining to the Indian Economy and Geography of India, questions will be put on planning in India and the physical, economic and social geography of India and Bihar. In the third part relating to the role and impact of science and technology in the development of India, questions will be asked to test the candidate's awareness of the role and impact of science and technology in India and Bihar Emphasis will be on applied aspects.

04. AGRICULTURE**Section- I**

Ecology and its relevance to man, natural resources, their management and conservation. Physical and social environment as factors of crop distribution and production. Climatic elements as factors of crop growth, impact of changing environment on cropping pattern as indicators of environments. Environmental pollution and associated hazards to crops, animals and humans.

Agro-climatic Zones of Bihar; Cropping pattern in different agro-climatic zones of the country-with special reference to North Bihar, South Bihar, and Chotanagpur and Santhal Pargana plateau. Impact of high-yielding and short duration varieties on shifts in cropping patterns in Bihar. Concept of multiple cropping, mixed cropping, relay and inter-cropping and their importance in relation to food production. Package of practices for production of important cereals, pulses, oilseeds, fibre, sugar and commercial crops grown during kharif and rabi seasons in different regions of the country. Important spices crops of Bihar-chillies, ginger, turmeric and coriander.

Important features, scope and propagation of various types of forestry plantations, such as extension/social forestry, agro forestry and natural forests.

Weeds, their characteristics, dissemination and association with various crops, their multiplication; integrated weed management; cultural, biological and chemical control of weeds.

Processes and factors of soil formation, classification of Indian soils including modern concepts, Major soil types of Bihar; Mineral and organic constituents of soils and their role in maintaining soil productivity. Problem soils-extent and distribution in India; Problems of soil salinity, alkalinity and acidity and their management. Essential plant nutrients and other beneficial elements in soil and plants, their occurrence, factors affecting their distribution, functions and cycling in soils. Symbiotic and non-symbiotic nitrogen fixation, Principles of soil fertility and its evaluation for judicious fertiliser use; bio-fertilisers. Problems of Tal Diara and chour lands in Bihar, cropping system in such situations.

Soil conservation planning on water-shed basis, Erosion and runoff management in foot hills and valley lands; processes and factors affecting them Dry land agriculture and its problems. Technology for stabilising agriculture production in rainfed agriculture area.

Water use efficiency in relation to crop production criteria for scheduling irrigations, ways and means of reducing runoff losses of irrigation water. Drainage of Water-logged soils. Role of different command area Development Agencies in agricultural development of Bihar.

Farm management, scope, importance and characteristics. Farm planning and budgeting. Economics of different types of farming systems.

Marketing and pricing of agricultural inputs and outputs; price fluctuations, Types and systems of Farming and factors affecting them. Role of Co-operative marketing and credit in agricultural development of Bihar.

Trend of agricultural production during the last two decades in Bihar Pace of land reforms in Bihar and result out impact on agricultural productivity.

Agricultural extension, its importance and role, methods of evaluation of extension programmes; Important extension methods and media, rural leadership, socio-economic survey and status of big, small and marginal farmers and landless agricultural labourers. Farm mechanisation and its role in agricultural production and rural employment. Training programmes for extension workers. Krishi Vigyan Kendras, role of non-government organisations (N.G.Os) in extension.

Section- II

Genesis and growth of Agricultural research and education system in Bihar.

Application of principles of plant breeding to the improvement of major field crops, methods of breeding of self and cross-pollinated crops. Introduction selection, hybridization heterosis and its exploitation. Male sterility and self incompatibility, utilization of Mutation and polyploidy in breeding, use of biotechnology and tissue culture in agriculture.

Heredity and variation, Mendal's law of inheritance, chromosomal theory of inheritance, cytoplasmic inheritance, sex linked, sex influenced and sex limited characters. spontaneous and induced mutations. Quantitative characters.

Important recommended varieties of principal crops in Bihar. Origin and domestication of field crops. Morphology patterns of variation in varieties and related species of important field crops, causes and utilization of variation in crops improvement.

Seed Technology and its importance; production, processing and testing of seeds of crop plants. Role of National and State seed organization in production, processing and marketing of improved seed.

Physiology and its significance in agriculture, Nature, physical properties and chemical constitution of protoplasm, Imbibition, surface tension, diffusion and osmosis. Absorption and translocation of water, transpiration and water economy.

Ezymes and plant pigments photosynthesis, modern concepts and factors affecting the process, aerobic and anaerobic respiration.

Growth and development: photo periodism and vernalization. Auxins, hormones and other plant regulators and their mechanism of action and importance in agriculture.

Climatic requirements and cultivation of major fruits and vegetables in Bihar; their recommended package of practices. Handling and marketing problems of fruits and vegetables; principal methods of preservation, important fruits and vegetable products. Processing techniques and equipments. Role of fruits and vegetables in human nutrition; landscape and floriculture including raising of ornamental plants and design and lay-out of lands and garden.

Diseases and pests of field, vegetable, orchard and plantation crops of Bihar and their causes and management. Classification of plant diseases; principles of plant diseases control including exclusion, eradication, immunization and protection. Biological control of pests and diseases. Integrated management of pests and diseases. Pesticides and their formulation. Plant quarantine.

Storage pests of cereals and pulses; hygiene of storage godown, preservation and remedial measures. Hazards of pesticides use and safety measures.

Status and scope of rearing beneficial insects in Bihar; honey bees, silk worm and lac insect. Rice fish culture in Bihar.

Recurrent menace of flood and drought in Bihar and contingency crop planning, food Production and consumption trends in India, in general and Bihar, in particular. National and International food policies, procurement, distribution, processing and production constraints, Relation of food production to national dietary pattern, major deficiencies of calorie and protein.

05. ANIMAL HUSBANDRY AND VETERINARY SCIENCE**Section- I**

1. Animal Nutrition- Energy sources, energy metabolism and requirements for maintenance and production of milk, meat, eggs and wool. Evaluation of feeds as sources of energy.

- 1.1 Advanced studies in Nutrition Protein- Sources of protein, metabolism and synthesis, protein quantity and quality in relation to requirements. Energy protein ration in a ration.
- 1.2 Advanced studies in Nutrition Minerals. – Sources, functions, requirements and their relationship of the basic mineral nutrients including trace elements.
- 1.3 Vitamins, Hormones and Growth Stimulating substances—Sources, functions, requirements and inter-relationship with minerals.
- 1.4 Advanced Ruminant Nutrition Dairy Cattle– Nurtients and their metabolism with reference to milk production and its composition. Nutrients requirements for calves, heifers, dry and milking cows and buffaloes. Limitations of various feeding systems.
- 1.5 Advanced Non-Ruminant Nutrition Poultry- Nutrients and their metabolism with reference to poultry, meat and egg production. Nutrients requirements and feed formulation and broilers at different ages.
- 1.6 Advanced Non-Ruminant Nutrition Swine – Nutrients and their metabolism with special reference to growth and quality of meat production Nutrients requirements and feed formation for baby-growing and finishing pigs.
- 1.7 Advanced Applied Animal Nutrition- A critical review and evaluation of feeding experiments, digestibility and balance studies. Feeding standards and measure of feed energy. Nutrition requirements for growth, maintenance and production. Balanced rations.

2. Animal Physiology:

- 2.1 Growth and Animal Production- Prenatal and post-natal growth maturation , growth curves, measures of growth, factors affecting growth, conformation, body composition, meat quality.
- 2.2 Milk Production and Reproduction and Digestion- Current status of hormonal control of mammary development milk secretion and milk ejection, composition of milk of cows and buffaloes. Male and female reproduction organs, their components and function. Digestive organs and their functions.
- 2.3 Environmental Physiology- Physiological relations and their regulation; mechanisms of adaption, environmental factors and regulatory mechanism involved in animal behavior, methods of controlling climatic stress.
- 2.4 Semen quality, Presevation and Artificial Insemination – Components of semen, composition of spermatozoa, chemical and physical properties of ejaculated semen, factors affecting semen in vivo and in vitro. Factors affecting semen preservation composition of diluents, sperm concentration transport of diluted semen. Deep Freezing techniques in cows, sheep and goats, swine and poultry.

3. Livestock Production and Management:

- 3.1 Commercial Dairy Farming- Comparison or dairy farming in India with advanced countries. Dairying under mixed farming and as a specialised farming; economic dairy farming, starting of a dairy farm. Capital and land requirement, organisation of the dairy farm, Procurement of goods; opportunities in dairy farming factors

determining the efficiency of dairy animal. Herd recording, budgeting, cost of milk production; pricing policy; Personnel Management.

- 3.2 Feeding practices of dairy cattle – Developing Practical and Economic ration for dairy cattle; supply of greens throughout the year, field and fodder requirements of Dairy farm. Feeding regimes for day and young stock and bulls heifers and breeding animals; new trends in feeding young and adult stock: Feeding records.
- 3.3 General Problems of sheep, goat, pigs and poultry management.
- 3.4 Feeding of animals under drought conditions.

4. Milk Technology:

- 4.1 Organisation of rural milk procurement, collection, and transport of raw milk.
- 4.2 Quality testing and grading raw milk. Quality storage grades of whole milk, skimmed milk and cream.
- 4.3 Processing packaging storing distributing marketing defects and their control and nutritive properties of the following milks. Pasteurçed, standardçed, toned, double tones sterilçed, Homogençed, reconstituted, recombined, field and flavoured milks.
- 4.4 Preparation of cultured milks, cultures and their management Vitamin D soft curd acidified and other special milks.
- 4.5 Legal standards, Sanitation requirement for clean and safe milk and for the milk plant equipment.

Section- II

1. Genetics and Animal Breeding: Probability applied to Mendelian inheritance Hardy Weiberg Law Concept and measurement of inbreeding and heterozygosity Wright's approach in contrast to Melecot's Estimation of Parameters and Measurements. Fisher's theorem of natural selection, polymorphism polygenic Systems and inheritance of quantitative traits. Casual Components of Variation Biometrical models and covariance between relatives. The theory of pathocoefficient applied to quantitative genetic analysis. Heritability Repeatability and selection models.

- 1.1 Population, Genetics applied to Animal Breeding. – Population vs. individual, population size and factors changing it. Gene numbers, and their estimation in farm animals, gene frequency and zygotic frequency and forces changing them, Mean and variance approach to equilibrium under different situations, sub-division of phenotypic variance; estimation of additive, Non additive genetic and environmental variances in Animal Population, Mendelism and blending inheritance. Genetic nature of differences between species, races, breeds and other sub specific grouping and the grouping and the origin of group differences Resemblances between relatives.
- 1.2 Breeding systems- Heritability, repeatability, genetics and environmental correlations methods of estimation and the precision of estimates of animal data Review of biometrical relations between relatives. Mating system, inbreeding, out breeding and used phenotypic assertive mating Aids to selections. Family structure of animal population under non-random mating systems. Breeding for threshold traits, selections index, its precision. General and specific combining ability. Choice of effective breeding plans.
Different types and methods of selection, their effectiveness and limitations, selection indices construction of selection in retrospect; evaluation of genetic gains through selection, correlated response in animal experimentations.
Approach to estimation of general and specific combining ability, Diallel fractional diallel crosses, reciprocal recurrent selection; in breeding and hydration.

2. Health and Hygiene- Anatomy of Ox and fowl. Histological technique, freezing, paraffin embedding etc. Preparation and staining of blood films.

- 2.1 Common histological stains, Embryology of a cow.
- 2.2 Physiology of blood and its circulation, respiration; excretion, Endocrine glands in health and disease.
- 2.3 General Knowledge of pharmacology and the repeutics of drugs.
- 2.4 Vety-Hygiene with respect of water, air and habitation.
- 2.5 Most common cattle and poultry diseases, their mode of infection, prevention and treatment etc. Immunity, General Principles and Problems of meat inspection Jurisprudence of Vet practice.
- 2.6 Milk Hygiene.

3. Milk Product Technology- Selection of raw materials, assembling production. processing, storing, distributing and marketing milk products such as Butter, Ghee, Khoa, Channa, Cheese, condensed, evaporated dried milk and baby foods; Ice cream and Kulfi, by products; whey products, butter milk, lactose and casein; testing Grading, gudging mill products – ISI and Agmark specification, legal standards, Quality control nutritive properties. Packaging processing and operational control Costs.

4. Meat Hygiene.

- 4.1 Zoonosis Diseases transmitted from animals to man.
- 4.2 Duties and role of Veterinarians in a slaughter house to provide meat that is produced under ideal hygienic conditions.
- 4.3 By products from slaughter houses and their economic utilçation.
- 4.4 Methods of collection, preservation and processing of hormonal glands for medicinal use.

5. Extension:

- 5.1 Extension Different methods adopted to educate farmers under rural conditions.
- 5.2 Utilisation of fallen animals for profit-extension education etc.
- 5.3 **Define Trysem.** – Different possibilities and methods to provide self Employment to educated youth under rural conditions.
- 5.4 Cross breeding as a method of upgrading the local cattle.

06. ANTHROPOLOGY

Section- I

There are three sections. Section- I, Section-II & Section- III. Each Section carries 100 marks. Section I & Section III are compulsory. Candidates may offer either Section II-a or II-b. in Section- II

SECTION- I

- I. Meaning and scope of Anthropology and its main branches: (1) Social-Cultural Anthropology, (2) Physical Anthropology, (3) Archaeological Anthropology, (4) Linguistic Anthropology, (5) Applied Anthropology.
- II. Community and Social Institutions, Group and association; culture and civilisation; band and tribe.
- III. Marriage.- The problems of universal definition; incest and prohibited categories preferential forms of marriage; marriage payments; the family as the corner stone of human society; universality and the family, funcation of the family forms of family- usnclar, extended, joint etc. Stability and change in the family. Forms of marriage. Family and marriage among polyandrous tribes.

- IV. Kinship, Descent, residence, alliance, kins terms and kinship behavior, Lineage and clan Kinship categories.
- V. Economic Anthropology; Meaning and scope; mode of exchange; barter and ceremonial exchange, reciprocity and redistribution; market and trade.
- VI. Political Anthropology; Meaning and scope; The locus and power and the functions of legitimate authority in different societies. Difference between State and Stateless political systems. Nation-building processes in new State, law and Justice in simpler societies.
- VII. Origins of religion animism and animatism. Difference between religions and magic. Totemism and Taboo.
- VIII. Fieldwork and fieldwork traditions in Anthropology.
- IX. Study of social organisation, youth organisation, Economic organisation, Political organisation and Religion among Indian Tribes-Oraon, Munda, Ho, Santhal and Birhors of Bihar.

SECTION II (a)

- 1. Foundation of the theory of organic evolution Lamarckism. Darwinism and the Synthetic theory, Human evolution, biological and cultural dimensions, Microevolution.
- 2. The Order Primate.- A comparative study of Primates with special reference to the anthropoid apes and man.
- 2.(a) Place of Man among animals. – Pisces, Amphibia, Reptiles, Aves, Mammalia, clarification of Mammalia and anthropoids.
- 2.(b) A comparative analysis of anatomical similarities and dissimilarities in man and apes. Intelligence and social life of monkey and apes.
- 3. Fossil evidence of human evolution.- Lemurids, Tamrioids, Poropithecus, Prophilopithecus, pliopithecus, Lemnopithecus, Procensul, Driopithecus, Ramapithecus, Australopithecines, Australopithecus Africanus, Plesianthropus transvaalensis, Australopithecus, Prometheus, Paranthropus robustus, Homoerectus and Homosapiens.
- 4. Genetics; Definition- The Mendelian principles and its application to human populations. The effects of nutrition, inbreeding and hybridization.
- 5.(a) Definition of Race;- concept of pure race; race, nation and linguistic groups; race and cultural activities; Racism and dangerous myth.
- (b) Racial differentiation of Man and bases of racial classification morphological, serological and genetic, Role of heredity and environment in the formation of races.
- (c) Basis/criterias of racial classification skin colour, Hair, stature, Head form, face form, nose, eye, types of blood groups.
- 6. Varieties of the Modern Races of Man- the three major races and their sub-races, Caucasoids and its subdivisions. Archaic caucasoid races, Mongoloids and its subdivisions, Negroids and its subdivisions. The American Negroes, a comparative study of their Physical genetic and intelligence, similarities and differences.
- 7. Races in India:-
 - 1. Classification of Risley with his criticisms
 - Classification of Haldon
 - Classification of Eickudotd
 - Classification of Guha
 - Classification of Sarkar
 - The Negrito Racial Elements In India

SECTION II (b)

1. Technique, method and methodology distinguished.
2. Meaning of evolution biological and socio-cultural. The basic assumptions of 19th century evolutionism. The comparative method. Contemporary trends in evolutionary studies.
3. Diffusion and diffusionism—American distributionism and historical ethnology of the german speaking ethnologists. The attack on the "the" comparative method by diffusionists and Frae Boas. The nature, purpose and methods of comparision in social cultural, anthoropology. Redcliffe-Brown, Eggan Oscar Lewis and Sarana.
4. Patterns basic personality construct and model personality. The relevance of anthropological approach to national character studies. Recent trends in sychological anthropology.
5. Funcation and cause. Malinowski's contribution to functionalism in social anthropology. Function and structure Redcliffe-Brown. Firth Fortes and Nadel.
6. Structuralism in linguistics and in social anthropology Levistrauss and Leach in viewing social structure as a model. The structuralist method in the study of myth. New ethnography and formal semantic analysis.
7. Norms and Values. Values as a category of anthropological description. Values of anthropologist and anthropology as source of values. Cultural relativism and the issue of universal values.
8. Social anthropology and history, Scientific and humanistic studies distinguished. A critical examination of the plea for the unity of method of the natural and social sciences. The nature and logic of anthropological field work method and its autonomy.
- 9.(a) Theories and Methods in Anthropology
Evolution and comparative Methods;
Herbert Spencer, L H. Morgan, and Edward Burnett Tylor. Limitations.
- (b) Particularism:-
Frale Boas, A. L. Kroeber, Ruth Benedict Ralph Lintani and Abram Kardiner.
Limitations of particularistic approach.
- (c) Structive and Function approach.
Emile Durkheim, Pronislar Malinowski, A.R. Redcliffe Brown, Leslic A white, Evans Pritchard and Levi Strous.
10. Contributions of Anthropology to planning and Development: Development studies Socio-cultural dimensions of planned development socio-cultural parameters of Directed change, cultural hurdles to technological changes among tribes in India. Tribal problems-causes, consequences and solutions.
11. Social movement tribal movement, meaning and features. Tribal movement in Bihar Tana Bhagat and Birsa Movement, Changing scenes of tribal movement in Bihar. Tribal leadership in Bihar.

SECTION- III

INDIAN ANTHROPOLOGY

1. Palaeolithic, Mesolithic, Neolithic Protohistoric (Indus civilisation) dimensions of Indian culture.
2. Distribution of racial and linguistic elements in Indian population.
3. The bases of Indian social system: Varna, Ashram, Purushartha, Caste, Joint Family.
4. The growth of Indian anthropology. Distinctiveness of anthropological contribution in the study of tribal and peasant sections of the Indian population. The basic concepts used. Great tradition and little tradition; Sacred complex Universalisation and chialcation. Sanskritisation and Westernisation; Dominant Caste Tribe-Caste continuum. Nature-Man-Spirit complex.
5. Ethnographic profiles of Indian tribes racial linguistic and socio-economic characteristic. Problems of tribal peoples; Land-alienation, indebtedness, lack of educational facilities, shifting cultivation, migration forests and tribals unemployment agricultural labour. Special problems of hunting and food gathering and other minor tribes.
6. The problems of culture contact; impact of urbanisation and industrialisation depopulation regionalism economic and psychological frustrations.
7. History of tribal administration. The constitutional safeguards for the Scheduled Tribes Policies, Plans programmes of tribal development and their implementations. The response of the tribal people to the Government measures for them. The different approaches to tribal problems. The role of anthropology in tribal development.
8. The constitutional provisions regarding the Scheduled Castes. Social disabilities suffered by the scheduled castes and the socio-economic problems faced by them.
9. Issues relating to national Integration.

07. BOTANY

Section- I

1. Microbiology:- Viruses, bacteria plasmids-structure and reproduction. General account of infection and immunology. Microbes in agriculture, industry and medicine, and air, soil and water. Control of pollution using micro-organisms.
2. Pathology- Important plant diseases in India caused by viruses, bacteria, mycoplasma fungi and nematodes. Modes of infection, dissemination, physiology of parasitism and methods of control. Mechanism of action of biocides. Fungal toxins.
3. Cryptogams- Structure and reproduction from evolutionary aspect, and ecology and economic importance of algae, fungi, bryophytes and pteridophytes. Principal distribution in India.
4. Phanerogams:- Anatomy of wood secondary growth Anatomy of C2 and C3 plants, stomatal types, Embryology, barriers to sexual incompatibility. Seed structure. Apomixis and polyembryony Polynomy and its applications. Comparison of systems of classification of angiosperms. Modern trends in biosystematics. Taxonomic and economic importance of Cyadacoae, Pinacoeae, Gentabees, Magnoliaceae, Ramunculaceae, Cruciferace, Rosaceae, Leguminosae, Euphorbiaceae, Malvaceae, Dipterocarpaceae, Umbelliferae, Asclepiadaceae, Verbenaceae, Solanaeae, Pubiaceae, Cucurbitaceae, Compositae, Gramineae, Palmae, Liliaceae, Musaceae and Orchidaceae.
5. Morphogenesis-Polarity, symmetry and totipotency. Differentiation and dedifferentiation of cells and organs, Factors of morphogenesis Methodology and applications of cell, tissue, organ and protoplant cultures from vegetative and reproductive parts Somatic hybrids.

Section- II

- 1. Cell Biology**—Scope and perspective. General Knowledge of modern tools and techniques in the study of cytology. Prokaryotic and eukaryotic cell-structural and ultrastructural details Functions of organelles including membranes. Detailed study of mitosis, meiosis. Numerical and structural variations in chromosome and their significance, study of polytene and lampbrush chromosomes structure, behavior and cytological significance.
- 2. Genetics and Evolution**- Development of genetics and gene concept. Structure and role of nucleic acids in protein synthesis and reproduction. Genetic code and regulation of gene expression, Gene amplification Mutation and evolution. Multiple factors linkage and crossing over. Methods of gene mapping. Sex chromosomes and sex-linked inheritance. Male sterility, its significance in plant breeding. Cytoplasmic inheritance elements of human genetic. Standard deviation and Chi-square analysis Gene transfer in micro-organisms. Genetic engineering. Organic evolution evidence, mechanism and theories.
- 3. Physiology and Biochemistry**- Detailed study of water relations. Mineral nutrition and ion/transport. Mineral deficiencies Photosynthesis mechanism and importance, photosystems I and II, photorespiration, Respiration and fermentation. Nitrogen fixation and nitrogen metabolism. Protein synthesis. Enzymes, Importance of secondary metabolites. Pigments as photoreceptors, photoperiodism, flowering. Growth indices, growth movements. Senescence. Growth substance- Their chemical nature, role and applications in agrihorticulture. Agrochemicals, Stress physiology, Vernalization Fruit and seed physiology- dormancy, storage and germination of seed, Perthenocarphy fruit ripening.
- 4. Ecology**- Ecological factors. Concept and dynamics of community, succession. Concept of biospheres. Conservation of ecosystems. Pollution and its control. Forest types of India. Aforestation, deforestation and social forestry. Endangered plants.
- 5. Economic Botany**- Origin of cultivated plants. Study of plants as sources of food, fodder and forage, fatty oils, wood and timber, fiber, paper rubber, beverages, alcohol, drugs, narcotics, resins and gums essential oils, dyes, mucilage, insecticides and pesticides. Plant indicators, Ornamental plants, Energy plantation.

08. CHEMISTRY**Section- I**

- 1. Atomic structure and Chemical bonding**.— Quantum theory, Heisenberg's uncertainty principle, Schrodinger wave equation (time independent). Interpretation of the wave function, particle in a one-dimensional box, quantum numbers, hydrogen atom wave functions. Shapes of s p and d orbitals Ionic bond; Lattice energy, Born-Haber Cycle, Fajan's Rule dipole moment, characteristics of ionic compounds, electronegativity differences covalent bond and its general characteristics valence bond approach. Concept of resonance and resonance energy. Electronic configuration of H₂+H₂, N₂, O₂, F₂, NO, CO and HF molecules in terms of molecular orbital approach. Sigma and pi bonds. Bond order, bond strength and bond length.
- 2. Thermodynamics** – Work heat and energy. First law of thermodynamics. Enthalpy, heat capacity Relationship between Cp and Cv. Laws of thermochemistry, Kirchoff's equation. Spontaneous and non-spontaneous changes, second law of thermodynamics. Entropy changes in gases for reversible and irreversible processes. Third law of thermodynamics. Free energy, variations of free energy of a gas with temperature, pressure and volume.

Gibbs-Helmboltz equation. Chemical potential. Thermodynamic criteria for equilibrium. Free energy change in chemical reactions and equilibrium constant. Effect of temperature and pressure on chemical equilibrium. Calculation of equilibrium constants from thermodynamic measurements.

3. **Solid State**—Forms of solids, law of constancy of interfacial angles. Crystal systems and crystal classes (crystallorgaphi groups) Designation of crystal faces, lattice structure and unit cell. Laws of rational indices. Bragg's law, X-ray diffraction by crystals. Defects in crystals. Elementary study of liquid crystals.
4. **Chemical kinetics**- Order and molecularity of reaction. Rate equations (differential and intergrated forms) of zero, first and second order reaction. Half life of a raction. Effect of temperature, pressure and catalysts on reaction rates. Collission theory of reaction rates of bimolecular reactions. Absolute reaction rate theory. Kinetics of polymercation and photochemical reactions.
5. **Electrochemistry** – Limitations of Arrhenius theory of dissociation, Debye Muckel theory of strong electrolytes and its quantitative treatment. Electrolytic conductance theory and theory of activity coefficients. Derivation of limiting laws for various equilibria and transport properties of electrolyte solutions.
6. Concentration cells, liquid junction potential, application of e.m.f. measurements of fuel cells.
7. **Photochemistry**- Absorption of light. Lambert-Beer's law, Laws of photo chemistry. Quantum efficiency. Reasons for high and low quantum yields. Photoelectric cells.
8. General Chemistry of 'd' block elements:
 - (a) Electronic configuration: Introduction to theories of bonding in transition metal complexes, crystal field Theory and its modification; applications of the theories in the explanation of magnetism and electronic spectra of meta complexes.
 - (b) Metal Carbonyls: Cyclopentadienyl, Olefin and acetylene complexes.
 - (c) Compounds with metal- metals bonds and metal atom clusters.
9. General Chemistry of 'f' block elements: Lanthanides and actinides; separation, Oxidation, states, magnetic and spectral properties.
10. Reactions in non-aqueous solevent (liquid ammonia and sulphur dioxide).

Section- II

1. Reaction mechanisms; General methods (both kinetic and non-kinetic) of study of mechanisms of organic reactions illustrated by examples.
Formation and stability of reactive intermediates (carbocations, carbanions free radicals, carbenes, nitrenes and beaynes).
SN1 and SN2 mechanisms. – H, E2 and E1 CB eliminations-cis and trans addition to carbon to carbon double bonds mechanisms of addition to carbon-oxygen double bonds-Micheal addition addition to conjugated carbon-carbon double bonds aromatic electrophilic and nucleophilic substitutions allylic and beaylic substitutions.
2. Pericyclic reactions: classification and examples an elementary study of Woodward Hoff-mann rules of pericyclic reactions.
3. Chemistry of the following name reactions: aldol condensation, Claysen condensation, Dieck mann reaction, Perkin reaction, Reimer-Tiemann reaction, Cannçzaro reaction.
4. Polymeric Systems:
 - (a) Physical chemistry of polymers; End group analysis, Sedimentation, Light Scattering and Viscosity of polymers.
 - (b) Polythylene Polystyrene, Polyvinyl Chloride, Ziegler Natta Catalysis, Nylon, Terylene.

(c) Inorganic Polymeric Systems; Phosphonitic halide compounds; silicones; Borazines.

Friedel-Craft reaction Reformatsky reaction, pinacol-pinacilone wagner Meerwein and Backman rearrangements and their mechanisms uses of the following reagents in organic synthesis O₅ O₄, HIO₄, NBS diborane, Na-liquid ammonia NaBH₄, LiAN₄.

5. Photochemical reactions of organic and inorganic compounds types of reactions and examples and synthetic uses- Methods used in structure determination: Principles and applications of uv- Visible IR, IH, NMH and mass spectra for structure determination of simple organic and inorganic molecules.
6. Molecular structural determination; Principles and application to simple organic and inorganic Molecules.
 - (i) Rotational spectra of diatomicmolecules (Infrared and Raman) isotopic substitution and rotational constants.
 - (ii) Vibrational spectra of diatomic, linear symmetric, linear asymmetric and bent tri-atomic molecules (Infrared and Raman).
 - (iii) Specificity of the functional groups (Infrared and Raman)
 - (iv) Electronic Spectra singlet and triplet states, conjugated double bonds, unsaturated carbonyl compounds.
 - (v) Nuclear Magnetic Resonance; chemical shift, spin-spin coupling.
 - (vi) Electron Spin Resonance, Study of inorganic complexes and free radicals.

09. CIVIL ENGINEERING

Section- I

Part- A Theory and Design of Structures:

- (a) **Theory of structures:** Energy theorems – Castigliano theorems I and II, unit load method and method of consistent deformation applied to beams and pinjointed plane frames, Slope deflection, moment distribution and Kani method of analysis applied to indeterminate beams and rigid frames.
Moving loads, criteria, for maximum shear force and bending moment in beams traversed by a system of moving loads. Influence Lines for simply supported plane pinjointed girders.
Arches: Three hinged, two hinged and fixed archesfrb shortening and temperature effects Influence lines.
Matrix methods of analysis: Force method and displacement method.
- (b) **Structural steel:** Factors of safety and load factors.
Design of tension and compression members, beams of built up section, riveted and welded plate girders, gantry girders, stanchions with battons and lacings, Slab and gusseted braces.
Design of highway and railway bridges- Through and deck type plate girder, Warren girder and Pratt Truss.
- (c) **Reinforced concrete.** Limit state method design- Recommendations of IS codes- Design of one way and two-way slabs, staircase slabs, simple and continuons beams of rectangular, T and L sections.
Compression members under direct load with or without eccentricity, footings, isolated and combined.

Retaining walls, cantilever and counterfort types- Methods and systems of prestressing, Anchorages. Analysis and design of sections for flexure, loss of prestress.

Part- B Fluid Mechanics.—Fluid properties and their role in fluid motion, fluid statics including forces acting on plane and curved surfaces.

Kinematics and Dynamics of Fluid Flow: Velocity and accelerations, stream lines, equation of continuity, irrotational and rotational flows, velocity potential and stream function, flow-nets and methods of drawing flow net, sources and sinks, flow separation and stagnation.

Euler's equation of motion, energy and momentum equations and their applications to pipe flow, free and forced vortices, plane and curved stationary and moving vanes, sluice gates, weirs, orifice meters and venturimeters.

Dimensional Analysis and similitude: Buckingham's Pi-theorem, similarities, model laws, undistorted and distorted models, movable bed models, model calibration.

Laminar Flow: Laminar flow between parallel stationary and moving plates, flow through tubes, Reynolds' experiments, lubrication principles.

Boundary Layers: Laminar and turbulent boundary layer on a flat plate, laminar sub-layer, smooth and rough boundaries, drag and lift.

Turbulent Flow Through Pipes: Characteristics of turbulent flow, velocity distribution and variation of friction factor, hydraulic grade line and total energy line, siphons, expansions and contractions in pipes, pipe network, water hammer.

Open Channel Flow: Uniform, non-uniform flows, specific energy and specific force, critical depth, resistance equations and variation of roughness coefficient, Rapidly varied flow, flow in contractions, flow at sudden drop, hydraulic jump and its applications, surges and waves, Gradually varied Flow, differential equation of gradually varied flow, classification of surface profiles, control section, step method of integration of varied flow equation.

Part- C Soil Mechanics and foundation Engineering:

Soil Compositoin, influence of clay minerals on engineering behavior, Effective stress principle, change in effective stress due to water flow condition, static water table and steady flow conditions permeability and compressibility of soils.

Strength behavior, strength determination through direct and triaxial tests, total and effective stress strength parameters, total and effective stress path.

Methods of site exploration, planning a subsurface exploration programme, sampling procedures and sampling disturbance, penetration tests and plate load tests and data interpretation.

Foundation types and selection, footings, rafts, piles, floating foundations, effect of footing shape, dimexnsions, depth of embedment, load inclination and ground water on bearing capacity, settlement components, computation for immediate and consolidation settlements, limits on total and differential settlement, correction for rigidity.

Deep foundations, philosophy of deep foundations, piles, estimation of individual and group capacity, static and dynamic approaches, pile load tests, separation into skin friction and point bearing, under-reamed piles, well foundations for bridges and aspects of design.

Earth pressure, states of plastic equilibrium, Culmann's procedure for dertermination of lateral thrust, determination of anchor force and depth of penetration, reinforced earth retaining walls, concept, materials and applications.

Machine foundations, modes of vibration, determination of natural frequency, criteria for design, effect of vibration on soils, vibration isolation.

Part- D Computer Programming:

Types of computers, components of computers, history and development, different languages.

FORTRAN/Basic programming, constants, variables, expressions, arithmetic statements library functions, control statements, unconditional GO-TO Statements, computed GO-TO statements, IF and DO statements, CONTINUE, CALL RETURN, STOP, END statement, I/O statements, FORMATS, field specifications.

Subscripted variables, arrays, DIMENSION statement, function and subroutines, programmes, application to simple problems with flow charts in civil engineering.

Section- II

Note:- Candidate shall answer questions from any two parts:- Out of four parts below.

Part – A.**Building Construction:**

Physical and mechanical properties of construction materials, factors influencing selection, brick and clay products, limes and cements, polymorphic materials and special uses, damp-proofing materials.

Brickwork for walls, types, cavity walls, design of brick masonry walls per I.S. code, factors of safety, serviceability and strength requirements, detailing of walls, floors, roofs, ceiling, finishing of buildings, plastering, pointing, painting.

Functional planning of building, orientation of buildings, elements of fire-proof construction, repairs to damaged and cracked buildings, use of ferrocement, fibre-reinforced and polymer concrete in construction, techniques and materials for low cost housing.

Building estimates and specifications, construction scheduling PERT and CPM methods.

Part – B.**Transportation Engineering:**

Roads, Traffic engineering and traffic surveys, intersections, road signs, signals and markings.

Classification of roads, planning and geometric design.

Design of flexible and rigid pavements, Indian Road Congress guidelines on pavement layers and design methodologies.

Part – C.**Water Resources and Irrigation Engineering,**

Hydrology: Hydrologic cycle, precipitation, evaporation, transpiration, depression storage, infiltration, hydrograph, unit hydrograph, frequency analysis, flood estimation.

Ground water flow: Specific yield, storage coefficient, coefficient of permeability, confined and unconfined aquifers, radial flow into a well under confined and unconfined conditions, tube-wells, pumping and recuperation tests, ground water potential.

Water resources planning: Ground and surface water resources, single and multipurpose projects, storage capacity of reservoirs, reservoir losses, reservoir sedimentation, flood routing through reservoirs, economics of water resources projects.

Water requirement for crops: consumptive use of water, quality of irrigation water, duty and delta, irrigation methods and their efficiencies.

Canals: Distribution system for canal irrigation, canal capacity, canal losses, alignment of main and distributary canals, most efficient section, lined channels, their design, regime theory,

critical shear stress, bed load and suspended load transport cost analysis of lined and unlined canals, drainage behind lining.

Water logging: causes and control, drainage system design, salinity.

Canal structures: Design of regulation, cross drainage and communication works, cross regulators, head regulators, canal falls, aqueducts metering flumes and canal outlets.

Diversion head works: Principles of design of weirs on permeable and impermeable foundations, Khosla's theory, energy dissipation, stilling basins, sediment exclusion.

Storage works: Types of dams, design principles of rigid gravity and earth dams, stability analysis, foundation treatment, joints and galleries, control of seepage. construction methods and machinery.

Spillways: Types, crest gates, energy dissipation.

River training: objectives of river training, methods of river training.

Part – D.

Environmental Engineering: Water supply: Estimation of water resources, ground and surface water, ground water hydraulics, predicting demand of water, impurities of water and their significance, Physical, chemical and bacteriological analysis, water borne diseases, standards for potable water

Intake of Water: Pumping and gravity schemes.

Water treatment: Principles of coagulation, flocculation and sedimentation, slow, rapid, pressure, baffle and multi-media filters, chlorination, softening removal of taste, odour and salinity.

Water storage and distribution: Storage and balancing, reservoirs types. location and capacity.

Distribution System: layout, hydraulics of pipelines, pipe fittings, valves including check and pressure reducing valves, meters, analysis of distribution systems using Hardy Cross methods general principles of optimal design based on cost headloss ratio criterion, leak detection, maintenance of distribution systems, pumping stations and their operations.

Sewerage system: domestic and industrial wastes, storm, sewage separate and combined system, flow through sewers, design of sewers, sewer appurtenances, manholes inlets, junctions, siphon. Sewage characterisation: BOD, COD, solids, dissolved oxygen, nitrogen and TOC. Standards of disposal in normal water course and on land.

Sewage treatment: working, Principles, units, chambers, sedimentation tank, trickling filters, oxidation ponds, activated sludge process, septic tank, disposal of sludge, recycling of waste water.

Solid waste: Collection and Disposal.

Environmental Pollution: ecological balance, water pollution control acts. radioactive wastes and disposal environmental impact assessment for thermal power plants, mines.

Sanitation: site and orientation of buildings, ventilation and damp proof courses, houses drainage, conservancy and waterborne system of waste disposal, sanitary appliances, latrines and urinals, rural sanitation.

10. COMMERECE AND ACCOUNTANCY**Section- I****Accounting and Finance****Part-I : Accounting, Auditing and Taxation.**

Accounting as a financial information system- Impact of behavioral sciences – Methods of accounting of changing price levels with particular reference to current Purchasing Power (CPP) accounting Advanced problems of companies accounts – Amalgamation absorption and reconstruction of companies- Accounting of holding companies – Valuation of shares and goodwill. Controllership functions- Property control legal and management.

Important provisions of the Income Tax Act, 1961 – Definition Charge of Income Tax- Exemptions Depreciation and investment allowance – Simple problems of computation of income under the various heads and determination of assessable income – Income Tax authorities.

-- Nature and functions of Cost Accounting – Cost classification – Techniques of segregating semivariable costs into fixed and variable components – job costing – FIFO and weighted average methods or calculating equivalent units of production – Reconciliation of cost and financial accounts- Marginal Costing-Cost volume profit relationship: Algebraic formula and graphical representation – Shut down point – Techniques of cost control and cost reduction – Budgetary control flexible Budgets – Standard costing and variance analysis – Responsibility accounting-Bases of charging overheads and their inherent fallacy – Costing for pricing decisions.

Significance of the audit function – Programming the audit work – Valuation and verification of assets, fixed, wasting and current assets – Verification of liabilities – Audit of limited companies – appointment status, powers, duties and liabilities of the auditor – Auditor's report – Audit of share capital and transfer of shares – Special points in the audit of banking and insurance companies.

Part – II Business Finance and Financial Institutions.

Concept and scope of Financial Management – Financial goals of corporations – capital Budgeting Rules of the thumb and discounted cash flow approaches – Incorporating uncertainty in investment decision–designing an optimal capital structure – Weighted average cost of capital and the controversy surrounding the Modigliani and Miller model, sources of raising short term, intermediate and longterm finance – Role of public and convertible debentures–Norms and guidelines regarding debt/equity ratios – Determinants of an optional dividend policy–optimising models of James E. Walter and John Lintner– Forms of dividend payment – Structure of working capital and the variable, affecting, the level of difference of components – Cash flow approach of forecasting working capital needs – Profiles of working capital in Indian industries – Credit management and credit policy – Consideration of tax in relation to financial planning and cash flow statements.

Organisation and deficiencies of Indian Money Market structure of assets and liabilities of commercial banks – Achievements and failures of Nationalisation – Regional rural banks – Recommendations of the Tandon (P.L) study group on following of bank credit, 1976 and their revision by the Choure (K.B) Committee, 1979 – An assessment of the monetary and credit policies of the Reserve Bank of India- Constituents of the Indian Capital Market – Functions and working of All India term financial institutions (IDBI, IFCI, ICICI and IRCA) – Investment policies of the Life Insurance Corporation of India and the Unit Trust of India – Present State of stock exchanges and their regulation .

Provision of the Negotiable instruments Act, 1881.

Crossings and endorsements with particular reference to statutory protection to the paying and collecting bankers – Salient provision of the Banking Regulation Act, 1949 with regard to chartering, supervision and regulation of banks.

Section- II

Organisation Theory and Industrial Relations.

Part I : Organisation Theory:

Nature and concept of Organisation – Organisation goals; Primary and Secondary goals, Single and multiple goals, ends-means chain – Displacement, succession, expansion and multiplication of goals – Formal organisation : Type, Structure – Line and Staff. functional matrix and project – Informal organisation, functions and limitations.

Evolution of organisation theory: (classical, Neo-classical and system approach)- Bureaucracy Nature and basis of power, sources of power, power structure and politics – Organisational behaviour as a dynamic system : technical social and power systems interrelation sand interactions – Perception – Status system : Theoretical and empirical foundations of Maslow Megergore, Horzberg Likert, Vroom, Porter and Lawler, Odam and Human Models of motivation. Morale and productivity – Leadership. Theories and styles – Management of Conflicts in organisation – Transactional Analysis – Significance of culture to organisations. Limits of rationality – Simon- March approach. Organisational change, adaptation growth and development – Organisational control and effectiveness.

Part II : Industrial Relations:

Nature and scope of industrial relations. Industrial labour in India and its commitment – Theories of unionism – Trade union movement in India – Growth and structure – Role of outside leadership in – Worker education and other problems – Collective bargaining approaches conditions limitations and its effectiveness in Indian conditions – Workers participation in management: philosophy, rationale, present day State of affairs and its future prospects.

Prevention and settlement of industrial disputes in India: Preventive measures, settlement machinery and other measures in practice- Industrial relations in public enterprises – Absenteeism and labour turnover in Indian industries – Relative wages and wage differentials: wage policy in India – The Bonus issue – International Labour Organisation and India – Role of personnel department in the organisation – Executive development personnel policies, personnel audit and personnel research.

11. ECONOMICS

Section- I

1. The Framework of an Economy. National Income Accounting.
2. Economic choice, Consumer behaviour. Producer behaviour and market forms.
3. Investment decisions and determination of income and employment, Micro-economic models of income, distribution and growth.
4. Banking objectives and instruments of Central Banking and credit policies in a planned developing economy. Performance of Commercial Banks in Bihar.
5. Type of taxes and their impacts on the economy. The impacts of the state and the content of budgets. Objectives and Instruments of budgetary and fiscal policy in a planned developing economy.
6. International trade. Tariffs. The rate of exchange. The balance of payments. International monetary and banking institutions.

Section- II**1. The Indian Economy:**

Culding priniciples of Indian economic planned growth and distributive Justice' Eradication of poverty.

The institutional framework of the Indian economy – federal Governmental structure – agricultural and industrial sector public and private sectors.

National income its sectroal and regional distribution. Extent and incidence of poverty.

2. Agricultural Production:

Agricultural Policy.

Land reforms. Technological change. Relationship with the industrial sector.

3. Industrial Production:

Industrial Policy.

Public and private sector.

Regional distribution. Control of monopolies and monopolistic practices.

4. Pricing Policies of agricultural and industrial outputs:

Procurement and Public Distribution.

5. Budgetary trends and fiscal policy:**6. Monetary and credit trends and policy, Banking and other financial institutions.****7. Foreign trade and the balance of payments.****8. Indian Planning:**

Objectives, strategy, experience and problems.

9. Bihar Economy:

Relative position of agriculture and industry, retarders of economic growth, poverty and unemployment, Progress in Land Reforms.

12. ELECTRICAL ENGINEERING**Section- I**

Network.—Steady state analysis of D.C and A.C., networks, network theorems, Matrix Algebra, network functions, transient response, frequency response, Laplace transform, fourier series and fourier transform, frequency spectral plezero concept, elementary network synthesis.

Static and Magnetics.—Analysis of electrostatic and magentostatic fields, Laplace and Poisson Equations, solution of boundary value problems, Maxwell's equations, electromagnetic wave propagation, ground and space waves, prospagation between earth station and satellites.

Measuremetns.—Basic methods of measurements, standards, error analysis, indicating instruments cathode ray oscillo-scope, measurement of voltage current, power, resistance, inductance, Capacitance, time, frequency and flux, electronic meters.

Electronics.—Vaccum and semiconductor devices, equivalent circuits transistor parameters, determination of current and voltage gain and input and output impedances biasing techniques, single and multistage, audio and radio small signal and large signal amplifiers and their analysis reedback amplifiers and oscillators: wave haping circuits and time base generators, analysis of different types of multivilerator and their uses, digital circuits.

Electrical Machines.—Generator of e.m f., m.m.f. and torque in rotating machines, motor and generator characteristics of d.c synchronous and induction machines equivalent circuits, computation parallel operation, phasor diagram and equivalent, circuits of power transformer, determination of performance and efficiency, auto-transformers, 3-phase transformers.

Section-II

Part-A

Control systems.—Mathematical modeling of dynamic linear control systems, block diagrams and signal flow graphs, transient response steady state error, stability, frequency response techniques, rootlocus techniques series compensation.

Industrial Electronics.—Principles and design of single phase and polyphase rectifiers controlled rectification, smoothing filters, regulated power supplies speed control circuits for drivers, inverters, d.c to d.c conversion, choppers, timers and welding circuits.

Part – B (Heavy Currents)

Electrical Machines.—Induction Machines- Rotating magnetic field, Polyphase motor, principle of operation phasor diagram, Torque slip characteristic, Equivalent circuit and determination of its parameters, circle diagram, starters, speed control double cage motor, Induction generator. Theory, Phasor diagram, characteristics and application of single phase motors. Application of two phase induction motor.

Synchronous Machines – e.m.f equation phase and circle diagram, operation on infinite bus, synchronizing power, operating characteristic and performance by different methods, sudden short circuit and analysis of oscillogram to determine machine reactances and time constants, motor characteristics and performance methods of starting applications.

Special Machines—Amplidyne and metadyne operating characteristics, and their applications.

Power system and Protection – General layout and economics of different types of power stations, Baseload, peakload and pumped storage plant, Economics of different systems of d.c. and a.c power distribution, Transmission line parameter calculation, concept of G.M.D. short, medium and long transmission line, Insulators, Voltage distribution in a string of insulators and grading, environmental effects on insulators. Fault calculation by symmetrical components, load flow analysis and economic operation steady state and transient stability, Switchgear methods of extinction, Restriking and recovery voltage, Testing of circuit breaker, Protective relays, Protective schemes for power system equipment. C.T. and P.T Surges in transmission lines, Travelling waves and protection.

Utilisation – Industrial drives electric motors for various drives and estimates of their rating; Behaviour of motors during starting acceleration, breaking and reversing operation; Schemes of speed control for d.c and induction motors.

Economic and other aspects of different systems of rail traction; mechanics of train movement and estimation of power and energy requirements and motor rating characteristics of traction motors, Dielectric and induction heating.

OR

Part – C (Light currents)

Communication System.—Generation and detection of amplitude – frequency phase and Pulsemodulate signals using oscillators, modulators and demodulators, Comparison of modulated systems, noise problems, channel efficiency sampling theorem sound and vision broadcast transmitting and receiving system, antennas, feeders and receiving circuits, transmission line at audio radio and ultra, high frequencies.

Microwaves.—Electromagnetic wave in guided media wave guide components cavity resonators, microwave tubes and solid-state devices, microwave generator and amplifiers, filters microwave measuring techniques, microwave radiation pattern, communication and antenna systems, Radio aids to navigation.

D.C Amplifiers.—Direct coupled amplifiers, difference amplifiers, choppers and analog computation.

13. GEOGRAPHY

Section- I

Principles of Geography:-

Part- A. Physical Geography:

- (i) Geomorphology – Origin and evolution of the earth's crust: earth movements and plate tectonics; volcanism; cycle of erosion.- Davis and Penck; fluvial, glacial, arid and karst land-forms; rejuvenated and polycyclic land-forms.
- (ii) Climatology: - The atmosphere, its structure and composition; air masses and fronts; cyclones and related phenomena; climatic classification; koeppen and Thornthwait; groundwater and hydrological cycle.
- (iii) Soils and vegetation- Soil genesis, classification and distribution: ecological aspects of savanna and monsoon forest biomes.
- (iv) Oceanography: - Ocean bottom relief. Relief of Indian Ocean floor. Salinity. currents and tides; ocean deposits and coral reefs;
- (v) Ecosystem. – Ecosystem concept, Man's impact on the ecosystem, global ecological imbalances.

Part B. Human and Economic Geography.

- (i) Development of Geographical Thought: - Contributions of European and British Geographers, determinism and possibilism; Dualism in Geography, quantitative and behavioural revolutions in geography.
- (ii) Human Geography- Emergence of man and races of mankind cultural evolution of man; major cultural realms of the world; international migrations, past and present; world population-distribution and growth; demographic transition and world population.
- (iii) Settlements Geography: - Concepts of rural and urban settlements, Organs of Urbanisation; Rural settlement patterns; city classifications; urban spheres of influence and the rural urban fringe, the internal structure of cities; problems of urban growth in the world.
- (iv) Political Geography:- Concepts of nation and state; frontiers, boundaries, and buffer zones; concept of heartland and rimland; federalism.
- (v) Economic Geography.- World economic development-measurement and problems; concept of resources, world resources, their distribution and global problems; world energy crisis; and limits to growth; world agriculture-typology and world agricultural regions; theory of agricultural location, world industry-theory of location of industries; world industrial patterns and problems; world trade and world trade patterns.

Section- II

GEOGRAPHY OF INDIA.

Physical Aspects.—Geological history, Physiography and drainage systems; origin and mechanism of the Indian monsoon, soils and vegetation.

Human Aspects.—Tribal areas and their problems; population distribution, density and growth; population problems and policies.

Resources.—Conservation and utilisation of land mineral water biotic and marine resources; ecological problems and their management.

Agriculture.—Irrigation intensity of cropping, crop combinations, green revolution, agricultural land use policy, Rural economy-Animal husbandry, social forestry and household industry.

Industry.—History of industrial development; factors of location study of mineral based, agro-based and forest-based industries, industrial complexed and industrial regionalisation.

Transport and Trade.—Study of the network of roadways railways, waterways, intra and inter-regional trade and the role of rural market centres.

Settlements.—Rural Settlement patterns; urban development in India and its problems, internal structure of Indian cities; town planning, slums nad urban housing; national urbanisation policy.

Regional Development and planning. Five-years plan; multilevel planning; state, district and block level planning regional disparities in development in India.

Political Aspects.—Political problem of India, state reorganisation; the international boundary of India and related issues; India and geopolitics of the Indian Ocean area.

Geography of Bihar under the following heads.—Physiographic divisions, soils, forests, climate, pattern of agriculture, problems of drought-prone and flood affected regions and their solution, chief mineral resources-iron ore, copper, bauxite mica and coal; principal industries-iron and steel, aluminium, cement, Sugar: principal industrial regions, problems of population in Bihar, problem of tribal population and their solution; pattern of urbanisation in Bihar.

14. GEOLOGY

SECTION- I

(General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Palaeontology and Stratigraphy)

- (i) **General Geology.**—Energy in relation to Geo-dynamic activities. Origin and interior of the Earth. Dating of rocks by various methods and age of the Earth. Volcanoes-causes and products; volcanic belts. Earthquakes-causes, geological effect and distribution.
Geosynclines and their classification, Island arcs, deep sea trenches and mid-ocean ridges, sea-floor spreading and plate tectonics. Isostrasy, Mountains types and origin. Brief ideas about continental drift, Origin of continents and oceans. Radioactivity and its application to geological problems.
- (ii) **Geomorphology.**—Basic concepts and significance. Geomorphic processes and parameters. Geomorphic cycles and their interpretation. Relief features; Topography and its relation to structures and lithology. Major landforms. Drainage patterns. Geomorphic features of Indian subcontinent and Chotanagpur plateau.

- (iii) **Structural Geology.**—Stress and strain ellipsoid, and rock deformation. Mechanics of folding and faulting. Linear and planer structures and their genetic significance Petrofabric analysis, its graphic representation and application to geological problems. Tectonic framework of India.
- (iv) **Palaontology.**—Micro and Macro-fossils. Modes of preservation and utility of fossils, General idea about classification and nomenclature. Organic evolution and the bearing of pala ontological studies on it.
Morphology, classification and geological history including evolutionary trends of bivalves, gastropods, ammonoids, trilobites, echinoids and corals.
Prinicpal groups of vertebrates and their main morphological characters. Vertebrates life through ages; dinosaurs: siwalik vertebrates. Evolution of horses, elephants and man, Gondwana flora and its importance.
Types of micro fossils and their significance with special reference to petroleum exploration.
- (v) **Stratigraphy.**—Principles of Stratigraphy Stratigraphic classification and nomenclature. Standard stratigraphic scale. Detailed study of various geological systems of Indian subcontienet. Boundary Problems in Indian stratigraphy. An outline of the stratigraphy of various geological systems in their type-areas. Brief study of climates and igneous activities in Indian symmetry during geological post Palaecogeographic reconstructions.

Section – II

(Crystallography Mineralogy. Petrology and Economic Geology)

- (i) **Crystallography.**—crystalline and non crystalline substances. Space groups. Lattice symmetry. Classification of crystals into 32 classes of symmentry. International system of crystallographic notation. Use of stereographic projections to represent crystal symmetry. Twinning and twin laws Crystal irregularities. Application of X-Rays for crystal studies.
- (ii) **Optical Mineralogy.**—General principles of optics Isotropism and anisotropism, Concepts of optical indicatrix, pleochroism, interference colours and extinction. Optic orientation in crystals. Dispersion. Optical accessories.
- (iii) **Minerlogy.**—Elements of crystal chemistry-types of bondings Ionic radii, coordination number, isomorphism, polymorphism and pseudomorphism. Structural classification of silicates. Detailed study of rock-forming minerals-their physical, chemical and optical properties and uses, if any, study of the alteration products of these minerals.
- (iv) **Petrology.**—Magma, its generation, nature and composition. Simple phase diagrams of binary and ternary systems, and their significance, Bowen's Reaction Principle. Magmatic differentiation; assimilation, Textures and structures, and their petrogenetic significance. Classificaiton of igneous rocks. Petrography and petro genesis of important rock-types of India Genesis of granites; charnockites; anorthosites; and alkaline rocks.
Processes of formation of sedimentary rocks. Diagenesis and lithification. Textures and structures of sedimentary rock and their significance. Classifications of sedimentary rocks elastic and non-elastic. Heavy minerals and their significance. Elementary concept of depositional environments. sedimentary facies and provenance. Petrography of common sedimentary rock types.

Agents of metamorphism. Types of metamorphism. Metamorphic grades, zones and facies. ACF, AKF and AFM diagrams. Textures, structures and nomenclature of metamorphic rocks. Petrography and petrogenesis of important metamorphic rock types.

- (v) **Economic Geology.**—Concept of ore, ore mineral and gangue, tenor of ores. Processes of formation of mineral deposits. Common forms and structures of ore deposits. Classification of ore deposits. Control of ore deposition Metallogenetic epochs. Study of important metallic and non-metallic deposits oil and natural gas fields and coalfields of India. Mineral wealth of Bihar, Mineral economics, National Mineral policy Conservation and utilisation of minerals.
- (vi) **Applied Geology.**—Essentials of prospecting and exploration techniques. Principal methods of mining sampling redressing and beneficiation. Application of geology in Engineering works. Elements of soil and groundwater geology. Groundwater Provinces of Bihar. Use of Air related Diagrams in Geological Exploration.

15. HISTORY

Section- I

Part A- History of India (Down to A.D. 750)

1. **The Indus Civilisation.**—Origins extent, characteristic features, major cities, trade and contacts, causes of decline, survival and continuity.
2. **The Vedic age.**—Vedic literature. Geographical area known to vedic texts. Differences and similarities between Indus Civilisation and Vedic culture. Political, social and economic patterns. Major religious ideas and rituals.
3. **The Pre-Maurya Period.**—Religious movements (Jainism, Buddhism and other sects). Social and economic conditions. Republics and growth of Magadha imperialism.
4. **The Maurya Empire.**—Sources, rise, extent and fall of the empire administration. Social and economic conditions. Ashoka's policy and reform, art.
5. **The Post-Maurya Period (200 B.C-300 A.D).**—Principal dynasties in Northern and Southern India. Economy and Society, Sanskrit, Prakrit and Tamil, Religion (Rise of Mahayana and theistic cults). Art (Gandhara, Mathura and other schools). Contacts with Central Asia.
6. **The Gupta Age.**—Rise and fall of the Gupta Empire, the Vakatakas. Administration, Society, economy, literature, art and religion. Contacts with South Asia.
7. **Post-Gupta Period (B.C 500-750 A.D).**—Pushyabhutis. The Maukhari. The later Guptas. Harshavardhana and his times. Chalukyas of Badami. The Pallavas society, administration and art. The Arab conquest.
8. **General review of science and technology, education and learning.**

Part B- Medieval India
India: 750 A.D. to 1200 A.D

- I. Political and social conditions: the Rajputs their polity and social Structure, Land structure, and its impacts on society.
- II. Trade and Commerce.
- III. Art, Religion and Philosophy, Sankaracharya.
- IV. Maritime activities, contacts with the Arabs, mutual, Cultural impacts.
- V. Rashtrakutas, their role in History- Contribution to art and culture. The chola Empire Local Self-Government, features of the Indian village system society, economy, art and learing in the South.
- VI. Indian Society on the eve of Mahmud of Ghazni's campaigns, Al-Biruni's observations.

INDIA: 1200 – 1765

- VII. foundation of the Delhi Sultante in Northern India, causes and circumstances, its impact on the Indian society.
- VIII. Khilji Imperialism, significance and implications, administrative and economic regulations and their impact on State and the people.
- IX. New orientation of State policies and administration principles under Muhamed Bin Tughluq. Religious policy and public works of Firoz Shah.
- X. Disintegration of the Delhi Sultanate; causes and its effects on the Indian policy and society.
- XI. Nature and character of State; political ideas and institutions. Agrarian structure and relations, growth of urban centres, trade and commerce, conditions of artisans and peasants, new crafts, industry and technology, Indian medicines.
- XII. Influence of Islam on Indian culture. Muslim mystic movements, nature and significance of Bhakti saints, Maharashtra Dharma, role of the Vaisnave revivalist movement social and religious significance of the chaitanya movement, impact of Hindu society on Muslim social life.
- XIII. The Vijayangar Empire: its origin and growth contribution to art, literature and culture; social and economic conditions, system of administration, break-up of the Vijayanagar Empire.
- XIV. Sources of History: important chronicles. Inscriptions and Travellers Accounts.
- XV. Establishment of Mughal Empire in Northern India: political and social conditions in Hindustan on the eve of Babur's invasion, Babur and Humayun Establishment of the Portuguese control in the Indian ocean, its political and economic consequences.
- XVI. Sur Administration, political, revenue and military administration.
- XVII. Expansion of the Mughal Empire under Akbar: political unification: new concepts of monarchy under Akbar: Akbar's religio-political outlook: relations with the non-Muslims.
- XVIII. Growth of regional languages and literature during the medieval period development of art and architecture.
- XIX. Political ideas and institutions; nature of the Mughal State, land revenue administration; the Mansabdari and the Jagirdari systems, the landed structure and the role of the Zamindars, agrarian relations, the military organisation.
- XX. Aurangzeb's religious policy; expansion of the Mughal Empire in Deccan; revolts against Aurangzeb- Character and consequences.
- XXI. Growth of urban centres; industrial economy urban and rural; foreign trade and commerce. The Mughals and the European trading companies.
- XXII. Hindu-Muslim relations; trends of integration; composite culture (16th to 18th centuries).
- XXIII. Rise of Shivaji, his conflict with the Mughals; administration of Shivaji, expansion of the Maratha power under the Peshwas (1707-1761), Maratha political structure under the

First Three Peshwas; Chauth and Sardeshmukhi, Third Battle of Panipat, causes and effects; emergence of the Maratha confederacy, its structure and role.

XXIV. Disintegration of the Mughal Empire, emergence of the new Regional States.

Section- II

Part A Modern India

1. Historical Forces and Factors which led to the British conquest of India with special reference to Bengal, Maharashtra and Sind resistance of Indian powers and causes of their failure.
2. Evolution of British Paramountcy over princely States.
3. Stages of colonialism and changes in Administrative structure and policies. Revenue, Judicial and Social and Educational and their linkages with British colonial interests.
4. British economic policies and their impact- Commercialisation of agriculture Rural indebtedness, growth of agricultural labour. Destruction of handicraft industries. Drain of wealth, growth of modern industry and rise of a capitalist class. Activities of the Christian Missions.
5. Efforts at regeneration of Indian society. Socio-religious movements, social religious, political and economic ideas of the reformers and their vision of future, nature and limitation of 19th century "Renaissance". Caste movements in general with special reference to South India and Maharashtra, tribal, revolts, specially in Central and Eastern India.
6. Civil rebellions, Revolt of 1857, Civil Rebellions, and peasant revolts with special reference to Indigo revolt. Deccan riots and Mapplia uprising.
7. Rise and growth of Indian National Movement. – Social basis of Indian nationalism policies. Programme of the early nationalists and militant nationalists militant revolutionary group terrorists. Rises and growth of communalism; emergence of Gandhiji in Indian politics and his techniques of mass mobilisation. Non-co-operation, civil disobedience and Quit India Movements, trade union and peasant movements. State (s) people movements, rise and growth of left-wing within the Congress- The Congress, Socialists and Communists; British official response to National Movement. Attitude of the Congress to constitutional changes, 1909-1935; Indian National Army Naval Mutiny of 1946, the partition of India and achievement of freedom.

Part- B

WORLD HISTORY (1500 - 1950)

A. Geographical Discoveries. – Decline of feudalism; beginnings of capitalism. Renaissance and reformation in Europe.
 The new absolute monarchies – Emergence of the Nation State
 Commercial revolution in Western Europe – Mercantilism
 Growth of Parliamentay institutions in England.
 The Thirty Year's War. Its significance in European History.
 Ascendancy of France.

B. The emergence of a scientific view of the World. The age of Enlightenment.
 The American Revolution – Its significance.
 The French Revolution and Napoleonic Era (1789 - 1815). Its Significance in World History.
 The growth of liberalism and democracy in Western Europe (1815 - 1914)
 Scientific and technological background to the Industrial revolution – stages of the Industrial Revolution in Europe.

- C. Consolidation of large nation States- The unification of Italy – the founding of Socialist and labour Movement in Europe.
 The German Empire.
 The American Civil War.
 Colonialism and Imperialism in Asia and Africa in the 19th and 20th centuries.
 China and the Western Powers.
 Modernisation of Japan and its emergence as a great power.
 The European powers and the Ottoman Empire (1815 - 1914)
 The First World War – The economic and social impact of the war – the peace of Paris, 1919.
- D. The Russian Revolution, 1917 Economics and Social Reconstruction in Soviet Union.
 Rise of National Movements in Indonesia, China and Indo-China.
 Rise and establishment of Communism in China.
 Awakening in the Arab World- Struggle for freedom and reform in Egypt Emergence of Modern Turkey Kamal Ataturk– The rise of Arab nationalism.
 World Depression of 1929 -32.
 The New Deal of Franklin D. Roosevelt.
 Rise of Militarism in Japan.
 Origins and impact of Second World War.

16. LABOUR AND SOCIAL WELFARE

Section- I

LABOUR LEGISLATION AND LABOUR ADMINISTRATION

- 1. Principles of Labour Legislation kinds of Labour Legislation.
- 2. A brief history of labour legislation in India.
- 3. Provisions relating to labour in the Indian Constitution.
- 4. The following labour laws as amended up-to-date main provisions and evaluation:-
 (a) Factories Act, 1948.
 (b) Minimum Wages Act, 1948 – Working in Bihar.
 (c) Payment of Wages Act, 1936.
 (d) Equal Remuneration Act, 1976.
 (e) Workmen's Compensation Act, 1923.
 (f) Maternity Benefit Act, 1961.
 (g) Employees State Insurance Act, 1948.
 (h) Payment of Gratuity Act, 1972.
 (i) Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986.
 (j) Beedi and Cigar Workmen (Conditions of Employment) Act, 1966.
 (k) Bihar Shops and Establishments Act, 1953.
- 5. International Labour Organisation – Composition – Activities – Creation of International Standards of Labour-Influence on Indian Labour Legislation.
- 6. Labour Administration in Bihar.

Section- II

INDUSTRIAL RELATIONS AND SOCIAL WELFARE

I. Industrial Relations and Trade Unions with Reference to India and Bihar.

- (a) Industrial relations – concept, scope, main aspects.
- (b) Industrial dispute and strikes – forms, causes and prevention –different methods of settling industrial dispute – collective bargaining – Industrial Dispute Act, 1947.
- (c) Worker's participation in management – objectives – institutions – present position – causes of failure in India.
- (d) Trade Unions in India – brief history – kinds – objectives and methods of achievement – structure and Government – political affiliation and leadership – problem of rivalry and recognition – trade Unions Act, 1925.
- (e) Code of discipline and code of conduct.

II. Social welfare and social security.

- (a) Social security – meaning – scope – nature and methods.
- (b) Unemployment – meaning – kinds courses – measures for removing – special employment programmes in India.
- (c) Poverty – meaning – kinds – extent –causes measures for eradicating – special Governments, programme for eradicating rural poverty in India and Bihar.
- (d) Child welfare – problems of children – welfare measures for them.
- (e) Women welfare – problems of women – welfare measures of them.
- (f) Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes – problems – welfare measures.
- (g) Prohibition - position in Bihar
- (h) Prostitution – nature – causes– effects – measures for removing.
- (i) Beggary- nature courses – situation in Bihar.
- (j) Social security programmes of the Government of Bihar old-age pension unemployment Dole– Group Insurance–rehabilitation of bonded labourers.

17. LAW

Section- I

Part- I Constitutional law of India.

1. Nature of the Indian Constitution' the distinctive features of its federal character.
2. Fundamental Right; Directive Principles and their Relationship with Fundamental Right; Fundamental Duties.
3. Right to Equality.
4. Right to Freedom of Speech and Expression.
5. Right to Life and Personal Liberty.
6. Religious, Cultural and Educational Rights.
7. Constitutional position of the President and relationship with the Council Ministers.
8. Governor and his powers.
9. Supreme Court and high Courts, their powers and jurisdiction.
10. Union Public Service Commission and State Public Service Commission: their powers and functions.
11. Principles of Natural Justice.
12. Distribution of Legislative powers between the Union and the States.
13. Delegated legislation its constitutionality. Judicial and legislative controls.
14. Administrative and Financial Relations between the Union and the States.

- 15.** Trade. Commerce and Intercourse in India;
- 16.** Emergency provisions.
- 17.** Constitutional safeguards to Civil Servants.
- 18.** Parliamentary Privileges and immunities.
- 19.** Amendment of the Constitution.

Part- II. INTERNATIONAL LAW.

- 1.** Nature of International Law.
- 2.** Sources: Treaty; Custom, General Principles of Law recognised by civilised nations. Subsidiary means for the determination of Law Resolutions of International organs and regulations of Specialised Agencies.
- 3.** Relationship between International Law and Municipal Law.
- 4.** State Recognition and State Succession.
- 5.** Territory of States: modes of acquisition, boundaries, International Rivers.
- 6.** Sea: Inland Waters, Territorial sea, Contiguous Zone, Continental shelf, Exclusive Economic Zone and ocean beyond national jurisdiction.
- 7.** Air space and aerial navigation.
- 8.** Outer space: Exploitation and use of Outer Space.
- 9.** Individuals. Nationality Statelessness; Human Rights and Procedures available for their enforcement
- 10.** Jurisdiction of States: bases of jurisdiction, immunity from jurisdiction.
- 11.** Extradition and Asylum.
- 12.** Diplomatic Missions and Consular Posts.
- 13.** Treaties: Formation, application and termination.
- 14.** State Responsibility.
- 15.** United Nations: Its Principal organs, powers and functions.
- 16.** Peaceful settlement of disputes.
- 17.** Lawful recourse to force; aggression, self defence, intervention.
- 18.** Legality of the use of nuclear weapons; ban on testing of nuclear weapons; Nuclear Non-Proliferation Treaty.

Section- II

Part – I. Law of crimes and Torts:

Law of Crimes

1. Concept of crime: actus reus, mens rea, means rea in statutory offences, punishments mandatory sentences preparation and attempt.
2. Indian penal Codes:
 - (a) Application of the Code.
 - (b) General exceptions.
 - (c) Joint and constructive liability.
 - (d) Abetment.
 - (e) Criminal conspiracy.
 - (f) Offences against the State.
 - (g) Offences against public tranquility.
 - (h) Offences by or relating to public servants.
 - (i) Offences against human body.
 - (j) Offences against property.
 - (k) Offences relating to Marriage; Cruelty by husband or his relatives to wife.
 - (l) Defamation.

3. Protection of Civil Rights Act, 1955.
4. Dowry prohibition Act, 1961.
5. Prevention of Food Adulteration Act, 1954.

Part – II. Law of Torts

1. Nature of tortious liability.
2. Liability based upon fault and strict liability.
3. Statutory liability.
4. Vicarious liability.
5. Joint Tortfeasors
6. Remedies.
7. Negligence.
8. Occupier's liability and liability in respect of structures;
9. Detenu and conversion.
10. Defamation.
11. Nuisance.
12. Conspiracy.
13. False Imprisonment and Malicious Prosecution.

Part III. Law of Contracts and Mercantile Law.

1. Formation of contract.
2. Factors vitiating consent.
3. Void, voidable, illegal and unenforceable agreements.
4. Performance of contracts.
5. Dissolution of contractual obligations, frustration of contracts.
6. Quasi. contracts.
7. Remedies for breach of contract.
8. Sale of goods and hire purchase.
9. Agency.
10. Formation and dissolution of Partnership.
11. Negotiable Instruments.
12. The Banker-customer relationship.
13. Government control over private Companies.
14. The Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969.
15. The Consumer Protection Act, 1986

18. MANAGEMENT

Section- I

The candidate should make a study of the development of the field of management as a systematic body of knowledge and acquaint himself adequately with the contributions of leading authorities on the subject. He should study the role, function and behaviour of a manager and relevance of various concepts and theories to the Indian context. Apart from these general concepts, the candidate should study the environment of business and also attempt to understand the tools and techniques of decision making.

Organisational Behaviour and Management Concepts, Significance of social psychological factors for understanding organisational behaviour, Relevance of theories of motivation; Contribution of Maslow, Herzberg, McGregor, McClelland and other leading authorities, Research studies in leadership. Management by Objectives. Small group and intergroup behaviour. Application of these concepts for understanding the managerial role, conflict and cooperation, work norms and dynamics of organisational behaviour. Organisational change.

Organisational design: Classical, neo-classical and open systems theories of organisation, Centralisation, decentralisation, delegation, authority and control. Organisational structure, systems and processes, strategies, policies and objectives, Decision making communication and control. Management information system and role of computer in management.

Economic Environment.

National Income, analysis and its use in business forecasting. Trends and structure in Indian Economy, Government programmes and policies. Regulatory Policies: monetary fiscal and planning, and the impact of such macro-policies on enterprise decisions and plans-Demand analysis and forecasting, cost analysis, pricing decisions under different market structures – pricing of joint products, and price discrimination – capital budgeting – applications under Indian conditions. Choice of projects and cost benefit analysis choice of production techniques.

Quantitative Methods

Classical Optimisation: maxima and minima of single and several variables; optimisation under constraints – Applications. Linear Programming: Problem formulation – Graphical Solution Simplex Method Duality – post optimality, analysis – Applications of integer Programming and dynamic Programming – Formulation of Transportation and assignment Models of linear Programming and methods of solution.

Statistical Methods. Measures of Central tendencies and variations – Application of Binomial, Poisson and Normal distributions. Time series – Regression and correlation Tests of Hypotheses – Decision making under risk: Decision Trees Expected Monetary Value – Value of Information – Application of Bayes Theorem to posterior analysis. Decision making under uncertainty. Different criteria for selecting optimum strategies.

Section- II

Part- I – Marketing Management

Marketing and Economic Development – Marketing Concept and its applicability to the Indian economy – Major tasks of management in the context of developing economy – Rural and Urban marketing, their prospects and problems.

Planning and Strategy in the context of domestic and export marketing concept of marketing mix- Market Segmentation and product differentiation strategies – Consumer Motivation and Behaviour – Consumer Behavioural Models Product. Brand distribution Public distribution system price and promotion.

DECISIONS- Planning and control of marketing programmes – Marketing research and models – Sales Organisational dynamics – Marketing Information system. Marketing audit and control.

Export incentives and promotional strategies – Role of Government, trade association and individual organisation – problems and prospects of export marketing.

Part- II – Production and Materials Management.

Fundamentals of production from Management point of view. Types of Manufacturing systems continuous- repetitive, intermittent. Organising for Production, Long range, forecast and aggregate production planning. Plant Design: Process planning, plant size and scale of operations, location of plant, layout of physical facilities. Equipment replacement and maintenance.

Functions of production planning and Control, Routing, Loading and Scheduling for different types of production systems. Assembly line Balancing, Machine line Balancing.

Role and importance of materials management, Material handling, Value analysis, Quality control waste and scrap disposal, make or buy decisions, Codification, Standardisation and spare parts

inventory. Inventory control – ABC Analysis, Economic order quantity, Recorder point, Safety stock. Two Bin system. Waste management DGS & D purchase process and procedure.

Part- III – Financial Management

General tools of financial Analysis: Ratio analysis, funds flow analysis, cost volume-profit analysis, cash budgeting, financial and operative leverage.

Investment Decision: Steps in Capital expenditure managements, criteria for investment appraisal, cost of capital and its application in public and private sectors. Risk analysis in investment decisions, organisational evaluation of capital expenditure management with special reference to India.

Financing decision: Estimating the firms of financial requirements, financial structure determinations, capital markets, institutional mechanism for funds with special reference to India. Security analysis leasing and sub-contracting.

Working Capital Managements: Determining the size of working capital, managing the managerial attitude towards risk in working capital, management of cash, inventory and accounts receivables, effects of inflation on working capital management.

Income Determination and Distribution: Internal financing, determination of dividend policy, implication of inflationary tendencies in determining the dividend policy, valuation and dividend policy.

Financial management in public sector with special reference to India.

Performance budgeting and principles of financial accounting. Systems of management control.

Part – IV Human Resource Management.

Characteristics and significance of Human Resources–Personnel policies–Manpower, policy and planning–Recruitment and selection Technique–Training and Development–Promotions, and Transfer: Performance Appraisal–Job Evaluation: Wage and Salary Administration; Employee Morals and Motivation. Conflict Management. Management of Change and Development.

Industrial Relations Economy and Society in India: Worker profile and Management Styles in India; Trade Unionism in India: labour Legislation with special reference to Industrial Disputes Act: Payment of Bonus Act: Trade Unions Act: Industrial democracy and Workers participation in Management indication. Discipline and Grievances Handling in Industry.

19. MATHEMATICS

SECTION- I

Candidates shall answer not more than three questions from each section.

Linear Algebra.

Vector space bases, dimension of finitely generated space. Linear transformations, Rank and nullity of a linear transformation, Cayley Hamilton theorem. Eigenvalues and Eigenvectors.

Matrix of a linear transformation. Row and Column reduction. Echelon form. Equivalence. Congruence and similarity. Reduction to canonical forms.

Orthogonal, symmetrical, skew-symmetrical, unitary, Hermitian and Skew-Hermitian matrices – their eigenvalues, orthogonal and unitary reduction of quadratic and Hermitian forms, positive definite quadratic forms. Simultaneous reduction.

Calculus.

Real numbers, limits, continuity, differentiability, Mean-Value theorem, Taylor's theorem, indeterminate forms, Maxima and Minima, Curve Tracing, Asymptotes, Functions of several variables, partial derivatives. Maxima and Minima, Jacobian. Definite and indefinite integrals, double and triple intergrals (techniques only). Application to Beta and Gamma functions. Areas, Volumes, Centre of gravity.

Analytic Geometry of two and three dimensions:

First and second degree equations in two dimensions in Cartesian and polar coorordinates. Plane, Sphere, Paraboloid, Ellipsoid. Hyperboloid of one and two sheets and their elementary properties. Curves in space, curvature and torsion. Frenet's formula.

Differential Equations.

Order and Degree and a differential equation, differential equation of first order and degree, variables separable. Homogeneous, Linear and exact differential equations. Differential equations with constant coefficients. The complementary function and the particular integral of e^{ax} , \cos^{ax} , \sin^{ax} , x^m , e^{ax} , $\cos bx$, e^{ax} , $\sin bx$.

Vector, Tensor, Statics, Dynamics and Hydrostatics:

- (i) **Vector Analysis** – Vector Algebra, Differential of Vector function of a scalar variable, Gradient, Divergence and Curl in Cartesian Cylindrical and spherical co-ordinates and their physical interpretation. Higher order derivatives. Vector identities and Vector equations, Gauss and Stocks theorems.
- (ii) **Tensor Analysis** – Definition of Tensor, transformation of co-ordinates, contravariant and covariant tensor. Addition and multiplication of tensors, contraction of tensors, Inner product, fundamental tensor, chirstofel symbols, covariant differentiation, gradient, Curl and divergene in tensor notation.
- (iii) **Statics** – Equilibrium of a system of particles, work and potential energy. Friction, Common catenary. Principle of Virtual Work stability of equilibrium, Equilibrium of forces in three dimensions
- (iv) **Dynamics** – Degree of freedom and constraints. Rectilinear motion. Simple harmonic motion. Motion in a plane. Projectiles. Constrained motion. Work and energy motion under implusive forces. Kepler's laws. Orbits under central forces. Motion of varying mass. Motion under resistance.
- (v) **Hydrostatics** – Pressure of heavy fluids. Equilibrium of fluids under given system of forces Centre of pressure. Thrust on curved surfaces, Equilibrium and pressure of gases, problems relating to atmosphere.

SECTION- II

Algebra, Real Analysis, Complex Analysis, Partial Differential equations.

Mechanics,, Hydrodynamics, Numerical Analysis. Statistics including probability operational research.

Algebra.

Groups, sub-groups, normal sub-groups, homomorphism of groups, quotient groups. Basic isomorphism theorems. Sylow theorems. Permutation Groups, Cayley's theorem. Rings and Ideals, Principal Ideal domains, unique factorcation domains and Euclidean domains. Field Extensions. Finite fields.

Real Analysis.

Metric spaces, their topology with special reference to R^n sequence in a metric space, Cauchy sequency Completeness, Completion Continuous functions, Uniform Continuity, Properties of Continous function on Compact sets. Riemanh Stieltjes intergral, Improper intergrals and their

conditions of existence. Differentiation of functions of several variable, Implicit function theorem, maxima and minima, Absolute and conditional convergence series of real and complex terms, Re-arrangement of series. Uniform convergence, Infinite products, Continuity, differentiability and integrability for series, Multiple intergrals.

Complex Analysis.

Analytic functions, Cauchy's theorem, Cauchy's integral formula, Power series, Taylor's, Singularities, Cauchy's Residue theorem and Contour integration.

Partial Differential Equations.

Formations of partial differential equations. Types of intergrals of partial differential Equations of first order Charpits method. Partial differential equation with constant co-efficient.

Mechanics.

Generalised co-ordinates, Constraint, Holonomic and Non-holonomic systems, D' Alembert's principle and Lagranges equations. Moment of Inertia, Motion of rigid bodies in two dimension.

Hydrodyanamics.

Equation of continuity, Momentum and energy. Inviscid Flow Theory – Two dimensional motion, streaming motion, Sources and Sinks.

Numerical Analysis.

Transcendental and Polynomial Equations – Methods of tabulation, bisection, regula-talsi, secant, and Newton-Raphson and order of its convergence.

Interpolation and Numerical differentiation – Polynomial interpolation with equal or unequal step size. Spline interpolation – Cubic splines. Numerical differentiation formulae with error terms.

Numerical integration – Problems of approximate quadrature quadrature formulae with equispaced arguments. Caussina quadrature convergence.

Ordinary differential equations – Eulers method, Multistep-predictor corrector methods – Adam's and Milne's method, convergence and stability, Runge – Kutta methods.

Probability and Statistics.

1. Statistical methods – Concept of statistical population and random sample. Collection and presentation of data. Measure of location and dispersion. Moments and shepard's correction cumulants. Measures of Skewness and Kurtosis. Curve fitting by least squares regression, correlation and correlation ratio. Rank correlation, Partial correlation co-efficient and Multiple correlation co-efficient.
2. Probability – Discrete sample space, Events, their union and intersection, etc., Probability – Classical relative frequency and axiomatic approaches. Probability in continuum probability space conditional probability and independence, Basic laws of probability, Probability of combination of events, Bayes theorem, Random variable probability function, Probability density function. Distributions function, Mathematical expectation. Marginal and conditional distributions, Conditional expectation.
3. Probability distributions – Binomial, Poisson Normal Gamma, Beta, Cauchy, Multinomial, Hypergeometric, Negative Binomial, Chebychev's Lemma. (Weak) law of large numbers, Central limit theorem for independent and identical varieties, standard errors, Sampling distribution of T.F and Chi-square and their uses in tests of significance large sample tests for mean and proportion.

Operational Research.

Mathematical Programming – Definition and some elementary properties of convex sets, simplex methods, degeneracy, duality, sensitivity analysis rectangular games and their solutions. Transportation and assignment problems. Kuhn-Tucker condition for non-linear programming Bellman's optimality principle and some elementary applications of dynamic programming.

Theory of Queues – Analysis of steady-state and transient solution for queueing system with poisson arrivals and exponential service time.

Deterministic replacement models, sequencing problems with two machines, n jobs, 3 machines, n jobs (special case) and n machines, 2 jobs.

20. MECHANICAL ENGINEERING**Section- I****Statics – Equilibrium in three dimension suspension cables, principle of virtual work.**

Dynamics.—Relative motion coriolis force motion, of a rigid body. Gyroscopic motion impulse.

Theory of Machines – Higher and lower pairs, inversions, slider mechanisms. Hooks joint velocity and acceleration of links, inertia forces. Cams conjugate action of gearing and interference, gear trains epicyclic gears. Clutches, belt drives, brakes dynamometers, flywheels governors. Balancing of rotating and reciprocating masses and multicylinder engines. Free, forced and damped vibrations for a single degree of freedom. Degrees of freedom critical speed and whirling of shafts.

Mechanics of solids.—Stress and strain in two dimension. Mohr's circle. Theories of failure, deflection of beams. Buckling of columns, combined bending and torsion Castigliano's theorem. Thick cylinders rotating disks Shrink fit. Thermal stresses.

Manufacturing Science.—Merchant's theory Taylors equation. Machinability. Unconventional machining methods including EDM, ECM and ultrasonic machining. Use of lasers and plasmas. Analysis of forming processes high velocity forming explosive forming. Surface roughness, gauging comparators, Jigs and Fixtures.

Production Management.—Work simplification work sampling value engineering. Line balancing, work station design, storage space requirement. A B C analysis. Economic order quantity including finite production rate. Graphical and simplex methods for linear programming; transportation model, elementary queuing theory. Quality control and its uses in product design. Use of X, R, P (Sigma) and C charts. Single sampling plans, operating characteristic curves, average sample size Regression analysis.

Section- II

Thermodynamics.—Applications of the first and second laws of thermodynamics. Detailed analysis of thermodynamics cycles.

Fluid Mechanics.—Continuity, momentum and energy equations. Velocity distribution in laminar and turbulent flow. Dimensional analysis. Boundary layer on a flat plate. A diabatic and isentropic flow. Mach number.

Heat Transfer.—Critical thickness of insulation conduction in the presence of heat sources and sinks. Heat transfer from fins. One dimensional unsteady conduction. Time constant for the mocoouples. Momentum and energy equations for boundary layers on a flat plate. Dimensionless number free and forced convection. Boiling and condensation nature of radiant heat. Stefan-Boltz-Mann Law. Configuration factor logarithmic mean temperature difference. Heat exchanger effectiveness and number of transfer units.

Energy Conversion.—Combustion phenomenon in C.I and S.I engines carburation and fuel injection Selection of pumps classification of hydraulic turbines, specific speed. performance of compressor. Analysis of steam and gas turbines. High pressure boilers, Unconventional power systems, including Nuclear power and MHD systems. Utilisation of solar energy.

Environmental Control.—Vapour compression absorption, steam jet and air refrigeration systems, properties and characteristics of important refrigerants. Use of psychometric chart and comfort chart, estimation of cooling and heating loads. Calculation of supply air state and rate. Air conditioning plants lay-out.

21. PHILOSOPHY

Section – I

Metaphysics and Epistemology

Candidate will be expected to be familiar with theories types of Epistemology and metaphysics – India and Western – with special reference to the following

- (a) **Western** – Idealism; Realism; Absolutism Empiricism Rationalism; Logical Positivism; Analysis; Phenomenology; Existentialism and pragmatism.
- (b) **India**- Pramanas and pranaya; Theories of Truth and error, philosophy of language and meaning; Theories of reality with reference to main system (Orthodox and Heterodox) of Philosophy.

Section- II

Socio political philosophy and philosophy of Religion

1. Nature of philosophy its relation to life, thought and culture.
2. The following topics with special reference to the Indian context including Indian Constitution:-
Political Ideologies; Democracy Socialism, Fascism, Theocracy, Communism and Sarvodaya.
Methods of Political Action: Constitutionalism, Revolution, Terrorism and Satyagraha.
3. Tradition, change and modernity with reference to Indian social Institutions.
4. Philosophy of Religious language and meaning.
5. Nature and scope of philosophy of religion. Philosophy of religion with special reference to Buddhism, Jainism, Hinduism, Islam ,Christianity and Sikhism.
 - (a) Theology and philosophy of Religion.
 - (b) Foundations of religious belief, Reason Revelation Faith and Mysticism.
 - (c) God Immortality of Soul, Liberation and Problem of Evil and sin.
 - (d) Equality, Unity and universality of Religions; Religious Tolerance; Conversion Secularism.
6. Moksha – Paths leading to Moksha.

22. PHYSICS

Section-I

Mechanics, Thermal Physics and Wave and Oscillations

1. Mechanics.—Conservation Laws. Collisions, impact parameter, scattering cross-section. Centre of mass and Lab-systems with transformation of physical quantities, Rutherford Scattering. Motion of a rocket under constant force field. Rotating frames of reference, Coriolis force, Motion of rigid bodies, Angular momentum, Torque and precession of a top, Gyroscope. Central forces, Motion under inverse square law, Kepler's Laws, Motion of Satellites (including geostationary). Galilean Relativity, Special Theory of Relativity, Michelson-Morley Experiment, Lorentz Transformation –

addition theorem of velocities, Variation of mass with, Velocity, Mass Energy equivalence, Fluid dynamics, streamlines, turbulence, Beronullis Equation with simple applications.

2. Thermal Physics.—Laws of thermodynamics, Entropy, Carnot's cycle, Isothermal and Adiabatic changes, Thermodynamic Potentials Maxwell's relations. The Clausius-Clapeyren equation reversible cell, Joule-Kelvin effect etc. van boltazmann Law, Kinetic Theory of Gases, Maxwell's Distribution Law of velocities, Equipartition of energy, Specific heats of gases Mean free path, Brownian Motion. Black body radiation, specific heat of solids – Einstein and Dbye theories, Wein's Law, Plankc's Law, solar constant. Thermal ionization and Stellar spectra. Production of low temperatures using adiabatic refrigeration and deduction refrigeration, concept of negative temperature.

3. Waves and Oscillations.—Oscillations, Simple harmonic motion, stationary and travelling waves, Damped harmonic motion, forced oscillation and Resonance. Wave equation, harmonic Solutions, Plane and Spherical waves, Superposition of waves, phase and group velocities, Beats. Huygen's principle, Interference. Diffraction-Fresnel and Fraunhofer. Diffraction by a straight edge, single and multiple slits, Re-solving power of grating and Optical Instruments. Rayleigh Criterion. Polarization, Production and detection of polarized light (linear, circular and elliptical). Laser sources (Helium-Neon, Ruby and semiconductor diode) Concept of spatial and temporal coherence diffraction as a Fourier transformation. Fresnel and Fraunhofer diffraction by rectangular and circular apertures, Holography; theory and applications.

Section- II

(Electricity and Magnetism, Modern Physics and Electronics)

1. Electricity and Magnetism.—Coulomb's Law, Electric field. Gauss's law, Electric-potential Possion and Laplace equation for a homogeneous dielectric, uncharged conducting sphere in a uniform field, point charge and infinite conducting plane. Magnetic Shell Magnetic induction and field strength. Biot-Savart law and applications. Electromagnetic induction, Faraday's and Léonard's laws, self and mutual inductances. Alternating currents. L.C.R. circuits series and parallel resonance circuits, quality factor. Kirchoff's laws with application. Maxwell's equations and electromagnetic waves, Transverse nature of electromagnetic waves, Poynting vector. Magnetic fields in matter – dia para, ferro antiferro and ferri magnetism (qualitative approach only).

2. Modern Physics.—Bohr's theory of hydrogen atom. Electron spin, optical and X-ray Spectra. Stern – Gerlach experiment and spatial quantization. Vector model of the atom, spectral terms, fine structure of spectral lines. J-J and L.S coupling Zeeman effect, Pauli's exclusion principle, spectral term of two equivalent and non-equivalent electrons. Gross and fine structure of electronic band Spectra. Raman effect. Photoelectric effect. Compton effect, de Broglie waves. Wave particle duality and uncertainty principle. Schrödinger wave equation with application to (i) particle in a box (ii) motion across a step potential, one dimensional harmonic oscillator eigen values and eigen functions. Uncertainty Principle Radioactivity, Alpha, Beta and Gamma radiations. Elementary theory of the alpha decay. Nuclear binding energy. Mass spectroscopy, Semi empirical mass formula. Nuclear fission and fusion. Elementary Reactor physics Elementary particle their classification. Strong and weak electro magnetic interactions. Particle accelerators; cyclotron. Linear accelerators. Elementary ideas of superconductivity.

3. Electronics.—Band theory of Solids- Conductors, insulators and semiconductors. Intrinsic and extrinsic semiconductor P.N junction, Thermistor, Zener diodes reverse and forward biased P. N Junction, Solar cell use of diodes and transistors for rectification, amplification, oscillation, modulation and detection of r.f. waves. Transistor receiver, Television Logic Gates.

23. POLITICAL SCIENCE AND INTERNATION RELATIONS

Section-I

Part-A

POLITICAL THEORY:

1. Main feature of ancient Indian Political Thought ; Manu and Kautilya; Ancient Greek thought Plato. Aristotle; General characteristics of European medieval political thought; St. Thomas Aquinas, Marsiglip of padua; Machavelli. Hobbes, Locke. Montesq-uien, Rousseau, Bentham, J.S. Mill, T.H.Green, Hegel Marx, Lenin and Mao-se Tung.
2. Nature and scope of political Science; Growth of political Science as a discipline. Traditional Vs. Contemporary approaches; Behaviourism and Post-behavioural development; Systems theory and other recent approaches to political analysis, Marxist approach to political analysis.
3. The emergence and nature of the modern State: Sovereignty; Monistic and Pluralistic analysis of sovereignty; Power Authority and Legitimacy.
4. Political obligation: Resistance and Revolution; Rights, Liberty, Equality, Justice.
5. Theory of Democracy.
6. Liberalism, Evolutionary Socialism (Democratic and Fabian); Marxian Socialism; Fascism .

Part- B

GOVERNMENT AND POLITICS WITH SPECIAL REFERENCE TO INDIA.

1. Approaches to the study of Comparative Politics; Traditional, Structural Functional approach.
2. Political Institution; The Legislature, Executive and Judiciary; Parties and Pressure Groups; Theories of party system. Lenin, Michels and Duverger; Electoral System; Bureaucracy- weber's view and Modern critiques of weber.
3. Political Process: Political Socialisation, Modernization and Communication; the nature of the non-western Political Process; A general study of the Constitutional and Political Problems affecting Afro-Asian Societies.
4. Indian Political system: (a) The Roots; colonialism and nationalism in India; A general Study of modern Indian Social and Political thought; Raja Ram Mohan Roy, Dadabhai Nauroji, Tilak, Sri Aurobindo, Iqbal, jinnah, Gandhi, B.R.Ambedkar, M.N.Roy, Nehru and Jay Prakash Narain.
 (b) The Structure: Indian Constitution, Fundamental Rights and Directive Principles; Union Government; Parliament, Cabinet, Supreme Court and Judicial Review; Indian Federalism Centre-State relation, State Government role of the Governor; Panchayati Raj, Panchayati Raj System in Bihar.
 (c) The Functioning: Class and Caste in Indian Politics, Politics of regionalism, linguism and Communalism. Problems of Secularization of the Policy and national integration . Political elites; the changing Composition; Political Parties and Political Participation; Planning and Developmental administration, Socio-economic changes and its impact on Indian democracy, Regionalism with Special reference to Jharkhand Movement in Bihar.

Section- II**PART-I**

1. The nature and functioning of the Sovereign State System.
2. Concepts of International Politics; Power; National Interest; Balance of Power, "Power vacuum."
3. Theories of International Politics, The realist theory; System theory: Decision making.
4. Determinants of foreign Policy: National Interest; Ideology; Elements of National Power (including nature of domestic socio-political institution).
5. Foreign Policy: Choices – Imperialism; Balance of Power; Allegiances; Isolationism; Nationalistic Universalism (pax Britannica pax Americana Pax-Sovietica); The "Middle Kingdom" Complex of China; Non alignment.
6. The cold war: Origin, evolution and its impact on international relation: Defence and its impacts: a new Cold War.
7. Non-alignment: HEANING Bases (National and International) the non-aligned Movement and its role in international relations
8. De-colonisation and expansion of the international community; Neo-colonialism and racialism, their impact on international relations; Asian-African resurgence.
9. The present International economic order; Aid trade and economic development, the struggle for the new International Economic, Order; Sovereignty over natural resources; the crisis in energy resources.
10. The role of International Law in International relations; the international Court of Justice.
11. Origin and Development of International Organisations; The United Nations and specialised Agencies; their role in international relations.
12. Regional Organisation: OAS, OAU, the Arab League, the ASEAN, the EEC, their role in international relations.
13. Arms race disarmament and arms control; Conventional and nuclear arms, the Arms trade, its impact on Third World role in international relations.
14. Diplomatic theory and practice.
15. External intervention: Ideological, Political and Economic; Cultural imperialism, Covert intervention by the major power.

PART-II

1. The uses and mis-uses of nuclear energy; the impact of nuclear weapons on international relations; the partial Test-ban, Treaty; the nuclear Neo-Proliferation Treaty (NPT) peaceful nuclear explosions (PNE).
2. The problems and prospects of the Indian Ocean being made a peace zone.
3. The Conflict situation in West Asia.
4. Conflict and co-operation in South Asia.
5. The (Post-war) foreign policies of the major powers; United States, Soviet Union, China.
6. The third world in international relations; the North-South "Dialogue" in the United Nations and outside.
7. India's foreign policy and relations; India and the Super powers; India and its neighbour; India and South east Asia; India and African Problems; India's economic diplomacy; India and the question of nuclear weapons.

24. PSYCHOLOGY

Section-I

FOUNDATIONS OF PSYCHOLOGY

1. The Scope of Psychology.—Place of Psychology in the family of social and behavioural sciences.
2. Methods of Psychology.—Methodological problems of Psychology. General design of Psychological research. Types of Psychological research. The characteristics of Psychological measurement.
3. The nature, Origin and development of human behaviour- Heredity and environment. Cultural factors and behaviour. The process of socialisation. Concept of National Character.
4. Cognitive Processes.—Perception, Theories of perception, Perceptual organisation. Person perception, Perceptual defence. Transactional approach to perception. Perception and personality. Figural after-effect. Perceptual styles, perceptual abnormalities Vigilance.
5. Learning- Cognitive, Operant and Classical conditioning approaches, Learning phenomena, Extinction. Discrimination and generalisation, Discrimination learning, Probability learning. Programmed learning.
6. Remembering- Theories of remembering. Short-term memory, Long-term memory, Measurement of memory, Forgetting Reminiscence.
7. Thinking- Problem solving, concept formation, Strategies of concept formation, Information processing, Creative thinking, Convergent and Divergent thinking, Development of thinking in children, theories.
8. Intelligence- Nature of intelligence Theories of intelligence, Measurement of intelligence, Measurement of creativity. Aptitude, Measurement of aptitudes. The concept of social intelligence.
9. Motivation- Characteristics of motivated behaviour. Approaches to motivation: psycho-analytic theory; Drive Theory; Need hierarchy theory, Vector valence approach, Concept of level of aspiration. Measurement of motivation. The apathetic and the alienated individual, Incentives.
10. Personality-The concept of personality. Trait and type approaches, Factorial and dimensional approaches, Theories of personality; Freud, Allport, Murray, Cattell; Social learning theories and Field Theory. The Indian approach to personality- the concept of Gunas. Measurement of personality: Questionnaires; Rating Scales; Psychometric Tests; Projective Tests; Observation method.
11. Language and Communication- Psychological basis of language. Theories of language development: skinner and Chomsky, Nonverbal communication, Body Language, Effective communication: Source and receiver characteristics. Persuasive communication.
12. Attitudes and values- Structure of attitudes, formation of attitudes. Theories of attitude, Attitude measurement. Types of attitude scales, Theories of attitude change, Values. Types of values. Motivational Properties of values. Measurement of values.
13. Recent trends.-Psychology and the Computer, Cybernetic model of behaviour. Simulation studies in psychology, Study of consciousness. Altered states of consciousness. Sleep, Dream, meditation and hypnotic trance. Drug induced changes. Sensory deprivation. Human problems in aviation and space flight.

14. Models of Man, The Mechanical Man, The Organic Man- The Organçational man. The Humanistic Man. Implications of the different models for behaviour changes. An integrated model.

Section- II

PSYCHOLOGY: ISSUES AND APPLICATIONS

1. Individual Differences.- Measurement of individual differences. Types of psychological tests. construction of psychological tests. characterstics of good Psychological tests. Limitations of psychological tests.
2. Psychological Disorders- Classification of disorders and nosological systems. Neurotic, psychotic and psychophysiologic disorders. Psychopathic personality. Theories of psychological disorder. The problems of anxiety, depression and stress.
3. Therapeutic Approaches- Psychodynamic approach. Behaviour therapy, Client centered therapy. Cognitive therapy. Group therapy.
4. Application of psychology to organçational and Industrial problems- Personnel selection. Training. Work motivation. Theories of work motivation Job designing. Leadership training. Participatory management.
5. Small Groups- The concept of small group. Properties of groups. Group at work. Theories of group behaviour. Measurement of group behaviour. Interaction process analysis. Interpersonal relations.
6. Social Change-Characteristics of social change. Psychological basis of change. Steps in the change process Resistance to change. Factors contributing to resistance. Planning for change. The concept of change -proneness.
7. Psychology and the Learning Process- The Learner. School as an agent of socialcation Problems relating to adolescents in learning situations. Gifted and retarded children and problems related to their training.
8. Disadvantaged Groups-Types: Social, cultural and economic. Psychological consequences of disadvantage. Concept of Deprivation. Educating the disadvantaged groups. Problems of motivating the disadvantaged groups.
9. Psychology and the problem of social Integration. The problem of ethnic prejudice. Nature of prejudice. Manifestations of prejudice Development of prejudice. Measurement of prejudice. Amelioration of prejudice. Prejudice and personality Steps to achieve social integration.
10. Psychology and Economic Development- The nature of achievement motivation. Motivating people for achievement. Promotion of entrepreneurship. The Entrepreneur Syndrome. Technological change and its impact on human behavior.
11. Management of Information and Communication- Psychological factors in information management. Information overload: Psychological basis of effective Communication. Mass media and their role in social change. Impact of television. Psychological basis of effective advertising.
12. Problems of Contemporary Society- Stress. Management of stress. Alcoholism and Drug addiction. The socially Deviant. Juveline Delinquency. Crime. Rehabilitation of the deviant. The problems of the Aged.

25. PUBLIC ADMINISTRATION

Section-I

ADMINISTRATIVE THEORY

- I. Basic Premises- Meaning scope and significance of Public Administration; Private and Public Administration; Role of Public Administrator in developed and developing societies; Ecology of Administration- Social. Economic. Cultural, Political and legal; Evolution of public administration as a discipline; Public Administration as an art and a science; New Public Administration.
- II. Theories of Organisation – Scientific Management (Taylor and his associates); Bureaucratic theory of organisation (Weber), Classical theory of organisations (Henri Fayol , Luther Gulick and Other); Human Relations Theory of Organisations (Elton Mayo and his Colleagues); Behavioural approach, Systems Approach; Organisational Effectiveness.
- III. Principles of Organisation- Hierarchy, Unity of Command, Authority and Responsibility, Co-ordination Span of Control, Supervision, Centralisation and Decentralisation, Delegation.
- IV. Administrative Behaviour- Decision making with Special Reference to the Contribution of Herbert Simon; Theories of Leadership; Communication morale; Motivation (Maslow and Herzberg).
- V. Structure of Organisations- Chief Executive; Types of chief Executives and their functions; Line Staff and Auxiliary agencies; Departments; Corporation Companies. Boards and Commissions. Headquarters and field relationship.
- VI. Personal Administration- Bureaucracy and Civil Services, position Classification; Recruitment; Training; Career Development; Performance Appraisal; Promotion; Pay and Service Conditions; Retirement Benefits; Discipline; Employer-Employee Relations. Integrity in Administration; Generalists versus specialists; Neutrality and Anonymity.
- VII. Financial Administration- Concept of Budget; Preparation and Execution of the Budget; Performance Budgeting; Legislative Control; Accounts and Audit.
- VIII. Accountability and Control- The Concepts of Accountability and Control; Legislative, Executive and Judicial Control over Administration; Citizen and Administration.
- IX. Administrative Reforms- O & M; Work Study; Work Measurement Administrative Reforms; Processes and obstacles.
- X. Administrative Law-Importance of Administrative Law; Delegated Legislation; Meaning. Types. Advantages, Limitations, Safeguards; Administrative Tribunals.
- XI. Comparative and Development Administration- Meaning, Nature and Scope of Comparative Public Administration. Contribution of Freud. Riggs with particular reference to the prismatic model. The Concept. Scope and Significance of Development Administration. Political Economic and socio-Cultural Context of Development Administration. The Concept of Administrative Development.
- XII. Public Policy- Relevance of policy Making in Public Administration. The Processes of policy Formulation and Implementation.

Section-II**INDIAN ADMINISTRATION**

- I.** Evolution of Indian Administration- Kautilya; Mughal Period; British Period.
- II.** Environmental Setting- Constitution, Parliamentary Democracy, Federalism, Planning, Socialism.
- III.** Political Executive at the Union Level- President, Prime Minister, Council of Ministers, Cabinet Committees.
- IV.** Structure of Central Administration- Secretariat, Cabinet Secretariat, Ministries and Departments. Boards and Commissions, Field Organisation.
- V.** Centre State Relation- Legislative, Administrative, Planning and Financial.
- VI.** Public Services- All India Services, Central Services, State Services, Local Civil Services, Union and State Public Service Commissions. Training of Civil Services.
- VII.** Machinery for Planning – Plan Formulation at the National Level; National Development Council, Planning Commission; Planning Machinery at the State and District Levels.
- VIII.** Public Undertaking – Forms management, Control and problems.
- IX.** Control of Public Expenditure- Parliamentary Control; Role of the Finance Ministry; Comptroller and Auditor General.
- X.** Administration of Law and Order in Bihar- Role of Central and State Agencies in Maintenance of Law and Order.
- XI.** State Administration with special reference to Bihar- Governor, Chief Minister; Council of Ministers; Secretariat, Chief Secretary, Directorates.
- XII.** District Administration with special reference to Bihar- Role and Importance; District Collector; Land Revenue, Law and order and developmental functions. District Rural Development Agency; Special Development Programmes.
- XIII.** Local Administration with special reference to Bihar- Panchayati Raj and Urban Local Government Features, Forms, Problems, Autonomy of Local Bodies.
- XIV.** Welfare Administration in Bihar- Administration for the Welfare of Weaker Sections With particular Reference to Scheduled Castes and Scheduled Tribes; Programmes for the Welfare of Women and Children.
- XV.** Issue Areas in Indian Administration- Relationship between Political and permanent Executives. Generalists and specialists in Administration. Integrity in Administration. People's Participation in Administration. Redressal of Citizen's Grievances. Lok Pal and Lok Ayukta, Administrative Reforms in India.

26. SOCIOLOGY**Section-I****GENERAL SOCIOLOGY**

1. Scientific Study of Social phenomena- Emergence of Sociology and its relationship with other disciplines, their scope and approaches. Science and Study of social behavior, the problems of objectivity, reliability and validity. Scientific methods and scientific language; their meaning, goals, types; elements and features. Research Design Techniques of data collection and analysis, Attitude measurements; problems and scales. Concept of social causation with special reference to R.M.Mac'ver.

2. Pioneering Contributions to Sociology- Theoretical beginnings- Positivism and evolutionism with reference to Comte, Spencer and Morgan; Historical Sociology contributions of Karl Marx, Maxweber and P.A. Sorokin; Functionalism; E. Durkheim, Pareto, Parsons and Merton, Conflict School; Gumplowicz Dahrendorf and Coser; Recent approaches in Sociology, Micro Sociology, Macro Sociology, Middle Range theories, Neopositivism, Exchange theories and Interactions Sociology.
3. Social Structure and Social Organisation; Concept and types approaches to Social Structure; Structural functionalist school, Structuralist school and Marxist School: Elements of Social Structure-Individual and society; social interaction; social groups, concept and types; concept of status and role, their determinants and types, dimensions of roles in simple and complex societies, role conflict; Social Network; Basic concepts and types, culture and personality, concepts of conformity and social control, agencies of social control; concept of Minority Groups, their relationship with majority; Secularism versus Integration.
4. Social Stratification and Mobility-Concept, consequences and types of stratification; inequality and stratification, Dimensions and bases of stratification; Theoretical approaches to the study of stratification, functionalist approach and conflict approach; Social Stratification and Social Mobility; Concept of Sankskritisation and Westernisation. Types of Mobility: intergenerational mobility, vertical versus horizontal mobility, open and closed models of mobility.
5. Family marriage and Kinship-Structure, functions and types of family marriage and kinship; social change and change in age and sex roles; change in marriage, family and kinship; significance of family in industrial society.
6. Formal organisation-Elements of formal and informal structures and organisations, bureaucracy functions, dysfunctions and characteristics, bureaucracy and political development, political socialisation and political participation, modes of participation, democratic and authoritarian forms, voluntary organisations.
7. Economic System-Property concepts, social dimensions of division of labour; type of exchange, social aspects of pre-industrial and industrial economic systems; industrialisation and changes in the political, educational religious, familiar and stratification spheres; social determinants and consequences of economic development.
8. Political Systems-Concepts, elements and types of political systems: functions of a political system, institutions under the political system; political processes with reference to individuals, groups, political organisations, parties and other agencies. Concepts, bases and types of power, authority and legitimacy; Concept of Stateless societies; political socialisation versus political participation; properties of State. Power of elites, and masses in democracy and in totalitarian societies; political parties and voting, Leadership democratic order and democratic stability.
9. Educational Systems- Concepts and goals of education; Schools of philosophy; Naturalism, Idealism and pragmatism, their bearing on education; importance of education in society, democracy, international understanding and nationalism. New

trends in education; Role of various agencies-school home society state and religion in education and socialisation. Population Education- its concepts and components, Education as a medium of cultural reproduction, indoctrination, social stratification, mobility and modernisation.

10. Religion- The religious phenomenon; the concepts of sacred and profane, social functions and dysfunctions of religion, magic religion and science, social change and religious secularisation.
11. Social change and development- Factors of social change, economic, biological and technological; Theories of social change- evolutionary, functional and conflict; social change, modernisation and development; Democratisation equality and social justice; social reconstruction.

Section- II

SOCIETY OF INDIA

1. Indian Society- Features of traditional Hindu Social Organisation, Socio-cultural dynamics through the ages, impact of Buddhism, Islam and West on Indian Society, factors in continuity and change.
2. Social Stratification- Caste system and its transformation, Economic Structural and Cultural view about Caste, origin of the Caste system, issues of inequality and social justice among Hindu and Non-Hindu castes, Caste mobility, Casteism, Backward caste versus Backward Classes, Scheduled Caste and untouchability, changes among Scheduled Castes, eradication of untouchability, industrial and agrarian class structures, rising trends in inter caste relations in Bihar under the impact of Mandal Commission and its reservation policy.
3. Family, Marriage and Kinship: Regional variation in Kinship system and its socio-cultural correlates, changing aspects of Kinship, The joint family system its structural and functional aspects, its changing form and disorganisation, Marriage among various ethnic groups, economic and Caste categories, its changing trend in future, impact of legislation and socioeconomic changes upon family and marriage, inter caste marriages-causes and consequences in Bihar intergeneration gap and youth unrest, changing status of women, women and social development.
4. Economic System: Jajmani System and its bearing on the traditional society, Market economy and its social consequences, occupational diversification and social structure, professional Trade Unions, Social determinants and consequences of economic development, Economic inequalities, exploitation and corruption; causes of economic backwardness in Bihar, potentialities of economic growth in Bihar, Relationship between economic growth and social development with specific reference to Bihar.
5. Political System: Functioning of a democratic political system in a traditional society, political parties and their social composition, origin of political elites and their social orientation, decentralisation of power, political participation, voting pattern in Bihar, relevance of Caste, community and economic factor in voting behaviour in Bihar, its changing trends, Functions dysfunctions and characteristics of India Bureaucracy, Bureaucracy and political development in India, concept of mass society, Socio-political sources of mass movement in India.

6. Educational System: Education and society in the traditional and modern contexts, educational inequality and change, education and social mobility, educational problems of women, Backward Classes and the Scheduled Castes, causes of educational backwardness in Bihar, Functional and dysfunctional aspects of Mushroom growth of institutions in Bihar; Prospects and problems of higher education in Bihar, New educational Policies, Mass.
7. Religion: Demographic dimensions, geographical distribution and neighbourhood, living patterns of major religious categories; Interreligiousinter-actions and its manifestations in the problems of conversion Minority status, communications and secularism; impact of various religious Movernment in India. (Buddhism, Islam, Christianity, Brahmoism and Arya Samaj movement on caste system in India; westerncation and moderncation in Bihar; the cohesive and decisive factors, impact of growing religious and politics interrelationship of India's social organisation.
8. Tribal societies: Major tribal communities in India, their distinctive features; tribe and case their acculturation and integration; problem of Bihar tribes (social, economic and Political), different approaches to tribal welfare, constitutional and governmental safeguards; tribal movements in India. The Tanabhat movement, the Birsa movement and the Jharkhand movement, their significance in tribal development.
9. Rural social system and community development: Sociocultural dimensions of the village community, traditional power structure, democratcation and leadership, poverty, indebtedness and bonded labour, social consequences of land reforms, community Development Programme and other planned development projects of Green Revolution, New strategies of rural development.
10. Urban Social Organçation: Continuity and change in the traditional causes of social organçation, namely Kinship, Caste and religion in the urban context, stratification and mobility in urban communities, ethnic diversity and community integration, urban neighbourhoods; rural urban differences in demographic and socio-cultural characteristics and their social consequemces.
11. Population dynamics: Theories of population growth Malthusian, biological, demographic transition, optimum population socio-cultural aspects of population composition (sex, age, martial status), determinants of fertility, mortality and migration. Need of population policy in India; population explosion and other determinants factors; social psychological cultural and ecomic determinants behind population acceptance of family planning practices in India. Family Planning Programmer through first to eighth five year plans; population education; concept, goals, aspects, agencies and techniques of population education.
12. Social Change and moderncation: Problems of role conflict youth unrest-intergenerational gap, changing status of women. Major sources of social change and of resistance to change, impact of west reform movements, social movements, industrialcation and urbancation pressure groups, factors of planned change, five year plans legislative of executive measures; process of change sanskritcation, westerncation and moderncation means of moderncation man media and education, problems of change and moderncation, structural contradictions and break-downs. Current social evils-corruption and Nepotism Smugglling, Black Money.

27. STATISTICS**Section-I**

There are two sections. Candidates shall answer not more than three questions from each section.

I. Probability.—Sample space and events, probability measures and probability space, Statistical independence, Random variable as a measurable function, Discrete and continuous random variables, probability density and distribution functions, marginal and conditional distributions functions of random variables and their distributions, expectation and movements, conditional expectation, correlation co-efficient, convergence in probability in LP almost everywhere; Markov Chebyehve and Kolomogrov inequalities, Borel- Cantellilemma, weak and strong law of large numbers probability generating and characteristic functions Uniqueness and continuity theorems. Determination of distribution by moments Lindeberg. Levy central limit theorem. Standard discrete and continuous probability distributions, their interrelations including limiting cases.

II. Statistical Inference.— Properties of estimates, consistency, unbiasedness, efficiency, sufficiency and completeness Cramer Rao bond, Minimum variance unbiased estimation, Rao Block well and Lehman Sheffe's theorem methods of estimation by moment maximum likelihood, minimum Chi-square. Properties of maximum likelihood estimators confidence intervals for parameters of standards distributions.

Simple and composite hypotheses, statistical tests and critical region, two kinds of error power function unbiased tests, most powerful and uniformly most powerful tests Nyman

Person Lemma, Optimal tests for simple hypotheses concerning one Parameter monotone likelihood ratio property and its use in constructing U.M.P. test, likelihood ratio criterion and its asymptotic distributing sign test for Location. Wilcoxon- Mann- Whitney test and Kolmogor Simirnov test for the two sample problem. Distribution free confidence intervals for quantitiation, Chi-square and Kolmogor tests for goodness of fit. Run test for randomness and confidence bands for distribution functions.

Notions of a sequential test, Walds, SPRT, its CC and ASN function,

III. Linear Inference and Multivariate Analysis.—Theory of least squares and Analysis of variance. Gaussa, Markoff theory, normal equations least square estimates and their precision. Tests of signification and intervals estimates based on least square theory in one way, two way and three way classified data. Regression Analysis, linear regression, estimates and tests about correlation of regression coefficient curve linear regression and orthogonal polynomials, test for linearity and regression Multivariate normal distribution, multiple regression, multiple and partial correlation. Mahalanobis D2 and Hotelling T2- Statistics and their applications (derivations of distribution of D2 and T2 excluded) Fisher's discriminant analysis.

Section- II

I. Sampling Theory and Design of Experiments.—Nature and scope of sampling, simple random sampling, sampling from finite populations with and without replacement, estimation of the standard errors sampling with equal probabilities and PPS sampling. Stratified random and systematic sampling, Two stage and multi-stage sampling, multiphase and cluster sampling schemes.

Estimation of population total and mean, use of biased and unbiased estimates auxiliary variables, double sapling standard errors of estimates cost and variance function ratio and regression estimates and their relative efficiency planning and organçation of sample surveys with special referene to recent large scale surveys conducted in India.

Principles of experimental designs, CRD, RBD, LSD, missing plot technique factorial experiments 2n and 3n design general theory of total and partial confounding and fractional replication. Analysis of split plot, BIB and simple lattice designs.

II. Engineering Statistics .—Concepts of quality and meaning of control, Different types of control charts like X-R charts, P charts np Charts and cumulative sum control charts.

Sampling inspection Vs. 100 per cent inspection, single, double, multiple and sequential sampling plans for attributes inspection, OC, ASN and ATI curves. Concept of producer's risk and consumer's risk AQL, AGQL, LTPD etc. Variable sampling plans.

Definition of Reliability, maintainability and availability. Life distribution failure rate and bath-tub, failure curve exponential and Weibull models, Reliability of series and parallel systems and other simple configurations. Different types of redundancy like hot and cold and use of redundancy in reliability improvement problems in life testing, censored and truncated experiments for exponential model.

III. Operational Research.—Scope and definition of OR different types of models, their construction and obtaining solution.

Homogeneous discrete time Markov chains, transition probability matrix, classification of states and ergodic theorems. Homogeneous continuous time Markov chains. Elements of queuing theory, M/M/I and M/M/K queues, the problem of machine interference and GI/M/I and B/GI queues.

Concept of scientific inventory management and analytical structure of inventory problems simple models with deterministic and stochastic demand with and without leadtime. Storage models with particular reference to dam type.

The Structure and formation of a linear programming problem. The Simplex procedure two phase methods and simplex- M Method with artificial variables. The duality theory of linear programming and its economic interpretation. Sensitivity analysis.

Transportation and Assignment Problems.

Replacement of items that fail and those that deteriorate, group and individual replacement policies.

Introduction to computer and elements of Fortran IV Programming Formats for input and output statements specification and logical statements and subroutines. Application to some simple statistical problems.

IV. Quantitative Economics.—Concept of time-series, additive and multiplicative models, resolution into four components, determination of trend by free-hand drawing, moving averages and fitting of mathematical curves, seasonal indices and estimate of the variance of the random components.

Definition, Construction, interpretation and limitation of index numbers, lespevre Parsche Edgeworth- Marshall and Fisher index number their comparisons tests for index numbers and construction of cost of living index.

Theory and analysis of consumer demand – Specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Theory of production, Supply functions and elasticities, input demand functions. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalized least squares heteroscedasticity, serial correlation, Multicollinearity, errors in variables model, simultaneous equation models – identification, rank and order conditions. Indirect least squares and two stage least squares, short- term economic forecasting.

V. Demography and psychometry.—Sources of demographic data: Census registration: NSS and other demographic surveys. Limitation and uses of demographic data.

Vital rates and ratios: Definition construction and uses.

Life tables – complete and abridged: Construction of life tables from vital statistics and census returns uses of life tables.

Logistic and other population growth curves.

Measures of fertility. Gross and net reproduction rates.

Stable population theory. Uses of stable and quasi-stable population techniques in estimation of demographic parameters.

Morbidity and its measurement Standard classification by cause of death. Health surveys and use of hospital statistics.

Educational and psychological statistics methods of Standardisation of scales and tests. IQ tests. reliability of tests and T and Z scores.

28. ZOOLOGY

Section- I

Non Chordata and Chordata, Ecology, Ethology, Biostatistics and Economic Zoology.

Part- 'A'

1. A general survey, classification and relationship of the various phyla.
2. Protozoa: Study of the structure, bionomics and life history of Paramecium, Monocystis, Malarial Parasite, Trypanosoma and Leishmania. Locomotion, Nutrition and reproduction in Protozoa.
3. Porifera: Canal system skeleton and reproduction.
4. Coelenterata: Structure and life history of Obelia, Aurelia, Polymorphism in Hydrozoa, Coral formation, Metagenesis, Phylogenetic relationship of Cnidaria and Acnidaria.
5. Helminths: Structure and life history of Planaria, Fasciola, Taenia and Ascaris. Parasitic Adaptation, Helminths in relation to man.
6. Annelida: Nereis, Earthworm and Leech, Coelom and Metamerism, Modes of life in Polychaetes.
7. Arthropoda: Paleomon, Scorpion, Cockroach. Larval forms and Parasitism in Crustacea, Mouth part vision and respiration in arthropods, Social life and Metamorphosis in insects. Importance of Paripatus.
8. Mollusca: Unio, Pila, Oyster Culture and Pearl formation, Cephalopods.
9. Echinodermata: General organisation, Larval forms and affinities of Echinodermata.
10. General organisation and characters, Outline classification and interrelationship of Protochordata, Pisces, Amphibia, Reptilia, Aves and Mammalia.
11. Neoteny and retrogressive Metamorphosis.
12. A general Study of comparative account of the various systems of Vertebrates.
13. Locomotion, Migration and respiration in fishes, Structure and affinities of Diplopoda.
14. Origin of Amphibia, distribution, Anatomical Peculiarities and affinities of Urodela and Apoda.
15. Origin of Reptiles, Adaptive Radiation in Reptiles, fossil Reptiles, Poisonous and non-Poisonous Snakes of India, Poison Apparatus of Snake.
16. Origin of Birds, Flightless Birds, Aerial adaptation and migration of Birds.
17. Origin of Mammals, Ontogeny of ear ossicles in Mammals, Dentition and Skin derivatives and Mammals, Distribution, Structural Peculiarities and Phylogenetic relation of Prototheria and Metatheria.

Part- 'B'**Ecology, Ethology, Biostatics and economic Zoology:-****Ecology:-**

1. Environment: Abiotic factors and their role, Biotic factors – and Inter – specific relations.
2. Animal: Organisation at population and community levels, ecological successions.
3. Ecosystem: Concept, Components, Fundamental operation, Energy flow, Biogeochemical cycle, food chain and Trophic levels.
4. Adaptation in fresh water, Marine and Terrestrial habitats.
5. Pollution in air, Water and Land.
6. Wild life in India and its conservation.

Ethology –

7. General survey of various types of animal behaviour.
8. Role of hormones and pheromones in behaviours
9. Chronobiology: Biological clock, Seasonal Rhythms, Tidal Rhythms.
10. Neuro-endocrine control of behaviour.
11. Methods of studying animals behaviour.

Biostatistics-

12. Methods of sampling, Frequency distribution and measures of central tendency, Standard deviation, Standard error and Standard deviance, Correlation and Regression and Chi-square and f-test.

Economic Zoology –

13. Parasitism, Commensalism and host Parasite relationship.
14. Parasitic Protozoans, Helminthes and insects of man and domestic animals.
15. Insect pests of crops and stored products.
16. Beneficial insects.
17. Pisciculture and induced breeding.

Section- II

Cell Biology, Genetics, Evolution and Systematics, Bio-chemistry, Physiology and Embryology.

Part- I**Cell Biology, Genetics, Evolution and Systematics.**

1. Cell Biology- Structure and function of Cell and Cytoplasmic Constituents, Structure of Nucleus, Plasma Membrane Mitochondria, Golgi bodies, Endo, plasmic Reticulum and Ribosomes, Cell Division, Mitosis Spindle and Chromosome movements and Meiosis. Gene structure and function, Watson-Crick model of DNA, replication of DNA Genetic code, Protein Synthesis, Cell differentiation, Sex-chromosomes and Sex determination.
2. Genetics – Mendelian laws of inheritance, recombinations, Linkage and Linkage Maps, Multiple, Allels, Mutation (Natural and Induced), Mutation and Evolution Meiosis, Chromosome number and form, Structural rearrangements, Polyploidy, Cytoplasmic inheritance, Regulation of Gene expression in Prokaryotes and Eukaryotes. Biochemical Genetics, Elements of human Genetics, Normal and Abnormal Karyotypes, Genes and Diseases. Eugenics.
3. Evolution and Systematics, – Origin of life, history of evolutionary thought, Lamarck and his works. Darwin and his works, sources and nature of organic variation, Natural selection, Hardy-Weinberg law, Cryptic and warning colouration mimicry, Isolating

mechanisms and their role. Insular faunaconcept of species and sup-species, Principles of classification, Zoological nomenclature and International Code. fossils, outline of geological cras phylogeny of Horse, Elephant, Camel, Origin and evolution of man, Principles and theories of continental distribution of animals, Zoogeographical realms of the world.

Part- II

Bio-chemistry, Physiology and Embryology.

Bio-chemistry.—Structure of Carbohydrates, Lipids, Amino-acids, Proteins, and Nucleic Acid, Glycolysis and Krebs Cycle, Oxidation and reduction, Oxidative Phosphorylation, Energy conservation and release ATP, Cyclic AMP, Saturated and unsaturated fatty acids, Cholesterol, Steroid hormones, Type of ezymes, Mechanism of ezyme action, Immunoglobulins and Immunity, Vitamins and coenzymes, Hormones their classification, Biosynthesis and functions.

2. **Physiology** with special reference to Mammals, Composition of blood, Blood groups in man, coagulation, Oxygen and carbondioxide Transport, Haemoglobin. Breathing and its regulation, Nephron and Urine formation, Acid-Base balance and homeostasis, temperature regulation in man, mechanism of conduction along axon across Synapses, Neurotransmitters, Vision, Hearing and other receptors, Types of Muscles, Ultrastructure, and mechanism of contraction of Skeletal Muscle, Role of Salivary Gland, Liver Pancreas and intestinal glands in digestion Absorption of digested food, Nutrition and balanced diet of man, Mechanism of action of Steriod and Peptide Hormones, Role of hypo-thalamus, Pituitary Thyroid, Parathyroid, Pancreas, Adrenal, Testis, Ovary and Pineal organs and their inter-relationships, Physiology of reproduction in humans, Hormonal control of development in man and insects, Pheromones in insects and Mammals.

3. **Embryology.**—Gametogenesis, Fertilisation, Types of Eggs, Cleavage, development upto gastrulation in Branchiostoma, Frog and Chick, Fate maps of Frog and Chick. Metamorphosis in Frog, Formation and Fate of Extra Embryonic membranes in Chick Formation of Amnion. Allantois and types of placenta in Mammals, Function of Placenta in Mammals, Organisers, Regeneration, Genetic control of development. Organogenesis of central nervous system, sense organs heart and Kidney of vertebrate embryos. Aging and its implication in relation to man.

29. HINDI LANGUAGE AND LITERATURE

Section-I

1. History of Hindi Language.

- (i) Gramatical and Lexical features of Apabhransa, Avahatta and early Hindi.
- (ii) Evolution of Avadhi and Braj Bhasa as literary Language during the Medieval period.
- (iii) Evolution of Khari Boli-Hindi as literary Language during the 19th Century.
- (iv) Standardisation of Hindi Language with Devanagri Script.
- (v) Development of Hindi as Rashtra Bhasa during the Freedom Struggle.
- (vi) Development of Hindi as official language of Indian Union Since Independence.
- (vii) Major Dialects of Hindi and their inter-relationship.
- (viii) Significant grammatical features of standard Hindi.

2. History of Hindi Literature.

- (i) Chief characteristics of the major periods of Hindi Literature: vç., Adi Kal, Bhakti Kal, Riti Kal, Bhartendu Kal and Dwivedi Kal, etc.
- (ii) Significant features of the main literary trends and tendencies in Modern Hindi: vç, Chhayavad Rahasyavad, Pragativad, Proyogvad, Nayi Kavita, Nayi Kahani, Akavita, etc.
- (iii) Rise of Novel and Realism in Modern Hindi.
- (iv) A brief history of theatre and drama in Hindi.
- (v) Theories of literary criticism in Hindi and Major Hindi Literary critics.
- (vi) Origin and development of literary genres in Hindi.

Section- II

This paper will require first – hand reading of the text prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

KABIR- KABIR GRANTHAVALI by Shyam Sunder Das (700 Stas from the beginning).

SURDAS – BHRAMARA GEET SAAR 200 Stas from the beginning.

TULSIDAS – RAMCHARITMANAS (Ayodhyokand only):

KAVITAVALI (Uttarakand only)

BHARATENDU HARISHCHANDRA – ANDHER NAGARI.

PREMCHAND – GODAN . MANSAROVAR (BHAG EK)

JAYASHANKAR "PRASAD"- CHANDRAGUPTA, KAMAYANI (Chinta, Shradha, Lajja, Ida only).

RAMA CHANDRA SHUKLA – CHINTAMANI (PAHILA BHAG) (10 Essay from the beginning).

SURYA KANT TRIPATHI NIRALA – ANAMIKAHAI (Saroj Smriti). (Ramki Shakti Pooja only).

S.H. VATSYAYAN– ACUEYA – SHEKHAR EK JEEVANI (TWO PARTS).

GAJANAN MADHAV MUKTIBODH – CHAND KA MUKHTEDHA HAI (Andhere mein only).

30. ENGLISH LANGUAGE & LITERATURE

Section- I

Detailed study of a literary age (19 th century).

The paper will cover the study of English literature from 1798 to 1900 with special reference to the works of Wordsworth. Coleridge, Shelley, Keats, Lamb, Hazlitr. Thackeray, Dickens, Tennyson, Robert Browning Arnold, George Eliot, Carlyle Ruskin, Peter.

Evidence of first – hand reading will be required. The paper will be designed to test not only the candidate's knowledge of the authors prescribed but also their understanding of the main literary trends during the period. Questions having a bearing on the social and cultural background of the period may be included.

Section- II

This Paper will require first- hand reading of the texts prescribed and will be designed to test candidate's critical ability.

1. Shakespeare – As you like it; Henry IV Part I. II- The Hamlet, The Tempest.
2. Milton – Paradise Lost.
3. Jane Austen – Emma
4. Wordsworth – The Prelude.
5. Dickens – David Copperfield.
6. George Eliot – Middlemarch.
7. Hardy – Jude the Obscure
8. Yeats – Easter 1916.

The Second Coming – Byzantium.

A Prayer for My Daughter – Leada and the Swan.

Sailing to Byzantium – Meru.

The Tower: Among School Children – Lapois Lazdili.

9. Eliot- The Waste Land.
10. D.H. Lawrence – The Rainbow.

31. URDU LANGUAGE & LITERATURE**Section- I**

- (a) The coming of the Aryans in India – The development of the Indo Aryan through three stages. Old Indo-Aryan (OIA). Middle Indo Aryan (MIA) and New Indo-Aryan (NIA) – Grouping of the new Indo Aryan Languages – western Hindi and its dialects Khari Boli, Braj Bhasha and Haryanwi– Relationship of Urdu to Khadi- Perso-Arabic elements in Urdu Development of Urdu from 1200 to 1800 in the North and 1400 to 1700 in the Deccan. With special reference to the Development of Urdu in Bihar from 1200 to 1800.
- (b) Significant features of Urdu Phonology- Morphology Syntax – Perso-Arabic elements in its Phonology, Morphology and Syntax its vocabulary.
- (c) Dakhani Urdu- Its origin and developments, its significant linguistic features.
- (d) The significant features of the Dakhani Urdu literature (1450-1700)- The two classical backgrounds of Urdu Literature –Perso-Arabic and Indian – Mysnavi, Indian Tales – the influence of the the west on Urdu literaclassical genres – Ghazal, Masticism – Qasida, Rubai-Qita, Prose, Fiction, Modern Genres Blank Verse, Free Verse, Novel. Short Stories, Drama-Literary criticism and Essay.

Section- II

The paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

PROSE

1. Mir Amman – Bagh-O Bahar.
2. Ghalib- Khatu-e-Ghalib (Anjuman Tarraque-e-Urdu).
3. Kalimuddin Ahmad – Urdu Tanqueed Per Aik Nazar.
4. Ruswa – Uma O Jan Ada.
5. Prem Chand – Wardat.
6. Abdual Kalam Azad – Ghubar-e-Khatir.
7. Imtiaz Ali Taj – Anar Kali

POETRY

8. Mir – Intikhab-e-Kalam-G-Mir,Ed. Abdul Haq
9. Sauda- Qasaid (including Hajwiyat)
10. Ghalib – Diwan-e-Ghalib.
11. Iqbal – Bal-a-Gibrail
12. Josh Malihabadi – Saif Subu
13. Shad Azimabadi – Kulliyat –e- Shad.
14. Faiz – Kalam-e-Faiz (Complete)

32. BENGALI LANGUAGE & LITERATURE

Section- I

1. History of the Bengali Language.

- (i) Origin and development of the language.
- (ii) Major dialects of Bengali.
- (iii) Sadhu Bhasa and Chalita Bhasa.
- (iv) Problems of Standardisation and reform with special reference to spelling system alphabet and transliteration (Romanisation).

2. History of Bengali Literature.

Students are expected to be acquainted with :

- (i) The history of the Bengali Literature from the earliest period to the modern times.
- (ii) Social and cultural background of Bengali Literature.
- (iii) Sanskritic background of Bengali Literature.
- (iv) Western influence on Bengali Literature.
- (v) Modern trends.

Section- II

This paper will require first – hand reading of the text prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

1. Vaisnava Padavali.
2. Mukundaram – Chandimangal.
3. Michael Madhusudan Datta – Meghanadvadh Kavya.
4. Bankim Chandra Chattopadhyay – Krishna Kanter Vill, Kamala Kanter Deptar.
5. Rabindranath Tagore – Galpagucha (1) Chitra, Punscha Rakta Karabi
6. Sarat Chandra Chattopadhyay – Srikanta (1)
7. Pramatha Chaudhuri – Prabandha Sangraha (1)
8. Bibhuti Bhushan Bandhopadhyay – Pather Panchali.
9. Tarashankar Bandhopadhyay – Ganadevata.
10. Jibanananda Das – Banalata Sen.

33. SANSKRIT LANGUAGE & LITERATURE

Section- I

There will be four parts.

Part- 1.

- (a) Origin and development of language (from Indo-European to middle Indo-Aryan languages) (General outline only).
- (b) Significant features of the grammar with particular stress on Sandhi Karaka, Samasa and Vachya (Voice).

Part- 2. General Knowledge of literary history and Principal trends of literary criticism. Origin and development of literary, genres, including epic, drama, prose, kavaya, Lyric and Anthology.

Part- 3. Essentials of Ancient Indian Culture and Phiosophy with special stress on – Varnashrama Vyavastha, Sanskaras and Principal Phiolosophical trends.

Part- 4. Short essay in Sanskrit.

NOTE – Questions of parts (3) and (4) are to be answered in Sanskrit.

Section- II

There will be two parts.

Part- 1. General study of the following works:-

- (a) Kathopanisad.
- (b) Bhagavadgita.
- (c) Buddhachar gita – (Asvaghosha)
- (d) Swapnavasavadatta – (Bhasa)
- (e) Abhigyansakuntala (Kalidasa)
- (f) Meghaduta – (Kalidasa)
- (g) Raghuvansa – (Kalidasa)
- (h) Kumarashambhava – (Kalidasa)
- (i) Mricchakatika– (Sudraka)
- (j) Kiratarjuniyam – (Bharavi)
- (k) Sisupalavadha – (Magha)
- (l) Uttararamacharita – (Bhavabhuti)
- (m) Mudraraksasa – (Visakhadatta)
- (n) Naisadhacharitra (Sriharsa)
- (o) Rajatarangini (Kalhana)
- (p) Nitaisataka (Bharatihari)
- (q) Kadambari – (Banabhatta)
- (r) Harsacharita – (Banabhatta)
- (s) Dasakumaracharit-(Dandi)
- (t) Probodhachandrodaya-(Krishna Mishra)

Part- 2. Evidence of first hand reading of the following selected texts: -

Texts for reading (textual questions will be asked from these portions only)

1. Kathopanishad I Chapter III Valli Verses 10 to 15
2. Bhagwatgita II Chapter (13 to 25 verses)
3. Budhacharita Canto III (1 to 10 verses)
4. Svapna Vasavadatta (6th Act.)
5. Abhijnaha Shakuntalam (4th Act)
6. Meghaduta (1 to 10 opening verses)
7. Kiratarjuniyam (1st canto)
8. Uttara Ramacharitam (3rd Act)
9. Nitishataka (1 to 10 verses)
10. Kadambari (Shukanasopadesha)
11. Kautilya Arthashastra-I Adhikarana I Prakarana – 2nd Adhyaya entitled; Vidyasamuddesah. tatra anviksikishtapanam. and VII Prakarans 11th Adhayaya entitled: Gudhapurusotpatti. Prescribed editions R.P. Kangle, The Kautilya Arthashastra, Part I. A critical edition, Motilal Banarsi dass, Delhi 1986.

Note- To Part No. 2- Questions carrying minimum of 25% marks should be answered in Sanskrit.

34. PERSIAN LANGUAGE AND LITERATURE

Section- I

1. (a) Origin and development of the language (in outline)
- (b) Significant features of the grammar of the language Rhetorics Prosody.
2. Literary History and Literary criticism-Literary movements, classical background, Socio-Culture influences and Modern trends Origin and development of Modern Literary genres including Drama, Novel, Short Story, Essay.
3. Short Essay in Persian.

Section- II

This paper will require first hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidates critical ability.

1. Firdausi.

Shah Nama:

- (i) Dastan Rustam Wa Suhrab.
- (ii) Dastan Vizanba Mança.
- 2. Nizaemi Aruzi Samarquadi
Chahar Magalas.
- 3. Khayyam, Rubaiyat, (Radif Alif, Be, Dal)
- 4. Minucheheri-Qasaид (Radif Lam and Mim)
- 5. Maulana Rum Masunawi (1st Vol. 1st Half)
- 6. Sadi Shirazi
Gulistan.
- 7. Amir Khusrau.
Majmua-i-Dawawin Khusrau (Radif Alif and Te)
- 8. Hafiz
Diwan –i – Hafiz (1st half)
- 9. Abul Fazi
Ain-i- Akbari.
- 10. Bahar Mashhadī. Diwan-i-Bahar (1st Vol., 1st half)
- 11. Jawal Zadesh. Yake Bud Yake Na Bud.

Note – Candidates will be required to answer in Persian questions carrying not less than 25 per cent marks.

35. ARABIC LANGUAGE AND LITERATURE

Section- I

1. (a) Origin and development of the language in outline.
- (b) Significant features of the grammar of the Language, Rhetorics, Prosody.
2. Literary History and Literary criticism – Literary movements, classical background, Socio-Cultural influences, and modern trends, Origin and development of modern Literary genere including Drama, Novel, Short Story, Essay.
3. Short Essay in Arabic.

Section- II

This paper will require first-hand reading of the texts prescribed and will be designed to test the candidate's critical ability.

POETS:-

1. **Imraul Qais: His Maullagah:-**
"Qifaa Nabki mim Zikaa Hawibin Wa Manzili" (Complete).
2. **Zoflair Bin Abi Sulma: His Maullahqa: -**
"A min Aufaa Dimnatun Lam Takalemi" (Complete)
3. Hassan Bin Thabit: The following five Qasaيد from his Diwan:: from Qasidah no. 1 to Qasidah IV and the Qasidah:-
"Lillahi, Darni Isaabatin Nadamthuhm + Yauman BiJililage"

4. Umar Bin Abi Rabiah: 5 Ghazals from his Diwan:-

- (i) Falamma Towagafna Wa Sallamtu oshraqat Wujudhum Zahahal Husnu An-Tata guanna (Complete).
- (ii) Laita Hindan Anjazanta Ma Taidu+Wa Shaft Anfusona Mimma Tajidu (Complete).
- (iii) Katabtu Ilaiki Min Baladi + Kitaba Muwallahim Kamdi (Complete).
- (iv) Amin AAli Numin Anta Ghaadin Famubkiru Ghadia Ghandia An Raaihum Famuhajaru (Complete).
- (v) Qaalali Feeha Ateequn Maqaalan.+ Fajarat Mimma Yaqoolud dumouu (Complete).

5. Faradaq: The following 4 Qasaid from his Diwan:

- (i) "Haazal Iazi Tarriful Bathaau Watatahu" in praise of Zainul Abideen Ali Bin Hussain.
- (ii) "Zarrat Sakeenatu Atleahan Ankha Bihim" in praise of Umar Bin A. Azç.
- (iii) "Wa Kcomin Tanamul Adhyaf Ainan" in praise of Saeed Bin Al-ass (Complete)
- (iv) "Wa Atlasa Assaalin Wa maakano Sahiban" in praise of "the Wolf".

6. Bashhar Bin Murd. The following two Qasaid from his Diwan:

- (i) "Izaa Balaghara Raaiul Mashwarata Fastain + Biraai Naseehinaw Naseefate Haazimi" (Complete).
- Khaillaiya Min Kabin Aeenaa Akhookumma Allaa Darahi Innal Kareem Muinu (Complete).

7. Aba Nawas: First three Qasaid from the Diwan.

8. Shauoh. The following five Qasaid from his Diwan "Al-Shauquiyal".

- (i) "Ghaaba Boloum" (Complete).
- (ii) "Kaneesatusm Saarat Illa Masjidi" (Complete).
- (iii) "Ashloo Hawaki Ilman Yaloomu Fayaozafu" (Complete).
- (iv) "Salaamun Min Saban Baradaa Araqqu (Nakbatu Dimashk)" (Complete).
- (v) Salaamun Neel Yaa Ghandi – Wa Hazaz Zahru Min Indi" (Complete).

AUTHORS:-

1. Ibnul Muqaff: "Kaliala Wa Dimna" excluding Muqaddamah: Chapter I. Complete "Al-Asad Wa-al Thaus".
2. Al-Jahis: Al-Bayan Wat Tab: in VII edited by Abdul Salam Mohd. Haroon, Cairo, Egypt from pp. 31 to 85.
3. Ibn Khaldun: his Muqaddamah: 39 Pages, Part Six from the first Chapter: From "Al Faslul Saadis Minal Kitaabil Awal" to "Wa Min Furoodhi at Jabruwal Muqabla".
4. Mahmud Timur: Story, "Amni Mutawallji" from his book "Qaalar Raavi".
5. Taufiq Al-Hakim: Drama: "Sinnul Muntahiraa" from his book "Masrahiyat Tahiqal Hakim".

NOTE:-

Candidates will be required to answer some questions carrying not less than 25 per cent marks in Arabic also.

36. PALI LANGUAGE & LITERATURE

Section- I.

There will be four parts in this section.

Part 1.

- (a) Origin and development of the language (a general outline only, from the Indo-European to the Middle Indo-Aryan Languages), its homeland and the main characteristics.
- (b) Salient features of the grammar with particular emphasis on Sandhi, Karaka, vibhakti, Samasa, Itthipaccaya, Apacca (Bodhpacoaya) and Sankhaya (bodhakapaccaya).

Part 2. General Knowledge of the history of the literature (pitaka literature and post-pitaka literature). Principal forms of writings including analytical compositions (Meitipakarana, Petakopedesa, Milinadapanda). Chronicles (Dipavenss, Mahavansa etc.) Commentatorial expositions (Atthakathas of Buddhas, Buddhaghosa and Dhammapla), origin and development and literary genres including epic prose, Kavya, Lyric and Anthology.

Part 3. Essentials of pre-Buddhistic and post-Buddhistic India Culture and Philosophy with special reference to the four Noble-Truths. (Cattari Ariyasaccant). Tilakkhana (Dukkha Anatta and Anicca) and four Abhidhammic paramaitth as (Cita, Cetasika, Pupa and Nibbana)

Part 4. Short essay in pali (based on Budhistic themes only)

[Questions on section (3) and (4) to be answered in pali].

Section- II

There will be two parts in this section.

Part 1. General study of the following works: -

- (a) Mahavagga.
- (b) Cullavaga.
- (c) Patimokkha.
- (d) Dighamkaya.
- (e) Mjihimanikaya.
- (f) Samyuttanikaya.
- (g) Dhammapada.
- (h) Suttanipata.
- (i) Jataka.
- (j) Chergatha
- (k) Theragatha
- (l) Dhammasangani.
- (m) Kathavatthu.
- (n) Millindapanha.
- (o) Dipavansa.
- (p) Mahavansa
- (q) Atthasalini.
- (r) Visudhimagga.
- (s) Abhidhammatthasangaho.
- (t) Teleckatahagatha
- (u) Subodhalankara.
- (v) Vouttodaya.

Part 2. Evidence of the first-hand reading of the following selected texts (Textual questions will be asked from the portions mentioned against each texts).

- (i) Mahavagga (Mahakhandhaka only).
- (ii) Dighanikaya (Samannaphala-sutta only).
- (iii) Majihimanikaya (Mulapariyaya – Setta and Samma ditthisutta).
- (iv) Dhammapada (Yamaka, Vagga only).
- (v) Suttanipata (Uruga Vagga only).
- (vi) Milindapanha (Lakkhanapannho only).
- (vii) Mahavansa (Pratham –Sangiti, Dutiya-Sangiti and Tativa- Sangiti).
- (viii) Visuldhimagga (Sila niddesa only)
- (ix) Abhdhammatthasangaho.

Note to Item No. 2 (1) Questions carrying minimum 25 percent marks should be answered in pali (2) Passages for translation and annotation will be selected only from the portions given above within parenthesis.

37. MAITHILI LANGUAGE AND LITERATURE

Section- I

Part- I

- A. Origin of Maithili Language.
- B. Position of Maithili in Indo-Europeans Family of Languages.
- C. Historical Development of Maithili Language.
- D. Relationship of Maithili with Hindi, Bengali, Bhojpuri, Magahi and Santhali.
- E. Different Dialects of Maithili Languages.
- F. Characteristics of Standard Maithili.

Part-II

- A. Determination of ages in Maithili Literature and their chief characteristics/features.
- B. Development of Modern Maithili Poetry.
- C. Development of Modern Maithili Novels.
- D. Development of Modern Maithili Drama.
- E. Development of Modern Maithili Short Story.
- F. Development of Modern Maithili Essays and Criticism.

Section- II

This paper will require first hand reading of the prescribed Text and will be designed to test the candidates critical ability. Vidyapati-Vidyapati Geetawall, Maithili Academy, Patna, Poem No.- 1 to 50

Govinddas- Govinddash Bhajanawali, Maithili Academy, Patna. Poem No.- 1 to 50
 Manboth- Krishnajnanma
 Chanda Jha- Mithila Bhasha Ramayan (Sunderkant Only)
 Yatri- Chitra
 Munshi Reghunandan Das- Mithila Natak
 Aysi Prasad Singh- Suryamukhi
 Prof. Hari Mohan Jh- Kanyadan and Dwiragaman
 Prof. Ramanath Jha- Prabandh Sangrah
 Raj Kamal Choudhary- Lalka Paag.

(Sd)-Illezible
Secretary,
Bihar Public Service Commission.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
 बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
 बिहार गजट (असाधारण) 1007-571+1000-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>